राष्ट्रीय संस्करण

CopyRight - Jagran.com

भागवत बोले, सरकार के कदम डगमगाए तो देंगे सुझाव

>> 5

वर्ष 2 अंक 356

दैनिक जागरण

मूल्य ₹5.00, नई दिल्ली, सोमवार, 3 जून 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 14

सरोकार

बच्चों की खातिर 20 साल से नहीं लिया तबादला

जगदलपुर (छग) : छत्तीसगढ़ के बस्तर के जुगरू गुरुजी की कहानी गजब है। 32 वर्ष पहले पहली पोस्टिंग अबूझमाड़ के गांव लंका में हुई थी, 150 किमी पैदल चल कर सातवें दिन गांव पहुंचे। झोपड़ी बना कर स्कूल शुरू किया। आदिवासी बच्चों की खातिर 20 वर्षों से गांव में ही सेवा दे रहे हैं। (पेज-13)

जागरण विशेष

वरदान से पिछड़ी साइकिल अभिशाप से बनी पसंद

आगरा : 'लाला चलाइबे लगे साइकिल्ल, एक हाथ हैंडिल पर रक्खौ, एक पैर पैंडिल्ल..' पहले ब्रज में विदूषकों द्वारा गाया जाने वाला यह गाना उस कालखंड में लोगों के सामाजिक स्तर व साइकिल के प्रति दीवानगी का आइना था। पर्यावरण व स्वास्थ्य के लिए लोग अब फिर से साइकिल पसंद करने लगे हैं। (पेज-13)

भारत की इफ्तार पार्टी में पाक ने मेहमानों को रोका

करतूत ▸ सुरक्षा के नाम पर मेहमानों से बदसुलूकी, भारत ने जताई कड़ी आपत्ति

इस्लामाबाद के सेरेना होटल में भारतीय उच्चायोग ने किया था पार्टी का आयोजन

इस्लामाबाद, प्रेट्र : इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग की ओर से आयोजित इफ्तार पार्टी के दौरान पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारियों की बेहद नापाक हरकत सामने आई है। अधिकारियों ने जांच के नाम पर कई सम्मानित मेहमानों से बदसुलूकी की। यहां तक कि कई मेहमानों को कार्यक्रम में शामिल ही नहीं होने दिया गया। उच्चायोग ने इस घटना को द्विपक्षीय संबंधों के लिए घातक बताते हुए विरोध दर्ज कराया है और तत्काल जांच की मांग की है।

पाकिस्तान में भारतीय उच्चायुक्त अजय बिसारिया ने शनिवार को सेरेना होटल में सालाना इफ्तार पार्टी का आयोजन किया था। इसके लिए पूरे पाकिस्तान से मेहमान आमंत्रित किए गए थे। भारतीय उच्चायोग ने बताया कि यहां मेहमानों को सुरक्षाकर्मियों के हाथों अपमानजनक स्थिति का सामना करना पड़ा। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने होटल को लगभग बंधक बना लिया था। दूर-दूर से यहां पहुंचे कई मेहमानों को अंदर प्रवेश ही नहीं करने दिया गया। होटल के बाहर मुख्य सड़क पर डेरा जमाए सुरक्षाकर्मियों ने जांच को लेकर सवाल करने वाले भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों व राजनयिकों से भी बदसुलूकी की और उन्हें धमकाया। कुछ अधिकारियों को धकेलने, गालियां देने और उनके फोन छीनने की बात भी सामने आई है। यहां तक कि बतौर मेहमान शामिल होने पहुंचे कई पाकिस्तानी राजनयिकों के साथ भी सुरक्षाकर्मियों की ओर से ऐसा ही व्यवहार किया गया। उच्चायोग के मुताबिक, 300 से ज्यादा सांसदों, सरकारी अधिकारियों, मीडिया के प्रतिनिधियों, सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों, कारोबारियों और सेवानिवृत्त राजनयिकों को कार्यक्रम में नहीं शामिल होने दिया गया।

पाकिस्तान में भारत के उच्चायुक्त अजय बिसारिया। (फाइल फोटो)

उच्चायोग ने दर्ज कराया विरोध

भारतीय उच्चायोग ने इस घटना पर विरोध दर्ज कराया है। आयोग ने कहा, 'यह न केवल राजनयिक आचरण से जुड़े नियमों के खिलाफ है, बल्कि सामान्य सभ्य आचरण के भी विरुद्ध है। यह पूरी तरह दोनों देशों के बीच संबंध को नुकसान पहुंचाने वाला है। हमने पाकिस्तान सरकार से अनुरोध किया है कि तत्काल इस घटिया हरकत की जांच करे और इसके निष्कर्ष भारतीय उच्चायोग से साझा करे।'

सामान्य से ज्यादा थी सुरक्षा

कार्यक्रम में हिस्सा लेने वालों ने होटल के आसपास की सुरक्षा व्यवस्था को सामान्य से ज्यादा बताया। एक पत्रकार ने कहा, बेवजह के सवाल-जवाब और जांच के डर से उन्होंने कार्यक्रम में शामिल न होना ही बेहतर समझा। पत्रकार के मुताबिक, वहां पहुंचे मेहमानों से निमंत्रण पत्र मांगे जा रहे थे। पेशे व पहचान से जुड़े सवाल-जवाब किए जा रहे थे। इसके अलावा कुछ लोगों के पास अनजान नंबर से फोन भी आया था, जिसमें कार्यक्रम में नहीं आने को कहा गया।

पाकिस्तानी नेता भी हुए परेशान

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के वरिष्ठ नेता फरहतुल्ला बाबर ने भी इस संबंध में ट्वीट किया है। उन्होंने कहा, 'मैं इफ्तार में शामिल होने आया था। होटल सुरक्षाकर्मियों की घेरेबंदी में था। मुझे कहा गया कि इफ्तार पार्टी रद हो गई है। ज्यादा जोर देने पर मुझे दूसरे गेट पर भेज दिया गया। वह गेट भी बंद था। वहां से फिर मुख्य गेट पर भेज दिया गया। सब कुछ अजीब सा था।' बाबर ने कहा कि अधिकारी किसी ना किसी बहाने से उन्हें रोकना चाह रहे थे। हालांकि वह कार्यक्रम तक पहुंच गए।

मेहमानों को हुई असुविधा के लिए भारतीय उच्चायुक्त अजय बिसारिया ने माफी भी मांगी। उन्होंने कहा, 'मैं माफी चाहता हूं कि आप सबको यहां आने में तकलीफ का सामना करना पड़ा। हमारे कई मित्र कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके।' इफ्तार पार्टी में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान और राष्ट्रपति आरिफ अल्वी को भी आमंत्रित किया गया था। हालांकि वे कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में भारतीयों के साथ बदसुलूकी की घटनाएं आम हैं। वहां जाने वाले सैलानी हो या फिर पाकिस्तान में तैनात भारतीय राजनयिक। राजनयिकों और उनके परिवारों को तो बाजार में खरीदारी के दौरान खुफिया एजेंसी आइएसआइ के लोगों के कोप को झेलना पड़ता है। हालांकि इस संबंध में विरोध जताने पर पाकिस्तान सरकार की ओर से रटा रटाया जवाब मिलता है कि वह इस मामले की जांच कराएगा।

सेंट स्टीफंस कॉलेज के दाखिले में चर्च के दखल को चुनौती

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के प्रतिष्ठित सेंट स्टीफंस कॉलेज में दाखिला प्रक्रिया और साक्षात्कार पैनल में चर्च प्रतिनिधियों को शामिल करने का मामला हाई कोर्ट पहुंच गया है। न्यायमूर्ति सी हरिशंकर की पीठ 12 जून को इसकी सुनवाई करेगी।

कॉलेज की गवर्निंग बॉडी के तीन शिक्षक सदस्य व याचिकाकर्ता एनपी ऐश्लेए, अभिषेक सिंह और नंदिता नारायण ने कोर्ट में याचिका दायर कर मांग की है कि कॉलेज में 15 जून से दाखिले शुरू होने हैं, ऐसे में सुप्रीम काउंसिल के निर्णय पर रोक लगाई जाए। कॉलेज की गवर्निंग बॉडी की गत मार्च में हुई बैठक में फैसला लिया गया था कि छात्रों के साक्षात्कार पैनल में सुप्रीम काउंसिल को शामिल किया जाएगा। इस पर शिक्षकों का कहना था कि सुप्रीम काउंसिल में सदस्य उत्तर भारत के चर्च के प्रतिनिध होते हैं। सुप्रीम काउंसिल व गर्वनिंग बॉडी के चेयरपर्सन दिल्ली के बिशप होते हैं। ऐसे में कॉलेज की अकादमिक गतिविधियों में चर्च के सदस्यों का दखल बढ़ेगा। यह कॉलेज के संविधान का उल्लंघन है। वहीं कॉलेज प्रशासन का दावा है कि अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान होने के नाते वह इस तरह के फैसले लेने के लिए स्वतंत्र है।

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▸ पृष्ठ 3

कांग्रेस की सोशल मीडिया प्रमुख ट्विटर से गायब

नई दिल्ली : लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार और निर्मला सीतारमण को वित्त मंत्री बनने पर बधाई देने की गाज दिव्या स्पंदना पर गिरती नजर आ रही है। कांग्रेस के सोशल मीडिया विंग की प्रभारी स्पंदना ट्विटर से लापता हो गई हैं। उन्होंने अपने ट्विटर अकाउंट को निष्क्रिय कर दिया है। स्पंदना के पार्टी छोड़ने की चर्चा है। यह भी कहा जा रहा है कि उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

नेशनल न्यूज ▸ पृष्ठ 7

लू की चपेट में समूचा उत्तर भारत, तीन लोगों की मौत

नई दिल्ली : भीषण गर्मी और लू का कहर जानलेवा हो गया है। उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में तीन लोगों की लू की चपेट में आने से मौत हो गई। लू का असर सिर्फ मैदानी राज्यों में ही नहीं बल्कि पहाड़ों पर भी दिखाई दे रहा है। यहां हिमाचल के ऊना में पारा 42 डिग्री को पार कर गया। इससे पहाड़ों पर भी मौसम गर्म बना हुआ है। वहीं, मौसम विभाग ने दो दिन और लू से राहत नहीं मिलने की बात कही है।

अंतरराष्ट्रीय ▸ पृष्ठ 11

कांग्रेस की चीन की अमेरिका को युद्ध की धमकी

सिंगापुर : चीन ने रविवार को अमेरिका को युद्ध की धमकी देकर सनसनी फैला दी। चीन के रक्षा मंत्री वेई फेंग ने कहा, अमेरिका के साथ उसका युद्ध दुनिया के लिए आपदा जैसा होगा। उन्होंने अमेरिका को चेतावनी दी कि वह ताइवान और दक्षिण चीन सागर के सुरक्षा मामलों में हस्तक्षेप न करे। चीन ने यह प्रतिक्रिया हाल के महीनों में अमेरिका द्वारा ताइवान की मदद बनाने में दिया है।

क्रिकेट महाकुंभ
इंग्लैंड vs पाकिस्तान
दोपहर 3:00 बजे से
स्थान : नॉटिंघम
स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क

शीर्ष प्रबंधन और ऑडिटर्स की मिलीभगत से हुआ था आइएलएंडएफएस में घोटाला

▸ एसएफआइओ ने कहा, प्रबंधन, ऑडिटर व स्वतंत्र निदेशक तक सब शामिल

▸ आइएलएंडएफएस की सहयोगी आइएफआइएन की रही बड़ी भूमिका

नई दिल्ली, प्रेट्र : गंभीर अपराध जांच कार्यालय (एसएफआइओ) ने एनसीएलटी में दायर आरोप पत्र में इन्फ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज (आइएलएंडएफएस) ग्रुप की मौजूदा दुर्गति के लिए उसकी एक सहायक कंपनी के पिछले शीर्ष प्रबंधन, ऑडिटर्स और स्वतंत्र निदेशकों को जिम्मेदार ठहराया है। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय की इस एजेंसी का कहना है कि ग्रुप की सहायक कंपनी आइएलएंडएफएस फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (आइएफआइएन) के पिछले शीर्ष प्रबंधन ने ऑडिटर्स और स्वतंत्र निदेशकों के साथ मिलकर घोटाला करने का तानाबाना बुना और कारोबार को बपौती की तरह चलाया।

अधिकारियों ने यह भी कहा कि आइएफआइएन द्वारा रचा गया यह तानाबाना तो आइएलएंडएफएस के 90,000 करोड़ रुपये से ज्यादा के डिफॉल्ट मामले का बेहद छोटा सा अंश है। मुंबई की एक विशेष अदालत में गत शुक्रवार को दाखिल पहली चार्जशीट में एजेंसी ने केवल आइएफआइएन के कारनामों का जिक्र किया है। एजेंसी अभी पैरेंट कंपनी आइएलएंडएफएस ग्रुप और उसकी कई अन्य सहायक शाखाओं के बारे में छानबीन कर रही है।

अधिकारियों के मुताबिक एजेंसी ने आइएफआइएन के पूर्व शीर्ष अधिकारियों और स्वतंत्र निदेशकों समेत कई अन्य की संपत्तियां जब्त करने की इजाजत देने का आग्रह किया है। एजेंसी ने कंपनी के ऑडिटर्स की सभी चल-अचल संपत्तियों, बैंक खातों, लॉकर और संयुक्त मालिकाना हक वाली संपत्तियों की जब्ती की भी इजाजत मांगी है। एसएफआइओ फिलहाल आइएफआइएन द्वारा बैंकों और बाजारों से जुटाए गए सभी कर्ज और उसमें बैंकों, उसके अधिकारियों और रेटिंग एजेंसियों की भूमिका के बारे में भी सूचना एकत्रित कर रहा है।

ये हैं आरोप : पहली चार्जशीट में एसएफआइओ ने 30 इकाइयों और व्यक्तियों पर वित्तीय धोखाधड़ी समेत नियम उल्लंघन के कई आरोप लगाए हैं। इनमें से कुछ पहले से ही न्यायिक हिरासत में हैं। आइएफआइएन के शीर्ष अधिकारियों पर आपसी सांठगांठ करने, कंपनी और उसके शेयरधारकों व कर्जदाताओं के हितों की अनदेखी करने और कंपनी को गंभीर वित्तीय नुकसान पहुंचाने का आरोप है। इन पर सबसे गंभीर आरोप यह है कि इन्होंने कंपनी के दैनिक संचालन पर कब्जा करने के लिए एक ग्रुप बनाया, कर्ज बांटे और कर्जदारों को इसे नहीं चुकाने को कहा। कंपनी के ऑडिटर्स ने जान-बूझकर शीर्ष प्रबंधन से सांठगांठ की और वित्त वर्ष 2013-14 से लेकर 2017-18 तक कंपनी के अकाउंट्स में हेराफेरी की।

इस आधार पर दाखिल की चार्जशीट : एसएफआइओ ने चार्जशीट दाखिल करने से पहले बड़े पैमाने पर कई मोर्चे पर फॉरेंसिक ऑडिट की। करीब 400 कंपनियों के अकाउंट्स की छानबीन के अलावा आइएलएंडएफएस के दफ्तरों से इकट्ठा किए गए लैपटॉप और डेस्कटॉप से हासिल डाटा तथा आइएलएंडएफएस के सर्वर से लिए गए ई-मेल का भी एजेंसी ने अध्ययन किया। इसके अलावा एजेंसी ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) द्वारा की गई छानबीन की रिपोर्ट, कंपनियों की बैठकों के विवरण (मिनट्स ऑफ मीटिंग) और सरकार द्वारा नियुक्त नए निदेशक बोर्ड के आकलनों को भी चार्जशीट दाखिल करने का अधिकार बनाया।

पिछले वर्ष सामने आया था मामला : आइएलएंडएफएस का यह मामला पिछले वर्ष तब सामने आया, जब उसकी सहायक कंपनियों ने नकदी की घोर किल्लत के चलते देनदारियों पर डिफॉल्ट करना शुरू किया। मार्च 2018 के आखिर में आइएलएंडएफएस ग्रुप और उसकी कंपनियों पर 90,000 करोड़ से ज्यादा की देनदारी थी। अक्टूबर में सरकार ने ग्रुप के तत्कालीन निदेशक बोर्ड को निलंबित कर दिया और शीर्ष बैंकर उदय कोटक की अध्यक्षता में नए निदेशक बोर्ड की नियुक्ति की थी।

नई शिक्षा नीति जुलाई के पहले हफ्ते में होगी लागू

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

नई शिक्षा नीति तैयार करने में भले ही लंबा वक्त लगा है, लेकिन इसको लागू करने में सरकार कतई लंबा इंतजार नहीं कराएगी। इसे लेकर तैयारी तेज कर दी गई है। फिलहाल तय योजना के तहत इसे जुलाई के पहले हफ्ते में ही अंतिम रूप देकर लागू कर दिया जाएगा। नई शिक्षा नीति बनाने का काम वर्ष 2015 में शुरू किया गया था। मोदी सरकार ने अपने एजेंडे में इसे प्रमुखता से शामिल किया था।

इस बीच, सरकार ने नई शिक्षा नीति के ड्राफ्ट को लेकर आ रहे सुझावों पर भी काम शुरू कर दिया है। प्रत्येक सुझावों को गंभीरता से परखा जा रहा है। इन सुझावों पर प्रधानमंत्री कार्यालय की भी पैनी नजर है। सुझावों के लिए हालांकि अंतिम तारीख 30 जून की है। बावजूद इसके नई शिक्षा नीति का ड्राफ्ट तैयार करने वाली कमेटी इसे लेकर मिल रहे हर दिन के सुझावों को सूचीबद्ध करने और परखने में जुटी है। नई शिक्षा नीति लागू करने को लेकर सरकार की दिलचस्पी इसलिए भी है, क्योंकि यह नई सरकार के सौ दिन के कामकाज के एजेंडे में शामिल है। यही वजह है कि नई सरकार के गठन के तुरंत बाद नई शिक्षा नीति के ड्राफ्ट को जारी किया गया। हालांकि इसके जारी होते ही भाषा जैसे मुद्दों को लेकर विरोध के सुर भी उठे, लेकिन सरकार ने इसके तूल पकड़ने से पहले ही पूरी स्थिति स्पष्ट करके उसे ठंडा कर दिया। सरकार ने साफ किया है कि वह नई शिक्षा नीति के जरिए किसी पर कुछ थोपने नहीं जा रही है। खास बात यह है कि नई शिक्षा नीति को लेकर शुरू से ही विरोध के सुर उठते रहे हैं। यही वजह है कि सरकार अब तक इसे आगे बढ़ाने से बचती रही है। हालांकि इस सब के बीच नीति के ड्राफ्ट को तैयार में जुटी टीम के एक वरिष्ठ सदस्य ने बताया कि नीति में विवाद जैसा कुछ नहीं है। नीति पूरे वैज्ञानिक नजरिए से तैयार की गई है। इनमें देश की संस्कृति को जीवित रखने की कोशिश की गई है। (पेज-3 भी देखें)

▸ ड्राफ्ट पर मिले सुझावों पर काम शुरू, इन पर पीएमओ की पैनी नजर

▸ मोदी सरकार के कामकाज के सौ दिन के एजेंडे में है यह शामिल

शिक्षा व्यवस्था में सुधार सरकार के एजेंडे में है। फाइल फोटो

कई हिस्सों में लागू होगी नीति

नई शिक्षा नीति के अमल की योजना पर काम कर रहे मानव संसाधन विकास मंत्रालय के वरिष्ठ अफसरों के मुताबिक नीति को अलग-अलग चरणों में लागू किया जाएगा। फिलहाल इसे भी सूचीबद्ध किया जा रहा है। इसके साथ ही ड्राफ्ट कमेटी ने भी सरकार को इसके अमल को लेकर एक रोडमैप सुझाया है। इसके तहत इसे बेहतर तरीके से लागू कर लक्ष्य तक पहुंचा जा सकता है। देश में तीस वर्षों के बाद यानी वर्ष 1993 के बाद शिक्षा नीति पर काम किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मसौदा इसरो के पूर्व अध्यक्ष के.कस्तूरीरंगन के नेतृत्व में तैयार किया गया है। इसे इसी शुक्रवार को एचआरडी मंत्री पद संभालने वाले रमेश पोखरियाल निशंक को सौंपा जा चुका है।

जेट के 900 और कर्मियों को नौकरी देगी स्पाइसजेट

सियोल : स्पाइसजेट के सीएमडी अजय सिंह ने रविवार को एक साक्षात्कार में कहा कि जेट एयरवेज का परिचालन बंद होने के बाद उन्होंने अब तक उसके करीब 1,100 कर्मचारियों को नौकरी दी है। उम्मीद है यह संख्या बढ़कर 2,000 तक पहुंच सकती है। नई नियुक्ति में अधिकतर पायलट, केबिन क्रू, एयरपोर्ट सेवा और सुरक्षा से जुड़े लोग शामिल होंगे। अजय सिंह रविवार को ही इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आइएटीए) के बोर्ड सदस्य नियुक्त किए गए हैं। (पेज-10)

विश्वकप में उलटफेर, बांग्लादेश ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

लंदन : लंदन के ओवल मैदान पर बांग्लादेश ने रविवार को विश्वकप मुकाबले में बड़ा उलटफेर करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 21 रन से हरा दिया। बांग्लादेश ने मुशिफकुर रहीम (78) और शाकिब अल हसन (75) के अर्धशतकों की मदद से 50 ओवरों में छह विकेट पर 330 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका आठ विकेट पर 309 रन ही बना सकी। बांग्लादेश एशिया की पहली टीम है, जिसने इस विश्वकप में जीत हासिल की है। पाक, श्रीलंका व अफगानिस्तान ने अपने मुकाबले गंवाए थे। बांग्लादेश ने विश्व कप में अपना सर्वोच्च स्कोर भी बनाया। (पेज-12)

अमेरिकी वीजा के लिए देना होगा पांच साल के सोशल मीडिया का रिकॉर्ड

▸ वीजा नियमों में बदलाव, दुरुस्त कर लें अपने सोशल अकाउंट

▸ अमेरिकी प्रशासन ने कहा, देश की सुरक्षा के मद्देनजर उठाया गया कदम

वाशिंगटन, प्रेट्र : अगर आप अमेरिका जाने की सोच रहे हैं तो सबसे पहले अपने सोशल अकाउंट को दुरुस्त कर लें, क्योंकि अमेरिका ने अपने वीजा नियमों में बदलाव किया है। अमेरिका में विदेशी नागरिकों की बारीकी से जांच करने के लिए अपनाई गई नीति के तहत यहां प्रवेश के लिए लगभग सभी वीजा आवेदकों को सोशल मीडिया के इस्तेमाल के बारे में जानकारी देनी होगी।

विदेश विभाग ने शनिवार को एक नई नीति अपनाई है जिसके तहत अस्थायी आगंतुकों समेत सभी वीजा आवेदकों को अन्य जानकारी के साथ-साथ एक ड्रॉप डाउन मेनू में अपने सोशल मीडिया पहचानकर्ताओं को सूचीबद्ध करने की जरूरत होगी। सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं करने वाले आवेदकों के पास इसमें एक अन्य विकल्प मौजूद होगा ताकि वे यह बता सकें कि वे इनका इस्तेमाल नहीं करते हैं। अबतक इस ड्राप डाउन मेनू में केवल बड़े सोशल मीडिया वेबसाइटों की जानकारी थी, लेकिन अब इसमें आवेदकों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली सभी साइटों की जानकारी देने की सुविधा उपलब्ध होगी। एक अधिकारी ने बताया, 'यह अमेरिका में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले सभी विदेशी नागरिकों की बारीकी से जांच के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।'

अधिकारी ने बताया, 'हाल के वर्षों में जैसा हमलोगों ने दुनिया भर में देखा है कि आतंकवादी भावनाओं और गतिविधियों के लिए सोशल मीडिया एक बड़ा मंच हो सकता है। यह आतंकवादियों, जन सुरक्षा के खतरे और अन्य खतरनाक गतिविधियों की पहचान करने का एक उपकरण साबित होगा। इससे ऐसे लोगों को न तो आव्रजक लाभ मिलेगा और न ही अमेरिकी धरती पर पैर जमाने की सुविधा होगी।' अधिकारी के अनुसार जो कोई अपने सोशल मीडिया को लेकर गलत जानकारी देगा उसे गंभीर आव्रजन परिणाम भुगतने होंगे। उल्लेखनीय है कि भारत समेत दुनिया के तमाम देशों के लोग अमेरिकी वीजा के लिए हर साल आवेदन करते हैं।

मांगी जा सकती हैं और भी जानकारियां

अमेरिकी वीजा आवेदक को अपने पांच साल के सोशल मीडिया के रिकॉर्ड के अलावा अपने पुराने पासपोर्ट का ब्योरा और नंबर, पांच साल के दौरान इस्तेमाल किए गए ईमेल अड्रेस और फोन नंबर और 15 साल की बायोलॉजिकल जानकारी जैसे कि कहां-कहां रहे, कहां पढ़ाई या नौकरी की और किन जगहों की यात्रा की- जैसी जानकारियां भी देनी पड़ सकती हैं।

यह है हकीकत

देश के सर्वाधिक बेरोजगारी वाले 10 शहरों में पांच उत्तर प्रदेश के, महाराष्ट्र के वसई-विरार में बेरोजगारी दर सबसे कम, एनसीआर में फरीदाबाद इस मामले में बेहतर

देश में बेरोजगारी में प्रयागराज टॉपर, दूसरे नंबर पर मेरठ

हरिकिशन शर्मा, नई दिल्ली

देश में बेरोजगारी दर के मामले में उत्तर प्रदेश का प्रयागराज शहर टॉप पर है। यही नहीं सर्वाधिक बेरोजगारी दर वाले देश के दस शहरों में यूपी के पांच शहर शामिल हैं। दूसरे नंबर पर मेरठ और महाराष्ट्र का पुणे तीसरे स्थान पर है। इन शहरों में बेरोजगारी दर राष्ट्रीय औसत से बहुत अधिक है। वहीं सबसे कम बेरोजगारी दर महाराष्ट्र के पालघर जिले के वसई-विरार और गुजरात के राजकोट में है। इसी तरह एनसीआर में सबसे कम बेरोजगारी दर फरीदाबाद में हैं।

सरकारी संस्था नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) के 'पीरिओडिक लेबर फोर्स सर्वे' में यह आंकड़े सामने आए हैं। यह सर्वे जुलाई 2017 से जून 2018 के बीच हुआ था और इसकी रिपोर्ट इस साल 31 मई को जारी की गई है। इस सर्वे में 10 लाख से अधिक आबादी वाले 45 शहरों को शामिल किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक इन शहरों में सर्वाधिक 8.9 प्रतिशत बेरोजगारी दर प्रयागराज में है जबकि 8.5 प्रतिशत बेरोजगारी दर के साथ मेरठ दूसरे नंबर पर और 7.5 प्रतिशत बेरोजगारी दर के साथ पुणे तीसरे नंबर पर है। इसी तरह महाराष्ट्र का पिंपरी-चिंचवड शहर चौथे, राजस्थान का कोटा पांचवें, कानपुर छठे, गाजियाबाद सातवें, धनबाद आठवें, लखनऊ नौवें और पटना दसवें स्थान पर है।

बेरोजगारी के आंकड़े चिंतित करने वाले हैं। फाइल

एनएसएसओ की 45 शहरों की इस सूची में यूपी के कुल सात शहर-प्रयागराज, मेरठ, लखनऊ, कानपुर, गाजियाबाद, वाराणसी और आगरा शामिल हैं। यूपी के सिर्फ दो शहर वाराणसी और आगरा ही ऐसे हैं जहां बेरोजगारी दर अपेक्षाकृत कम है। वाराणसी में बेरोजगारी दर 3.6 फीसद और आगरा में 2.1 प्रतिशत है। इस सूची में मध्य प्रदेश के तीन शहर-ग्वालियर, भोपाल और इंदौर शामिल हैं। हालांकि, इन तीनों शहरों में बेरोजगारी दर काफी कम है। इसी तरह रांची में भी बेरोजगारी दर काफी कम है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सबसे कम बेरोजगारी दर फरीदाबाद में 3.3 फीसद है जबकि दिल्ली में यह 3.9 और गाजियाबाद में 6.3 प्रतिशत है। देश में सबसे कम बेरोजगारी दर 0.1 प्रतिशत महाराष्ट्र के वसई-विरार शहर में है। वसई-विरार के अलावा देश में सिर्फ तीन शहर- राजकोट(0.3), मदुरै(0.6) और नासिक (0.9) ऐसे हैं जहां बेरोजगारी दर एक प्रतिशत से कम है। अगर पुरुष और महिला बेरोजगारी दर की अलग-अलग बात करें तो 12.9 प्रतिशत पुरुष बेरोजगारी दर के साथ मेरठ पूरे देश में अव्वल है जबकि राजस्थान का कोटा 11.7 प्रतिशत के साथ दूसरे नंबर पर और 11.3 प्रतिशत के साथ प्रयागराज तीसरे नंबर पर है। हालांकि इन शहरों में महिला बेरोजगारी दर अपेक्षाकृत कम है।

प्रमुख शहरों में बेरोजगारी दर

शहर	बेरोजगारी दर(फी.)	शहर	बेरोजगारी दर(फी.)
प्रयागराज	8.9	फरीदाबाद	3.3
मेरठ	8.5	अहमदाबाद	3.3
पुणे	7.5	वडोदरा	3.3
कोटा	6.8	लुधियाना	2.8
कानपुर	6.6	ठाणे	2.8
गाजियाबाद	6.3	औरंगाबाद	2.7
धनबाद	6.0	जोधपुर	2.6
लखनऊ	5.9	ग्वालियर	2.4
पटना	5.6	भोपाल	2.4
ग्रेटर हैदराबाद	5.3	आगरा	2.1
श्रीनगर	5.2	रांची	2.1
कोयंबटूर	4.5	हावड़ा	1.9
रायपुर	4.4	जयपुर	1.7
चेन्नई	4.4	नवी मुंबई	1.7
दिल्ली	3.9	इंदौर	1.6
कोलकाता	3.9	नागपुर	1.6
बेंगलुरु	3.7	सूरत	1.1
अमृतसर	3.6	नासिक	0.9
वाराणसी	3.6	मदुरै	0.6
		वसई-विरार	0.1

पश्चिम बंगाल के कॉलेजों ने ऑनलाइन दाखिले में दिए धर्म के विकल्प

जागरण संवाददाता, कोलकाता

▸ दाखिला फार्म में 'मानवता', और 'धर्मनिरपेक्ष' जैसे शब्दों को जोड़ा

▸ राज्य के 50 कालेजों ने की है यह पहल शिक्षाविदों व छात्रों ने किया समर्थन

कोलकाता समेत पश्चिम बंगाल के कम से कम 50 कॉलेजों ने अपने ऑनलाइन दाखिला पत्र में धर्म के साथ 'मानवता', 'धर्मनिरपेक्ष', 'गैर-धार्मिक' और 'अनीश्वरवादी' जैसे विकल्पों को शामिल किया है। बेथून कॉलेज की चेयरपर्सन ममता राय ने बताया कि इस पहल का दाखिले संबंधी मानदंडों से कोई लेना-देना नहीं है। कुछ आवेदनकारी छात्र-छात्रा अपनी धार्मिक आस्था को गोपनीय रखना चाहते हैं तो कुछ का कहना है कि वे किसी धर्म में नहीं बल्कि मानवता में यकीन करते हैं इसलिए इन विकल्पों को शामिल किया गया है। कॉलेज की दाखिला कमेटी में गहनता से विचार-विमर्श के बाद यह कदम उठाया गया है। वैसे ही आवेदन पत्र में धर्म वाली जगह भरना अनिवार्य नहीं होता है।

बेथून कॉलेज की तरह मौलाना आजाद कॉलेज, राममोहन कॉलेज, महाराजा शिरीष चंद्र कॉलेज, मेदिनीपुर कॉलेज, बारासात कालेज समेत अन्य कई ने ये विकल्प दिए हैं। बारासात कॉलेज के एक अधिकारी ने कहा, प्रबंधन द्वारा उठाया गया यह कदम प्रभावकारी साबित होगा।

शिक्षाविदों एवं छात्र-छात्राओं के एक वर्ग ने इस कदम का समर्थन किया है। प्रेसिडेंसी विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर ने कहा, यह एक ऐतिहासिक कदम है, हालांकि उनका मानना है कि मानवता की जगह मानवतावाद का विकल्प दिया जाना ज्यादा उचित होता। बेथून कॉलेज की एक छात्रा ने कहा कि यह प्रगतिशील पहल है। वहीं एक छात्र ने कहा कि हम किसी धर्म विशेष के अनुयायी हो सकते हैं लेकिन यह हमारी पहचान नहीं होनी चाहिए और हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि धर्म किसी की अपनी पसंद होनी चाहिए। गौरतलब है कि विभिन्न कालेजों के दाखिला आवेदन पत्र में अब 'तीसरे लिंग' का विकल्प भी दिया गया है।

www.jagran.com | राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 3 जून 2019

1.63 लाख छात्रों ने डीयू में स्नातक पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए आवेदन किया है रविवार तक। इनमें से 78,066 छात्रों ने आवेदन शुल्क जमा कर दिया है। दाखिला प्रक्रिया 30 मई से शुरू हो चुकी है।

मेक इन इंडिया के तहत फर्जी योजना में आइआइटीएन धरा

धोखाधड़ी ▸ दो करोड़ लोगों को फ्री लैपटॉप देने का दे रहा था झांसा

भाई के साथ मिलकर मेक इन इंडिया के लोगो और पीएम के फोटो का किया दुरुपयोग

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

वेबसाइट बनाकर मेक इन इंडिया के तहत दो करोड़ युवाओं को फ्री लैपटॉप देने की फर्जी योजना चलाने वाले आइआइटी से पोस्ट ग्रेजुएट इंजीनियर और उसके भाई को साइबर सेल ने गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने वेबसाइट में मेक इन इंडिया के लोगो और प्रधानमंत्री के फोटो का दुरुपयोग किया था। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान राजस्थान के नागौर जिले के रहने वाले राकेश जांगिड़ व निरंजन के रूप में हुई है। राकेश ने बताया कि वह वेबसाइट को लोकप्रिय करके विज्ञापन के जरिये पैसे कमाना चाहता था। पंजीकरण करने वाले लोगों के डाटा का भी दुरुपयोग किए जाने की तैयारी थी।

राकेश जांगिड़। (फाइल)

डीसीपी अन्वेश रॉय ने बताया कि राकेश जांगिड़ को हैदराबाद की नामी कंपनी में नौकरी मिली थी, लेकिन जल्दी पैसा कमाने के लिए उसने हुनर और तकनीक का गलत प्रयोग करना शुरू किया। उसने <e> modi_laptop.wishguruji.com नाम से वेबसाइट बनाई थी। इसमें भाजपा की केंद्र में दूसरी बार सरकार बनने के बाद दो करोड़ लोगों को फ्री लैपटॉप दिए जाने के लिए पंजीकरण कराने की सूचना दी गई। वेबसाइट और योजना के सही न होने पर साइबर सेल ने स्वयं 31 मई को मामला दर्ज करके छानबीन शुरू की।

जांच करने पर पता लगा कि फर्जी योजना के झांसे में आकर मात्र दो दिन में 15 लाख लोग वेबसाइट पर विजिट कर चुके हैं। साइबर सेल ने आइपी एड्रेस और वेबसाइट के पंजीकरण व अन्य चीजों की जांच करके वेबसाइट बनाने व उसका संचालन करने वाले राकेश जांगिड़ और इसमें सहयोग करने वाले उसके भाई निरंजन को नागौर के पुडलोटा से गिरफ्तार कर लिया।

झूठी योजना का किया गया प्रचार : अधिक से अधिक लोगों को झांसे में लेने लिए झूठी योजना का प्रचार किया गया। इसमें बताया गया कि नरेंद्र मोदी के दोबारा प्रधानमंत्री बनने की खुशी में मेक इन इंडिया के तहत दो करोड़ युवाओं को मुफ्त लैपटॉप देने का एलान किया गया है। अभी तक 30 लाख युवा सफलतापूर्वक आवेदन कर चुके हैं। अब आपकी बारी है। अंतिम तिथि से पहले अपना आवेदन जल्द से जल्द सबमिट करें।

दो सेकेंड की जल्दबाजी में मंत्रालय के निदेशक का कटा चालान

जासं, नोएडा : दिल्ली स्थित विद्युत मंत्रालय के निदेशक की कार का नोएडा में चालान कट गया। इसकी जानकारी उन्हें तब हुई जब डाक के माध्यम से उनके घर पर चालान पहुंचा। निदेशक के चालक संजय ने बताया कि वह निदेशक को एक नवंबर 2018 को लेकर सेक्टर-24 स्थित एनटीपीसी के कार्यालय आए थे। मीटिंग खत्म होने के बाद वह उन्हें लेकर दिल्ली के लिए जा रहे थे। सेक्टर-20 स्थित चौराहे पर पहुंचे। तभी लाल बत्ती हो गई। पीली लाइट जलने पर वह कार लेकर चले गए थे। कुछ दिन पहले ही उन्हें पता चला कि जेब्रा लाइन क्रॉस करने पर चालान कट गया है। यातायात विभाग से मिले चालान में बताया गया है कि उन्होंने ग्रीन सिग्नल होने से मात्र दो सेकेंड पहले जेब्रा लाइन क्रॉस की थी। शुक्रवार को उन्होंने विभाग में आकर चालान का जुर्माना भरा।

दूसरी ओर मूलरूप से अलीगढ़ निवासी मनोज कुमार कार का चालान कटने से हैरान हैं। वह सेक्टर-81 में रहते हैं। उनका कहना है कि उन्होंने कार आठ माह पहले गांव भेज दी थी। तभी से कार गांव में ही है और उसे चलाने वाला कोई नहीं है। इसके बाद भी 31 मार्च को उनकी कार का नोएडा में चालान कट गया है। विभाग से चालान पहुंचने पर उन्होंने छानबीन की। पता चला कि उनकी कार की नंबर प्लेट लगाकर अन्य कार चलाई जा रही है।

मोबाइल लूट कर भेज देते थे नेपाल

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक ऐसे अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है जो दिल्ली-एनसीआर से चोरी, झपटे व लूटे गए स्मार्ट फोन खरीदकर उन्हें नेपाल व अन्य देशों में भेज देता था। क्राइम ब्रांच ने गिरोह के आठ गुर्गों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक आरोपित की दुकान पर छापा मार पुलिस ने 60 लाख रुपये मूल्य के 311 स्मार्ट फोन बरामद किए हैं। इन फोन के आइएमइआइ नंबर नहीं बदले गए हैं। वहां आइएमइआइ नंबर बदलने की जरूरत नहीं पड़ती है। ऐसे में वहां चोरी के स्मार्ट फोन महंगी दरों पर आसानी बिक जाते हैं।

डीसीपी क्राइम ब्रांच के मुताबिक, 25 मई को फरीदाबाद निवासी गुंजन ने शिकायत की थी कि जब वह किसी काम से कनॉट प्लेस आई थीं तो एक्टिवा सवार झपटमार उनका फोन ले उड़े। पुलिस छानबीन कर रही थी कि एक जून को क्राइम ब्रांच के इंटर स्टेट सेल को सूचना मिली कि एक गिरोह दिल्ली-एनसीआर से झपटे गए फोन को नेपाल भेजने का काम करता है। छानबीन से पता चला कि गिरोह में सात गुर्गे हैं, जो इसे अंजाम दे रहे हैं। एसीपी जसबीर सिंह, इंस्पेक्टर गुरमीत सिंह की टीम ने करोलबाग में नरेश कुमार की दुकान पर छापा मार पहले उसे गिरफ्तार किया, फिर छह अन्य को भी अलग-अलग जगहों से दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपित नरेश कुमार बापा नगर करोलबाग, मुकेश पदम सिंह नगर करोलबाग, नरेश टैंक रोड करोलबाग, राजन नबी करीम पहाड़गंज, गोपाल पाठक करावल नगर, रोहित किराड़ी सुलेमान नगर के रहने वाले हैं, जबकि नेपाल निवासी राम सिंह मजनू का टीला में रहता था।

क्राइम ब्रांच की गिरफ्त चोरी के मोबाइल को नेपाल भेजने वाले गिरोह के सात सदस्य। (दिल्ली पुलिस से प्राप्त फोटो)

मोबाइल की दुकान के जरिये चलता था नेटवर्क : नरेश कुमार की करोलबाग में मोबाइल रिपेयर की दुकान है। वह पहले गफ्फार मार्केट में मोबाइल की दुकान पर काम करता था। पिछले दो साल से इसने अपनी दुकान खोल ली। इसकी दुकान से पुलिस ने 211 स्मार्ट फोन बरामद किए। वह मुकेश, राजन, गोपाल पाठक व रोहित से लूटे व झपटे गए स्मार्ट फोन खरीदकर उन्हें राम सिंह को सौंप देता था। राम सिंह इन मोबाइल फोन को नेपाल में बैठे एक अन्य गिरोह को पहुंचा देता था। राम सिंह, नेपाल में सक्रिय गिरोह का गुर्गा है, जिसे तनख्वाह मिलती है। मुकेश कुमार लुटेरों से मोबाइल खरीदकर उन्हें नरेश कुमार को बेच देता था। नरेश, राजन, गोपाल पाठक व रोहित भी झपटमारों व लुटेरों से स्मार्ट फोन खरीदकर उन्हें नरेश कुमार को बेच देते थे। इनसे 100 फोन बरामद हुए हैं।

तिहाड़ में कैदियों के लिए देश की पहली स्मार्ट क्लास तैयार

गौतम कुमार मिश्रा, नई दिल्ली : कैदियों के लिए देश की पहला स्मार्ट क्लास तिहाड़ में बनकर तैयार है। इसे जेल प्रशासन की ओर से ओएसिस (मरुद्यान) नाम दिया गया है। यहां कैदी ई-लर्निंग और डिजिटल बुक से पढ़ाई करेंगे। शीघ्र ही जेल महानिदेशक अजय कश्यप इस केंद्र का उद्घाटन करेंगे।

तिहाड़ जेल संख्या-चार में बनकर तैयार केंद्र के बारे में जेल अधीक्षक राजेश चौहान ने बताया कि वैसे तो तिहाड़ में किताबों और ब्लैक बोर्ड पर कैदियों को पढ़ाया जाता रहा है, लेकिन अब प्रोजेक्टर के माध्यम से पढ़ाई होने से सब सजीव नजर आएगा। स्मार्ट क्लास में कैदी बिना किताबों के ही पढ़ सकेंगे। कोर्स समेत अन्य आवश्यक किताबें डिजिटल रूप में यहां अपलोड रहेंगी। विभिन्न विषयों में नई-नई तकनीक की जानकारी भी कैदी ले सकेंगे। साथ ही किसी चीज की वीडियो, फोटो और स्केच के जरिये वे कठिन से कठिन बातों को आसानी से समझ सकेंगे। स्मार्ट क्लास के लिए कंप्यूटर लैब, वाईफाई, प्रोजेक्टर समेत अन्य जरूरी सुविधाओं का इंतजाम किया गया है। स्मार्ट क्लास के लिए तीन बड़े कमरे बनाए गए हैं। दो कमरों को कंप्यूटर लैब बनाया गया है। एक कमरे में 20 तथा दूसरे कमरे में 18 कंप्यूटर लगाए गए हैं।

पूर्व चीफ जस्टिस आरएम लोढ़ा से एक लाख की ठगी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▸ जालसाज ने पूर्व जस्टिस बीपी सिंह की मेल हैक कर की वारदात, मुकदमा दर्ज

▸ मेल भेजने वाले ने फोन पर उपलब्ध न होने की बात कह तत्काल आर्थिक मदद करने की लगाई थी गुहार

पूर्व चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआइ) आरएम लोढ़ा से ऑनलाइन ठगी का मामला प्रकाश में आया है। जालसाज ने लोढ़ा के साथी की ई-मेल आइडी हैक कर उन्हें मेल पर आर्थिक मदद मांगी और एक लाख रुपये खाते में ट्रांसफर करवा लिए। मामले में मालवीय नगर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पूर्व सीजेआइ लोढ़ा परिवार समेत पंचशील पार्क में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 19 अप्रैल की रात करीब 1.40 बजे उनकी ई-मेल आइडी पर सर्वोच्च न्यायालय में उनके पुराने साथी व रिटायर्ड जस्टिस बीपी सिंह की मेल आइडी से एक मेल आया। दोनों रिटायर्ड जस्टिस से इस मेल पर पहले भी कई बार बात चुके थे। मेल करने वाले ने फोन पर उपलब्ध न होने की बात कह तत्काल आर्थिक मदद करने की गुहार लगाई। इस पर पूर्व सीजेआइ आरएम लोढ़ा ने उनकी मेल का जवाब दिया और पूरी बात जानी। जालसाज ने फिर जस्टिस बीपी सिंह की ई-मेल आइडी से मेल कर जवाब दिया कि उनके भाई गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं और तत्काल पैसों की जरूरत है। मेल करने वाले ने एक अकाउंट नंबर भेजा, जिसे उसने इलाज कर रहे डॉक्टर का बताया। इसके बाद पूर्व सीजेआइ ने उस अकाउंट में एक लाख रुपये दो बार में ट्रांसफर कर दिए।

> **ऐसे हुई जालसाजी की जानकारी**
>
> पूर्व जस्टिस बीपी सिंह की मेल आइडी हैक होने के बाद वह इसका इस्तेमाल नहीं कर पा रहे थे। ऐसे में उन्होंने 30 मई को अपनी मेल आइडी री-स्टोर की। इसके बाद उन्होंने अपनी मेल से एक मेल संपर्क सूची में मौजूद सभी लोगों को भेजा। इसमें उन्होंने बताया कि गत 18-19 अप्रैल की रात को किसी ने उनकी मेल आइडी हैक कर ली थी। पूर्व सीजेआइ लोढ़ा ने पूर्व जस्टिस बीपी सिंह की मेल देखी तो उन्हें ठगी की जानकारी हुई। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। डीसीपी विजय कुमार का का कहना है कि शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चिकित्सा क्षेत्र में जितना प्राइवेट सेक्टर बढ़ेगा, इलाज उतना सस्ता होगा : राजनाथ

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद

देश में चिकित्सा संसाधनों की कमी बताते हुए देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इस क्षेत्र में प्राइवेट सेक्टर का आना जरूरी है। सरकार भी प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप मोड को प्रमोट करने की भरपूर कोशिश कर रही है। चिकित्सा क्षेत्र में जितना प्राइवेट सेक्टर बढ़ेगा, इलाज उतना ही सस्ता होगा। रविवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने संजयनगर सेक्टर-23 स्थित यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं कैंसर इंस्टीट्यूट का शुभारंभ किया। उनके साथ भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि रक्षामंत्री के तौर पर राजनाथ सिंह देश की सुरक्षा व्यवस्था को और भी मजबूत करने का कार्य करेंगे। इस अवसर पर कैंसर फाइटर डा. वीना गुप्ता ने अपने अनुभव साझा किए।

रक्षामंत्री ने कहा कि डा. वीना गुप्ता की तरह अगर लोगों का आत्मबल मजबूत है तो बड़ी से बड़ी चुनौतियों को पार कर सकता है। उन्होंने कहा कि देश में जितने अस्पताल होने चाहिए, उतने अभी नहीं है। ऐसे में यह कैंसर इंस्टीट्यूट गाजियाबाद के अलावा एनसीआर के लोगों को भी राहत देगा। कैंसर के इलाज के अलावा इससे बचाव के लिए जागरूकता कार्यक्रम भी समय-समय पर अस्पताल प्रबंधन चलाए। इसके अलावा सेना के जवानों और अन्य सुरक्षा इकाइयों से अगर कोई कैंसर का मरीज आता है तो अस्पताल प्रबंधन से उन्होंने फीस में कुछ छूट देने का भी अनुरोध किया। अस्पताल प्रबंधन की ओर से डा. दिनेश अरोड़ा, डा. शशि अरोड़ा आदि ने रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का स्वागत किया।

संजयनगर स्थित यशोदा सुपरस्पेशलिटी अस्पताल एवं कैंसर इंस्टीट्यूट के शुभारंभ के मौके पर विचार रखते राजनाथ सिंह। जागरण

डा. दिनेश अरोड़ा ने कहा कि कैंसर इंस्टीट्यूट को शुरू करने का उद्देश्य चिकित्सा सेवाओं में अभाव को खत्म करना है। कैंसर का संपूर्ण निदान यहां होगा।

चिकित्सा भी अपने आप में मिशन : रक्षामंत्री ने कहा कि चिकित्सा भी अपने आप में एक मिशन है। देश में चिकित्सा के क्षेत्र में जो कमियां हैं, उन्हें सरकार दूर कर रही है। जीडीपी का 1.16 फीसदी हम चिकित्सा पर खर्च करते हैं। सरकार की कोशिश रहेगी कि इसे 2.5 फीसदी तक ले जाएं। देश में मरीजों के अनुपात में चिकित्सकों, नर्सो और अस्पतालों में बेड की काफी कमी है। ऐसे में प्राइवेटाइजेशन को बढ़ावा देने से सुविधाएं बढ़ेंगी और इलाज सस्ता होगा।

श्रीमहंत के पैर छूकर लिया आशीर्वाद : दूधेवश्वर नाथ मठ मंदिर के श्रीमहंत नारायण गिरि ने मंच पर रक्षामंत्री के साथ थे। कार्यक्रम से लौटते हुए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं से भी उन्होंने मुलाकात की। मंच से भी उन्होंने कई पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार किया। हालांकि मीडिया से बात करने से उन्होंने मना कर दिया।

विधायक की दबंगई बस का टोल मांगने पर कर्मचारियों को धुना

संस, जेवर : जेवर टोल प्लाजा पर टोलकर्मी द्वारा बस का टोल टैक्स मांगने पर गुस्साए बस के मालिक व गढ़ मुक्तेश्वर के विधायक कमल सिंह मलिक ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर टोलकर्मियों की धुनाई कर दी और बिना टोल टैक्स दिए बस को निकाल ले गए। टोलकर्मियों ने पुलिस से शिकायत कर विधायक व उनके समर्थकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित टोल प्लाजा कर्मी रामेश्वर दिवाकर व रवि कुमार ने जेवर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि रविवार दोपहर सवा तीन बजे एक निजी बस नंबर यूपी 15-ईटी 2137 जैसे ही टोल प्लाजा के नौ नंबर गेट पर पहुंची तो टोलकर्मी ने बस चालक से टोल टैक्स मांगा। बस चालक ने विधायक की बस होने का हवाला देते हुए बिना टोल दिए बस निकालने को कहा। टोलकर्मी ने जब चालक से विधायक का परिचय पत्र मांगा तो बस में मौजूद विधायक व उनके समर्थक भड़क गए और उन्होंने टोलकर्मी से मारपीट की। शोर शराबा सुनकर अन्य टोलकर्मी वहां पहुंचे तो विधायक व उनके समर्थकों ने टोलकर्मियों से मारपीट की और जबरन टोल का गेट खोलकर बिना टैक्स दिए बस लेकर चले गए। टोलकर्मियों ने बताया यह बस मथुरा के बाजना टोल से यमुना एक्सप्रेस वे पर आई थी।

रैपिड रेल कॉरिडोर का निर्माण कार्य आज से होगा शुरू

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद

देश के पहले दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल कॉरिडोर का निर्माण कार्य सोमवार से गुलधर से दुहाई के बीच शुरू होगा। नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एनसीआरटीसी) के एमडी विनय कुमार सिंह की मौजूदगी में पहला पिलर बनाने का काम किया जाएगा। इसके लिए मेरठ रोड पर बैरिकेडिंग कर दी गई है। कांट्रैक्टर ने निर्माण स्थल पर सभी उपयोगी मशीनें पहुंचा दी हैं। सरिया और निर्माण सामग्री आ चुकी है। एनसीआरटीसी का दावा है कि निर्माण के दौरान किसी को परेशानी नहीं होगी। जितनी रोड बैरिकेडिंग से घेरी गई है, दोनों तरफ मेरठ रोड पांच-पांच मीटर चौड़ी कर उतनी जगह वाहनों के लिए बनाई गई है। इसके अलावा आसपास के लोगों के लिए कट और पर्याप्त यू-टर्न बनाए गए हैं। इस परियोजना का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव से पहले किया था, लेकिन निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया था।

दिल्ली में सराय काले खां से शुरू होकर कौशांबी के रास्ते कॉरिडोर गाजियाबाद में प्रवेश करेगा। मदन मोहन मालवीय मार्ग के किनारे-किनारे साहिबाबाद तक बनेगा। रेलवे लाइन से इसे टर्न किया जाएगा। फिर कॉरिडोर रेलवे लाइन के साथ बनेगा। वसुंधरा के पास हिंडन रेलवे पुल से मोड़ते हुए एलिवेटेड रोड के ऊपर से इसे जीटी रोड स्थित मेरठ तिराहे तक बनाया जाएगा। यहां से मेरठ रोड के बीचोंबीच कॉरिडोर मेरठ के मोदीपुरम तक बनाया जाएगा। 68.03 किलोमीटर एलिवेटेड कॉरिडोर बनेगा, जबकि 14.12 किलोमीटर कॉरिडोर भूमिगत होगा। एनसीआरटीसी ने मेरठ तिराहे से दुहाई तक निर्माण का ठेका दे दिया है। उसमें भी गुलधर से दुहाई के बीच नौ किलोमीटर हिस्से में सबसे पहले कॉरिडोर कर निर्माण कार्य कराया जाएगा।

> **रैपिड रेल के प्रस्तावित स्टेशन**
>
> **दिल्ली :** सराय कालेखां, न्यू अशोक नगर, आनंद विहार
>
> **गाजियाबाद :** साहिबाबाद, गाजियाबाद (मेरठ तिराहा हिंडन मोटल), गुलधर, दुहाई, मुरादनगर, मोदीनगर साउथ, मोदीनगर नॉर्थ
>
> **मेरठ :** मेरठ साउथ, शताब्दी नगर, बेगमपुल, मोदीपुरम (इनके अतिरिक्त आठ मेट्रो स्टेशन भी बनेंगे)

पूर्व मुख्य न्यायाधीश बोले–हिम्मत होने पर ही दिमाग पूरी तरह करता है काम

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन की ओर से राजधानी में अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड के विजेताओं को आंबेडकर इटंरनेशनल सेंटर में सम्मानित किया गया। इसमें देश के विभिन्न राज्यों से अलग-अलग कक्षाओं के छात्रों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता को पास करने वाले दिल्ली के छह विजेताओं को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रैंक लाने के लिए सम्मानित किया गया। इस मौके पर सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा ने छात्रों को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया। कक्षा एक से 12वीं तक के छात्रों के लिए छह भागों में होने वाले ओलंपियाड में देश के 30 राज्यों के 1400 शहरों से 50 लाख छात्रों ने भाग लिया था। कार्यक्रम में करीब 180 अंतरराष्ट्रीय रैंक होल्डर छात्रों को नगद राशि के साथ पुरस्कार से नवाजा गया।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा की जीवन में सबसे जरूरी साहस है। जीवन में कितनी भी विपदाएं आएं स्थितियां कैसी भी हों यदि हमारे पास हिम्मत और साहस रहेगा तो हमारा दिमाग पूरी तरह से काम करेगा। उन्होंने कहा कि नाकारात्मक सोच विकास में बाधा होती है।

मिश्रा ने कहा की इस तरह की परीक्षाएं छात्रों के अंदर के डर को खत्म करती हैं। दिल्ली के छह छात्रों में इंटरनेशनल कंपनी सेक्रेटरीज ओलिंपियाड में एक निजी स्कूल की ग्यारहवीं कक्षा के छात्र वंश ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहला स्थान हासिल किया। वहीं, इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलिंपियाड में एक निजी स्कूल से बारहवीं कक्षा के छात्र ध्रुव कुमार गुप्ता, चौथी कक्षा के छात्र श्रीनाथ श्रीकृष्ण और ग्यारहवीं कक्षा के छात्र चिराग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहला रैंक लाने के लिए सम्मानित किया। वहीं नेशनल साइंस ओलिंपियाड में दसवीं कक्षा के छात्र वैभव गुप्ता ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहला रैंक हासिल किया। नेशनल साइबर ओलिंपियाड में सातवीं कक्षा के छात्र दीगार भौमिक ने भी पहले स्थान पर कब्जा जमाया।

जनपथ रोड स्थित डॉ. आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पूर्व मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा, अंतरराष्ट्रीय साइंस ओलंपियाड विजेता छात्र-छात्राएं व अन्य गणमान्य लोग। (संस्था से प्राप्त फोटो)

ठगी कर रहे कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 15 गिरफ्तार

जासं, गाजियाबाद

▸ कई राज्यों के सैकड़ों लोगों से कर चुके हैं ठगी, तीन युवती भी गिरफ्तार

▸ लाखों की नकदी, दर्जनों मोबाइल, 10 हजार बीमा धारकों का डाटा अन्य सामान बरामद

इंदिरापुरम और गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने संयुक्त रूप से बीमा के नाम पर ठगी करने वाले कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया। तीन युवतियों समेत 15 युवकों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश, बिहार समेत अन्य कई राज्यों के सैकड़ों लोगों से आरोपित दो करोड़ रुपये से अधिक की ठगी कर चुके हैं।

एएसपी अपर्णा गौतम ने बताया कि ग्रेटर नोएडा निवासी हरजीत सिंह से बीमा कराने के नाम पर करीब 50 लाख रुपये की ठगी हुई थी, जिसकी रिपोर्ट सूरजपुर में दर्ज कराई गई थी। गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने मामले में जांच की तो पता चला कि इंदिरापुरम के शक्ति खंड-दो स्थित ए-11 में ठगी का कॉल सेंटर चल रहा है। इसके बाद इंदिरापुरम पुलिस और ग्रेटर नोएडा पुलिस ने संयुक्त रूप से कॉल सेंटर पर छापेमारी कर तीन युवतियों समेत 15 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। कॉल सेंटर से 6.30 लाख रुपये, 36, मोबाइल, 10 हजार बीमा धारकों का डाटा, 28 डेबिट, क्रेडिट कार्ड, नौ, आधार कार्ड, सात पैन कार्ड, चार वोटर कार्ड, नौ चैक बुक व पासबुक समेत अन्य सामान बरामद हुए। एएसपी का कहना है कॉल सेंटर जिस फ्लैट में चल रहा था उसके मालिक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ में पता चला है कि कॉल सेंटर संचालक 12वीं पास रूपेश राजपूत निवासी फरीदाबाद है। वह अभी फरार है। गिरफ्तार आरोपित विक्की धवन काम रूपेश का काम संभालता था। रूपेश ही कर्मचारियों को ग्राहकों का डाटा लाकर देता था। जांच में पुलिस को डाटा बेचने वाले कुछ आरोपितों का भी पता चला है। पुलिस उनकी भी तलाश कर रही है। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि उनके पास 10 हजार लोगों का डाटा था, जिन्हें फोन कर ठगी का शिकार बनाया जाना था।

गिरफ्तार आरोपित : इंदिरापुरम थाना प्रभारी निरीक्षक संदीप कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सोनू, विक्की धवन, राकेश, प्रिंस वर्मा, रवि कुमार, मोहम्मद कासिम, अनस मिर्जा, शिप्रांसु यादव, सूर्याकांत शोएब आदि के रूप में हुई है।

तैयारी

> साल के अंत तक बर्न व सर्जिकल ब्लॉक सहित अन्य तीन नए सेंटरों में भी इलाज शुरू होने की उम्मीद, मरीजों को मिलेगी बड़ी राहत

एम्स की ओपीडी अगस्त में नए ब्लॉक में होगी स्थानांतरित

रणविजय सिंह, नई दिल्ली

एम्स में भारी भीड़ से इलाज में परेशानी झेलने को मजबूर मरीजों को जल्द ही राहत मिलने वाली है क्योंकि अगस्त में संस्थान के मुख्य अस्पताल की ओपीडी सेवा मस्जिद मोठ के पास नवनिर्मित ओपीडी ब्लॉक में स्थानांतरित हो जाएगी। खास बात यह कि नए ओपीडी ब्लॉक के अलावा साल के अंत तक बर्न व सर्जिकल ब्लॉक सहित अन्य तीन नए सेंटरों में भी इलाज शुरू हो जाएगा। इससे मरीजों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

उल्लेखनीय है कि एम्स के मुख्य अस्पताल व सभी सेंटरों को मिलाकर प्रतिदिन ओपीडी में करीब 13 हजार मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। इनमें से अकेले मुख्य अस्पताल की ओपीडी में करीब नौ हजार मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। यहां मरीजों की तुलना में जगह बहुत कम है। इसलिए मरीजों को ओपीडी में डॉक्टर के कमरे के बाहर बैठना तो दूर खड़े होने के लिए भी आसानी से जगह नहीं मिल पाती। इसके अलावा एम्स में सर्जरी की भी लंबी वेटिंग है। इसके मद्देनजर एम्स का विस्तार किया जा रहा है और चार नए सेंटर जल्द शुरू होंगे।

सबसे पहले ओपीडी ब्लॉक की होगी शुरुआत : यद्यपि सर्जरी ब्लॉक लंबे समय से बनकर तैयार है और किडनी प्रत्यारोपण जैसी सर्जरी के लिए मरीजों को नौ माह से लेकर एक साल तक का इंतजार करना पड़ता है फिर भी एम्स प्रशासन की प्रमुखता में सबसे पहले ओपीडी ब्लॉक को शुरू करना है। इस नौ मंजिले ओपीडी ब्लॉक के भवन में 570 नए कमरे होंगे। हर मंजिल पर करीब 500 लोगों के बैठने की सुविधा होगी। इसमें एक माइनर ऑपरेशन थियेटर भी होगा। एम्स प्रशासन का कहना है कि यह तय किया गया है कि ओपीडी ब्लॉक में अगस्त से मरीजों का इलाज शुरू हो जाएगा।

बर्न सेंटर में होगी 100 बेड की सुविधा : एम्स प्रशासन का कहना है कि ओपीडी ब्लॉक के बाद ट्रॉमा सेंटर में बन रहे बर्न व प्लास्टिक सर्जरी सेंटर को शुरू किया जाएगा। इसमें 100 बेड व अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं मौजूद होंगी। मौजूदा समय में दिल्ली में सफदरजंग व आरएमएल अस्पताल में ही बर्न के इलाज के लिए अलग सेंटर है। साथ ही लोकनायक अस्पताल में भी बर्न वार्ड है। इसके अलावा किसी अस्पताल में बर्न के इलाज के लिए बेहतर सुविधा नहीं है। यहां के अस्पतालों में दिल्ली-एनसीआर के अलावा दूसरे राज्यों से भी बर्न के मरीज आते हैं। एम्स प्रशासन का कहना है कि ओपीडी ब्लॉक के बाद इस बर्न सेंटर को शुरू किया जाएगा।

> **सर्जिकल ब्लॉक में अभी तैयार नहीं है ओटी**
>
> सर्जिकल ब्लॉक और मातृ व शिशु ब्लॉक के निर्माण की आधारशीला फरवरी 2014 में रखी गई थी। पांच साल के बाद भी इन दोनों ब्लॉकों में इलाज शुरू नहीं किया जा सका है। यह भी तब जब सर्जिकल ब्लॉक का भवन लंबे समय से बनकर तैयार है। इसका एक कारण डॉक्टरों की कमी भी है। डॉक्टरों की नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है। यह कमी भी जल्द दूर होने वाली है। सर्जिकल ब्लॉक में 12 ऑपरेशन थियेटर व 200 बेड की सुविधा होगी। एम्स प्रशासन का कहना है कि सर्जिकल ब्लॉक में मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर बनाने का काम बाकी है। मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर तैयार होने के बाद सर्जिकल ब्लॉक को शुरू किया जाएगा। वहीं मातृ व शिशु ब्लॉक में 425 बेड की सुविधा होगी। यह दोनों सेंटर भी साल के अंत तक शुरू हो जाएंगे। एम्स में 625 बेड बढ़ जाएंगे। इससे एम्स की बेड क्षमता 2478 से बढ़कर 3103 हो जाएगी।

वट सावित्री व्रत आज

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

भारतीय महिलाएं प्राचीन काल से चली आ रही प्रथा के अनुसार अपने पति की लंबी आयु के लिए बरगद के पेड़ की पूजा और व्रत करती हैं। सोमवती अमावस्या ज्येष्ठ माह के पहले सोमवार यानी आज है। इस दिन विवाहित महिलाएं वट सावित्री व्रत के साथ बरगद की पूजा करेंगी।

पंडित कौशल पांडेय के अनुसार इस पर्व पर महिलाएं बरगद (वट) के पेड़ की पूजा करती हैं। स्कंदपुराण में कहा गया है कि वट वृक्ष की जड़ों में ब्रह्मा, तने में विष्णु और टहनियों व पत्तों में शिव का वास होता है।

किसी मंदिर में या बरगद के पेड़ के नीचे बैठकर ही इस दिन पूजा करनी चाहिए। अग्निपुराण के अनुसार, बरगद उत्सर्जन को दर्शाता है। इसीलिए पति की लंबी आयु के लिए इच्छित भक्त इसकी पूजा करती हैं। मान्यता है कि आज के दिन ही सावित्री यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस ले आई थीं। सावित्री और सत्यवान की कथा से वटवृक्ष का महत्व लोगों को ज्ञात हुआ, क्योंकि इसी वृक्ष ने सत्यवान को अपनी शाखाओं और शिराओं से घेरकर जंगली पशुओं से उनकी रक्षा की थी। इसी दिन से ज्येष्ठ अमावस्या के दिन वट की पूजा का नियम शुरू हुआ।

पंडित कौशल पांडेय।

▸ विवाहित महिलाएं वट सावित्री व्रत के साथ बरगद की पूजा करेंगी

▸ वट वृक्ष की जड़ों में ब्रह्मा, तने में विष्णु और टहनियों व पत्तों में शिव का वास

14 भारतीय नागरिकों को स्विट्जरलैंड प्रशासन ने पिछले माह नोटिस भेजा था अपने यहां के बैंकों में खाता रखने पर। उन्हें भारत से अपने खातों का ब्योरा साझा करने के लिए एक आखिरी मोहलत भी दी गई है। अब पोतलुरी राजामोहन राव को नोटिस भेजा गया है।

झारखंड की राजधानी रांची में होगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य समारोह

नई दिल्ली, प्रेट्र : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम इस बार झारखंड की राजधानी रांची में होगा। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहेंगे। मोदी के दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद सरकार का यह पहला बड़ा आयोजन होगा।

सूत्रों ने बताया कि आयुष मंत्रालय ने देश के पांच शहरों दिल्ली, शिमला, मैसूर, अहमदाबाद और रांची के नाम का प्रस्ताव अंतिम निर्णय के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजा था। आधिकारिक सूत्र ने बताया, 'प्रधानमंत्री कार्यालय ने 21 जून को आयोजित होने वाले योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम के लिए रांची के नाम पर मुहर लगाई है।' आयुष मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'हमने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसका आयोजन बड़े पैमाने पर किया जाएगा।' इससे पहले मोरारजी देसाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ योग द्वारा शनिवार से दिल्ली में दो दिवसीय योग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उम्मीद है कि इसमें योग शिक्षक, पेशेवर व उत्साही योग प्रेमियों समेत करीब 10 हजार लोग शिरकत करेंगे। भारत की पांच हजार साल पुरानी परंपरा और अभ्यास का लाभ विश्वभर के लोगों को दिलाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 में योग को वैश्विक स्तर पर आयोजित किए जाने की अपील की थी। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को विश्व योग दिवस मनाए जाने की घोषणा कर दी थी। पिछले साल योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम देहरादून में हुआ था, जिसमें पीएम मोदी ने शिरकत की थी।

गृहमंत्री ने किया ट्वीट ▸ कर्तव्य की पंक्ति में अपने जीवन का बलिदान देने वालों का ऋणी है कृतज्ञ राष्ट्र

शहीदों को श्रद्धांजलि देने पुलिस स्मारक पहुंचे शाह

शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद राष्ट्रीय पुलिस संग्रहालय भी गए

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार सुबह राष्ट्रीय पुलिस स्मारक जाकर शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। शाह करीब दस बजे चाणक्यपुरी स्थित पुलिस स्मारक पहुंचे और शहीदों को पुष्प अर्पित किए। इसके बाद राष्ट्रीय पुलिस संग्रहालय भी गए। राष्ट्रीय पुलिस स्मारक का दौरा करने के बाद शाह ने ट्वीट किया कि मैंने आज सुबह स्मारक का दौरा किया और केंद्रीय और राज्य पुलिस बलों के हमारे शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने कर्तव्य की पंक्ति में अपने जीवन का बलिदान दिया। मैं उनकी वीरता व साहस को सलाम करता हूं। एक कृतज्ञ राष्ट्र उनके सर्वोच्च बलिदान के लिए उनका ऋणी है।

बता दें कि शाह ने शनिवार को नरेंद्र मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में गृह मंत्री का कार्यभार संभाला है। उनके साथ दो गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय और जी किशन रेड्डी ने भी अपना कार्यभार संभाल लिया। गौरतलब है कि दिल्ली के चाणक्यपुरी में राष्ट्रीय पुलिस स्मारक उन पुलिसकर्मियों को समर्पित किया गया है, जिन्होंने स्वतंत्र भारत में अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए प्राण न्योछावर किए हैं।

नई दिल्ली में रविवार को राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित करते गृह मंत्री अमित शाह। प्रेट्र

चाणक्यपुरी में 30 फीट ऊंचा यह एकल पाषाण-स्तंभ देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस बल और केंद्रीय पुलिस संगठनों का प्रतिनिधित्व करता है। इस स्मारक का निर्माण शांतिपथ के उत्तरी छोर पर चाणक्यपुरी में 6.12 एकड़ भूमि पर किया गया है। इससे पहले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय शौर्य स्मारक गए थे। उन्होंने राष्ट्र की सेवा में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कहा था कि मैं इन सभी शहीद जवानों और उनके परिजनों को कोटि-कोटि नमन करता हूं। मोदी ने कहा था कि यहां आकर अदम्य चेतना और ऊर्जा प्राप्त हुई और देश के लिए सब कुछ कर गुजरने की इच्छा और प्रबल हुई।

आज सियाचिन में जवानों से मिलेंगे रक्षा मंत्री

▸ राजनाथ सिंह के साथ थलसेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत भी होंगे

नई दिल्ली, प्रेट्र / एएनआइ : रक्षा मंत्री के तौर पर अपने पहले दौरे में राजनाथ सिंह सोमवार को सियाचिन ग्लेशियर जाएंगे। यहां वह 12 हजार फीट की ऊंचाई पर सीमा की रक्षा कर रहे जवानों से मिलेंगे।

उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि राजनाथ सिंह के साथ थलसेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत व रक्षा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी होंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लेह में सेना की 14 कोर तथा श्रीनगर में 15 कोर के मुख्यालयों में भी जाएंगे। श्रीनगर में उत्तरी सैन्य कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल रणबीर सिंह और 14 कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल वाईके जोशी उन्हें पाकिस्तानी सीमा की सुरक्षा स्थितियों तथा आतंकवाद निरोधक अभियान के बारे में बताएंगे।

राजनाथ सिंह सुबह सबसे पहले लद्दाख में अधिक ऊंचाई पर स्थित थोइस हवाईअड्डे पर पहुंचेंगे, जहां से एक ऑपरेशनल बेस और फिर सियाचिन ग्लेशियर जाएंगे। वहां वह सेना के फील्ड कमांडरों और सैनिकों के साथ बातचीत करेंगे। वह सियाचिन वार मेमोरियल भी जाएंगे। रक्षा मंत्री सोमवार शाम को नई दिल्ली लौट सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि कोराकोरुम रेंज में स्थित सियाचिन ग्लेशियर दुनिया का सबसे ऊंचा सैन्य क्षेत्र है, जहां जवानों को अत्यधिक सर्दी और तेज हवाओं का सामना करना पड़ता है। यहां तापमान शून्य से 60 डिग्री सेल्सियस नीचे तक चला जाता है। इतनी विषम परिस्थितियों के बावजूद भारतीय सेना के जांबाज पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान की किसी भी नापाक हरकत को नाकाम करने के लिए मुस्तैदी के साथ अपनी ड्यूटी कर रहे हैं।

भारतीय वायुसेना प्रमुख धनोआ का स्वीडन दौरा आज से

नई दिल्ली, प्रेट्र : वायुसेना प्रमुख बीएस धनोआ आधिकारिक दौरे पर स्वीडन जा रहे हैं। उनका चार दिवसीय दौरा सोमवार से शुरू होगा। उनके दौरे का उद्देश्य यूरोपीय देश के साथ रक्षा सहयोग को बढ़ाना है। वह स्वीडन एयरफोर्स के कई परिचालन व प्रशिक्षण इकाइयों का दौरा तथा वहां के वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों के साथ मुलाकात करेंगे। पिछले सप्ताह चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के प्रमुख बनाए जाने के बाद धनोआ का यह पहला विदेश दौरा होगा।

मार्च 2020 तक बॉडी स्कैनर से लैस होंगे देश के 84 एयरपोर्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्र ने देश भर के 84 हवाई अड्डों पर मार्च 2020 तक बॉडी स्कैनर लगाने का निर्देश दिया है। धातु की वस्तुओं का पता लगाने के लिए हाथ से ली जाने वाली तलाशी के अलावा हाथों में पकड़े जाने वाले स्कैनर एवं दरवाजेनुमा मेटल डिटेक्टर के स्थान पर इन्हें लगाया जाएगा।

नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) की ओर से सभी एयरपोर्ट को इस साल अप्रैल में भेजे गए सर्कुलर में कहा गया है कि वॉक थ्रू मेटल डिटेक्टर और हाथ में पड़े जाने वाले डिटेक्टर से गैर धातु वाले हथियारों और विस्फोटकों का पता नहीं लगा सकते हैं। जबकि बॉडी स्कैनर शरीर में छिपाए गए धातु एवं गैर धातु वस्तुओं को पकड़ सकते हैं। सर्कुलर में 84 एयरपोर्ट के लिए बॉडी स्कैनर का इस्तेमाल करने के दौरान पालन की जाने वाली मानक संचालन प्रक्रियाओं का भी जिक्र किया गया है।

वर्तमान में देश के करीब 105 क्रियाशील एयरपोर्ट में से 28 को अत्यधिक संवेदनशील माना जाता है। इनमें दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई जैसे बड़े शहरों और जम्मू-कश्मीर एवं पूर्वोत्तर जैसे क्षेत्रों के एयरपोर्ट शामिल हैं। 56 हवाईअड्डों को संवेदनशील की श्रेणी में रखा गया है। सर्कुलर के मुताबिक अति संवेदनशील तथा संवेदनशील हवाईअड्डों को मार्च 2020 तक जबकि शेष हवाईअड्डों को मार्च 2021 तक बॉडी स्कैनर लगाने होंगे।

राजीव से पूछताछ को लेकर जल्दबाजी में नहीं सीबीआइ

जागरण संवाददाता, कोलकाता : सारधा चिटफंड घोटाले में कोलकाता के पूर्व पुलिस कमिश्नर राजीव कुमार से पूछताछ को लेकर सीबीआइ जल्दबाजी में नहीं है। इससे पहले राजीव से संबंधित कई विषयों को लेकर सीबीआइ निश्चित होना चाहती है। हालांकि मालदा के पूर्व एसपी अर्णब घोष से पूछताछ में मिले तथ्यों को लेकर सीबीआइ संतुष्ट है। कुछ माह पहले शिलांग में पूछताछ के दौरान राजीव कुमार ने कई सवालों को उनके संज्ञान में नहीं होने का हवाला देकर एसआइटी सदस्यों के मत्थे मढ़ दिया था, जबकि कुछ सवालों के जवाब अर्णब घोष पर डाल दिए थे। इसके अलावा कुछ सवालों के स्पष्ट जवाब भी राजीव कुमार ने नहीं दिए थे। सीबीआइ ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में भी इसका उल्लेख किया था। साथ ही पूछताछ के लिए पूर्व सीपी को हिरासत में लेने की अपील की थी, लेकिन कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। सीबीआइ ने एसआइटी में जांच अधिकारी रहे मालदा के पूर्व एसपी अर्णब घोष से दो बार पूछताछ की थी। सूत्रों की मानें तो सीबीआइ को अर्णब से राजीव कुमार के खिलाफ कई अहम तथ्य हाथ लगे हैं। अर्णब से पूछताछ में पता चला कि वह सिर्फ राजीव कुमार के निर्देश पर काम करते थे। शिलांग में राजीव के बयान और एसआइटी के अन्य अफसरों के बयान में काफी है।

कांग्रेस सोशल मीडिया प्रमुख स्पंदना ट्विटर से गायब

▸ निर्मला सीतारमण को वित्त मंत्री बनने पर दो दिन पहले दी थी बधाई

▸ राहुल गांधी की सोशल मीडिया पर बढ़ाई थी फैन फॉलोइंग

नई दिल्ली, एएनआइ/आइएएनएस : कांग्रेस की करारी हार और निर्मला सीतारमण को वित्त मंत्री बनने पर बधाई देने की गाज दिव्या स्पंदना पर गिरती नजर आ रही है। कांग्रेस के सोशल मीडिया विंग की प्रभारी स्पंदना ट्विटर से लापता हो गई हैं। उन्होंने अपने ट्विटर अकाउंट को निष्क्रिय कर दिया है। स्पंदना के पार्टी छोड़ने की चर्चा है। यह भी कहा जा रहा है कि उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

ट्विटर पर दिव्या स्पंदना का अकाउंट सर्च करने पर लिखा आ रहा है कि यह अकाउंट मौजूद नहीं है। ऐसा क्यों हुआ है इसके बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। पद छोड़ने के सवाल पर एएनआइ ने जब स्पंदना की प्रतिक्रिया चाही तो उन्होंने सिर्फ इतना कहा, 'आपका स्रोत गलत है।' वहीं, कांग्रेस ने स्पंदना के ट्विटर अकाउंट डिलीट किए जाने पर कुछ भी टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया।

दिव्या स्पंदना ने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की सोशल मीडिया पर काफी फैन फॉलोइंग बढ़ाई थी। गुजरात चुनाव के दौरान भी विकास पागल हो गया है जुमले को वायरल करने का काम 34 वर्षीय दिव्या स्पंदना की अगुवाई वाली उनकी सोशल मीडिया टीम ने ही किया था। दरअसल, लोकसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस ने अपने सभी प्रवक्ताओं के समाचार चैनलों पर होने वाली परिचर्चाओं (डिबेट) में हिस्सा लेने पर एक महीने के लिए रोक लगा दी है। ऐसे में दिव्या के ट्विटर अकाउंट के गायब होने से चर्चा होने लगी है कि वह अब कांग्रेस के सोशल मीडिया सेल से अलग हो गई हैं। दिव्या ने अपने अकाउंट को निष्क्रिय करने से पहले अपने बायो में कांग्रेस सोशल मीडिया प्रभारी का परिचय भी हटा दिया था। इससे भी इन अटकलों को बल मिलता है।

दिव्या स्पंदना (फाइल फोटो)

शिक्षा नीति पर जल्दबाजी में प्रतिक्रिया देने से बचें : उपराष्ट्रपति

▸ कहा, कुछ लोगों की अखबार की हेडलाइन पढ़कर ही विरोध करने की आदत

▸ विदेश मंत्री बोले, किसी पर कोई भाषा थोपने की सरकार की मंशा नहीं

▸ कांग्रेस नेता का बयान, हिंदी अनिवार्य करने से दम तोड़ देंगी क्षेत्रीय भाषाएं

नई दिल्ली, एएनआइ/प्रेट्र : राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मसौदे में प्रस्तावित तीन भाषा फार्मूले को लेकर मचे सियासी घमासान के बीच उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने सभी पक्षों से कहा है कि वो जल्दबाजी में प्रतिक्रिया देने की बजाय मसौदा नीति का पहले गंभीरता से अध्ययन करें। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी इस मसले पर सरकार का बचाव किया है। वहीं, कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा है कि इस फार्मूले को लागू किया गया तो निश्चित रूप से क्षेत्रीय भाषाएं खत्म हो जाएंगी। माकपा का कहना है कि इससे भाषायी दुराग्रह को बल मिलेगा। तीन भाषा फार्मूले में आठवीं कक्षा तक हिंदी को अनिवार्य बनाने की सिफारिश की गई है।

उप राष्ट्रपति नायडू ने विशाखापत्तनम में एक कार्यक्रम में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मसौदे का विरोध करने वाले लोगों को अंतिम नतीजे पर पहुंचने से पहले उसका गंभीरता से अध्ययन, बहस और विश्लेषण करना चाहिए, ताकि सरकार उस पर चर्चा कराने के बाद आगे की कार्रवाई कर सके। तमिलनाडु के राजनीतिक दलों के विरोध का उल्लेख करते उन्होंने कहा कि हमारे देश में कुछ लोगों की आदत है कि राजनीतिक या अन्य कारणों से वो अखबारों की हेडलाइन देखते ही विरोध शुरू कर देते हैं।

वहीं, विदेश मंत्री जयशंकर ने भी रविवार को ट्वीट कर कहा, 'मानव संसाधन विकास मंत्री को सौंपी गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक मसौदा रिपोर्ट है। इस पर आम लोगों की राय ली जाएगी। राज्य सरकारों से परामर्श किया जाएगा। इसके बाद ही कोई फैसला किया जाएगा। भारत सरकार सभी भाषाओं का सम्मान करती है। कोई भी भाषा थोपी नहीं जाएगी।'

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू। फाइल

जबकि, चेन्नई में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पीटर अल्फोंसे ने कहा कि अगर केंद्र सरकार द्वारा तीन भाषा फार्मूले को लागू किया जाता है तो ज्यादातर गैर-हिंदी भाषी राज्यों में क्षेत्रीय भाषाएं दम तोड़ देंगी। उन्होंने कहा कि सरकार इसके जरिए भाजपा के एजेंडे को लागू करने का प्रयास कर रही है।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने एक बयान में कहा कि तीन भाषा फार्मूले को जबरन लागू करने से भाषाई दुराग्रह को बल मिलेगा, जो देश की एकता के लिए सही नहीं होगा। माकपा ने इसे तुरंत वापस लेने और नई शिक्षा नीति तैयार करने की मांग की है।

बता दें कि मशहूर वैज्ञानिक और इसरो के पूर्व प्रमुख के कस्तूरीरंगन की अगुआई वाली कमेटी ने देश भर में तीन भाषा फार्मूले को लागू करने का सुझाव दिया है। कमेटी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मसौदे को शुक्रवार को सरकार को सौंपा था।

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश भी हैं आशंकित

हैदराबाद, आइएएनएस : तीन भाषा फार्मूले को लेकर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में तमिलनाडु की तरह विरोध तो नहीं हो रहा है, लेकिन इन दोनों ही राज्यों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मसौदे को लेकर पैदा हुई आशंका को दूर करने की मांग की है। तेलंगाना में सत्तारूढ़ टीआरएस ने कहा है कि केंद्र सरकार मसौदा नीति सभी पक्षों को मुहैया कराए और उनकी सलाह व उनकी आशंकाओं को दूर करने के बाद ही इस पर आगे कोई कदम बढ़ाए। वहीं, आंध्र प्रदेश के पूर्व विधायक और शिक्षाविद् के नागेश्वर ने कहा कि हिंदी भाषा का विरोध नहीं है, लेकिन केंद्र सरकार को उत्तर भारत में भी दक्षिण भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देना चाहिए।

कुमारस्वामी ने कहा, एक भाषा थोपना ठीक नहीं

बेंगलुरु, एएनआइ : कर्नाटक के मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा है कि दूसरों पर कोई एक भाषा नहीं थोपी जानी चाहिए। कुमारस्वामी ने ट्वीट कर कहा कि मुझे पता है कि मसौदा शिक्षा नीति में हिंदी को लागू करने पर जोर दिया गया है। तीन भाषा फार्मूला के नाम पर एक भाषा को दूसरों पर नहीं थोपना चाहिए। हमें इस मामले में सतर्क रहना चाहिए। भाषा के सवाल में और भी।

एआइएनआरसी के नेता राधाकृष्णन ने भी किया विरोध

पुडुचेरी, प्रेट्र : एआइएनआरसी नेता आर राधाकृष्णन ने भी तीन भाषा फार्मूले का विरोध करते हुए इसे गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी भाषा को थोपने की कोशिश करार दिया है। राधाकृष्णन ने कहा कि अगर हिंदी भाषा को थोपा जाता है तो यह राज्यों के अधिकारों के लिए गंभीर खतरा होगा। इससे बचा जाना चाहिए। पुडुचेरी दो भाषा नीति को जारी रखने पर अडिग है।

जय श्री राम के नारे से नहीं, उसके सियासी प्रयोग पर आपत्ति

जागरण संवाददाता, कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने फेसबुक पोस्ट के माध्यम से भाजपा पर राम के नाम पर सियासत करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मुझे किसी भी राजनीतिक दल की रैली व उनके दल के मतलब के लिए बनाए गए नारों से कोई समस्या नहीं है। हर पार्टी का अपना नारा होता है। मेरी पार्टी का नारा जय हिंद, वंदे मातरम है। वाम पार्टियों का नारा इंकलाब जिंदाबाद है। इसी प्रकार दूसरों के अलग-अलग नारे हैं। हम एक-दूसरे का सम्मान करते हैं, लेकिन भाजपा धार्मिक नारे, जय श्रीराम को विकृत रूप से अपने पार्टी के नारे के रूप में काम में लगा रही है तथा इसके माध्यम से धर्म और राजनीति को एक साथ मिला रही है। हम आरएसएस द्वारा दूसरों पर जबरदस्ती के थोपे गए इन राजनीति नारों का सम्मान नहीं करते हैं, जिसे बंगाल ने कभी भी मान्यता नहीं दी। यह जानबूझकर बर्बरता और हिंसा के जरिए घृणा की विचारधारा को बेचने जैसा है। जिसका हम सभी को मिलजुल कर विरोध करना चाहिए।

आगे उन्होंने लिखा है कि कुछ लोग कभी-कभी कुछ समय तक कुछ लोगों को भ्रमित कर सकते हैं, लेकिन हमेशा सभी को भ्रमित नहीं किया जा सकता है। यदि सभी राजनीतिक दल ऐसी विभाजनकारी और गड़बड़ी फैलाने वाली गतिविधियों का सहारा लेने लगे तो पूरा वातावरण ही दूषित हो जाएगा। हमें भाजपा के ऐसे क्रियाकलापों का मजबूती से विरोध करना चाहिए और हम जरूर करेंगे, ताकि देश की धर्मनिरपेक्ष विशेषता को अक्षुण्ण रख सकें।

ममता बनर्जी (फाइल फोटो)

> जय सियाराम, जय रामजी की, राम नाम सत्य है आदि नारों का धार्मिक और सामाजिक अर्थ है। हम इन मनोभावों का आदर करते हैं, लेकिन भाजपा धार्मिक नारे, जय श्रीराम को विकृत रूप से अपने पार्टी के नारे के रूप में काम में लगा रही है।
>
> **–ममता बनर्जी, मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल**

दिल्ली भाजपा ने किया अनोखा विरोध, ममता को भेजा राम दरबार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली भाजपा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का अनोखा तरीके से विरोध किया है। पार्टी ने उन्हें राम दरबार एवं राम मंत्र भेजकर बुरी शक्तियों के प्रभाव के अंत की कामना की है। दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने रविवार को ई-कॉमर्स कंपनी के माध्यम से मुख्यमंत्री के हावड़ा स्थित आवास पर दोनों चीजें भेजी हैं। ममता को भेजे पत्र में लिखा है कि जिस तरह वह राम का नाम लेने पर भड़क जा रही हैं, उससे लगता है कि उन पर किसी बुरी शक्ति का प्रभाव है, जो केवल राम नाम के जाप व श्रीराम के दर्शन से ही ठीक हो सकता है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को भी श्रीराम का नाम बहुत प्रिय था और वह देश में राम राज की कल्पना करते थे। उन्होंने ममता से आग्रह किया कि वह अपने सामने श्रीराम दरबार व श्रीराम चरण पादुका को रख कर राम मंत्र का जाप करें ताकि उन पर से बुरी शक्तियों के प्रभाव का अंत हो।

राम दरबार व चरण पादुका

बंगाल में फिर भिड़े तृणमूल-भाजपा समर्थक

जागरण संवाददाता, हल्दिया : पश्चिम बंगाल में पूर्व मेदिनीपुर जिला अंतर्गत खेजुरी में टीएमसी और भाजपा के बीच जारी संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को भी खेजुरी के कंठीबाड़ी गांव में भाजपा समर्थकों द्वारा कथित तौर पर जय श्रीराम' का नारा लगाए जाने के बाद इलाके में एक बार फिर से तनाव फैल गया और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) व भाजपा समर्थक भिड़ गए। इस दौरान गोली चलने एवं बमबाजी की भी सूचना है। भाजपाइयों का दावा है कि घटना में उनके पांच कार्यकर्ता घायल हो गए है। पुलिस किसी के घायल होने की पुष्टि नहीं कर रही है।

फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल की स्थापना में असम की मदद करेगा केंद्र

▸ अंतिम एनआरसी में शामिल नहीं किए गए लोग दे सकेंगे चुनौती

▸ 31 जुलाई को किया जाएगा राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर का प्रकाशन

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्र सरकार 31 जुलाई तक विदेशियों के लिए 1,000 विदेशी न्यायाधिकरण (फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल) की स्थापना करने में असम सरकार की मदद करेगा। राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर (एनआरसी) का प्रकाशन भी 31 जुलाई को ही किया जाएगा। जिन लोगों के नाम अंतिम एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर) में छूट गए हैं वे इन न्यायाधिकरणों में अपने नाम नहीं शामिल किए जाने को चुनौती दे सकेंगे।

गृह मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मंत्रालय में सचिव (सीमा प्रबंधन) बीआर शर्मा ने ई-फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल और 1,000 अतिरिक्त विदेशी न्यायाधिकरण के निर्माण संबंधी असम सरकार के प्रस्ताव पर चर्चा के लिए हाल में बैठक आयोजित की थी। केंद्र सरकार भी अवैध प्रवासी घोषित किए गए लोगों के लिए ई-फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल की स्थापना संबंधी राज्य सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी देने की प्रक्रिया है। 31 जुलाई को अंतिम एनआरसी के प्रकाशन के बाद न्यायाधिकरण की आवश्यकता होगी। एनआरसी असम के निवासियों की सूची है। 30 जुलाई 2018 को एनआरसी मसौदे के प्रकाशन के बाद 40.7 लाख लोगों के नाम इस सूची में नहीं होने से भारी विवाद हुआ था। मसौदा एनआरसी में 2.9 करोड़ लोगों के नाम शामिल हैं जिनमें 3.29 करोड़ लोगों ने आवेदन किया था।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने 1,000 विदेशी न्यायाधिकरण की स्थापना को लेकर असम की सर्वानंद सोनोवाल सरकार की योजना पर सवाल उठाया था और कहा था कि इनकी अध्यक्षता के लिए 1,000 विधि अधिकारियों की खोज मुश्किल होगी। ध्यान रहे राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर का मामला सिर्फ असम में नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर छाया हुआ है। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस इस मामले में मोदी सरकार को घेरती रही है।

नई शिक्षा नीति का हिस्सा होगा चार साल का स्नातक पाठ्यक्रम

नई दिल्ली, प्रेट्र : मोदी सरकार के पहले कार्यकाल की शुरुआत यानी 2014 में खारिज हो चुके विवादास्पद चार साल के अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम (एफवाइयूपी) को मानव संसाधन विकास मंत्रालय की गठित कमेटी फिर से वापस ला सकती है। यह कोर्स नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का हिस्सा होगा।

हालांकि मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि इस कमेटी ने चार साल के इस कोर्स को फिर से शुरू करने की सिफारिश की है। तीन साल के स्नातक और चार साल के पाठ्यक्रम साथ-साथ चलेंगे। लेकिन इन्हें अंगीकार करने के कई विकल्प मौजूद होंगे। नीति की खास बात यह है कि चार साल का स्नातक पाठ्यक्रम अधिक कठिन होगा और इसके साथ छात्रों को अनुसंधान और शोध का विकल्प भी दिया जाएगा। छात्र चार साल के स्नातक कोर्स को कला, विज्ञान और कामर्स के क्षेत्र में ऑनर्स की डिग्री के साथ हासिल करेंगे। इसे बीएलए या बीएलई कहा जाएगा। या फिर अपने चयनित विषय में तीन साल का स्नातक बीएससी, बीए या बीकॉम करेंगे।

बड़े मुद्दे

सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं कई बड़े धार्मिक और राजनीतिक मामले, अयोध्या में राम जन्मभूमि विवाद, जम्मू-कश्मीर के अनुच्छेद 370 और 35ए पर आना है फैसला

अयोध्या और कश्मीर पर अहम रहेगा सरकार का रुख

माला दीक्षित, नई दिल्ली

देश की बहुत बड़ी आबादी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूसरी पारी में सुप्रीम कोर्ट से धार्मिक और राजनीतिक महत्व के महत्वपूर्ण मुद्दों -जैसे राम जन्मभूमि विवाद और जम्मू कश्मीर में राज्य के निवासियों को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 व 35ए के बारे में बड़े फैसलों की उम्मीद लगाए बैठी है। ये दोनों ही मुद्दे फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं। यह तय है कि इसी सरकार के कार्यकाल में कोर्ट से इन पर फैसले आ सकते हैं। सरकार मामले में क्या पक्ष रखती है यह देखना महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि दोनों ही मुद्दे भाजपा के घोषणापत्र में शामिल हैं।

बता दें कि केंद्र सरकार ने अयोध्या रामजन्मभूमि मामले में अधिगृहीत जमीन का अतिरिक्त हिस्सा भू मालिकों को वापस करने की सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर इजाजत मांगी है जिस पर अभी सुनवाई होनी है, जबकि जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने के प्रावधान अनुच्छेद 370 और 35 ए को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा है और सरकार को अभी इस पर लिखित जवाब देना है। अयोध्या मामले की पांच दिसंबर 2017 की सुनवाई सभी को याद होगी।

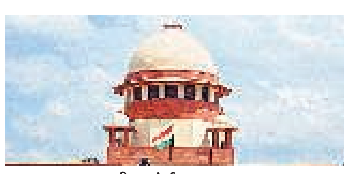

सुप्रीम कोर्ट (फाइल फोटो)

उस दिन मुस्लिम पक्षकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील व कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने कोर्ट में अयोध्या मामले की सुनवाई का विरोध करते हुए इस मुकदमे के राजनीतिक असर का हवाला दिया था और सुनवाई 2019 के आम चुनाव के बाद जुलाई में करने की मांग की थी। हालांकि उस वक्त सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई टालने की उनकी दलील खारिज कर दी थी और मामले को आठ फरवरी 2018 को सुनवाई पर लगाए जाने का आदेश दिया था। उसके बाद भी कई तारीखें लगीं, लेकिन मुख्य मामले पर अभी तक सुनवाई शुरू नहीं हुई। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने राम जन्मभूमि विवाद मध्यस्थता के जरिये सुलझाने की संभावनाएं तलाशने के लिए मध्यस्थों को 15 अगस्त तक का समय दिया हुआ है। ऐसे में अगली सुनवाई 15 अगस्त के बाद ही होगी। मामले में सरकार का रुख और कोर्ट का फैसला देश की राजनीति पर असर डाल सकता है।

देश के लिए दूसरा बड़ा राजनीतिक मुद्दा जम्मू-कश्मीर में राज्य के निवासियों को विशेष दर्जा देने वाला अनुच्छेद 370 और 35ए है। भाजपा के घोषणापत्र में भी इन दोनों प्रावधानों को हटाने की बात कही गई है। उधर सुप्रीम कोर्ट में भी याचिकाएं लंबित हैं जिनमें इन्हें हटाने और सभी भारतीय नागरिकों के साथ समान व्यवहार करने की मांग की गई है। कोर्ट याचिकाओं पर केंद्र सरकार को पहले ही नोटिस जारी कर उसका जवाब मांग चुका है। अभी तक सरकार ने लिखित तौर पर कोर्ट में अपना पक्ष नहीं रखा है। अनुच्छेद 35ए पर तो कई बार से जम्मू-कश्मीर राज्य के अनुरोध पर सुनवाई टल रही है। राज्य का कहना था कि अभी फिलहाल राज्य में चुनी हुई सरकार नहीं है, इसलिए कोर्ट चुनी हुई सरकार आने तक मामले पर सुनवाई न करे। मामले में केंद्र सरकार भी पक्षकार है। एनडीए सरकार सुप्रीम कोर्ट में इस मसले पर क्या रुख अपनाती है वह देखना महत्वपूर्ण होगा।

राफेल पर भी आना है फैसला : राफेल सौदे की जांच की मांग वाली पुनर्विचार याचिकाओं पर भी सुप्रीम कोर्ट का फैसला आना है। राफेल का मामला भी राजनीतिक तौर पर महत्वपूर्ण है। कांग्रेस ने इसे लोकसभा चुनाव में बड़ा मुद्दा बनाया था।

सुषमा की राह पर एस जयशंकर, ट्विटर पर दे रहे फटाफट जवाब

नई दिल्ली, प्रेट्र : विदेश मंत्रालय का काम संभालते ही एस. जयशंकर पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज की तरह सोशल मीडिया पर सक्रिय हो गए हैं। रविवार को उन्होंने विदेश में रहने वाले और विदेश यात्रा पर गए लोगों द्वारा मांगी गई मदद का जवाब ट्वीट के माध्यम से दिया। इस दौरान उन्होंने पीड़ित लोगों को आश्वासन दिया कि संबंधित देशों में स्थित भारतीय दूतावास उनकी दिक्कतों को हल करने की हर संभव कोशिश करेंगे।

अपने परिवार के साथ इटली और जर्मनी गई महालक्ष्मी नामक महिला ने लिखा, 'इटली की यात्रा के दौरान हमारे परिवार के सभी लोगों के पासपोर्ट खो गए हैं। कृपया मदद करें। इस पर जयशंकर ने लिखा, 'यदि आप इटली में हैं तो रोम स्थित भारतीय दूतावास जाएं और अगर जर्मनी में हैं तो म्यूनिख स्थित महावाणिज्य दूतावास में जाएं। आपकी मदद की जाएगी।' एक अन्य ट्विटर यूजर ने कुवैत में उसके पति को खोजने और उन्हें वापस भारत लाने के संबंध में मदद मांगी।

कह के रहेंगे

माधव जोशी

19 अगस्त तक नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, हरियाणा और राजस्थान के मुख्य सचिवों से राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवैध कब्जे हटाने के लिए एक्शन प्लान सौंपने को कहा है।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 3 जून 2019

राजग में 'ऑल इज वेल', किसी को न हो गलतफहमी

नीतीश की दो टूक ▶ मंत्रिमंडल विस्तार पर कहा, मैंने भाजपा कोटे से भी मंत्री के नाम मांगे थे

उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने भी मुख्यमंत्री की बात दोहराई

राज्य ब्यूरो, पटना

बिहार सरकार में मंत्रिमंडल विस्तार में केवल जदयू के मंत्रियों को शामिल किए जाने पर तरह-तरह की अटलकलबाजी को सिरे से खारिज करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि राजग में सब कुछ ठीक है। किसी को गलतफहमी नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री के तुरंत बाद उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने भी यह दोहराया 'एनडीए में ऑल इज वेल'। शपथग्रहण समारोह से लौटने के क्रम में मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री ने यह बात कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रिमंडल विस्तार के सिलसिले में मैंने सहयोगी दल भाजपा से यह पूछ लिया था कि अगर भाजपा कोटे से भी कोई मंत्री बनाना चाहते हैं तो नाम दे दें। पर भाजपा की ओर से कहा गया कि बाद में भाजपा कोटे से मंत्रियों की रिक्त जगह को भर लिया जाएगा। कहा कि जब गठबंधन बनता है तो उसी समय पार्टियों के बीच पद और विभाग तय होते हैं। जदयू कोटे से पांच स्थान खाली थे और लोकसभा चुनाव के बाद रिक्ति और बढ़ गई। विधानसभा सत्र शुरू होने वाला है। ऐसे में विभागों के जवाब के लिए मंत्री रहें इसका ध्यान रख सत्र आरंभ होने के पहले ही मंत्रिमंडल विस्तार करने का निर्णय लिया गया। नए पुराने सभी लोग अपने-अपने विभाग को संभालेंगे और काम में तेजी आएगी। मंत्रिमंडल में और वेकेंसी के संबंध में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इसकी कभी भी जरूरत हो सकती है।

पटना में नए मंत्रियों के शपथग्रहण समारोह के दौरान उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी का अभिवादन करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। एएनआइ

बिहार सरकार में आठ नए मंत्री शामिल

राज्य ब्यूरो, पटना : नीतीश के नेतृत्व वाली सरकार के मंत्रिमंडल में रविवार को आठ नए मंत्री शामिल किए गए। राज्य मंत्रिमंडल विस्तार के दो घंटे के भीतर नए मंत्रियों के विभागों की घोषणा कर दी गई। रविवार को नवनियुक्त मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। मंत्रिमंडल में शामिल सभी मंत्री जदयू कोटे के हैं। नीतीश सरकार में अब मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों की कुल संख्या 33 हो गई है। भाजपा के मंत्रियों की संख्या 12 है। शपथ ग्रहण करनेवाले आठ मंत्रियों में चार पहली बार मंत्री बने हैं। विधान पार्षद नीरज कुमार, विधान पार्षद संजय कुमार झा, मधुबनी के लौकहा से विधायक लक्ष्मेश्वर राय तथा गोपालगंज के हथुआ विधानसभा क्षेत्र से चुने गए रामसेवक सिंह पहली बार मंत्री बने हैं। अन्य चार नरेंद्र नारायण यादव, अशोक चौधरी, श्याम रजक और बीमा भारती पूर्व में नीतीश के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री रह चुके हैं।

नीतीश कुमार एनडीए के नेता हैं और रहेंगे : रामविलास

राज्य ब्यूरो, पटना

- लोजपा नेता बोले, भाजपा ही सभी को साथ लेकर चल सकती है
- अगले पांच साल में सांप्रदायिकता व अगड़ा-पिछड़ा का भेद खत्म हो जाएगा

केंद्रीय मंत्री व लोजपा प्रमुख रामविलास पासवान ने रविवार को कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एनडीए के नेता हैं और रहेंगे। जदयू के केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल नहीं होने को लेकर कोई और अर्थ नहीं निकाला जाना चाहिए। उन्होंने खुद नीतीश कुमार से बात की है। नीतीश ने स्पष्ट कहा है कि विवाद का कोई मामला नहीं। मंत्रिमंडल के गठन को लेकर फॉर्मूले से वह सहमत नहीं, बस इतनी सी बात है। एनडीए पूरी तरह से अटूट है। अपने पार्टी के सांसद चिराग पासवान, पशुपति कुमार पारस, रामचंद्र पासवान, महबूब अली कैसर व चंदन कुमार के साथ आयोजित एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने यह बात कही।

रामविलास ने कहा इस बार का चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम व काम पर हुआ। भाजपा ही सबको साथ लेकर चल सकती है। अगले पांच साल के खत्म होते-होते देश से सांप्रदायिकता और अगड़े-पिछड़े के बीच विभेद का मामला खत्म हो जाएगा। सिर्फ विकास ही मुद्दा रहेगा। बिहार में एनडीए की एकजुटता की चर्चा करते हुए रामविलास ने कहा कि यहां सभी घटक दलों ने पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ा। लोजपा के छह सांसद जीत कर आए उसमें नीतीश कुमार का कम योगदान नहीं है। बिहार में हुए मंत्रिमंडल विस्तार में लोजपा को जगह नहीं दिए जाने से संबंधित एक प्रश्न पर उन्होंने कहा कि यह कोई विषय नहीं है। पिछली बार नीतीश कुमार ने स्वयं जोर देकर पशुपति कुमार पारस को मंत्री बनवाया था। पार्टी का प्रतिनिधित्व रहे या नहीं रहे पर एनडीए रहना चाहिए।

लोजपा प्रमुख ने कहा कि एनडीए की इस बड़ी जीत में कार्यकर्ताओं का बड़ा योगदान है। कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देने के लिए रैली आयोजित करने के संबंध में वह नीतीश कुमार और भाजपा के नेताओं से बात करेंगे।

मायावती आज करेंगी सपा के साथ गठबंधन की समीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : लोकसभा चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन की समीक्षा में जुटीं बसपा अध्यक्ष मायावती दिल्ली, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड समेत कई प्रदेशों के पदाधिकारियों पर कार्रवाई करने के बाद सोमवार को उत्तर प्रदेश संगठन की समीक्षा करेंगी। नई दिल्ली में प्रस्तावित समीक्षा बैठक में प्रदेश पदाधिकारियों, कोआर्डिनेटर के अलावा जिला अध्यक्षों को भी बुलाया गया है। मायावती दिल्ली बैठक में सपा व रालोद के साथ किये गए गठबंधन की भी समीक्षा करेंगी। बैठक में कई बड़ों पर कार्रवाई संभव है।

सूत्रों का कहना है कि बसपा में इस बात को लेकर चिंता है कि गठबंधन से अपेक्षित लाभ नहीं मिल सका। सहयोगी दलों के वोट ट्रांसफर होने को लेकर भी चर्चा होगी। प्रदेश में 11 विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले उपचुनाव को लेकर भी अहम फैसला लिया जा सकता है। माना जा रहा है कि आम तौर से उप चुनाव से दूरी बनाए रखने वाली बसपा इस बार गठबंधन होने के कारण मैदान में उतरने का फैसला भी ले सकती है। जिन 11 सीटों पर उपचुनाव होगा, उनमें से पांच सपा व पांच बसपा के साथ एक सीट रालोद को भी दी जा सकती है। उपचुनाव में सीट बंटवारे का फार्मूला 2022 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर तय किया जा सकता है।

हरियाणा कांग्रेस में बदलाव के संकेत रणदीप सुरजेवाला पर दांव संभव

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

- भाजपा में जाने की अटकलों और भव्य की हार से कुलदीप बिश्नोई की राह हुई मुश्किल
- दलित चेहरे के रूप में कुमारी सैलजा के नाम पर भी विचार संभव, हुड्डा गुट ने नहीं छोड़ी आस

लोकसभा चुनाव में मिली करारी शिकस्त के बाद हरियाणा कांग्रेस में बदलाव का खाका लगभग तैयार हो चुका है। गुटों में बंटी कांग्रेस को एकजुट करने की मंशा से पार्टी हाईकमान हरियाणा में रणदीप सिंह सुरजेवाला पर दांव खेल सकता है। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के सबसे विश्वसनीय सुरजेवाला को हरियाणा कांग्रेस की कमान सौंपी जा सकती है। चार जून को दिल्ली में होने वाली बैठक में उनके नाम पर मुहर लग सकती है।

हरियाणा कांग्रेस के मौजूदा प्रधान डॉ. अशोक तंवर पिछले पांच सालों में आज तक जिला व ब्लॉक स्तर का संगठन नहीं खड़ा कर पाए हैं। तंवर ने हालांकि कई बार कोशिश भी की, मगर उनके विरोधी नेताओं ने तंवर के प्रयासों को इसलिए सिरे नहीं चढ़ने दिया, क्योंकि लिस्ट में सभी गुटों को भरपूर तथा वाजिब हिस्सेदारी नहीं दी गई थी। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के तमाम दिग्गज नेता चुनाव लड़े। सभी की हार हुई। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने इस हार का कारण राज्य कांग्रेस में संगठन की कमी को बताया है।

कांग्रेस हाईकमान ने हालांकि पार्टी नेताओं की हार के लिए सीधे तौर पर किसी नेता को दोषी नहीं ठहराया, लेकिन उसे लगता है कि बिना संगठन में बदलाव के पार्टी को हरियाणा में भाजपा की टक्कर में खड़े रखना नामुमकिन है। इसलिए किसी सर्वमान्य नेता को संगठन की बागडोर सौंपी जानी चाहिए। हुड्डा समर्थक विधायकों की प्रदेश अध्यक्ष पद पर लंबे समय से निगाह है। इसके लिए वे पिछले कई सालों से लॉबिंग भी कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि हुड्डा सोनीपत से इसी शर्त पर चुनाव लड़ने को तैयार हुए थे कि नतीजों के बाद तंवर को प्रधान पद से हटाया जाएगा।

रणदीप सुरजेवाला (फाइल)

हाईकमान का भरोसा जीतने में लगे कुलदीप बिश्नोई : हुड्डा सोनीपत से चुनाव हार गए, जबकि उनके बेटे दीपेंद्र ने एक योद्धा की तरह चुनाव लड़ा है। ऐसा सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। दीपेंद्र की अरविंद शर्मा से हार मात्र सात हजार मतों से हुई है। कांग्रेस में अध्यक्ष पद के अन्य तमाम दावेदार भी चुनाव हार गए हैं। कांग्रेस हाईकमान चाहता था कि कुलदीप बिश्नोई को हरियाणा कांग्रेस की बागडोर सौंपी जाए, लेकिन लोकसभा चुनाव में उनके भाजपा में जाने की अफवाहों तथा हिसार से बेटे भव्य बिश्नोई की हार ने कुलदीप की राह में कांटे बो दिए हैं। इसके बावजूद उनके प्रयास जारी हैं।

कांग्रेस में बन रहे कई तरह के समीकरण : कांग्रेस हाईकमान के सामने अब दलित चेहरे के रूप में कुमारी सैलजा के रूप में बड़ा नाम बचा है, लेकिन हाईकमान के सामने प्रस्ताव दिया गया कि रणदीप सुरजेवाला राज्य के तमाम राजनीतिक मिजाज से वाकिफ हैं और वे भाजपा को मजबूती के साथ टक्कर देकर गुटों में बंटे सभी नेताओं को साथ लेकर चल सकते हैं। लिहाजा उन्हें प्रधान पद सौंप दिया जाए। इसके बावजूद हुड्डा गुट प्रदेश अध्यक्ष के पद पर अपनी पसंद का कोई दावेदार उतारने के प्रयासों में कमी नहीं लाएगा। रविवार को अशोक तंवर ने फतेहाबाद में विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का संकेत भी दिया है। इसको हरियाणा कांग्रेस में बदलाव की प्रक्रिया से जोड़कर देखा जा रहा है।

इफ्तार की दावत के बहाने राबड़ी ने दिखाई राजद की ताकत

राज्य ब्यूरो, पटना

- तेजस्वी की अनुपस्थिति में राबड़ी ने संभाली आयोजन की कमान
- अरसे बाद तेजप्रताप भी पहुंचे राबड़ी आवास, मीसा भी दिखीं सक्रिय

बिहार की सियासत में चौतरफा हलचल है। ऐसे ही माहौल में महागठबंधन खेमे की सबसे बड़ी पार्टी राजद की ओर से रविवार को इफ्तार की दावत दी गई। पार्टी और परिवार के प्रमुख लालू प्रसाद की अनुपस्थिति में मेहमानों की आवभगत और व्यवस्था का मोर्चा पहली बार राबड़ी देवी ने खुद संभाला। पूरे छह महीने बाद आवास परिसर में तेजप्रताप यादव के कदम पड़े थे, लेकिन नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की गैरमौजूदगी से कई तरह के सवाल उठ रहे थे। राबड़ी ने बताया कि तेजस्वी बीमार हैं और दिल्ली में हैं। लोकसभा चुनाव में बुरी पराजय का असर दावत के आयोजन पर थोड़ा भी नहीं दिख रहा था। आवास के बाहर पहले की तरह गाड़ियों की लंबी कतारें, परिसर में रोजेदारों और राजद समर्थकों की भीड़ के बीच अतिथियों का आना-जाना जारी था।

मीडिया के सवालों का मतलब राजद में दरार-तकरार जानने का था, किंतु राबड़ी ने आग्रह किया कि आज भर सियासत की बात मत करिए। परिवार को बीच में मत लाइए। तेजप्रताप आए हुए हैं। उनके पारिवारिक विवाद को भी सुलझाने की कोशिश हो रही है। राबड़ी ने भाजपा-जदयू से जुड़े सवालों पर कुछ भी बोलने से परहेज किया और कहा कि यह उनका अंदरुनी मामला है। हमें कुछ नहीं कहना।

चुनाव मैदान से ज्यादा दिखी एकता : महागठबंधन की एकता भी चुनाव मैदान से ज्यादा आवास परिसर दिख रही थी। हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के प्रमुख जीतनराम मांझी, प्रवक्ता दानिश रिजवान, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन झा, रालोसपा के प्रदेश अध्यक्ष भूदेव चौधरी एवं पूर्व स्पीकर उदय नारायण चौधरी समेत कई नेता आत्मीय तरीके से मिले। राजद के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी, मीसा भारती और जगदानंद सिंह पहले से जमे थे। रघुवंश प्रसाद सिंह ने भी आने में देर नहीं की। हाथ में माइक लिए विधायक भोला यादव रेफरी की भूमिका में थे। रोजेदारों और भीड़ से व्यवस्थित होकर बैठने का आग्रह कर रहे थे।

नहीं आए सीएम और भाजपा नेता : राबड़ी देवी ने पहली बार अपने आवास परिसर में राजद की इफ्तार पार्टी में भाजपा नेताओं को आमंत्रित किया था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी न्योता दिया गया था। लेकिन कोई नहीं आया। न भाजपा नेता दिखे और न ही मुख्यमंत्री। राजनीतिक कटुता के बावजूद लालू प्रसाद के पारिवारिक आयोजनों में नीतीश कुमार जाते रहे हैं। दो साल पहले तेजप्रताप की शादी में भी सीएम गए थे। माना जा रहा था कि वह इस बार भी जा सकते हैं। पिछली बार फिल्म अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा भी गए थे। इस बार उन्होंने भी आना जरूरी नहीं समझा।

मैं भी बीमार, लेकिन यहां मौजूद : तेजप्रताप

तेजस्वी के बारे में जब मीडिया ने तेजप्रताप से कहा कि वह बीमार हैं और दिल्ली में हैं। इस पर उन्होंने कहा कि मैं भी बीमार हूं, लेकिन मैं यहां हूं। तेजप्रताप के इस जवाब के भी अर्थ लगाए जा रहे हैं। बता दें कि पत्नी ऐश्वर्या राय से तलाक की अर्जी देने के बाद से ही तेजप्रताप ने राबड़ी देवी के आवास परिसर से दूरी बना रखी थी। पटना में ही उन्होंने अपने लिए अलग सरकारी आवास आवंटित करा रखा है। तेजस्वी की अनुपस्थिति में उन्हें छह महीने बाद पहली बार परिसर में देखा गया।

पटना में राष्ट्रीय जनता दल की ओर से रविवार को आयोजित इफ्तार पार्टी में मुस्लिम समाज के लोगों को सम्मानित करतीं पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी। एएनआइ

कैप्टन का पीएम को पत्र, नशे के खात्मे के लिए राष्ट्रीय नीति बनाएं

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

- अमरिंदर ने प्रधानमंत्री से दखल का अनुरोध किया, नार्को आतंकवाद से पैदा हुई सुरक्षा चिंता का जिक्र किया

नशीले पदार्थों की गिरफ्त से पंजाब को बाहर निकालने में जुटे मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इसके खिलाफ राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग की है। पीएम को लिखे पत्र में अपील की है कि वह गृह, सामाजिक न्याय, सशक्तीकरण और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालयों को इस महत्वपूर्ण मसले को और गंभीरता से सुलझाने की सलाह दें।

अपने नेतृत्व में पंजाब की आठ लोकसभा सीटें जीतने के बाद अमरिंदर का चार दिन में पीएम को यह तीसरा पत्र है। इससे प हले वह प्रधानमंत्री आवास योजना के नियमों में ढील देने और पेट्रोलियम व बिजली को जीएसटी के दायरे में लाने के संबंध में प त्र लिख चुके हैं। ताजा पत्र में उन्होंने नशा उन्मूलन के लिए तीन चरण की रणनीति, कार्रवाई, नशा मुक्ति और रोकथाम (ईडीपी) के लिए राष्ट्रीय नीति तैयार करने के लिए पीएम के दखल की मांग की है। कैप्टन ने पंजाब की पाकिस्तान के साथ 553 किमी लंबी सीमा होने और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से रणनीतिक अहमियत का हवाला देते हुए नार्को आतंकवाद से पैदा हुई सुरक्षा चिंता का जिक्र किया है। कैप्टन ने कहा कि नशे का इस्तेमाल एक वैश्विक समस्या है, जिसकी बड़ी सामाजिक-आर्थिक कीमत चुकानी पड़ रही है। पत्र में कहा, 'पिछले दो दशकों में नशीले पदार्थों की तस्करी भारत में खतरनाक स्तर पर पहुंच चुकी है।

केंद्रीय सामाजिक न्याय व सशक्तीकरण मंत्रालय की ओर से नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर के सहयोग से फरवरी, 2019 को जारी की गई ताजा रिपोर्ट में जिक्र है कि भारत में नशे की गहरी समस्या है। इससे निपटने के लिए कई चरणों पर आधारित साझा नीति की जरूरत है। कैप्टन ने गांवों व शहरों को नशा मुक्त करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दिल खोलकर वित्तीय मदद देने की अपील की।

झारखंड में यूं ही नहीं कांग्रेस नेताओं में रार, जितनी सीटें उससे ज्यादा रिश्तेदार

राज्य ब्यूरो, रांची

झारखंड जैसे छोटे राज्य में हार से सबक लेने की बजाय कांग्रेस नेताओं की आपसी लड़ाई चरम पर है और शिकवे-शिकायतों का दौर लगातार चल रहा है। लोकसभा चुनाव के दौरान ददई दुबे सरीखे नेताओं ने जहां खुलकर नाराजगी व्यक्त कर दी, वहीं रामेश्वर उरांव जैसे नेताओं ने निष्क्रियता से अपनी नाराजगी जता दी। अब सुबोधकांत सहाय और कीर्ति झा आजाद ने खुले तौर पर कांग्रेस आलाकमान तक अपनी शिकायत पहुंचा दी है।

सूत्र बताते हैं कि लड़ाई सिर्फ लोकसभा चुनाव में हार की नहीं है। यहां छह महीने बाद विधानसभा चुनाव होने हैं और लड़ाई इसी चुनाव में सीटें अपने कब्जे में करने की है। पहले से जीतते रहे बड़े नेता पार्टी में अपने परिजनों के लिए सीट सुनिश्चित करा लेना चाहते हैं और यह हिस्सेदारी लड़कर ही मिलेगी। विधानसभा चुनाव में महागठबंधन बना रहा तो कांग्रेस के खाते में 20 से 25 सीटें आएंगी, लेकिन इससे कहीं अधिक दावेदारी रिश्तेदारों की है।

इन्हें है सगे-संबंधियों की चिंता

सुबोधकांत सहाय : स्वयं और भाई के लिए चिंतित। हटिया सीट सुरक्षित कराना चाहते हैं।

गोपाल साहू : स्वयं और भाई के लिए चिंतित। दोनों चुनाव लड़ चुके हैं।

सुखदेव भगत : स्वयं विधायक हैं। मौका मिलने पर पत्नी के लिए भी टिकट का इंतजाम करेंगे। पत्नी नप अध्यक्ष हैं।

गीताश्री उरांव : स्वयं दावेदार हैं। पुलिस सेवा से आए पति अरुण उरांव भी टिकट के दावेदारों में शामिल हैं।

राजेंद्र सिंह : स्वयं और दोनों पुत्रों को टिकट दिलाना चाहते हैं।

मन्नान मल्लिक : स्वयं अथवा पुत्र के लिए धनबाद सीट से दावेदारी कर रहे हैं।

ददई दुबे : स्वयं एवं पुत्र के लिए चिंतित। खुद बोकारो तो पलामू के विश्रामपुर से बेटे के लिए टिकट चाहते हैं।

फुरकान अंसारी : स्वयं भी लड़ना चाहते हैं और पुत्र तो विधायक होने के कारण प्रबल दावेदार हैं ही।

आलमगीर आलम : स्वयं और पुत्र के लिए लगे हुए हैं।

प्रदीप कुमार बलमुचू : स्वयं एवं पुत्री के लिए। पुत्री को पिछले चुनाव में टिकट भी दिलवा चुके हैं।

तिलकधारी सिंह : अपने पुत्र धनंजय के लिए प्रयासरत हैं।

समरेश सिंह : दोनों बहू हाल में ही कांग्रेस में शामिल हुई हैं, एक को विधायक तो दूसरे को निगम चुनाव लड़ने का मन है।

कांग्रेस, झाविमो और राजद का नहीं मिला सहयोग : झामुमो

राज्य ब्यूरो, रांची

लोकसभा चुनाव में झारखंड में भाजपा के हाथों बुरी तरह परास्त हुई विपक्षी महागठबंधन की अंदरूनी हकीकत खुलकर सामने आने लगी है। रविवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के विधायकों की बैठक में यह बात जोरदार तरीके से उठी कि महागठबंधन में शामिल दलों को जितना सहयोग करना चाहिए था, वह नहीं किया गया। जबकि झारखंड मुक्ति मोर्चा ने उन तमाम सीटों पर खुलकर सहयोग किया जहां विपक्षी दलों के प्रत्याशी खड़े थे। ज्यादातर विधायकों की यह भी राय थी कि छह माह बाद होने वाले विधानसभा चुनाव में बगैर गठबंधन के झामुमो अकेले चुनाव मैदान में जाए। बैठक की समाप्ति के बाद झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने इसे खुलकर स्वीकार भी किया।

झामुमो ने लोकसभा चुनाव में चार सीटों दुमका, राजमहल, गिरिडीह व जमशेदपुर सीट से प्रत्याशी खड़े किए थे। इसमें से मात्र एक सीट राजमहल पर ही जीत मिली। झामुमो अध्यक्ष शिबू सोरेन अपनी परंपरागत सीट दुमका में हार गए। लोकसभा चुनाव में करारी पराजय, खासकर दुमका सीट हारने से झामुमो में खलबली मची है।

शिबू सोरेन (फाइल)

बड़े भाई की भूमिका में रहेंगे, गठबंधन पर अभी फैसला नहीं : विधानसभा चुनाव में भी गठबंधन जारी रहने के सवाल पर हेमंत सोरेन ने कहा कि सोमवार को होने वाली मोर्चा की केंद्रीय समिति की बैठक में इस मुद्दे पर विचार होगा। पार्टी रणनीति के तहत फैसला लेगी। हालांकि उन्होंने कहा कि महागठबंधन जारी रहने की स्थिति में झामुमो बड़े भाई की भूमिका निभाएगा। मोर्चा पूरी ताकत से विधानसभा का चुनाव लड़ेगा। इस संबंध में घटक दलों से बैठक में बातचीत की जाएगी।

ईधर-उधर

मध्य प्रदेश में कांग्रेस सरकार अब भी जुटी है प्रशासनिक जमावट में। मुख्यमंत्री ने शनिवार देर रात कई आइएएस और आइपीएस अधिकारियों के तबादले किए

प्रशासनिक सर्जरी से कमलनाथ ने साधे मैदानी समीकरण

नईदुनिया, भोपाल

- लोकसभा चुनाव में करारी का हार का आइएएस-आइपीएस अफसरों के तबादलों में दिखा असर
- नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त गुलशन बामरा का हटाया जाना, किसी के गले नहीं उतर रहा है

मध्य प्रदेश में कांग्रेस सरकार आने के बाद से प्रशासनिक जमावट का सिलसिला अभी भी जारी है। मुख्यमंत्री कमलनाथ और मुख्य सचिव सुधिरंजन मोहंती के बीच लंबी चर्चा के बाद शनिवार देर रात कई आइएएस और आइपीएस अफसरों के तबादले किए गए। इसमें लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार का असर साफ दिख रहा है। जबलपुर में कलेक्टर के बाद पुलिस अधीक्षक और नगर निगम कमिश्नर का भी तबादला किया गया। छह जिलों में कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक, दोनों बदले गए हैं। सरकार ने प्रशासनिक फेरबदल के माध्यम से आगामी चुनावों को देखते मैदानी समीकरण बैठाए हैं।

सूत्रों के मुताबिक, नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त गुलशन बामरा का हटाया जाना, किसी के गले नहीं उतर रहा है, क्योंकि उनकी कार्यशैली सिर्फ और सिर्फ काम तक ही सीमित है। इसके बावजूद उन्हें सागर कमिश्नर बनाकर भेज दिया गया। श्रीकांत बनोठ को लेकर माना जा रहा है कि उन्हें मुख्य सचिव के भरोसेमंद होने का फायदा मिला है। सीहोर कलेक्टर बनाए गए अजय गुप्ता का प्रदर्शन बेहतर रहा है तो माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव अजय गंगवार पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के ओएसडी रहे हैं और उन्होंने मुख्य सचिव के साथ भी काम किया है। यही वजह है कि उन्हें नीमच जिले की बागडोर सौंपी गई है। नीमच भाजपा का गढ़ भी है।

लोक निर्माण विभाग के उप सचिव तरुण राठी को विधानसभा चुनाव के वक्त चुनाव आयोग के निर्देश पर हटाया गया था। उन्हें दमोह भेजा गया है। वीरेंद्र सिंह रावत को चुनाव के समय दतिया से हटाया था। सरकार ने उन पर भरोसा जताते हुए शाजापुर पदस्थ किया है। अक्षय कुमार सिंह को चुनाव आयोग ने निवाड़ी से हटाया था, उन्हें सरकार ने फिर वहीं पदस्थ कर दिया। भोपाल में सुदाम पंढरीनाथ खाड़े को हटाए जाने की अटकलें विधानसभा चुनाव खत्म होने के साथ ही लगाई जा रही थीं पर वे अभी तक पदस्थ रहे। सतना कलेक्टर सत्येंद्र सिंह को लेकर चुनाव में भाजपा ने बहुत शिकायतें की थीं, पर उनका कोई तार्किक आधार नहीं था, इसलिए कोई कार्रवाई नहीं हुई। चुनाव होने के बाद सरकार को लगा कि सिंह की मौजूदगी बहुत प्रभावी नहीं रही। कुल मिलाकर देखा जाए तो सरकार ने प्रशासनिक जमावट के जरिये मैदानी समीकरण साधने का प्रयास किया है। इसके पीछे मुख्य उद्देश्य आगामी समय में होने वाले निकाय और पंचायत चुनाव के साथ योजनाओं का क्रियान्वयन पुख्ता करना है। दरअसल, लोकसभा चुनाव में जिस तरह के नतीजे आए हैं, उसने सरकार को झकझोर कर रख दिया है। न तो किसानों ने कर्जमाफी जैसी योजनाओं को लेकर सरकार का साथ दिया, न ही ओबीसी आरक्षण की सीमा सरकारी नौकरियों में 14 से बढ़ाकर 27 फीसदी करने का फायदा मिला।

लोस चुनाव में हार के बाद कमलनाथ पर दबाव बढ़ गया है। फाइल

भोपाल के लिए परफॉर्मर की तलाश

भोपाल में कलेक्टर के पद पर उस अधिकारी को पदस्थ किया जाएगा जो योजनाओं का बेहतर ढंग से क्रियान्वयन करा सकेगा। सूत्रों ने बताया कि सरकार का पूरा जोर साल के अंत में प्रस्तावित नगरीय निकाय चुनाव को लेकर है। सरकार शहरों में पट्टा वितरण को लेकर एक बड़ा कार्यक्रम लाने वाली है, जिसे क्रियान्वित करने के लिए तेजी से काम करने वाले अधिकारी की तलाश है।

छग में निगम-मंडल की कुर्सी से विधायकों का पत्ता साफ

नईदुनिया, रायपुर

छत्तीसगढ़ में सरकारी निगम-मंडल और समितियों में विधायकों को कुर्सी नहीं मिलेगी। राज्य में 126 निगम-मंडल और विभिन्न सरकारी समितियों के 300 पद हैं। संगठन के लिए अच्छा काम करने वाले कार्यकर्ताओं को वह पद देकर सम्मानित किया जाएगा। कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारी समिति ने यह फैसला लिया है। इतना ही नहीं, विधानसभा और लोकसभा चुनाव में हारे हुए प्रत्याशियों को भी अब कोई सरकारी कुर्सी नहीं मिल पाएगी। इस फैसले से जहां एक तरफ कार्यकर्ता खुशी हैं, वहीं कुर्सी की आस लगाए विधायकों में मायूसी छा गई है। रविवार को कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय राजीव भवन में प्रदेश कार्यकारी समिति की बैठक हुई। इसमें पार्टी के प्रदेश प्रभारी पीएल पुनिया, मुख्यमंत्री व पीसीसी अध्यक्ष भूपेश बघेल, मंत्री और प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित थे।

राहुल ने किया था वादा : बैठक में यह बात उठी कि अब निगम-मंडल, प्राधिकरण के पदों पर नियुक्ति कर दी जाए। इस पर पुनिया ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की कही बात दोहराई। कहा कि राहुल ने विधानसभा चुनाव के पहले ही कह दिया था कि जो कार्यकर्ता चुनाव में अच्छा काम करेगा, उसे ही पद मिलेगा।

चुनाव लड़ने वालों को पार्टी मौका दे चुकी : पुनिया ने कहा कि विधायक भी उम्मीद न रखें। पार्टी ने जिन्हें विधानसभा और लोकसभा चुनाव लड़ाया और वे हार गए, तो उनकी किस्मत है। पार्टी उन्हें मौका दे चुकी है, इसलिए उनको भी निगम-मंडल में पद नहीं दिया जाएगा। पुनिया बोले-विधायकों, सांसदों और जिलाध्यक्षों से ऐसे कार्यकर्ताओं के नाम लिए जा चुके हैं, जिन्होंने चुनाव में अच्छा काम किया है। उन्हें ही निगम-मंडल, प्राधिकरण में कुर्सी मिलेगी।

प्रदेश कार्यकारी समिति में यह भी फैसला हुआ है कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में रोज एक मंत्री दरबार लगाएंगे। किस दिन, कौन मंत्री उपस्थित रहेंगे, यह चार्ट तैयार होगा। यह फैसला इसलिए लिया गया है, ताकि पार्टी के कार्यकर्ता अपनी समस्या या बात सीधे मंत्री या कहें, सरकार तक पहुंचा सकें।

5 और 6 जून को तकनीकी रखरखाव के चलते मां वैष्णो देवी भवन से भैरव घाटी तक नहीं चलेगी केवल कार। तीन साल तक इसकी तकनीकी रखरखाव का जिम्मा स्विटजरलैंड की कंपनी गर्वेता एजी के पास है।

एक्शन इंडिया ने ऑस्कर विजेता स्नेह और सुमन की नौकरी छीनी

कार्रवाई पर रखी बात ▶ सुमन ने संस्था पर लगाया पुरस्कार राशि मांगने का आरोप

स्नेह ने भी कहा, संस्था ने नहीं दिया डेढ़ माह का वेतन

जागरण संवाददाता, हापुड़

तीन माह पहले ऑस्कर पुरस्कार प्राप्त करने वाली स्नेह और सुमन ने सहयोग करने वाली संस्था पर गंभीर आरोप लगाए हैं। संस्था ने आरोपों को निराधार बताया है। उप्र के हापुड़ स्थित गांव काठीखेड़ा निवासी सुमन 2010 में एक्शन इंडिया संस्था से जुड़ीं, जबकि स्नेह जनवरी 2017 में जुड़ीं। स्नेह और उनकी भाभी सुमन ने बताया कि वह एक्शन इंडिया संस्था के अंतर्गत काम करने वाली इकाई 'सबला' की सदस्य थीं। दोनों सबला केंद्र में सेनेटरी नैपकिन बनाने और बेचने का काम करती थीं। तीन माह पहले उनकी फिल्म 'पीरियड : एंड ऑफ सेंटेंस' को ऑस्कर पुरस्कार मिला था। यह पुरस्कार प्राप्त करने के लिए स्नेह और सुमन के अलावा संस्था की कई पदाधिकारी भी अमेरिका गई थीं।

इसके बाद उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने स्नेह और सुमन समेत उनकी नौ साथियों को पुरस्कार के रूप में एक-एक लाख रुपये दिए थे। इसके अलावा प्रदेश के राज्यपाल राम नाईक ने व्यक्तिगत तौर पर सुमन और स्नेह को 50-50 हजार रुपये पुरस्कार के रूप में दिए। आरोप है कि एक्शन इंडिया नामक संस्था के पदाधिकारियों ने सुमन से पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा दिए गए एक लाख रुपये को संस्था को देने के लिए कहा। ऐसा नहीं करने पर उन्होंने संस्था छोड़ने के लिए दबाव बनाया। इस दबाव के कारण सुमन ने मजबूरी में नौकरी छोड़ दी। वहीं, उनकी ननद स्नेह ने संस्था के पदाधिकारियों पर उनका डेढ़ माह का वेतन नहीं देने का आरोप लगाकर नौकरी छोड़ दी। दोनों ने अपनी जीविका चलाने के लिए नई नौकरी की तलाश शुरू कर दी है।

हापुड़ में संस्था से नौकरी छोड़ने की जानकारी देती आस्कर अवार्ड विजेता सुमन व स्नेह। जागरण

संस्था ने आरोपों को बताया निराधार : एक्शन इंडिया की परियोजना समन्वयक सुलेखा सिंह का कहना है कि सुमन और स्नेह ने संस्था के नियमों का उल्लंघन किया। सुमन संस्था की कार्यकर्ता थीं और स्नेह संस्था में केवल स्वयंसेवक के रूप में कार्य करती थीं। संस्था का नियम है कि संस्था से जुड़ा कोई भी कार्यकर्ता किसी राजनीतिक दल से धन नहीं ले सकता। यदि राजनीतिक दल पुरस्कार के रूप में धन देता है तो उसे सबला समिति के खाते में जमा करना होगा। उस धन का उपयोग संस्था की संबंधित इकाई के कार्यों में ही किया जाएगा।

सुलेखा सिंह ने बताया कि राज्यपाल द्वारा दिए गए रुपये संस्था ने उन दोनों से नहीं मांगे हैं, क्योंकि ये रुपये राज्यपाल ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से दिए थे। सुमन को केवल अखिलेश यादव द्वारा दिए गए एक लाख रुपये सबला समिति के खाते में जमा कराने को कहा गया था। इसके लिए उन्हें डेढ़ माह का समय दिया था, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। 29 अप्रैल को उन्होंने रुपये लौटाने से इन्कार कर दिया था। इसके बाद संस्था ने उन्हें केवल स्वयंसेवक के रूप में काम करने का प्रस्ताव दिया था।

एचपीएससी ने परीक्षा में 10 सवालों को गलत माना, आठ के जवाब बताए दो-दो

जागरण संवाददाता हिसार

▶ उम्मीदवारों ने जताया एतराज नेगेटिव मार्किंग के चलते नहीं किए थे प्रश्न अटेंप्ट

▶ परीक्षा परिणाम घोषित होने तक की प्रक्रिया पर खड़े हुए सवाल

हरियाणा पब्लिक सर्विस (एचपीएससी) द्वारा 31 मार्च को एचसीएस (हरियाणा सिविल सर्विसेज) की परीक्षा के बाद जारी आंसर की, ऑब्जेक्शन पर प्रजेंटेशन और फिर परीक्षा परिणाम घोषित करने तक की प्रक्रिया को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

परीक्षा के बाद एचपीएससी ने एक अप्रैल को आंसर की नेट पर डाल दी और उम्मीदवारों से प्रजेंटेशन मांगी। उम्मीदवारों ने कुल 18 सवालों पर ऑब्जेक्शन किए, जिसके बाद एचपीएससी ने यह मानते हुए कि परीक्षा में 10 सवाल पूछे ही गलत गए थे, उन्हें पूरी तरह से हटा दिया। इन सवालों के अंक उम्मीदवारों को उनके प्रसेंटाइल के आधार पर दे दिए गए। कई उम्मीदवार नेगेटिव मार्किंग के कारण सवाल अटेंप्ट ही नहीं करके आए थे। यही नहीं, बाकी आठ सवालों के दो-दो जवाब ठीक मान लिए गए। ऐसे में सवाल ये भी उठता है कि किसी तार्किक सवाल के दो जवाब कैसे हो सकते हैं। इसके बाद एचपीएससी ने रिवाइज्ड आंसर की डालने से पहले 21 मई को परिणाम जारी कर दिया और 22 को रिवाइज्ड आंसर की डाली।

इन जवाबों पर उठे सवाल: एचसीएस की आंसर की में पूछे गए सवाल नंबर 4, 20, 23, 24, 41, 39, 86 और 97 के उत्तर दो-दो माने गए हैं। वहीं, सवाल नंबर 9, 16, 17, 32, 34, 65, 68, 77, 88 और 98 को गलत मानते हुए हटा दिया गया और प्रश्न पत्र में 90 सवाल

उदाहरण- एक

भारतीय समुद्र तट का माप कितना है... इसके दो उत्तर कैसे

सीरीज बी के प्रश्न पत्र के अनुसार सवाल नंबर-4 में, भारतीय समुद्र तट की माप कितनी है, पूछा गया है। इसके चार वैकल्पिक जवाबों में से आयोगक ने दो को ठीक माना है। जिनमें विकल्प बी, 7515.6 किलोमीटर और सी, 7516.6 किलोमीटर शामिल हैं। जबकि कक्षा 9वीं की समकालीन भारत-1 भूगोल की एनसीईआरटी की पुस्तकों के अनुसार इसका सही उत्तर 7516.6 किलोमीटर है। ऐसे सवालों के दो उत्तर कैसे हो सकते हैं।

बेटी को नौकरी दिलाने के लालच में वेबसाइट पर डाली थी गलत जानकारी

जासं, नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने रविवार को पटियाला हाउस कोर्ट को सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर गलत जानकारी अपलोड करने के मामले में अपनी जांच रिपोर्ट सौंपी। पुलिस ने बताया कि बेटी को बीएसईएस में नौकरी दिलाने के लालच में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व कर्मचारी तपन कुमार चक्रबोर्ती ने कोर्ट की वेबसाइट पर गलत जानकारी अपलोड की थी। तपन कुमार और उसके सहयोगी मानव शर्मा ने रिलायंस कम्युनिकेशन के चेयरमैन अनिल अंबानी के एक मामले में पेशी को लेकर सात जनवरी को सुप्रीम कोर्ट से जारी हुए आदेश में हेरफेर कर वेबसाइट पर अपलोड कर दिया था। इसके बाद दोनों को नौकरी से निकाल दिया गया था। पुलिस ने दोनों पर केस दर्ज कर गिरफ्तार किया था।

पुलिस ने अदालत में बताया कि पूछताछ के दौरान पता चला है कि तपन कुमार अगले वर्ष सेवानिवृत्त होने वाला है। वह चाहता था कि उसकी 23 साल की बेटी की नौकरी बीएसईएस में लग जाए। एक व्यक्ति ने बेटी की नौकरी लगवाने का आश्वासन देकर सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट की जानकारी से छेड़छाड़ करने को कहा था। फिलहाल नौकरी का ऑफर देने वाले की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। वहीं दूसरे आरोपित मानव शर्मा ने तपन की वरिष्ठता के चलते निर्देशों का पालन किया था।

यह था मामला : सुप्रीम कोर्ट के एडिशनल रजिस्ट्रार की शिकायत पर एक मार्च को मामले में धोखाधड़ी और फर्जीवाड़े की धारा में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। इसके बाद तपन कुमार व मानव शर्मा को पुलिस ने अप्रैल में गिरफ्तार कर लिया था।

सरकार के कदम डगमगाए तो देंगे सलाह-सुझाव : भागवत

जागरण संवाददाता, कानपुर

▶ संघ प्रमुख ने कहा, हम सभी में होनी चाहिए किसी को उपकृत कर लाभ न लेने की प्रवृत्ति

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि जो लोकतांत्रिक व्यवस्था से चुनकर आते हैं, उनके पास अधिकार अधिक होते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि इनका कहीं गलत उपयोग किया जाए। अगर सरकार के कदम डगमगाते दिखेंगे तो संघ की ओर से उन्हें सकारात्मक पहल के दृष्किोण से सलाह व सुझाव दिए जाएंगे। वह रविवार को यहां बौद्धिक सत्र के दूसरे दिन स्वयंसेवकों को आदर्शवाद की शिक्षा दे रहे थे।

शनिवार को कानपुर पहुंचे संघ प्रमुख ने दूसरे दिन की शुरुआत सुबह साढ़े पांच बजे शाखा जाकर की। 11.15 बजे से संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ बौद्धिक सत्र को संबोधित किया। इस दौरान कहा कि हमें कभी अहंकार नहीं करना है, चाहे कितना अच्छा काम किया हो या फिर दूसरों की मदद। किसी को उपकृत कर उससे लाभ नहीं लेने की प्रवृत्ति सभी में होनी चाहिए। अपनों से हमेशा सकारात्मक रुख रखें। किसी बात से कोई निराशा हुई हो तो उसको साझा करें। खुद का उदाहरण देते हुए कहा कि मैं संघ का केंद्र नागपुर से दिल्ली बना सकता था लेकिन, ऐसा न करना ज्यादा बेहतर रहा। उन्होंने कहा कि संघ के कार्यों का विस्तार

मोहन भागवत (फाइल)

होने के साथ ही स्वयंसेवकों का मान बढ़ा, यह जानकर खुशी हुई। सोमवार को भी बौद्धिक सत्र होगा। शाखाओं के विस्तार समेत कई मुद्दों पर चर्चा होगी।

सुनाया 'गुरुजी' का किस्सा : स्वयंसेवकों के समक्ष मोहन भागवत ने गुरुजी यानी माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर का किस्सा सुनाया। कहा, गुरुजी जबलपुर में रामवन गए थे। वहां उन्होंने विजिटर बुक में लिखा था कि 'राम वन आइए, राम बन जाइए'। इसका अर्थ बताते हुए कहा कि जैसा स्थान हो, वहां अपने स्वभाव को उसी के अनुरूप ढाल लेना चाहिए।

लोकसभा चुनाव में हार से दिग्विजय सिंह के सियासी भविष्य पर लगा सवालिया निशान!

नईदुनिया, भोपाल

लोकसभा चुनाव में मध्य प्रदेश कांग्रेस की प्रथम पंक्ति के लगभग सारे नेताओं की हार ने जहां कांग्रेस के सामने नेतृत्व का संकट खड़ा कर दिया, साथ ही पराजित नेताओं के सियासी भविष्य पर भी सवालिया निशान लगा दिया है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि पार्टी नए चेहरों को आगे लाए। ऐसा पार्टी हाईकमान के सूत्रों की ओर से जानकारी दी जा रही है।

कांग्रेस के दिग्गज माने जाने वाले नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया, दिग्विजय सिंह, अजय सिंह और कांतिलाल भूरिया की हार से उबरने में कांग्रेस को लंबा वक्त लग सकता है। ज्योतिरादित्य सिंधिया की पराजय सभी के लिए अचरज भरी है। ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने परंपरागत गढ़ में एक ऐसे व्यक्ति से बुरी तरह परास्त हो गए, जो कुछ समय पहले तक उनके नीचे काम करता था। ऐसे में इस हार से कांग्रेसी अचरज में हैं।

पार्टी आलाकमान में उनकी गहरी पैठ के चलते उनके सियासी भविष्य को लेकर तो किसी को संदेह नहीं है। माना जा रहा है कि शीघ्र ही संगठन में उन्हें बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है।

इन नेताओं को लेकर भी है चर्चा

दिग्विजय सिंह : कांग्रेसी गलियारों में सबसे ज्यादा चर्चा दिग्विजय सिंह के भविष्य को लेकर है। सिंह संगठन के सबसे जानकार नेता माने जाते हैं। उनका उपयोग विधानसभा चुनाव में समन्वय के लिए कमलनाथ ने बखूबी किया था, लेकिन लोकसभा चुनाव में भोपाल जैसी कठिन सीट पर चुनाव लड़ना उनके सियासी जीवन का सबसे गलत निर्णय माना जाएगा। हालांकि इस सीट से चुनाव लड़ने का निर्णय उनका नहीं था। वे तो राजगढ़ सीट से चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन कमलनाथ ने उन्हें भोपाल से लड़ने के लिए मनाया। सिंह अभी राज्यसभा में हैं, जहां उनका कार्यकाल अगले साल मई तक है। उसके बाद पार्टी उनका क्या उपयोग करती है, यह देखने वाली बात होगी।

दिग्विजय सिंह (फाइल)

अजय सिंह : पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह विधानसभा के बाद लोकसभा चुनाव हार कर प्रदेश अध्यक्ष से लेकर अन्य पदों के लिए अपने सारे दावे कमजोर कर चुके हैं। दोनों चुनाव उन्होंने अपने प्रभाव वाले क्षेत्र से लड़े थे, इसलिए हार के लिए किसी दूसरे नेता पर तोहमत भी नहीं लगाई जा सकती।

अजय सिंह (फाइल)

कांतिलाल भूरिया : पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कांतिलाल भूरिया विधानसभा चुनाव में अपने बेटे को नहीं जीता पाए और लोकसभा चुनाव में खुद भी हार गए। पिता-पुत्र को भाजपा के एक ही नेता जीएस डामोर ने हराया। कांतिलाल भूरिया पिछले लोकसभा चुनाव में भी भाजपा उम्मीदवार दिलीप सिंह भूरिया के हाथों पराजित हुए थे।

कांतिलाल (फाइल)

अमेठी में बढ़ने लगी कांग्रेस से सपा और बसपा की तल्खी

दिलीप सिंह, अमेठी

▶ कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की हार की समीक्षा में भी झोल

▶ समीक्षा से दूर हैं राहुल गांधी के प्रतिनिधि और कोऑर्डिनेटर

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की हार के बाद प्रियंका वाड्रा द्वारा बनाई गई जांच टीम की रिपोर्ट जैसे-जैसे सार्वजनिक हो रही है, अमेठी में कांग्रेस की सपा-बसपा के साथ सियासी रिश्तों में तल्खी भी बढ़ती जा रही है। टीम ने शुरुआती जांच में सपा-बसपा का सहयोग न मिल पाने को हार की वजह बताया है तो सपा-बसपा के लोगों ने कहा कि कांग्रेस के नेता बूथ देखें, वहां किसने राहुल को हराया है, यह भी सार्वजनिक होनी चाहिए।

दूसरी ओर, तीन दिन की समीक्षा में अमेठी में राहुल गांधी के प्रतिनिधि चंद्रकांत दूबे के साथ विधान सभा क्षेत्रों में कामकाज देखने वाले कोऑर्डिनेटर नजर नहीं आए। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या कांग्रेस खुद स्वीकार कर रही है कि अमेठी में वह पूरी तरह सपा-बसपा के सहारे थी या फिर उसका अपना भी कोई संगठन काम कर रहा था।

हार की समीक्षा में चाहे जो बात सामने आ रही हो, लेकिन हकीकत यह है कि चुनाव प्रचार के दौरान तीनों दल यहां कभी साथ नहीं दिखे। कांग्रेस के साथ सपा-बसपा के नेताओं ने न साझा प्रचार किया और न ही कहीं एक मंच पर दिखे। समर्थन मिलने के बावजूद कांग्रेस के लोग सपा-बसपा के स्थानीय नेताओं को न तो किसी कार्यक्रम में बुला पाए और न ही प्रचार में साथ लेकर चल सके।

कांग्रेस के जिला अध्यक्ष योगेंद्र मिश्र ने बताया कि अब तक की समीक्षा में सपा का सहयोग न करना व बसपा का वोट भाजपा की ओर चला जाना हार की वजह है। कार्यकर्ता पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति के पुत्र अनिल पर स्मृति का प्रचार करने व गौरीगंज के सपा विधायक पर अपने ब्लॉक प्रमुख व जिला पंचायत अध्यक्ष को बचाए रखने के लिए भाजपा की मदद करने की बात कह रहे हैं, लेकिन सपा विधायक राकेश प्रताप सिंह ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सच क्या है, सभी जानते हैं। सपा के स्थानीय नेताओं का कहना है कि कांग्रेसियों ने चुनाव में क्या किया, यह भी सामने आना चाहिए। समीक्षा के साथ ही कांग्रेस व सपा का सियासी रिश्ता भी दरकता जा रहा है। राहुल के खिलाफ कभी प्रत्याशी न उतारने वाली सपा के स्थानीय नेता अब कांग्रेस के विरोध में मुखर होने लगे हैं।

लंगर संगठन फिर अमरनाथ श्राइन बोर्ड से करेंगे आग्रह

राज्य ब्यूरो, जम्मू : अमरनाथ यात्रा के दौरान जम्मू से कश्मीर तक लंगर लगाने वाले संगठनों की रविवार को हुई बैठक में अमरनाथ श्राइन बोर्ड के फैसले पर मंथन किया गया। श्री अमरनाथ बर्फानी लंगर आर्गेनाइजेशन की जनरल बाडी की बैठक चंडीगढ़ में हुई। इसमें 21 जून से पहले राशन व अन्य सामग्री से भरे ट्रकों को कश्मीर में प्रवेश करने की अनुमति न देने के फैसले पर चर्चा की गई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए विजय ठाकुर ने कहा कि बोर्ड ने 21 जून को लखनपुर से प्रवेश करने की इजाजत तो दी है, लेकिन जवाहर टनल पार करने की अनुमति नहीं दे रहा है। लंगर का राशन व अन्य सामग्री को यात्रा मार्गों और पवित्र गुफा तक ले जाने में काफी दिक्कतें आएंगी। यात्रा एक जुलाई से शुरू हो रही है। यात्रा मार्गों के विभिन्न शिविरों तक राशन व अन्य सामग्री को ले जाने के लिए पर्याप्त समय चाहिए। बोर्ड को लंगर आर्गेनाइजेशन ने पत्र भी लिखा था, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला है। बोर्ड सुरक्षा प्रबंधों का हवाला दे रहा है।

छत्तीसगढ़ की राजधानी में दो साल से मुर्दों को बांट रहे राशन

संदीप तिवारी, रायपुर

▶ सरकारी राशन दुकानों से मृतकों के नाम पर भी राशन उठाया जा रहा

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कुछ सरकारी राशन दुकान संचालक (कोटेदार) दो साल से मुर्दों को राशन बांट रहे हैं। मृतकों के नाम पर चावल उठा रहे हैं, परिजनों को इसकी जानकारी तक नहीं है। नियमानुसार व्यक्ति की मृत्यु के बाद उनके नाम डिलीट करने का प्रावधान है, पर दुकानदार मृतकों को जिंदा बताकर शासन को लाखों का चूना लगा रहे हैं। इसका खुलासा 'नईदुनिया' पड़ताल में हुआ है। पता चला है कि उचित मूल्य के दुकानदार स्थानीय फूड इंस्पेक्टरों से मिलीभगत करके इस तरह की गड़बड़ी कर रहे हैं।

रायपुर नगर निगम क्षेत्र में 125 राशन दुकाने हैं। तीन लाख 56 हजार 719 कार्डधारी हैं। अब तक प्रति व्यक्ति सात किलो चावल देने का प्रावधान है। यदि किसी राशनकार्डधारी मुखिया की मृत्यु हो गई है तो उसका बाकायदा नाम परिवर्तित कर दूसरे सदस्यों के नाम से कार्ड बनाने का नियम है। यहां सालों से राशन कार्ड को न ही बदला गया और न ही मुखिया या मृत सदस्यों के नाम काटे गए हैं। यह शिकायत न सिर्फ राजधानी, बल्कि प्रदेश भर से आ रही है।

मौत के बाद भी चल रहा पुनिया का कार्ड : ढीमरपारा कोटा रायपुर में पुनिया बाई की चार जून, 2017 को मृत्यु हो गई। नगर निगम की ओर से उसका मृत्यु प्रमाण-पत्र नईदुनिया के पास मौजूद है। पुनिया बाई के नाम पर राशनकार्ड क्रमांक 44010011208713 से हर महीने राशन निकल रहा है।

बंट रहा राशन, परिजनों को पता नहीं : राशन कार्ड क्रमांक 44010107120115 की मुखिया जालमति की मौत हो चुकी है। जालमति के बेटे बैकुंठ सोना ने बताया कि उन्हें पता ही नहीं है कि उनकी मां के नाम से भी राशन निकल रहा है।

रायपुर से खाद्य नियंत्रक अनुराग भदोरिया ने कहा कि मृत व्यक्ति के नाम से राशन निकलने का मामला गंभीर है। मामले की जांच करके कार्रवाई की जाएगी।

पंतनगर एयरपोर्ट में भी विमान में ईंधन भरने की सुविधा

संवाद सहयोगी, पंतनगर (ऊधमसिंह नगर): अब विमान पंतनगर एयरपोर्ट पर भी ईंधन ले सकेंगे। पंतनगर एयरपोर्ट पर इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सहयोग से स्थापित एविएशन टरबाइन फ्यूल सिस्टम (एटीएफ) ने रविवार से काम करना शुरू कर दिया है। इस मौके पर नैनीताल सांसद अजय भट्ट ने कहा कि इससे न केवल कुमाऊं में हवाई सेवा को गति मिलेगी, बल्कि इमरजेंसी लैंडिंग के समय दिल्ली या अन्य स्थानों से फ्यूल मंगाने वाले समय की भी बचत होगी।

एटीएफ के शुभारंभ के बाद सांसद भट्ट ने कहा कि एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के लिए भी जल्द कार्यवाई की जाएगी। एयरपोर्ट निदेशक एसके सिंह ने बताया कि यहां एयरक्रॉफ्ट रिफिलिंग केंद्र स्थापित होने से नियमित उड़ानों के अलावा हेलीकॉप्टर व नॉन शेड्यूल विमानों को फ्यूल न मिलने की दिक्कत से निजात मिलेगी। साथ ही पिथौरागढ़ को भी यहीं से फ्यूल सप्लाई होगा और पंतनगर में संचालित फ्लाइंग एविएशन कंपनी को भी बाहर से फ्यूल नहीं मंगाना पड़ेगा।

निदा खान के शौहर ने की दरगाह आला हजरत के सज्जादानशीन से मारपीट

जागरण संवाददाता, बरेली

▶ पहली बार बाहर आया खानदान का विवाद

▶ शीरान और उनके पिता उस्मान रजा खां के खिलाफ मुकदमा

सुन्नी मुसलमानों के सबसे बड़े मरकज (केंद्र) दरगाह आला हजरत का अंदरूनी विवाद पहली बार खुलकर सामने आया है। दरगाह के सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन मियां के साथ मारपीट हुई है। घटना को तीन तलाक पीड़िताओं की लड़ाई लड़ रहीं निदा खान के शौहर और सज्जादानशीन के चचेरे भाई शीरान रजा खां ने अंजाम दिया है। सज्जादानशीन की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने शीरान और उनके पिता उस्मान रजा खां उर्फ अंजुम मियां के विरुद्ध मारपीट का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। हालांकि, शीरान के पिता ने घटना से इन्कार करते हुए आरोपों पर अफसोस जताया है।

घटना शनिवार रात करीब दो बजे की है। दरगाह स्थित रजा मस्जिद में कुरान मुकम्मल होने का जश्न चल रहा था। आरोप है कि इसी दौरान अंजुम मियां, उनके बेटे शीरान रजा समेत चार-पांच अज्ञात लोगों के साथ मस्जिद में पहुंचे। उस वक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता सज्जादानशीन कर रहे थे। आरोप है कि अंजुम मियां ने कहा कि, सरपरस्ती मेरे साहबजादे शीरान रजा खां करेंगे। इसका विरोध किया तो रात को यह लोग सज्जादानशीन के घर पहुंच गए। फर्नीचर तोड़ दिया। उनके साथ मारपीट करने लगे। जान से मारने और फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी भी दी। यह सारा घटनाक्रम तहरीर में भी लिखा है। तहरीर में दरगाह प्रबंधन के विवाद का भी जिक्र किया है। इसमें लिखा कि उस्मान रजा खां-दरगाह आला हजरत प्रबंधक का मुकदमा वक्फ बोर्ड ट्रिब्यूनल में लंबित है। इसी रंजिश में मारपीट की गई है।

ये हैं शीरान रजा

शीरान रजा, निदा खान के शौहर रहे हैं। वर्ष 2015 में इनकी शादी हुई थी। शादी के पहले साल ही दोनों में विवाद हो गया। अब इनका मामला कोर्ट में चल रहा है। दोनों अलग-अलग रहते हैं। निदा खान इस्लाम से खारिज होने के फतवे से सुर्खियों में आई थीं।

शब ए कद्र की रात में जश्न चल रहा था। रजा मस्जिद में शीरान रजा ने हंगामा किया। नातख्वा से मारपीट के बाद अंजुम मियां और शीरान ने हमारे घर चढ़ाई की। उस वक्त दरगाह पर हजारों मुरीद थी। हमने अमन कायम रखने की पूरी कोशिश की।

–मुफ्ती अहसन रजा कादरी, सज्जादानशीन, दरगाह आला हजरत (बरेली)

सारे आरोप निराधार हैं। मैंने सभी तरावीह घर पर पढ़ीं। मारपीट की बात पूरी तरह गलत है। रही बात ट्रिब्यूनल में मुकदमे की तो दरगाह पर हमारा भी हक है।

– उस्मान रजा खां उर्फ अंजुम मियां, सज्जादानशीन के चाचा

तैयारी

लाहौर की तर्ज पर 11.42 करोड़ रुपये की लागत से बन रही इस फूड स्ट्रीट में मिलेंगे 125 तरह के व्यंजन, अमलीजामा पहनाने के लिए काम शुरू

गुरुनगरी में जून 2020 तक तैयार होगी फूड स्ट्रीट

हरीश शर्मा, अमृतसर

टाउन हॉल में पुराने निगम दफ्तर में बनाई जा रही फूड स्ट्रीट जून 2020 तक बनकर तैयार हो जाएगी। 11.42 करोड़ रुपये की लागत से लाहौर की तर्ज पर यह फूड स्ट्रीट बनाई जा रही है। टूरिज्म विभाग के अधिकारियों का दावा है कि अगले साल जून से पहले इस फूड स्ट्रीट को तैयार कर खोल दिया जाएगा। फूड स्ट्रीट बनाने की घोषणा पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने फरवरी 2018 में अपनी विजिट के दौरान की थी। इसके बाद स्थानीय निकायों व टूरिज्म मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू ने इसे अमलीजामा पहनाने के लिए काम शुरू किया और पूरा प्रोजेक्ट तैयार करवा कर इसके टेंडर लगवाए गए।

125 तरह के व्यंजन मिलेंगे : फूड स्ट्रीट में अमृतसर के रवायती व्यंजन आकर्षण का केंद्र होंगे। खास तौर पर सरसों का साग, मक्की की रोटी, लस्सी, कुलचे-छोले, छोले-भटूरे, अमृतसरी खट्टे वाले लड्डू, गुलाब जामुन आदि लोगों को आकर्षित करेंगे। इसके अलावा कुल 125 तरह के व्यंजन फूड स्ट्रीट में मिलेंगे। इतना ही नहीं 11 अलग-अलग आउटलेट भी यहां पर खोले जाने की तैयारी है। खास बात यह है कि इस फूड स्ट्रीट से दरबार साहिब का पैदल रास्ता केवल पांच मिनट का है।

अमृतसर का टाउन हॉल, जहां पर फूड स्ट्रीट बनाने का काम चल रहा है। जागरण

2015 में अर्बन हॉट में बनाई थी फूड स्ट्रीट : अकाली-भाजपा सरकार के समय उपमुख्यमंत्री रहे सुखबीर सिंह बादल ने अर्बन हॉट में फूड स्ट्रीट का उद्घाटन 2015 में किया था। लेकिन इस फूड स्ट्रीट में किसी ने भी रुचि नहीं दिखाई। जिसे बाद में पंजाब सरकार ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत फूड लाइब्रेरी कंपनी को लीज पर दे दी। यह कंपनी अब अर्बन हॉट की डेवलपमेंट का काम कर रही है। यहां पर जिम, स्पा, मसाज सेंटर, बैंकिट हाल, आयुर्वेदा मसाज सेंटर सहित अन्य कमर्शियल काम शुरू किए जाने हैं। यह काम अगस्त 2019 तक पूरा होने की संभावना है।

टेंडर लग चुका है, समय से पहले प्रोजेक्ट पूरा हो जाएगा : पंजाब डिपार्टमेंट आफ टूरिज्म एंड कल्चर अफेयर के डायरेक्टर मलविंदर सिंह जग्गी ने बताया कि फूड स्ट्रीट का टेंडर लग चुका है और तय समय से पहले ही इस प्रोजेक्ट को पूरा कर लिया जाएगा। यहां पर मिलने वाले व्यंजन लोगों को काफी पसंद आएंगे। इसकी पूरी लिस्ट तैयार की जा रही है।

जूलॉजिकल सोसायटी ऑफ लंदन की मदद से निखरेगा हल्द्वानी चिड़ियाघर

केदार दत्त, देहरादून

▶ पोलैंड में हुई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में सोसायटी की ओर से उत्तराखंड को दिलाया गया भरोसा

वैश्विक स्तर पर चिड़ियाघरों के प्रबंधन में अहम भूमिका निभाने वाली जूलॉजिकल सोसायटी आफ लंदन (जेडएसएल) की मदद से हल्द्वानी में बनने वाला चिड़ियाघर भी निखरेगा। उत्तराखंड का यह पहला अंतरराष्ट्रीय चिड़ियाघर एकदम प्राकृतिक स्वरूप में नजर आए, इसके लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप डिजाइन, प्लानिंग, रेस्क्यू सेंटर में जेडएसएल ट्रीटमेंट पैटर्न में तकनीकी सहयोग देगा। हाल में पोलैंड में हुई इंटरनेशनल जू डिजाइन कॉन्फ्रेंस में इस पर सहमति बनी। सोसायटी ने उत्तराखंड वन विभाग से पहले चरण की कार्ययोजना का प्रस्ताव मांगा है। विभाग इसे तैयार करने में जुट गया है।

उत्तराखंड वन विभाग के मुखिया प्रमुख मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) जय राज का लंदन एवं पोलैंड दौरा राज्य के लिहाज से खासा उत्साहजनक रहा। विशेषकर, हल्द्वानी में बनने वाले अंतरराष्ट्रीय चिड़ियाघर के मामले में। 23 व 24 मई को पोलैंड में जेडएसएल की ओर से आयोजित इंटरनेशनल जू डिजाइन कॉन्फ्रेंस में राज्य के वनाधिकारियों ने हल्द्वानी चिड़ियाघर के मसले पर जेडएसएल के अधिकारियों से न सिर्फ मंथन किया, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मानकों की बारीकियों को भी परखा।

पोलैंड से लौटने के बाद जय राज ने बताया कि हल्द्वानी चिड़ियाघर के डिजाइन व प्लानिंग में जेडएसएल तकनीकी सहयोग देगा। इसके लिए चिड़ियाघर के मास्टर प्लान में कुछ तब्दीली की जाएगी। पीसीसीएफ जय राज के अनुसार चिड़ियाघर के रेस्क्यू सेंटर में जानवरों को दिए जाने वाले उपचार के पैटर्न की बारीकियां भी जेडएसएल के विशेषज्ञों ने साझा कीं। राज्य से कॉन्फ्रेंस में गए चिकित्सकों को हाथी, बाघ, गुलदार समेत अन्य जानवरों के उपचार में अपनाई जाने वाली नई विधियों के बारे में बताया गया।

2138 हेक्टेयर जंगल अब तक 1466 घटनाओं में उत्तराखंड के आठ जिलों में झुलस चुके हैं। राज्य के जंगलों में अभी भी 50 जगहों पर आग लगने की सूचना है। बागेश्वर, उत्तरकाशी, टिहरी व चमोली के जंगल अभी भी धधक रहे हैं।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 3 जून 2019

न्यूज गैलरी

बिग बॉस में दोबारा जाएंगे अनूप जलोटा

नंगल (रूपनगर) : रियलिटी शो बिग बॉस-12 में जाकर सुर्खियां बंटोरने वाले प्रसिद्ध भजन गायक अनूप जलोटा ने कहा है कि वह छुट्टियां मनाने बिग बॉस में गए थे और जल्द ही दोबारा जाएंगे। जलोटा यहां दो दिवसीय संगीत सम्मेलन में शिरकत करने आए हैं। बिग बॉस के सीजन 12 में अनूप जलोटा और जसलीन मथारू के प्यार के खूब चर्चे रहे थे। हालांकि बाद में जलोटा बाहर हो गए और संबंधों पर उन्होंने सफाई दी थी। आयोजकों पर भी आरोप लगाए थे। सितंबर में बिग बॉस सीजन 13 के शुरू होने की उम्मीद है। (जासं)

सिलीगुड़ी में 100 डेटोनेटर के साथ एक गिरफ्तार

सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी में भारत-नेपाल सीमांत इलाके से सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों ने रविवार को काफी मात्रा में विस्फोटक समेत एक युवक को दबोचा। उसने सारे विस्फोटक एक बैग में छिपा रखे थे। उसकी पहचान श्री प्रसाद राय (33) के रूप में हुई है। वह मेघालय के शिलांग से नेपाल के भोजपुर जा रहा था। उसके पास से 40 पैकेट विस्फोटक पदार्थ, 100 डेटोनेटर, कुछ नकद रुपये, मोबाइल व परिचय पत्र मिला है। एसएसबी ने युवक को पुलिस को सौंप दिया। (जासं)

धर्मगुरु हजरत मौलाना इफ्तखारुल हसन का इंतकाल

शामली : प्रसिद्ध मुस्लिम धर्मगुरु हजरत मौलाना इफ्तखारुल हसन का 100 साल की उम्र में रविवार शाम इंतकाल हो गया। हजारों मुरीद उनके आवास पर पहुंच गए। देश-दुनिया में फैले मौलाना के मुरीदों में शोक की लहर दौड़ गई। सोमवार सुबह आठ बजे सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। उप्र के शामली स्थित कांधला के मोहल्ला शेखजादगान निवासी मौलाना इफ्तखारुल हसन की शनिवार को तबीयत बिगड़ गई थी। रविवार शाम 5:50 बजे उन्होंने आखिरी सांस ली। उनके बड़े बेटे मौलाना नूरूल राशिद ने बताया कि सोमवार सुबह आठ बजे नमाज-ए-जनाजा के बाद शव सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। (जासं)

'महिलाओं पर वाजिब नहीं ईद की नमाज'

सहारनपुर : तंजीम अब्नाए दारुल उलूम के अध्यक्ष मुफ्ती यादे इलाही कासमी ने बताया कि औरतों पर ईदेन की नमाज वाजिब नहीं है। इसलिए उनका ईदगाह जाना दुरुस्त नहीं है। इलाही ने बताया कि पैगंबर मोहम्मद साहब ने औरतों के लिए घर की कोठरी की नमाज को मस्जिद नबवी (मदीना मुनव्वरा, सऊदी अरब) की नमाज से अफजल बताया है। ईद की नमाज में ईदगाह में जाने के अलावा भी तमाम नमाजों में औरतों का मस्जिद में जाना मना है। मर्दों के लिए ईद की नमाज ईदगाह में पढ़ना सुन्नत ए मोअक्कदा है। (जासं)

अमृतसर में निरंकारी भवन जैसे हमले की साजिश नाकाम, दो ग्रेनेड मिले

नापाक इरादे ▶ ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी से पहले हमला करने आए आतंकी भागे

आतंकियों का संबंध बब्बर खालसा इंटरनेशनल से होने की जताई जा रही आशंका

जागरण संवाददाता, अमृतसर

ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी (6 जून) से तीन दिन पहले पुलिस ने निरंकारी भवन जैसा आतंकी हमला दोहराने की साजिश नाकाम कर दी। पुलिस ने रविवार तड़के 4.30 बजे दो आतंकियों से दो हैंड ग्रेनेड बरामद किए। हालांकि, बाइक सवार दोनों आतंकी फरार हो गए। इनके बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआइ) के सदस्य होने की आशंका जताई जा रही है। यह स्थान स्थान निरंकारी भवन सिर्फ सात किलोमीटर दूर है।

अमृतसर के राजासांसी क्षेत्र से रविवार को आतंकियों से बरामद हैंड ग्रेनेड दिखाते हुए अमृतसर देहात के एसपी हरपाल सिंह व अन्य। हालांकि, दोनों आतंकी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। जागरण

कार्यकारी डीजीपी ने की विशेष बैठक

कार्यकारी डीजीपी बीके भावरा ने अमृतसर पहुंचकर आइजी बॉर्डर जोन सुरिंदर परमार के कार्यालय में अमृतसर कमिश्नरेट व अमृतसर देहाती पुलिस के अधिकारियों के साथ बैठक की। ग्रेनेड की भी जांच की गई। इस दौरान ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी से संबंधित विशेष दिशा निर्देश दिए गए।

मालूम हो कि पिछले साल 18 नवंबर को राजासांसी स्थित निरंकारी भवन में हुए आतंकी हमले में तीन लोगों की जान चली गई। पुलिस ने रविवार को हर्षाछीना में नाका लगा रखा था। इस दौरान बाइक पर सवार दो पटकाधारी नकाबपोश सिख युवकों पर संदेह हुआ तो उनको रुकने का इशारा किया। बाइक पर पीछे बैठे युवक ने कंधे पर बैग टांग रखा था। पुलिस को देखते ही उन्होंने बाइक भगा ली। हेड कांस्टेबल तेजिंदर सिंह और कांस्टेबल हरप्रताप सिंह ने पीछा कर बाइक पर पीछे बैठ युवक को कंधे से पकड़ लिया, लेकिन वह किसी तरह खुद को छुड़ा लिया। उसके कंधे से टंगा बैग जमीन पर गिर गया। बैग से एक लिफाफे से दो हैंड ग्रेनेड बरामद हुए। एक पर बी/03 और दूसरी तरफ इंग्लिश में जेड लिखा है। दूसरे ग्रेनेड पर 02/01, 2001 व दूसरी तरफ इंग्लिश में जेड लिखा है। उन पर लिवर व पिन लगे हैं। बैग से एक मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है, जिसकी कॉल डिटेल खंगाली जा रही है। बॉर्डर जोन के आइजी सुरिंदरपाल परमार व एसएसपी देहाती विक्रमजीत दुग्गल ने दावा किया कि पुलिस फरार आतंकियों को जल्द गिरफ्तार कर लेगी। जिस बैग से ग्रेनेड मिला है उस पर फिरोजुपर के अशोका टेलकम वाले का नंबर लिखा है, जो बंद आ रहा है। पुलिस उससे भी पूछताछ करेगी। एसएसपी ने बताया कि कुछ हिस्ट्रीशटर को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। फोरेंसिक टीम एक-दो दिन में जांच कर पता लगाएगी कि ग्रेनेड किस देश में बने थे। वहीं, निरंकारी भवन पर ग्रेनेड हमले के आरोपित अवतार सिंह व बिक्रमजीत सिंह से भी पूछताछ हो सकती है।

भाजपा कार्यकाल के 22 मामलों में फंसे 56 अधिकारी-कर्मचारी

नईदुनिया, भोपाल

कांग्रेस ने विधानसभा और लोकसभा चुनाव में भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा सरकारों को घेरा था। अब मध्य प्रदेश में उसके लिए ऐसे भ्रष्टाचार के मामले चुनौती के रूप में सामने हैं। आर्थिक अपराधों की जांच करने वाली प्रदेश की प्रमुख एजेंसी आर्थिक अपराध अन्वेषण प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने ऐसे करीब 22 मामलों में 56 अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमों की मंजूरी मांगी है, जिनकी जांच पूरी हो चुकी है। पूर्ववर्ती सरकारों को ईओडब्ल्यू ने इनमें से कई लोगों के लिए स्मरण पत्र भी भेजे। लेकिन अभियोजन स्वीकृति नहीं मिली। लिहाजा अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ अदालत की कार्रवाई नहीं हो सकी।

सूत्रों के मुताबिक, कटनी के 2011 के एक मामले में तत्कालीन कलेक्टर अंजू सिंह बघेल के खिलाफ दर्ज अपराध में जांच पूरी होने के बाद सामान्य प्रशासन विभाग को अभियोजन स्वीकृति का प्रस्ताव भेजा गया था। उनके रिटायर होने के बाद भी अभियोजन स्वीकृति नहीं दी गई है। वहीं, सहकारिता मंत्री डॉ. गोविंद सिंह के ओएसडी अरविंद सिंह सेंगर के खिलाफ 2010 में धोखाधड़ी का मामला दर्ज हुआ था, जिसकी जांच पूरी होने पर 2014 में ईओडब्ल्यू ने अभियोजन स्वीकृति मांगी थी। सेंगर तब तत्कालीन सहकारिता मंत्री के करीबी थे और आज तक अभियोजन स्वीकृति नहीं मिली है। अब सेंगर अभियोजन स्वीकृति देने का फैसला लेने वाली समिति के सदस्य मंत्री डॉ. गोविंद सिंह के स्टाफ में हैं और अब तक समिति की कोई बैठक नहीं हुई है।

स्वीकृति देने से इनकार, अपील का जवाब नहीं : सूत्र बताते हैं कि इंदौर नगर पालिका के 2005 के एक मामले में तत्कालीन अपर कलेक्टर प्रकाशचंद्र गुप्ता और सहायक यंत्री हंस कुमार जैन के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की थी। इसमें जांच पूरी होने पर दोनों आरोपितों के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति के लिए 2012 में पत्र लिखा गया। इसे बाद दो साल के भीतर दो पत्र भेजे जा चुके हैं। आज तक आयुक्त नगर पालिक निगम इंदौर ने अभियोजन की स्वीकृति नहीं दी है।

बचाने में नौकरशाही एकजुट : ऐसे लोगों को बचाने में नौकरशाही एकजुट हो जाती है, जिसका उदाहरण लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के 2006 का भिंड का मामला भी है। इसमें फंसे दो तत्कालीन कार्यपालन यंत्रियों विनोद कुमार छारी और हीरा सिंह धुर्वे की अभियोजन स्वीकृति का प्रस्ताव विभाग ने नवंबर 2018 में विभागीय आदेशों के आधार पर देने से इनकार कर दिया, जिसके खिलाफ ईओडब्ल्यू जनवरी से अप्रैल तक तीन बार अपील संबंधी पत्र लिख चुका है, जिस पर फैसला नहीं हुआ।

ईओडब्ल्यू के महानिदेशक केएन तिवारी ने बताया कि कई प्रकरणों की जांच के उपरांत अभियोजन स्वीकृति लंबित हैं। संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की जा रही है।

किश्तवाड़ में आतंकवादियों के सफाए में जुटी सेना-एसओजी

राज्य ब्यूरो, जम्मू

- सूचीबद्ध आठ आतंकी हैं सक्रिय, माडवा और वाडवा के जंगलों को घेरा
- अनंतनाग के साथ लगते हैं क्षेत्र अमरनाथ यात्रा से पहले नहीं लेना चाहते कोई जोखिम
- आतंकियों ने कुछ दिन पहले ही किश्तवाड़ में दो एसपीओ पर हमला किया था

जम्मू संभाग के किश्तवाड़ में सक्रिय आतंकियों के सफाए के लिए सेना और राज्य पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने विशेष अभियान छेड़ा है। इसमें सेना के कमांडो भी शामिल हैं। जिस माडवा और वाडवां में आतंकी छिपे हैं वह सीधा कश्मीर के आतंकग्रस्त अनंतनाग से मिलता है। यह वह जिला है जहां पहली जुलाई से अमरनाथ यात्रा शुरू हो रही है। ऐसे में राज्य प्रशासन कोई जोखिम नहीं उठाना चाहता।

आतंकवादियों ने कुछ दिन पहले ही किश्तवाड़ के नावापच्ची के अप्पन गांव में दो विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) पर हमला किया था। दोनों घायल ऊधमपुर में सेना के कमान अस्पताल में भर्ती हैं। किश्तवाड़ में छह महीनों में तीन बार आतंकवादियों ने हमला किया है। पुलिस के अनुसार क्षेत्र में सूचीबद्ध आठ आतंकी सक्रिय हैं। कहा जा रहा है कि दक्षिण कश्मीर में सुरक्षाबलों की सख्ती के बाद इन आतंकवादियों ने साथ लगते किश्तवाड़ जिले में सक्रियता बढ़ाई। सुरक्षाबलों को इसकी पूरी जानकारी है। शुक्रवार को हुए हमले के बाद से सेना व स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने पूरे क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया है। हेलीकॉप्टर का भी सहारा लिया गया। घने जंगल होने के कारण कोई लाभ नहीं हो पाया। आशंका है कि कहीं ये आतंकी अनंतनाग में जाकर अमरनाथ यात्रा में खलल डालने का प्रयास न करें। पहलगाम मार्ग इसी जिले से होकर गुजरता है। इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस जम्मू जोन एमके सिन्हा ने पुलिस से पूरे क्षेत्र में पेट्रोलिंग को बढ़ाने और तलाशी अभियान तेज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्वयं भी माडवा और वाडवा क्षेत्र का दौरा का वहां पर चलाए जा रहे अभियानों का निरीक्षण किया है।

आज अहमदाबाद जेल भेजा जाएगा अतीक

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : केंद्रीय कारागार नैनी में बंद पूर्व सांसद अतीक अहमद को सोमवार को गुजरात की अहमदाबाद जेल भेजा जाएगा।

तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अतीक को सोमवार सुबह नैनी से वाराणसी सड़क और फिर वायु मार्ग से वाराणसी से अहमदाबाद जेल ले जाया जाएगा। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। बीते साल दिसंबर में देवरिया जेल में बुलाकर अतीक अहमद ने लखनऊ के जमीन कारोबारी को पीटा था।

उससे कई कागजात पर हस्ताक्षर करवा लिया था। कारोबारी ने लखनऊ कृष्णानगर थाने में अतीक, उनके बेटे समेत कई अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जांच सीबीआइ से करवाने और अतीक को गुजरात की जेल में भेजने का आदेश दिया था। उस आदेश की कॉपी जेल प्रशासन को नहीं मिलने के कारण जेल स्थानांतरण कार्यवाही रुकी थी। तीन दिन पहले जेल प्रशासन को भेजे पत्र में पूर्व सांसद को सेंट्रल जेल अहमदाबाद भेजने को कहा गया। इस मामले में अतीक ने सुरक्षा व्यवस्था और स्वास्थ्य ठीक नहीं होने का प्रार्थना पत्र जेल प्रशासन को दिया था। इस कारण उन्हें विमान से अहमदाबाद जे लाने की बात तय हुई है।

आयुष्मान ने वृद्धा की जमीन बिकने से बचाई, घुटने का हुआ प्रत्यारोपण

राज सिंह, पानीपत

केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना 66 वर्षीय इंद्रावती के लिए वरदान साबित हुई है। वर्षों से घुटने के दर्द से परेशान थी। मां का दर्द बेटों को देखा नहीं गया। तय किया कि पुश्तैनी जमीन बेचकर घुटने का प्रत्यारोपण करा देंगे। आयुष्मान योजना के तहत इलाज हो गया और जमीन भी बिकने से बच गई। अब परिवार की खुशी का कोई ठिकाना नहीं है।

- वर्षों से घुटने के दर्द से परेशान थी 66 वर्षीय इंद्रावती
- इलाज के लिए बेटों ने जमीन बेचने का कर लिया था फैसला

प्रेम अस्पताल में आयुष्मान योजना के तहत इंद्रावती का इलाज किया गया। जागरण

इंद्रावती के दायें घुटने का प्रत्यारोपण किया गया है। छह माह में दूसरे घुटने की सर्जरी भी कराई जा सकती है। आयुष्मान योजना बहुत लाभकारी साबित हो रही है। अगर ओपीडी खर्च, सर्जरी से पहले होने वाली जांच और सर्जरी के बाद कुछ दिनों तक चलने वाली दवाइयों के खर्च को भी इसमें शामिल कर लिया जाए तो पात्रों को बड़ा लाभ होगा।

– डॉ. राधेश्याम, हड्डी रोग विशेषज्ञ, प्रेम अस्पताल, पानीपत

मूलरूप से पूर्णिया (बिहार) के गांव हरिपुर मूढ़ी निवासी 66 वर्षीय इंद्रावती पति के गुजर जाने के बाद यहां अपने मंझले पुत्र बोधनाथ के पास आई हुई हैं। बोधनाथ यहां गोहाना रोड पर चाय की दुकान चलाते हैं। वह बताते हैं कि मां को सात-आठ साल से घुटनों में दर्द रहता था। सर्दी के मौसम में मां दर्द से तड़पती तो आंखों में आंसू आ जाते थे। पूर्णिया में हड्डी रोग विशेषज्ञ से इलाज कराया। डॉक्टर ने घुटना प्रत्यारोपण की सलाह दी। खर्च ढ़ाई-तीन लाख रुपये आ रहा था। वह तीन भाई और एक बहन हैं। सभी शादीशुदा हैं। गांव में तीन बीघा जमीन है। बड़ा भाई कीर्ति आनंद खेती करता है। सबसे छोटा भाई गोपाल राइस मिल में नौकरी करता है। सभी घर से सैकड़ों मील दूर रहकर जैसे-तैसे बच्चों का भरण-पोषण कर रहे हैं। इस हालत में नहीं थे कि मां का इलाज करा सकें। आखिर वह अपने पास पानीपत ले आया। यहां दो अस्पतालों में दिखाया तो डॉक्टरों ने सर्जरी ही अंतिम इलाज बताया। तीनों भाइयों ने तय किया कि गांव की जमीन बेचकर मां का घुटना बदलवा देंगे। तभी उन्हें आयुष्मान भारत योजना का पता चला। यहां प्रेम अस्पताल में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. राधेश्याम के नेतृत्व में घुटने का प्रत्यारोपण किया गया है। बुजुर्ग इंद्रावती तो खुश हैं ही, तीन भाइयों की चिंता भी दूर हो गई है।

झारखंड में नक्सली मुठभेड़ में जवान शहीद

जागरण संवाददाता, दुमका

दुमका के कठलिया गांव में रविवार अहले सुबह सशस्त्र सीमा बल और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में एसएसबी के जवान नीरज छेत्री शहीद हो गए, जबकि चार जवान घायल हैं। दो घायल जवानों को इलाज के लिए रांची भेजा गया है, जबकि दो का दुमका के ही सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। सशस्त्र सीमा बल की ओर से मुठभेड़ में पांच नक्सलियों को भी गोली लगने का दावा किया जा रहा है। सभी जवान एसएसबी की 35वीं गोरिल्ला बटालियन के हैं।

कौन जवान कहां के : शहीद जवान नीरज छेत्री असम राज्य के शोणितपुर जिले के हेलम थाना क्षेत्र के कारीबिल नेपाली गांव के रहने वाले थे। घायल जवान राजेश कुमार राय झारखंड के, करण कुमार जम्मू कश्मीर के राजौरी, सतीश गुर्जर राजस्थान के दौसा के और सोनू कुमार, उत्तरप्रदेश के अलीगढ़ जिले के निवासी हैं।

नक्सलियों ने उठाया अंधेरे और ऊंचाई का फायदा : शनिवार रात को पुलिस को कठलिया गांव में कुछ नक्सली गतिविधि की सूचना मिली थी। करीब 50 की संख्या में गोरिल्ला बटालियन के जवान जब गांव के समीप पहुंचे तो उस समय अंधेरा था। एसएसबी के जवानों ने सर्च अभियान चलाया। उधर जवानों के आने की आहट मिलने पर पहाड़ पर बैठे नक्सलियों ने जवानों पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। दोनों से हुई गोलीबारी में एसएसबी के पांच जवान गोली लगने से घायल हो गए। वहीं पांच नक्सलियों के भी घायल होने का दावा है। घायल जवाओं का अस्पताल में उपचार जारी है।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों ने की पुलिस के सहायक की हत्या

नईदुनिया, दंतेवाड़ा

- समर्पण कर सेना-पुलिस के लिए काम करने वाले नक्सली रहते हैं लाल आतंक के निशाने पर

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में मेला देखने गए एक गोपनीय सैनिक छन्नू की हत्या नक्सलियों ने बीती रात बास्तानार में कर दी। वह कटेकल्याण का रहने वाला था। नक्सलियों की स्माल एक्शन टीम ने मेला स्थल के करीब पहले उसके साथ मारपीट की फिर धारदार हथियार से हत्या कर दी। घटना की पुष्टि एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने की है। गोपनीय सैनिक समर्पण करने वाले उन नक्सलियों को कहते हैं जो सरकार से कुछ मानदेय लेकर पुलिस के नक्सल विरोधी अभियान में सहयोग करते हैं। इनका मुख्य काम पुलिस के लिए मुखबिरी करना होता है। ज्ञात हो कि नक्सलियों के आतंक से परेशान होकर ग्रामीण और अन्य नक्सली पुलिस के लिए काम कर रहे हैं। उन्हें जंगल की जिंदगी रास नहीं आ रही है। उधर, नक्सली ग्रामीणों को आम जिंदगी जीने नहीं दे रहे हैं। हाल ही में नक्सलियों के दक्षिण बस्तर डिवीजन कमेटी ने भी बीजापुर-सुकमा जिले में पर्चा जारी कर आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को दोबारा संगठन में शामिल होने और गांव में रहने की अपील की है। पर्चा में गांव में खेती-किसानी करें लेकिन पुलिस में भर्ती और मुखबिरी छोड़ देने की चेतावनी दी गई है।

मातृ-पितृ पूजन

अनादिकाल से ही माता-पिता और सद्गुरु को जीवन में आदर-सम्मान के साथ-साथ सर्वोच्च स्थान दिया जाता है। माता-पिता की सेवा को ईश्वर की सेवा के समान समझा गया है। गुजरात के अहमदाबाद शहर में रविवार को मंदिर में बच्चों ने मातृ-पितृ पूजन किया और आशीर्वाद लिया। एएनआइ

प्रशिक्षण शिविर में हथियार का प्रयोग नहीं हुआ : बजरंग दल

मुंबई, प्रेट्र : बजरंग दल ने रविवार को साफ किया कि पड़ोसी जिले ठाणे के एक स्कूल में चल रहे शिविर में हथियारों का प्रशिक्षण नहीं दिया गया। शिविर का आयोजन पिछले सप्ताह किया गया था।

एक गैर सरकारी संगठन ने पुलिस को शिकायत की थी कि मीरा रोड इलाके में स्थित एक स्कूल में चल रहे बजरंग दल के शिविर में बंदूक चलाने का प्रशिक्षण दिया गया। कोंकण क्षेत्र बजरंग दल के समन्वयक संदीप भगत ने कहा कि लगाए गए आरोप राजनीतिक षड्यंत्र हैं। उन्होंने कहा, 'स्कूल में आयोजित शौर्य प्रशिक्षण वर्ग-2019 में बंदूक का प्रयोग नहीं किया गया। कुछ कार्यकर्ता एयरगन ले आए थे, जिसके लिए लाइसेंस की जरूरत नहीं होती।' भगत ने कहा, 'हम छात्रों को लाठी चलाना, दौड़ना, लंबी कूद आदि का प्रशिक्षण देते हैं। हमने शिविर शुरू होने से पहले इसके बारे में पुलिस को एक पत्र भी दिया था।' प्रभागीय पुलिस अधिकारी अतुल कुलकर्णी ने कहा कि आयोजकों से रिपोर्ट मांगी गई है। मामले की जांच चल रही है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि जिस स्कूल में शिविर का आयोजन हुआ था, वह भाजपा विधायक का है।

सफलता

डिमांड को पूरा करने के लिए कंपनी में 400 से ज्यादा श्रमिक दिन-रात कर रहे काम, जालंधर की वर्ल्डवाइड क्रिकेट कंपनी बनी है इस बार आधिकारिक स्पांसर

क्रिकेट विश्वकप में जालंधर के बल्लों व स्टंप की धूम

मनोज त्रिपाठी, जालंधर

इंग्लैंड में चल रहे विश्व कप में जालंधर के उत्पाद छाए हुए हैं। पठानकोट रोड पर छह किलोमीटर आगे जाकर रायपुर में दस एकड़ जमीन में स्थापित वर्ल्डवाइड क्रिकेट कंपनी में 400 से ज्यादा श्रमिक और स्टाफ दिन-रात काम कर रहे हैं। विश्वकप के लिए आई डिमांड को पूरा करने के लिए क्रिकेट के बैट व अन्य उत्पाद यहां बनाए जा रहे हैं। इसी कंपनी में तैयार बैट व अन्य एसेसरीज को विश्व कप में तवज्जो दी जा रही है। हर देश की टीम की जर्सी के रंग में 15, 20, 22 इंच के बैट और कई साइजों में एसेसरीज बनाकर कंपनी ने सप्लाई की है। खिलाड़ियों को यह उत्पाद खासे भा रहे हैं।

विश्व कप के हर मैच में इस्तेमाल होने वाले स्टंप भी जालंधर में तैयार किए गए हैं। इन पर विभिन्न कंपनियों के लोगो लगाए गए हैं, लेकिन सबसे नीचे ग्रेनीकोल का लोगो है जो कंपनी का ब्रांड है। अच्छा बैट बनाने के लिए इंग्लिश विलो लकड़ी कंपनी इंग्लैंड से मंगवाती है। ए, बी, सी व डी ग्रेड के बैट इन लकड़ियों से बनाए जाते हैं। सबसे अच्छे बैट में 20 से 25 ग्रेन (लाइनें) होती हैं। इसी प्रकार दूसरे नंबर के बैट में 10 से 15, सी ग्रेट के बैट में 8 से 10 लाइनें तथा डी ग्रेड के बैट में चार से छह लाइनें होती हैं। खिलाड़ी की पसंद के हिसाब से बैट के ब्लेड का शेप दिया जाता है।

जालंधर की कंपनी विश्व कप में आधिकारिक तौर पर स्पांसर : जालंधर में करीब 1500 करोड़ का कारोबार करने वाली 127 छोटी व बड़ी कंपनियां हैं जो क्रिकेट खेलने वाले ज्यादातर देशों में उत्पादों की सप्लाई करती हैं। इन्हीं में वर्ल्डवाइड क्रिकेट कंपनी भी शामिल है। इंग्लैंड में हो रहे क्रिकेट के महाकुंभ में पहली बार इस कंपनी को आधिकारिक तौर पर विश्व कप में स्पांसर बनाया गया है। कंपनी का मुख्य ऑफिस इंग्लैंड में है। इंग्लैंड व आस्ट्रेलिया सहित अन्य देशों में ग्रेनीकोल के बैट से खेलना शान की बात मानी जाती है।

हालांकि, भारतीय बाजार में यह ब्रांड खिलाड़ियों की पहुंच से दूर रहा है। 1992 में स्पोर्ट्स एंड सर्जिकल कांप्लेक्स, जालंधर और फिर रायपुर में स्थापित कंपनी ने 26 साल में इंग्लैंड सहित कई देशों में अपनी पहचान बनाई है।

क्रिकेट कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर अरविंद अबरोल क्रिकेट विश्व कप के लिए सप्लाई किए जाने वाले उत्पाद बारीकी से देखते हुए। जागरण

जालंधर व पंजाब का परचम पूरे विश्व में लहराया : अबरोल

कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर अरविंद अबरोल बताते हैं कि 1992 में कंपनी शुरू की थी, लेकिन तब ऐसा कोई इरादा नहीं था। चूंकि वह स्कूल से लेकर यूनिवर्सिटी, फिर पंजाब व काउंटी क्रिकेट भी खेले थे, इसलिए ख्याल आया कि खून में क्रिकेट है तो क्यों न इसी को अपना दूसरा पेशा बनाया जाए। फिर 2002 में इंग्लैंड की सबसे पुरानी क्रिकेट कंपनी वर्ल्डवाइड के साथ मिलकर नए सिरे से कंपनी स्थापित की। विश्वकप में आधिकारिक स्पांसर बनने के बाद खुशी है कि जालंधर का परचम पूरे विश्व में लहराया है।

धनबाद में पानी के लिए हुई हिंसा में वृद्ध की जान गई

जागरण संवाददाता, धनबाद

झारखंड में जल संकट अब लोगों की जान ले रहा है। दर्जनों नदियां सूख गई हैं। 80 हजार से अधिक हैंडपंप जवाब दे गए हैं। हर जगह पानी के लिए मारामारी है। धनबाद के सिंदरी स्थित हेट कांड्रा बस्ती में पानी के लिए हिंसक झड़प हुई। इसमें नंद किशोर सिंह (72) नामक वृद्ध की पीएमसीएच में रविवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। दोनों ओर से एक दर्जन लोग जख्मी हुए हैं। तीन लोग पीएमसीएच में इलाजरत हैं। मृतक नंद किशोर सिंह की पत्नी वीणा देवी का हाथ टूट गया, बेटी सोनाली कुमारी (16) का सिर फट गया है। वहीं दूसरे पक्ष के राज कुमार सिंह (20) का भी सिर फट गया है।

पानी के लिए तड़प रही बस्ती, अब बहने लगा खून : एक हजार की आबादी वाली हेड कांड्रा बस्ती में पानी की भारी किल्लत है। आसपास के चापाकल व कुएं सूख गए हैं। बस्ती में कुछ जगहों पर पानी की पाइप लगा है, लेकिन यह भी पर्याप्त नहीं है। यहां एक कुआं है, इसमें सोया (पानी का रिसना) से कुआं में पानी आता है। यहां राज कुमार सिंह मोटर डालकर पाइप से अपने घर में पानी भरते हैं। बगल के नंद किशोर सिंह व उनके पुत्र शक्ति सिंह पाइप को अपने घर से सामने से हटाने को बार-बार राजकुमार सिंह के परिजनों को बोल रहे थे, लेकिन दोनों ओर से पहल की जगह तनातनी बढ़ती गयी। मामला खून-खराबा तक आ गया है।

थाने में ही हो गई थी मारपीट पुलिस रही उदासीन

घायलों का कहना था कि शनिवार को दिन में दोनों पक्षों के लोग थाने गए थे, लेकिन पुलिस ने तत्परता नहीं दिखाई। लिहाजा थाने में ही दोनों पक्षों में धक्कामुक्की हो गई थी। फिर भी पुलिस नहीं चेती। आखिरकार मामला गंभीर होता चला गया।

21 हजार मेगावाट बिजली आपूर्ति वाला देश का दूसरा प्रदेश बना है उत्तर प्रदेश। नंबर एक पर महाराष्ट्र है। इसी महीने विद्युत स्थानांतरण क्षमता 14100 मेगावाट होने का लाभ गत गुरुवार को पीक आवर के दौरान दिखाई पड़ा, जो कि प्रदेश में अभी तक की सबसे ज्यादा बिजली की मांग है।

लू की चपेट में पूरा उत्तर भारत

बढ़ी आफत ▶ 49 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ बांदा सबसे गर्म

भीषण गर्मी व लू का कहर जारी, तीन की मौत

जेएनएन, नई दिल्ली

भीषण गर्मी और लू का कहर अब जानलेवा हो गया है। पश्चिमी उप्र में गर्मी की तपिश और लू से लोग बेहाल रहे। वहीं, प्रदेश के अलग-अलग जिलों में तीन लोगों की लू की चपेट में आने से मौत हो गई। लू का असर सिर्फ मैदानी राज्यों में ही नहीं बल्कि पहाड़ों पर भी दिखा। यहां हिमाचल के ऊना में पारा 42 डिग्री को पार कर गया। इससे पहाड़ों पर भी मौसम गर्म बना हुआ है। वहीं, मौसम विभाग ने दो दिन और लू से राहत नहीं मिलने की बात कही है।

उत्तर प्रदेश में रविवार को सबसे ज्यादा तापमान बांदा में 49 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, महोबा में अधिकतम तापमान 47 डिग्री रहा। वहीं, हरियाणा में भी तापमान 48 के पास पहुंच गया है। प्रदेश का नारनौल 47.6 डिग्री तापमान के साथ सबसे ज्यादा गर्म रहा। वहीं, पंजाब में भी गर्मी का कहर जारी है। इसके अलावा राजस्थान में भी छह शहरों का पारा 47 डिग्री से ऊपर रहा। राजस्थान के चुरू में शनिवार को 50.8 डिग्री तापमान था। जबकि रविवार को यह 48.9 दर्ज किया गया। इसके अलावा प्रदेश के श्रीगंगानगर और बीकानेर में में भी पारा 48 डिग्री से ऊपर रहा। जबकि बाड़मेर, जैसलमेर और कोटा में 47 से ज्यादा रहा। मौसम विभाग ने अभी प्रदेश में लू के हालात जारी रहने की आशंका व्यक्त की है। वहीं, 15 जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है।

लू से दो दिन और नहीं मिलेगी राहत, दी चेतावनी : आइएमडी के मुताबिक, अगर किसी जगह का तापमान लगातार दो दिन तक 45 डिग्री से ज्यादा रहत है तो इसे लू कहा जाता है। वहीं, अगर तापमान 47 डिग्री से ऊपर रहे तो इसे गंभीर की श्रेणी में रखा जाता है। ऐसे में विभाग ने अगले दो दिन तक लू से राहत नहीं मिलने की बात कही है।

आंधी-बारिश से मिली राहत : उत्तर प्रदेश के बांदा में जहां दोपहर तक सबसे ज्यादा तापमान दर्ज हुआ। वहीं, दोपहर बाद आई आंधी-बारिश के साथ हुई ओलावृष्टि ने लोगों को कुछ राहत दी है। आंधी बारिश के कारण गिरे पेड़ और खंभों की चपेट में आने से दो लोगों की मौत भी हुई है। वहीं, उत्तराखंड में भी हल्की फुहारों ने मौसम का मिजाज बदल दिया है।

धूप से बचाव के लिए अक्सर लोग तरह-तरह के उपाय करते हैं। महाराष्ट्र के शहर नागपुर में दुपहिए पर सवार इस दंपती को ही देखिए। चीन निर्मित टूव्हीलर कवर का धूप से बचने के लिए कितना बढ़िया और कारगर उपाय आजमा रहे हैं। इस तरह के कवर इनदिनों काफी चलन में हैं। एएनआइ

हरियाणा में नौ माह की बच्ची को नोचकर खा गए आवारा कुत्ते

संवाद सहयोगी, मंडी अटेली (महेंद्रगढ़) : मंडी अटेली में नौ माह की बच्ची को आवारा कुत्ते नोच-नोच कर खा गए। प्रदेश में छह दिन के भीतर ये दूसरी वारदात है जबकि आवारा कुत्तों ने मासूम की जान ले ली। इससे पहले 28 मई को कैथल जिले के पाई में छठी कक्षा में पढ़ने वाले एक बच्चे को आवारा कुत्तों ने नोच-नोचकर मार डाला था।

ताजातरीन मामले में मध्य प्रदेश के झबुआ जिले के गांव अंतररेलया का इंदु दंपती अपनी नौ माह की बेटी नंदिनी को रेलवे लाइन के साथ लगती झुग्गी में सुलाकर शनिवार रात को रेलवे कॉरिडोर में मजदूरी का कार्य कर था। वापस आया तो बच्ची गायब मिली। सूचना पर डीएसपी साधुराम दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और सर्च अभियान चलाया। इस दौरान रेलवे लाइन पर कुत्ते लड़ते हुए दिखे। जब पुलिस टीम वहां पहुंची तो देखा कि कुत्ते बच्ची को नोच रहे थे और एक पैर खा गए थे। पुलिस ने तुरंत बच्ची को अस्पताल भिजवाया।

मध्यरात्रि कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि एक नौ माह की बच्ची गायब हो गई। टीमों ने सर्च अभियान चलाया। सुबह करीब चार बजे रेलवे लाइन के पास बच्ची को कुत्ते नोचते हुए मिले। उसको छुड़वाया गया, लेकिन तब तक बच्ची की मौत हो चुकी थी।
– साधुराम, डीएसपी।

कठिन प्रश्नों ने बढ़ाई सिविल सेवा अभ्यर्थियों की परेशानी

संघ लोक सेवा आयोग के परीक्षा भवन केंद्र से यूपीएससी की परीक्षा देकर बाहर आते परीक्षार्थी। संजय

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा रविवार को देशभर में सिविल सेवा परीक्षा का आयोजन किया गया। नई दिल्ली इलाके के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थी परीक्षा देने पहुंचे। इस दौरान किसी ने परीक्षा को पिछले वर्ष के मुकाबले आसान बताया तो किसी ने इसे पहले की तुलना में कठिन बताया। सुबह नौ बजे से ही परीक्षा केंद्रों में अभ्यर्थियों का प्रवेश शुरू हो गया था। पहली पाली में आयोग द्वारा सामान्य ज्ञान विषय पर साढ़े नौ बजे से 11:30 बजे तक परीक्षा हुई। इस दौरान दोपहर की गर्मी में भी अभ्यर्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दूसरी पाली में सी-सैट के लिए परीक्षा ली गई। शाम साढ़े चार बजे परीक्षा समाप्त हुई। आइएएस, आइपीएस, आइएफएस और अन्य केंद्रीय विभागों में अधिकारी पद के लिए संघ लोक सेवा आयोग सिविल सेवा परीक्षा का आयोजन करता है।

ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ परीक्षा देने पहुंची युवती

तिरुवनंतपुरम, प्रेट्र : एक दुर्लभ हड्डी रोग से पीड़ित युवती अपनी आइएएस बनने की आकांक्षा को पूरा करने के लिए सिविल सेवा की परीक्षा में शामिल होने ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ पहुंची। कोट्टायम की रहने वाली 24 वर्षीय लतीशा अंसारी ने संघ लोक सेवा आयोग की संचालित प्रारंभिक सिविल सेवा परीक्षा में शिरकत की। व्हील चेयर और ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ परीक्षा हाल में पहुंची लतीशा अंसारी का हौसला बेमिसाल है। वह जन्म से ही टाइप-2 ओस्टियोजेनिसिस इम्परफेक्टा (हड्डियों का बेडौल और कमजोर हो जाना) और पिछले एक साल से पुलमोनेरी हाइपरटेंशन से भी पीड़ित है। सांस लेने में तकलीफ होने पर उसे ऑक्सीजन देने की आवश्यकता पड़ती है।

पोलिश बच्ची ने मोदी से भारत वापसी की लगाई गुहार

पणजी, आइएएनएस : पोलैंड मूल की 11 वर्षीय बच्ची अलीजा वैंको ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर भारत में अपना और अपनी मां का वीजा बढ़ाए जाने की गुहार लगाई है। सुषमा स्वराज के कार्यकाल में इस बच्ची की अर्जी को सरकार की तवज्जो नहीं मिल पाई थी। बच्ची और उसकी मां भगवान शिव और नंदा देवी पर्वत के प्रति श्रद्धा और प्रेम का भाव रखते हैं। बच्ची ने अपने गोवा में पढ़ाई के दौरान गोसेवा की अपनी यादों को भी पत्र में साझा किया है। हिंदुत्व और अध्यात्म के प्रति अपने प्रेम को दर्शाया है।

- **लिखा, पढ़ाई के साथ गायों की सेवा याद आ रही है**
- **सुषमा स्वराज के कार्यकाल में अर्जी को तवज्जो नहीं मिल पाई थी**

वीजा संबंधी औपचारिकताओं के चलते अलीजा की मां मार्टा कॉटलारस्का को बीती 24 मार्च को भारत में प्रवेश नहीं करने दिया गया। बेंगलुरु एयरपोर्ट से उन्हें वापस कर दिया गया, वह वीजा नवीनीकरण के लिए श्रीलंका जाकर वहां से वापस भारत आ रही थीं। भारत में वीजा अवधि से ज्यादा रुकने के कारण सरकार ने उन्हें काली सूची में डाल दिया है और इस कारण अब वह दोबारा भारत में प्रवेश नहीं कर सकती हैं। मार्टा कलाकार और फोटोग्राफर हैं, वह बी-2 बिजनेस वीजा पर भारत आई थीं लेकिन वह यहीं रुक गईं। अलीजा अपनी मां के साथ इस समय कंबोडिया में है और उसे भारत की याद सता रही है।

मप्र में ईपीएफओ अधिकारी दो लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

नईदुनिया, भोपाल : मध्यप्रदेश में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के प्रवर्तन अधिकारी श्याम अखंड को दो लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। इस मामले में रिश्वत की राशि के लेनदेन में मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाले वकील को भी गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपितों को अदालत ने छह जून तक सीबीआई को सौंपा है। मामला मध्य प्रदेश के उज्जैन और मंदसौर का है। जानकारी के मुताबिक, रेलवे के एक कांट्रेक्टर के कर्मचारियों का कर्मचारी भविष्य निधि रकम कटौती को लेकर ईपीएफओ में प्रकरण चल रहा था। इसमें ईपीएफ की राशि का कोई विवाद था, जिसके निपटारे के लिए कांट्रेक्टर ने एक वकील बुदवानी को प्रकरण सौंपा था। बुदवानी ने ईपीएफओ के प्रवर्तन अधिकारी श्याम अखंड से मामले के निपटारे के लिए पांच लाख रुपए की रिश्वत की बातचीत की। इस बीच केंद्रीय जांच ब्यूरो को कर्मचारियों के ईपीएफ की राशि विवाद की सूचना मिली और रिश्वत के लेनदेन की पुख्ता सूचना मिलने पर सीबीआई ने रविवार को कार्रवाई की।

पशुपालन विभाग भर्ती घोटाले में निदेशक समेत छह निलंबित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **उत्तर प्रदेश का मामला, 1148 पशु धन प्रसार अधिकारियों की भर्ती में हुई गड़बड़ी**
- **साक्षात्कार के लिए रखे गए थे 20 अंक, जिसमें हुआ खेल**

उत्तर प्रदेश सरकार ने पशु पालन विभाग में हुए भर्ती घोटाले में रविवार को निदेशक समेत छह अधिकारियों को निलंबित कर दिया। इन अधिकारियों पर पशु धन प्रसार अधिकारी पदों पर हुई नियुक्तियों में गड़बड़ी का आरोप है। ये भर्तियां समाजवादी पार्टी के शासनकाल में हुई थीं। इससे पहले चकबंदी विभाग में हुई भर्ती घोटाले के दोषियों पर भी कार्रवाई की जा चुकी है। पशुपालन विभाग में भर्तियों की गड़बड़ी में जिन अधिकारियों को निलंबित किया गया है, उनमें निदेशक चरण सिंह यादव, अपर निदेशक अशोक कुमार सिंह, बस्ती मंडल के अपर निदेशक जीसी द्विवेदी, लखनऊ के अपर निदेशक डा. हरिपाल, बरेली के अपर निदेशक एपी सिंह और अयोध्या के अपर निदेशक अनूप श्रीवास्तव हैं।

उल्लेखनीय है कि 2012-13 में पशुधन प्रसार अधिकारियों की भर्ती में हुए घोटाले पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश पर एसआइटी ने इस भर्ती घोटाले का पर्दाफाश किया। जांच में मिला कि भर्ती में मनमाने ढंग से मानक को दरकिनार किया गया। प्रदेश में 1148 पशुधन प्रसार अधिकारियों की भर्ती के लिए 100 की बजाय 80 अंकों की लिखित परीक्षा कराई गई और साक्षात्कार के लिए 20 अंक रखे गए। आरोप है कि इसके जरिये मनपसंद अभ्यर्थियों को चुना गया। भर्ती घोटाले की जांच सरकार ने 28 दिसंबर 2017 को एसआइटी को सौंपी थी। प्रमुख सचिव सुधीर एम बोबड़े ने बताया कि रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की गई।

किसी को कानून के साथ खिलवाड़ नहीं करने देंगे। सभी भर्ती आयोगों के प्रमुखों को निर्देशित कर दिया गया है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में पूरी तरह पारदर्शिता बरती जाए। जो लोग युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने की कोशिश करेंगे, उन्हें सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।
–योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री

चार पर्वतारोही बचाए गए, आठ अभी भी लापता

जागरण संवाददाता, पिथौरागढ़

नंदा देवी ईस्ट आरोहण के दौरान लापता सात विदेशी पर्वतारोही और एक भारतीय लाइजन अफसर का अभी तक कुछ पता नहीं चल पाया है। इस बीच, रविवार को वायुसेना का दल बेस कैंप में मौजूद चार पर्वतारोहियों को रेस्क्यू कर पिथौरागढ़ मुख्यालय ले आया। इनमें एक महिला भी है। चारों को उपचार दिया जा रहा है। सभी खतरे से बाहर हैं। इधर, उच्च हिमालयी क्षेत्र में बर्फबारी के चलते रेस्क्यू में दिक्कतें पेश आ रही हैं। भारत तिब्बत सीमा पुलिस के दो दल सोमवार को मुख्य बेस कैंप से आगे की तरफ रेस्क्यू के लिए बढ़ेंगे। हेली रेस्क्यू भी जारी रहेगा।

7434 मीटर ऊंची नंदा देवी ईस्ट चोटी फतह करने के लिए 12 सदस्यीय दल 10 मई को नई दिल्ली से चला था। हिमालयन रन एंड ट्रैक प्राइवेट लिमिटेड दिल्ली द्वारा आयोजित इस अभियान में यूके के आठ, अमेरिका के दो, और आस्ट्रेलिया के एक पर्वतारोही के साथ ही भारतीय पर्वतारोहण संस्थान का एक लाइजन अफसर शामिल हैं। ये सभी 13 मई को मुनस्यारी से बेस कैंप की तरफ बढ़े। नंदा देवी ईस्ट चोटी आरोहरण के बाद दल को 31 मई को दल को वापस बेस कैंप लौटना था। लेकिन इस बीच दल में शामिल एक अमेरिकी पर्वतारोही की तबीयत बिगड़ गई और वह बेस कैंप में ही रुक गया, जबकि बाकी ने अपना अभियान जारी रखा। 26 मई को हिमालयी क्षेत्र में आए भारी एवलांच के बाद से दल के सदस्य भटक गए। इनमें से तीन किसी तरह बेस कैंप तक लौट आए, जबकि आठ तभी से लापता हैं। इनमें यूके और यूएसए के तीन-तीन, आस्ट्रेलिया का एक पर्वतारोही और एक भारतीय लाइजन अफसर शामिल हैं।

नंदा देवी बेस कैंप से रेस्कयू कर पिथौरागग़ लाए गए पर्वतारोही। जागरण

पिथौरागढ़ के जिलाधिकारी डा. वीके जोगदंड ने बताया अभियान आयोजित करने वाली कंपनी ने 31 मई को पर्वतारोहियों के लापता होने की सूचना दी, उसके बाद से रेस्क्यू के प्रयास चल रहे हैं। बीते रोज बेस कैंप में ट्रेस किए गए चार पर्वतारोहियों को रविवार को वायुसेना सकुशल रेस्क्यू कर पिथौरागढ़ ले आई। चारों यूके हैं, इनमें एक महिला पर्वतारोही भी है। इनकी पहचान जैचरे क्वेन (32), केट आर्मस्ट्रान (39), इयान वेड (45) और मार्क थॉमस (44) के रूप में हुई है। जिला अस्पताल के वरिष्ठ फिजिशियन डा. एसएस कंवर ने बताया कि चारों पर्वतारोहियों को दो घंटे आइसीयू में गहन परीक्षण किया गया। सभी स्वस्थ और खतरे से बाहर हैं।

जिलाधिकारी डॉ. वीके जोगदंडे मुताबिक उच्च हिमालयी क्षेत्रों में हुए लगातार हिमस्खलन से वहां चलना भी मुश्किल हो गया था। पर्वतारोहियों ने बताया कि वे 26 मई से फंसे हुए थे। उसी दिन उस क्षेत्र में भारी एवलांच आया था। उन्होंने यह भी बताया कि पहले बेस कैंप के बाद 22 मई को सात पर्वतारोही और एक लाइजन अफसर दूसरी अनाम चोटी पर चढ़ने चले गए थे। उसके बाद ये लापता हैं। उन्होंने बताया कि आइटीबीपी के दो दल बेस कैंप पहुंच गए हैं, सोमवार सुबह ये सर्च अभियान पर निकलेंगे।

पोलैंड का बीस सदस्यीय दल नंदा देवी बेस कैंप पहुंचा : मुनस्यारी : रविवार को पोलैंड का बीस सदस्यीय दल नंदा देवी अभियान पर पहुंच गया है। इसमें 10 पर्वतारोही और दस पोर्टर्स, हेल्पर और अन्य लोग शामिल हैं। आइटीबीपी के डीआइजी एपीएस निंबाडिया ने बताया कि मर्तोली में दल के सदस्यों को हिमस्खलन की जानकारी दे दी गई है, उन्हें अभियान पर नहीं जाने की सलाह दी गई है।

जानकी बनी इंटर पास करने वाली वनराजि समाज की पहली बेटी

पिथौरागढ़ के डीडीहाट क्षेत्र में अपने माता-पिता के साथ वनराजि बालिका जानकी। जागरण

संवाद सूत्र, डीडीहाट (पिथौरागढ़)

टूटी चप्पलों से रोजाना जंगल और नाले पार कर 14 किमी दूर स्कूल पहुंचने वाली तहसील डीडीहाट के ग्राम कूटा चौरानी की जानकी ने आदिम वनराजि समाज की ऐसी पहली बेटी बनने का गौरव हासिल किया है, जो इंटर पास है। वनराजि समाज के तीन गांवों कूटा, चौरानी और मदनपुरी की इस एकमात्र बेटी को अब आगे की पढ़ाई के लिए संघर्ष करना है।

जानकी के माता-पिता देवकी देवी व हयात सिंह खेती से जैसे-तैसे परिवार की गुजर करते हैं। ऐसी विषम परिस्थितियों में भी जानकी ने मेहनत व लगन से इस वर्ष उत्तराखंड बोर्ड की इंटर परीक्षा द्वितीय श्रेणी में पास की।

हाईस्कूल की पढ़ाई के लिए भी जानकी को घर से तीन किमी दूर जाना पड़ता था। जबकि, इंटर करने के लिए उसे दूनाकोट तक का 14 किमी लंबा रास्ता जंगल के बीच से नाले को पार कर नापना पड़ता था। उसके पास मात्र एक ही ड्रेस थी। बावजूद इसके जानकी ने कभी इसकी परवाह नहीं की।

निर्मल अखाड़े का विवाद गहराया, चार पर मुकदमा

जागरण संवाददाता, हरिद्वार : श्री पंचायती निर्मल अखाड़ा के संतों के बीच चल रहा विवाद तूल पकड़ता जा रहा है। रविवार को एक पक्ष ने चार संतों के खिलाफ धोखाधड़ी और गबन का मुकदमा दर्ज कराया है। अखाड़े की संपत्ति को लेकर संतों के गुटों में विवाद चल रहा है। पिछले दिनों दोनों गुट आमने-सामने आ गए थे। पुलिस हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ था। इस बीच रविवार को अखाड़े के कोठारी महंत जसविंदर सिंह शास्त्री ने चार संतों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी। इस आधार पर कनखल थाने की पुलिस ने महंत गोपाल सिंह निवासी निर्मल अखाड़ा संत एवेन्यू जीटी रोड अमृतसर पंजाब, महंत जगजीत सिंह निवासी निर्मल संतपुरा कनखल हरिद्वार, महंत मोहन सिंह निवासी भजनगढ़ आश्रम खड़खड़ी और महंत बलवंत सिंह निवासी सुखदेव कुटी कनखल हरिद्वार के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि उन्होंने अखाड़े के नाम पर फर्जी खाता खोलकर लाखों का लेन-देन किया। इस बीच, दूसरे गुट की तरफ से महंत हाकम सिंह ने आरोप लगाया कि श्रीमहंत ज्ञानदेव सिंह ने अखाड़े की संपत्ति और आमदनी का ब्योरा नहीं दिया, और न ही कोई मीटिंग बुलाई।

पानी के लिए कतार... पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में रविवार को भीषण गर्मी के बीच कुएं से पानी भरने के लिए कतार में खड़ीं महिलाएं। प्रेट्र

जीवनरूपी बूंद..

इंसान हो या पशु-पक्षी, भीषण गर्मी के बीच जब गला सूख रहा हो तो एक बूंद भी अमृत के समान बन जाती है। यह नजारा मध्य प्रदेश के जबलपुर का है। यहां गोपालपुर इलाके में नर्मदा नदी के तट पर शिव मंदिर स्थित है। रविवार को इसके बाहर स्थापित शिवलिंग पर लगे घट से टपकती बूंद से यह चिड़िया अपनी प्यास बुझाती नजर आई। जबलपुर में रविवार को अधिकतम तापमान 45 .1 डिग्री सेल्सियस रहा।
राजेश मालवीय

नांदेड़ एक्सप्रेस में ससुर-बहू से मारपीट बनाया बंधक

नईदुनिया, सागर : नांदेड़ एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे ससुर और बहू से चार युवकों ने मारपीट की। पीड़ित यात्री ने युवकों की शिकायत करनी चाही, लेकिन उन्हें इटारसी से बीना तक ट्रेन से उतरने नहीं दिया। कोच के अन्य यात्री ने जीआरपी कंट्रोल रूम में शिकायत की तब जीआरपी ने रविवार सुबह करीब चार बजे चारों युवकों सहित ससुर और बहू को बीना में उतारा। इस बीच यात्री ने मध्य प्रदेश के इटारसी से बीना तक बंधक की तरह सफर किया। हालांकि चारों युवकों के माफी मांगने पर वृद्ध ने शिकायत वापस ले ली। जीआरपी ने चारों युवकों को समझाइश देकर छोड़ दिया।

पंजाब के संगरूर जिले के निवासी चरणजीत सिंह ने बताया कि वह बहू कुलबिंदर कौर के साथ नांदेड़ साहेब दर्शन करने गए थे। वहां से वह नांदेड़ एक्सप्रेस से लौट रहे थे। रिजर्वेशन नहीं होने से वह जनरल कोच में बैठे थे। शनिवार रात करीब 10 बजे इटारसी के पास अपर बर्थ पर बैठे एक यात्री ने पानी गिरा दिया। इसकी शिकायत करने पर उसने चार युवकों से उन्हें सबक सिखाने को कहा। इसके बाद चारों ने उनसे अभद्रता शुरू कर दी। बहू ने आपत्ति की तो दोनों से मारपीट की।

जल संरक्षण

हरियाणा के कई गांवों में छाया जल संकट

भीषण गर्मी के कारण पीने के पानी की समस्या बढ़ी, मवेशी भी परेशान, राज्य के 127 गांवों में प्रति व्यक्ति 40 लीटर पानी भी मुहैया नहीं, सरकार ने लिया संज्ञान, समस्या वाले क्षेत्रों में टैंकर से पहुंचेगा पानी

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

हरियाणा में भयंकर गर्मी के कारण पीने के पानी का संकट गहरा गया है। सबसे विकट स्थिति राजस्थान और दिल्ली की सीमा से सटे दक्षिण और मध्य हरियाणा के गांवों में है, जहां गर्मी भी अधिक पड़ रही और पीने का पर्याप्त पानी भी उपलब्ध नहीं है। जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी राज्य मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने अधीक्षण अभियंताओं को आदेश दिया है कि ऐसे स्थानों पर टैंकर के जरिये पानी पहुंचाया जाए।

हरियाणा में कुल 6804 गांव हैं। इनमें 127 गांव ऐसे हैं, जहां प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 40 लीटर से भी कम पानी उपलब्ध हो रहा है। 4062 गांवों में 40 से 55 लीटर के बीच और 2615 गांवों में 70 लीटर पानी प्रति व्यक्ति उपलब्ध है। गर्मी के कारण पानी की उपलब्धता में और कमी आ गई है। सबसे खराब स्थिति राजस्थान सीमा से सटे जिलों में है। दक्षिण हरियाणा के आधा दर्जन जिलों में भी लोग पानी के लिए तरस रहे हैं।

अत्यधिक गर्मी और पानी की कमी के कारण मवेशियों की भी हालत खराब है। राज्य के अधिकतर तालाब या तो साफ नहीं हैं या उनमें पानी सूख रहा है।

प्रतीकात्मक

तालाब विकास प्राधिकरण भी कुछ खास नहीं कर सका है। भिवानी में एक बार इसी तरह पानी का संकट पैदा हुआ था, तब इलाके के छात्र नेता चौ. संपूर्ण सिंह ने अपनी टीम के जरिये लोगों को टैंकर से पानी उपलब्ध कराया था। अब सरकार भी इसी तर्ज पर पानी मुहैया कराने का दावा कर रही है।

लोकसभा चुनाव के नतीजों से पहले मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने एक पत्रकार वार्ता में स्वीकार किया था कि कुछ स्थानों पर सिर्फ इसलिए चुनाव का बहिष्कार किया गया, क्योंकि पानी व बिजली की समस्या थी। अब सरकार इसे गंभीरता से लेकर उनका समाधान करने में लगी है। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी राज्य मंत्री डॉ. बनवारी लाल का कहना है कि गर्मी के कारण पानी की जरूरत और मांग बढ़ गई है। इसे देखते हुए विभाग के सभी अधीक्षण अभियंताओं को निर्देश दिए गए हैं कि जहां पेयजल की आपूर्ति में दिक्कत आ रही है वहां टैंकर के माध्यम से इसे पहुंचाया जाए। सभी मुख्य अभियंताओं से कहा गया है कि सप्ताह में एक बार अपने सर्कल क्षेत्र का दौरा करें तथा वहां पेयजल आपूर्ति, सीवरेज और स्टार्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम से जुड़ी समस्याओं को विधायक व प्रशासन के साथ मिलकर हल कराएं।

सरकार जीत के नशे में चूर है। उसे जनता की दुख तकलीफों की कोई फिक्र नहीं है। राज्य में पीने के पानी और बिजली का संकट गहरा रहा है। तालाब गंदगी से अटे पड़े हैं। सरकार को तुरंत पीने के पानी, भरपूर बिजली और तालाबों की सफाई कराकर उनमें पानी छोड़ने का बंदोबस्त करना चाहिए।
– किरण चौधरी, नेता कांग्रेस विधायक दल, हरियाणा।

प्रेमिका से मिलने आए युवक की पीटकर हत्या

जागरण संवाददाता, लंबी (श्री मुक्तसर साहिब) : लंबी के गांव बलोचकेरा में प्रेमिका से मिलने आए 26 वर्षीय प्रेमी की उसके परिवार वालों ने पीट-पीट कर हत्या कर दी। युवक का दोस्त मौके से फरार हो गया।

लुधियाना की तहसील जगराओं के गांव देहड़का निवासी गुरप्रीत सिंह पुत्र हरनेक सिंह के लंबी के गांव बलोचकेरा की लड़की के साथ प्रेम संबंध थे। वह लड़की से मिलने शनिवार रात करीब 11 बजे अपने दोस्त कुलवंत सिंह पुत्र दलेर सिंह निवासी रसूलपुर के साथ आया था। जब वह लड़की से मिलने उसके घर गया तो परिवार वालों को पता चल गया। उन्होंने गुरप्रीत को पकड़ लिया और मारपीट की। कुलवंत भाग निकला। परिवार वालों ने युवक को पीटने के बाद सड़क पर फेंक दिया। इसके बाद युवक के परिजनों को करीब डेढ़ बजे फोन किया कि गुरप्रीत को मारकर फेंक दिया है, उठाकर ले जाओ। कुलवंत व अन्य लोगों ने गुरप्रीत को सिविल अस्पताल मलोट में भर्ती करवाया। रात करीब साढ़े तीन बजे गुरप्रीत के परिजन भी सिविल अस्पताल पहुंच गए। इस दौरान गुरप्रीत की मौत हो गई।

उत्तराखंड के चमोली में बादल फटा, एक की मौत

संवाद सहयोगी, कर्णप्रयाग (चमोली)

मौसम में आए बदलाव ने भले ही गरमी से राहत दी हो, लेकिन कर्णप्रयाग के मेहलचौरी क्षेत्र में यह कहर बनकर टूटा। देर शाम बादल फटने से पास के एक वृद्ध की मौत हो गई। बरसाती नदी में आए उफान से खेतों में मलबा भर गया। मलबा आने से गैरसैंण-चौखुटिया मार्ग पर भी यातायात ठप हो गया है। पुलिस और प्रशासन की टीम मौके के लिए रवाना हो गई है। हालांकि मौसम विभाग ने बादल फटने की घटना से इन्कार किया है।

चमोली जिले में गैरसैंण से 35 किलोमीटर किलोमीटर दूर मेहलचौरी कस्बे के पास लामबगड़ गांव है। ग्रामीणों के अनुसार शाम को करीब साढ़े छह बजे एकाएक बादलों की गड़गड़ाहट के साथ तेज बारिश शुरू हो गई। कुछ ही देर में पास मे बहने वाली बरसाती नदी में उफान पर थी। नदी में आया मलबा खेतों में भर गया। इससे गांव का पैदल रास्ता भी क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय निवासी मोहन सिंह और माधो सिंह ने फोन पर बताया कि गांव के 82 वर्षीय बादर सिंह मवेशियों को चुगाने जंगल गए थे। अंधेरा होने पर भी जब वह घर नहीं लौटे तो परिजनों को चिंता हुई। ग्रामीण उनकी तलाश में निकले तो उनका शव बरसाती नदी के किनारे मिला। आशंका है वह भी उफान की चपेट में आ गए। चमोली की जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने बताया कि राहत व बचाव टीम मौके के लिए रवाना कर दी गई है। उन्होंने कहा कि टीम की रिपोर्ट मिलने पर ही कुछ कहा जा सकेगा।

यह बादल फटने की घटना नहीं : मौसम विभाग : राज्य मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया कि बादल फटने की घटनाएं मानसून के दौरान होती हैं। अभी प्री-मानसून भी सक्रिय नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि यदि एक सीमित क्षेत्र में एक घंटे में साठ मिमी बारिश रिकार्ड की जाए तभी इसे बादल फटना कहा जाएगा, लेकिन इस क्षेत्र में आब्जर्वेटरी भी नहीं है। फिर भी इस मामले की तह तक जाया जाएगा।

Downloaded from: www.iascgl.com

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 3 जून 2019

दैनिक जागरण
आसान से आसान काम भी शुरुआत में मुश्किल लगता है

हिंदी को लेकर हल्ला

नई शिक्षा नीति का मसौदा सामने आते ही तमिलनाडु में जिस तरह हिंदी का विरोध शुरू हो गया उससे यही साबित होता है कि हमारे देश में कुछ नेता किस तरह विरोध के नाम पर विरोध की राजनीति करने के लिए तैयार बैठे रहते हैं। निःसंदेह नई शिक्षा नीति के मसौदे में त्रिभाषा फार्मूले की चर्चा की गई है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी लागू करने का फैसला ले लिया गया है। कम से कम नेताओं को तो यह अच्छी तरह पता होना चाहिए कि प्रस्ताव और फैसले में अंतर होता है। शिक्षा नीति के संदर्भ में तो यह न जाने कब से स्पष्ट है कि पहले उसका मसौदा आता है और फिर उस पर व्यापक चर्चा के बाद आम सहमति से उसे लागू किया जाता है। समझना कठिन है कि तमिलनाडु के कुछ नेताओं ने यह निष्कर्ष कैसे निकाल लिया कि नई शिक्षा नीति में जो कुछ कहा गया है वह अंतिम फैसले के रूप में है? यह आश्चर्यजनक है कि इस तरह का निष्कर्ष निकालने वालों में पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम भी शामिल हैं। स्पष्ट है कि तमिलनाडु के नेता लोगों की भावनाओं को भड़काकर अपना राजनीतिक स्वार्थ सिद्ध करना चाह रहे हैं। उनके इस रवैये के चलते तमिलनाडु में कुछ अन्य संगठन भी हिंदी के विरोध में आगे आ जाएं तो हैरत नहीं। वैसे भी यह एक तथ्य है कि तमिलनाडु में रह-रहकर हिंदी के खिलाफ आवाज उठती रहती है। यह आवाज उठाने के लिए तरह-तरह के बहाने इसलिए खोज लिए जाते हैं, क्योंकि कुछ लोगों ने हिंदी विरोध को अपनी राजनीति का जरिया बना लिया है। यह बात और है कि यही लोग जब चुनाव आते हैं तो तमिलनाडु के हिंदी भाषी लोगों को लुभाने के लिए अपने पोस्टर-बैनर हिंदी में लगवाते हैं!

तमिलनाडु अथवा देश के अन्य राज्यों के लोग हिंदी के विरोध में कुछ भी क्यों न कहें, इस तथ्य की अनदेखी नहीं की जा सकती कि राष्ट्रभाषा का दर्जा न हासिल करने के बावजूद हिंदी देश की सबसे प्रभावशाली संपर्क भाषा बन गई है। आज यदि देश में कोई भाषा संपर्क भाषा का स्थान लेने की योग्यता रखती है तो वह हिंदी ही है। वास्तव में इसी कारण देश के गैर हिंदी भाषी इलाकों में हिंदी का तेजी से विस्तार हुआ है। इस विस्तार का एक बड़ा कारण हिंदी की उपयोगिता है। यदि हिंदी की उपयोगिता को देखते हुए उसके प्रचार-प्रसार की कोई पहल की जाती है तो आखिर इसमें किसी को आपत्ति क्यों होनी चाहिए? आपत्ति करने वालों को इस सच्चाई से परिचित होना चाहिए कि दक्षिण और पूर्वोत्तर भारत के लोगों के लिए हिंदी एक आवश्यकता बन गई है। आज जब नौकरी, व्यापार आदि के कारण हर प्रांत के लोगों की देश के दूसरे हिस्सों में आवाजाही और साथ ही बसाहट बढ़ती जा रही है तब फिर यह समय की मांग है कि संपर्क भाषा का पर्याय बन गई हिंदी को सहर्ष अपनाया जाए। कई राज्यों ने ऐसा ही किया है और इनमें अरुणाचल सबसे बढ़िया उदाहरण है। इस उदाहरण की अनदेखी करना सच से मुंह मोड़ना ही है।

सावधानी ही सुरक्षा

वज्रपात झारखंड की बड़ी आपदाओं में से एक बनता जा रहा है। हर साल औसतन 200 लोगों की मौत वज्रपात की विभिन्न घटनाओं में हो रही है। इनमें से अकेले 95 फीसद मौतें ग्रामीण क्षेत्रों में होती हैं। राज्य के 24 में से 15 जिले वज्रपात के लेवल-वन जोन में शामिल किए गए हैं। भारतीय मौसम विज्ञान के ताजे आंकड़ों पर गौर करें तो झारखंड के स्तर पर वज्रपात की तीव्रता में पिछले पांच वर्षों में तीन गुनी वृद्धि हुई है। ये आंकड़ें बरसात के मौसम में जान-माल की व्यापक क्षति की ओर इशारा करते हैं। ऐसे में विशेष एहतियात ही सुरक्षा का मूलमंत्र है। झारखंड में वज्रपात से होने वाली मौतों पर गौर करें तो 95 फीसद मौतें ग्रामीण क्षेत्रों में होती हैं। इनमें से 60 फीसद जानें किसानों की जा रही हैं, जबकि 35 फीसद बच्चे हताहत हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में वज्रपात से बचने के वैज्ञानिक उपायों को ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक प्रचारित और प्रसारित करने की आवश्यकता है। इससे इतर सरकार न तो वज्रपात की पूर्व सूचना तंत्र को मजबूत करने की दिशा में अग्रसर नजर आती है और न ही ग्रामीण क्षेत्रों में तड़ित चालक लगाने की दिशा में ही हाल के वर्षों में विशेष प्रयास हुए हैं। बहरहाल देर से ही सही सरकार इस मामले में गंभीर हुई है। अगले तीन वर्षों में वज्रपात से होने वाली मौतों में 80 फीसद कमी लाने का लक्ष्य केंद्र सरकार ने निर्धारित किया है। क्लाईमेट रेजीलिएंट ऑब्जर्विंग सिस्टम प्रमोशन काउंसिल (करौपसी) के सौजन्य से इस बाबत झारखंड में वज्रपात सुरक्षित अभियान चलाने की तैयारी है। करौपसी की योजना इस अभियान को तीन चरणों में मूर्त रूप देने की है। अभियान के पहले चरण में विशेष जोर वज्रपात के पूर्वानुमान की जानकारी एक-एक व्यक्ति तक पहुंचाने पर होगा। दूसरा चरण वज्रपात से बचने के उपायों को रेखांकित करने वाला होगा। तीसरे और अंतिम चरण में वज्रपात प्रभावित क्षेत्रों में अवस्थित घरों पर तड़ित चालक लगाने की कार्यवाही होगी। यह सर्वविदित है कि सावधानी में ही सुरक्षा है। ऐसे में जरूरी है कि सरकार विभिन्न स्टेक होल्डरों के सहयोग से इस अभियान को जनांदोलन का रूप दे, क्योंकि सबसे महत्वपूर्ण सवाल लोगों की जान माल की सुरक्षा का है।

मुस्लिम महिलाओं ने भी मुमकिन बनाई जीत

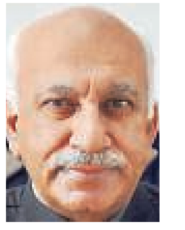

एमजे अकबर

आखिर तमाम मुस्लिम महिलाओं ने भाजपा को वोट क्यों दिया? इसका जवाब बिल्कुल भी जटिल नहीं है। उन्हें लगा कि प्रधानमंत्री मोदी की नीतियां उनके और उनके परिवार के लिए अच्छी हैं

वर्ष 1952 में हुए पहले आम चुनाव के साथ ही हर एक चुनाव के साथ कुछ आम धारणाएं लगातार ध्वस्त होती आई हैं। हालांकि इसका कोई एक निश्चित प्रारूप नहीं रहा है। कुछ दौर ऐसे भी रहे जब बदलाव की बयार उतनी तेज नहीं थी और दुविधाग्रस्त मतदाताओं ने खंडित जनादेश ही दिया। 1980 से 2014 के बीच साढ़े तीन दशकों तक मतदाता निरंतर रूप से परिवर्तन के आभास वाले जाल में फंसते रहे जबकि प्रगति की प्रकृति वैसी नहीं थी। हालांकि ऐसी दलील दी जाती है कि 1984 का जनादेश ऐतिहासिक था, लेकिन तब लोगों ने अर्थव्यवस्था या सुशासन के बजाय श्रीमती इंदिरा गांधी की निर्मम हत्या से उपजी सहानुभूति के आधार पर मतदान किया था।

वर्ष 2004 से 2014 के बीच संप्रग के एक दशक का शासनकाल विरोधाभासों की पराकाष्ठा था। व्यवस्था से खिन्न मतदाता जहां सुशासन की मांग कर रहा था, वहीं जिन लोगों के हाथ में सत्ता की कमान थी उनका असल व्यवहार वास्तव में बद से बदतर होता जा रहा था। किसी भी कीमत पर सत्ता हासिल करने के लिए बेचैन कांग्रेस ने अवसरों की भरमार और बाजार के द्वार उसी तबके के लिए खोल दिए जो देश के संसाधन लूटने के बदले में कांग्रेस को सत्ता में बनाए रखने में मददगार बने हुए थे। भ्रष्टाचार बहुत ही संक्रामक बीमारी है। कांग्रेस पार्टी के मामले में यह संक्रमण शीर्ष से फैला। शीर्ष परिवार और उसके संगी-साथियों के खिलाफ मामलों को देखकर यही लगता है कि कांग्रेस पर काबिज शीर्ष परिवार के दोनों हाथ खजाने पर लगे हुए थे। इसमें हर किसी की चांदी हुई। ऐसी लूटपाट केवल राजनीतिक वर्ग तक सीमित नहीं रही। कारोबारी और मीडिया के दिग्गजों ने भी हरसंभव तरीके से इसका फायदा उठाया। इस तरह जनता का आक्रोश 2014 में चरम पर पहुंच गया।

उस पुरानी और जीर्ण-शीर्ण होती व्यवस्था से मुक्ति और नए बदलाव के लिए ही 2014 में नरेंद्र मोदी चुने गए। वह जो बदलाव लेकर आए उसे निरंतरता देने के लिए ही 2019 में उन्हें भारतीयों ने दोबारा जनादेश दिया ताकि वह यह सुनिश्चित कर सकें कि परिवर्तन की यह प्रक्रिया अपनी तार्किक परिणति तक पहुंचे।

यहां तक कि सोशल मीडिया पर फैले प्रधानमंत्री के कट्टर आलोचक और दिल्ली के विदेशी मीडिया क्लब भी अब न चाहते हुए यह स्वीकार कर रहे हैं कि चुनाव में जहां राहुल गांधी घिसे-पिटे जुमलों के साथ संघर्ष करते रहे वहीं नरेंद्र मोदी का एक अलग क्षितिज की दिशा में नए सिरे से उभार हुआ है। मगर वे अभी भी यह स्वीकार करने से इन्कार कर रहे हैं कि 2019 के चुनाव ने चुनावी गणित के केंद्र को बदल दिया है। चलिए मैं इस बहुआयामी परिवर्तन के केवल एक पहलू की ही परतें खोलता हूं।

मुस्लिम महिलाओं ने भारी तादाद में प्रधानमंत्री मोदी के लिए अपना वोट दिया। अगर आपको मेरी बात पर यकीन नहीं तो मैं जाने-माने मुस्लिम नेता मौलाना बदरुद्दीन अजमल के एक टेलीविजन साक्षात्कार का हवाला देना चाहूंगा। असम से ताल्लुक रखने वाले अजमल भाजपा के धुर विरोधी हैं। उस साक्षात्कार में मौलाना ने बिना किसी हिचक के कहा कि मुस्लिम महिलाओं के एक वर्ग का झुकाव प्रधानमंत्री मोदी की ओर रहा। वह साक्षात्कार यूट्यूब पर उपलब्ध है तो इसे लेकर किसी संदेह की गुंजाइश भी नहीं। इसमें उन्होंने विस्तार से बताया कि कांग्रेस ने कैसे अपने छल-कपट से लगातार मुसलमानों के साथ धोखा किया। इससे यह पुष्टि होती है कि राजनीतिक दलों ने भले ही धीरे-धीरे और संभवतः बहुत हिचक के साथ जनसांख्यिकीय गणित में बड़े बदलाव के रुझान को स्वीकार करना शुरू कर दिया है।

असल में दो कारकों से समीकरण बदल रहे हैं। पहली बार ऐसा हुआ है कि मुस्लिम वर्ग के एक बड़े हिस्से का वोट किसी भाजपा नेता को मिला है। दूसरा यही कि मुस्लिम महिलाओं ने अपने खुद के हितों को देखते हुए वोट देने का फैसला किया और इसमें पुरुषों द्वारा आम तौर पर दी जाने वाली दलीलें कहीं नहीं टिकतीं। मुस्लिम महिलाओं ने बड़ी शांति से परिवर्तन को मूर्त रूप दिया। यह आसानी से समझा जा सकता था, मगर खामोशी के साथ किए गए उनके विद्रोह ने एक बड़ा अंतर पैदा किया। अब आंकड़े भी आ गए हैं तो चलिए उनकी एक झलक पर भी नजर डाल लेते हैं। भाजपा ने मुस्लिम बहुल आबादी वाली 50 प्रतिशत से अधिक सीटें जीतीं। वर्ष 2008 में कांग्रेसनीत संप्रग सरकार में इन सीटों को चिन्हित किया गया था। भाजपा की तुलना में कांग्रेस ने 2014 में इनमें से 12 सीटों पर जीत हासिल की थी और इस बार वह ऐसी केवल छह सीटों पर ही जीत पाई है। अगर आपको एकबारगी यह लगे कि यह 'गैर-मुस्लिम वोटों' की बड़ी लामबंदी का परिणाम है तो फिर हमें बंगाल के दो उदाहरणों पर भी गौर करना चाहिए। पश्चिम बंगाल में 2019 से पहले भाजपा का मामूली प्रभाव था। वहां की रायगंज और मालदा उत्तर सीट पर तकरीबन आधी आबादी मुस्लिम है। रायगंज में 49 प्रतिशत तो मालदा में 50 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता हैं। भाजपा ने रायगंज सीट जहां 60,674 वोटों से जीती वहीं मालदा में उसे 84,288 वोटों से जीत हासिल हुई। ऐसे में कोई संदेह नहीं कि अगर भाजपा को मुस्लिमों के बड़ी संख्या में मत नहीं मिले होते तो वह इनमें से किसी भी सीट पर नहीं जीत पाती। ये वोट मुस्लिम महिलाओं के ही थे।

आखिर तमाम मुस्लिम महिलाओं का मानस कैसे बदला? इसका जवाब बिल्कुल भी जटिल नहीं है। उन्हें लगा कि प्रधानमंत्री मोदी की नीतियां उनके और उनके परिवार के लिए अच्छी हैं। तीन तलाक की समाप्ति के वादे ने भी कुछ असर दिखाया। मगर इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण मिशन-मोड वाले ऐसे कार्यक्रम रहे जिन्होंने सभी तबके की महिलाओं को प्रभावित किया। विशेषकर शौचालय, गैस सिलेंडर, बैंक खाते और नए मकान का वादा। मुस्लिम महिलाओं की आंखें पुरुषों की तुलना में कहीं अधिक खुली रहीं। उन्होंने देखा कि सरकारी योजनाओं के फायदे पहुंचाने में कोई भेदभाव नहीं किया गया। उन्होंने दुष्प्रचार पर वास्तविकता को तरजीह दी। उन्होंने खुली आंखों और खुले दिमाग के साथ मोदी को वोट दिया।

यह 2019 के आम चुनाव का यह एक अहम पहलू है। मुसलमानों को मोदी के खिलाफ भड़काने में कुछ ताकतों ने कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। इस जनादेश ने उनके मोदी विरोधी विमर्श और आक्रामक प्रचार की हवा निकाल दी। 2019 एक नई शुरुआत का प्रस्थान बिंदु है। इसके साथ ही एक नई प्रक्रिया शुरू हुई है। अगर यह शुरुआती माहौल कायम रहता है तो यह राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय चुनावों को नए सिरे से परिभाषित करेगा।

(लेखक पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ स्तंभकार हैं)
response@jagran.com

यथार्थ के धरातल पर भारत की पाक नीति

दिव्य कुमार सोती

मोदी ने साफ कर दिया है कि यदि पाक संबंध सुधारना चाहता है तो पहले उसे अपने आतंकी संगठनों पर कार्रवाई करनी होगी

प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तमाम राष्ट्राध्यक्षों से बधाई संदेश मिले। ऐसे में पाक प्रधानमंत्री इमरान खान ने भी ट्वीट कर बधाई दी, जिसका प्रधानमंत्री मोदी ने औपचारिक जवाब भी दिया। इसके साथ ही मोदी सरकार की आगे की पाकिस्तान नीति को लेकर कयास लगने शुरू हो गए थे, पर तमाम कयासों के उलट इमरान खान को मोदी के शपथ ग्रहण समारोह का न्योता नहीं मिला। पिछली बार नरेंद्र मोदी ने अपने शपथग्रहण समारोह में सार्क देशों के नेताओं को आमंत्रित किया था। तब नवाज शरीफ भारत पहुंचे थे। इमरान खान तब विपक्ष में थे और उन्होंने शरीफ को इस कदम के लिए जमकर कोसा था। इस बार न्योता न मिलने से पाकिस्तान सरकार खिसियाई हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने शपथ ग्रहण समारोह में सार्क देशों की जगह बिम्सटेक देशों को बुलाकर दो स्पष्ट संदेश दिए हैं। पहला संदेश विश्व के लिए है कि भारत अब दक्षिण एशिया तक सीमित शक्ति नहीं रहा है। दूसरा संदेश पाकिस्तान के लिए है कि वह सार्क के मंच का दुरुपयोग करके दक्षिण एशियाई देशों की सामूहिक प्रगति को रोके नहीं रख सकता। मोदी ने एक झटके में दक्षिण एशियाई कूटनीतिक जगत की दृष्टि पाकिस्तान से हटाकर दक्षिण-पूर्व एशिया की ओर कर दी है जो भारत की 'पूरब की ओर देखो' नीति के भी अनुरूप है।

पुलवामा हमले और बालाकोट में आतंकी शिविरों पर भारत द्वारा जवाबी कार्रवाई के बाद बहुत बड़े जनादेश के साथ प्रधानमंत्री मोदी की सत्ता में वापसी ने उन्हें ऐसी मजबूत स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है जैसी शायद किसी और प्रधानमंत्री की नहीं रही है। इसके ठीक उलट उतनी ही कमजोर स्थिति इस समय इमरान खान और पाकिस्तान की है। यह सही है कि 1971 में भारत के हाथों युद्ध में मुंह की खाने और दो टुकड़े होने पर पाकिस्तान की दुर्गति हुई थी, पर उस समय अमेरिका का हाथ उसके सिर पर बना रहा था और शिमला समझौते के तहत इंदिरा गांधी द्वारा 93,000 युद्धबंदी सैनिकों को रिहा किए जाने से पाकिस्तान को संजीवनी भी मिल गई थी। आज के हालात पाकिस्तान के लिए कई मायनों में कहीं अधिक बदतर हैं। पाकिस्तान में महंगाई अब बेतहाशा बढ़ चुकी है। पाकिस्तानी मुद्रा का घोर अवमूल्यन हो रहा है। आतंकवाद के समर्थन के चलते अंतरराष्ट्रीय आर्थिक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है और अमेरिका ने पाकिस्तान की ढाल बनना बंद कर दिया है। जिस चीन-पाक आर्थिक गलियारे के बल पर पाकिस्तान समृद्धि के सपने देख रहा था उसकी सुरक्षा को लेकर खतरे बढ़ते ही जा रहे हैं। हाल ही में बलूच विद्रोहियों ने इस गलियारे

के हिस्से के तौर पर चीन द्वारा विकसित किए गए ग्वादर बंदरगाह के पास एक नामी पांच सितारा होटल को निशाना बनाया जिसमें बड़ी तादाद में चीनी निवेशक और व्यापारी ठहरते हैं। इस बीच मोदी सरकार बार-बार दोहरा रही है कि पाकिस्तान के इशारे पर भारत पर कोई भी आतंकी हमला हुआ तो भारत एक बार फिर जवाबी कार्रवाई करेगा। ऐसी स्थिति में पाकिस्तान का भारत से बातचीत के लिए लालायित होना स्वाभाविक है।

वैसे नरेंद्र मोदी ने अपने पिछले कार्यकाल में ही भारत की पाकिस्तान नीति को अमन की आशा और मोमबत्ती गैंग की रूमानियत से मुक्त कर दिया है। मोदी पहले दिन से ही पाकिस्तान के साथ सावधानी बरतते रहे हैं, जिसके कारण पाकिस्तान को कूटनीतिक शरारत का मौका नहीं मिल पाया है। नरेंद्र मोदी और अजीत डोभाल की जोड़ी ने भारत की पाक नीति को यथार्थवाद से लैस किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषणों में बार-बार दोहराया भी है कि भारत महानता और वैभवशीलता की ओर अग्रसर है और हमारी विदेश नीति को पाकिस्तान केंद्रित होने की कोई जरूरत नहीं है।

अब शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में मोदी और इमरान खान आमने-सामने होंगे। अभी तक इस समूह की बैठक से अलग दोनों नेताओं में औपचारिक मुलाकात तय नहीं है। हालांकि इसको लेकर तरह तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। अगर बातचीत होती भी है तो पाकिस्तान अब मोदी से ज्यादा रियायत की उम्मीद नहीं कर सकता। फोन पर बातचीत के दौरान मोदी ने इमरान को यह स्पष्ट कर दिया है कि क्षेत्र की शांति के लिए आतंक मुक्त माहौल जरूरी है। इसके साथ ही मोदी ने पाकिस्तान के लिए लकीर खींच दी है कि वह दोनों देशों के संबंधों में जरा भी प्रगति करना चाहता है तो पहले उसे अपने यहां पल रहे आतंकी संगठनों पर कार्रवाई करनी ही होगी। मतलब अगर बातचीत होती भी है तो उफा की तर्ज पर होगी और पूरी तरह पाकिस्तान द्वारा फैलाए जा रहे सीमापार आतंकवाद पर ही केंद्रित होगी। यह भी ध्यान देने की बात है कि पाकिस्तान बार-बार भारत से बातचीत की इच्छा तो जताता है, पर बातचीत सुचारू रूप से हो सके उसके लिए हुर्रियत नेताओं तक से संपर्क तोड़ने को तैयार नहीं है तो खुद के पाले-पोसे लश्कर और जैश जैसे आतंकी संगठनों पर क्या ठोस कार्रवाई करेगा? जाहिर है कि विश्व स्तर पर अलग-थलग पड़े पाकिस्तान द्वारा भारत से बातचीत की पेशकश फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स यानी एफएटीएफ जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की ओर से बढ़ते आर्थिक प्रतिबंधों से बचने के लिए की जाती है।

अगर शुद्ध कूटनीतिक लेन-देन की दृष्टि से भी देखा जाए तो भारत-पाक के बीच क्या लेन-देन हो सकता है। पाकिस्तान भारत को अपनी जमीन का इस्तेमाल अफगानिस्तान को आर्थिक मदद पहुंचाने के लिए नहीं करने देता है। इसके बावजूद चीन और पाकिस्तान यह उम्मीद करते हैं कि भारत की संप्रभुता का उल्लंघन कर बनाए गए चीन-पाक आर्थिक गलियारे जैसी परियोजना पर भारत हामी भर दे। ऐसा कैसे संभव है? किसी भी सकारात्मक बातचीत के लिए पाकिस्तान को अपनी सोच में आमूलचूल परिवर्तन लाना होगा और वह जमीनी स्तर पर दिखना भी चाहिए। कश्मीर पर सौदेबाजी की तो अब कोई गुंजाइश ही नहीं बची है, क्योंकि एक तो भाजपा अनुच्छेद 370 और 35ए जैसे मुद्दों पर कार्रवाई का संकल्प बार-बार दोहरा रही है और दूसरे प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पिछले कार्यकाल में सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट में हवाई हमले का आदेश देकर इस बात की गुंजाइश ही खत्म कर दी है कि पाकिस्तान भारत को किसी भी प्रकार के दबाव में लेकर कुछ भी हासिल कर सकता है। ऐसे में पाकिस्तान के पास विकल्प बहुत कम बचे हैं।

(लेखक काउंसिल फॉर स्ट्रेटेजिक अफेयर्स से संबद्ध सामरिक विश्लेषक हैं)
response@jagran.com

ऊर्जा

उपकार

हमारे जीवन में तीन लोगों का महान उपकार होता है-माता-पिता और गुरु का। इनके उपकार को हमें कभी नहीं भूलना चाहिए, क्योंकि इनके कारण ही हमारा अस्तित्व है। ये तीनों हमारे लिए सदैव आदरणीय होते हैं। माता-पिता ने हमें जन्म दिया और हमारा पालन-पोषण किया है। इस तरह हमारे माता-पिता ने हम पर अनगिनत उपकार किए हैं। उनके उपकारों को हम अपनी पूरी जिंदगी में भी नहीं उतार सकते हैं। ईश्वर से पहले माता-पिता की पूजा की जाती है। ईश्वर ने हमारे पालन-पोषण और रक्षा के लिए माता-पिता को भेजा है। कहा गया है कि भगवान न दिखाई देने वाले माता-पिता हैं और माता-पिता दिखाई देने वाले भगवान हैं। हमने ईश्वर को नहीं देखा है, लेकिन अपने माता-पिता को देखा है, इसलिए हमारे माता-पिता हमारे लिए भगवान का ही रूप हैं। माता-पिता की सेवा ईश्वर की ही सेवा है। जब हम माता-पिता की सेवा करते हैं तो ईश्वर हमसे काफी प्रसन्न होते हैं। माता-पिता के आशीर्वाद से हमें हर मुसीबत से छुटकारा मिलता है और हमें हर क्षेत्र में सफलता मिलती है। उनका आदर करना ही हमारा धर्म है।

हमारे लिए जिन कष्टों का सामना हमारे माता-पिता करते हैं, उसका वर्णन करना मुमकिन नहीं, इसलिए माता-पिता की सेवा से कभी भागना नहीं चाहिए, यह पाप है। माता-पिता ने हमारे लिए जो कुछ भी किया है, इसके लिए हमें उनका सदैव ऋणी रहना चाहिए। माता-पिता की सेवा कभी व्यर्थ नहीं जाती है। जिस व्यक्ति को माता-पिता की सेवा का अवसर मिलता है, उससे भाग्यशाली कोई दूसरा नहीं। जो लोग माता-पिता की सेवा नहीं करते हैं, उनके बच्चे उनके साथ वैसा ही व्यवहार करते हैं। हमें माता-पिता का सम्मान करना चाहिए, इससे हमारी आने वाली पीढ़ी वैसा ही सीखती है। जो बच्चे माता-पिता की सेवा नहीं करते, उन्हें समझना चाहिए कि कल जब वे बुजुर्ग होंगे, तब उन्हें भी इसका सामना करना पड़ सकता है। यदि आज वे अपने माता-पिता की सेवा करेंगे तो कल उनके बच्चे भी उनकी सेवा करेंगे। कई बार माता-पिता ऐसे पेश आते हैं कि बच्चे उन्हें अपना दुश्मन मानने लगते हैं और वे उनका आदर नहीं करते, लेकिन हमें हमेशा माता-पिता का आदर करना चाहिए, क्योंकि वे जो कुछ भी कहते या करते हैं, वह हमारी भलाई के लिए ही होता है।

आचार्य अनिल वत्स

बुजुर्गों की बढ़ती उपेक्षा चिंताजनक

रामकृष्ण जायसवाल

यदि हम अपने वरिष्ठ जनों के साथ समुचित व्यवहार करेंगे, तभी हमारा समाज एक सभ्य समाज बन सकेगा

समाज के बदलते परिदृश्य का सबसे बड़ा सबसे गहरा प्रभाव संबंधों पर पड़ा है, जिसका परिणाम यह हुआ है कि माता-पिता और संतानों के बीच संबंध भी दबाव में आ गए हैं। 1992 में जहां अकेले या अपने जीवन साथी के साथ रहने वाले बुजुर्गों का प्रतिशत नौ था, वहीं 2006 में बढ़कर 19 प्रतिशत हो गया! दिल्ली के एक गैर सरकारी संगठन एजवेल फाउंडेशन ने हाल ही में एक सर्वेक्षण किया है। उसके मुताबिक देश में करीब हर चौथा बुजुर्ग (23.44 फीसद) अकेला रह रहा है। इसमें आधुनिकीकरण और व्यक्तिवादी संस्कृति का बड़ा हाथ है।

हालांकि बुजुर्गों की बढ़ती संख्या और उनकी सामाजिक, पारिवारिक एवं आर्थिक समस्याओं को देखते हुए सरकार ने 2007 में माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण करने के लिए मासिक भत्ता देना अनिवार्य कर दिया था। 2018 में इस कानून का और विस्तार करके गैर-जिम्मेदार संतानों को जेल भेजने का भी प्रावधान कर दिया गया, लेकिन देखा जाय तो बुजुर्गों को सरकार की नीतियों से ज्यादा मानवीय मूल्यों की दरकार है। यह व्यक्ति को स्वयं आभास कराएगी कि वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल तथा उनकी सुरक्षा का दायित्व सरकार का नहीं, बल्कि उस प्रत्येक व्यक्ति का है जो समाज का अंग है। दरअसल समाज के मूल्यों के निरंतर क्षरण से ही आज वृद्ध आश्रमों की संख्या लगातार बढ़ रही है। आंकड़ों के अनुसार 2011-15 के बीच केरल में वृद्धाश्रमों में रहने वालों की संख्या 69 प्रतिशत बढ़ गई। हालांकि यह सामान्य सी बात है कि प्रगति के बढ़ते अवसरों के चलते परिवार को उसी परंपरागत रूप में चला पाना संभव नहीं प्रतीत होता, किंतु अपने परंपरागत मूल्यों और नैतिक मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित करना भी समाज का दायित्व है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि आर्थिक सुरक्षा के अलावा पारिवारिक मधुरता के मामले में कानून कुछ नहीं कर सकता। इससे बुजुर्गों के एकाकीपन की समस्या बढ़ती जा रही है। बुजुर्गों में एक बहुत बड़ी आबादी उपेक्षा और उदासी का जीवन व्यतीत कर रही है।

हालांकि सरकारों ने बुजुर्गों के लिए कई योजनाएं बनाई जरूर हैं, किंतु उनका क्रियान्वयन ठीक से न होने के कारण वे मात्र हाथी दांत के समान ही प्रतीत हो रही हैं। आज देश के 50 प्रतिशत से भी अधिक वृद्ध आर्थिक रूप से दूसरों पर निर्भर हैं। आने वाले समय में स्वास्थ्य सेवाएं और सामाजिक कुव्यवस्था की वजह से वृद्धों की समस्याएं और बढ़ने के आसार हैं। आज युवाओं की सोच बदलने की आवश्यकता है। साथ वरिष्ठ नागरिकों को आधिकारिक तौर पर स्वास्थ्य, आवास और गरिमा प्रदान करने की जरूरत है। अनेक व्यवसाय भी ऐसे हैं जहां सेवानिवृत्त नागरिकों के अनुभव एवं कौशल का उपयोग किया जा सकता है। उनके लिए उनकी क्षमता के अनुसार काम के घंटे भी दिए जा सकते हैं, जिससे वृद्धों में आर्थिक स्वतंत्रता की भावना बनी रहे। इसके अलावा समाज में उन मानवीय मूल्यों की स्थापना करने की जरूरत है, जिनका क्षरण होता जा रहा है। यदि हम अपने वरिष्ठ जनों के साथ समुचित व्यवहार करेंगे, तभी हमारा समाज एक सभ्य समाज बन सकेगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मेलबाक्स

भाजपा के चाणक्य शाह

चुनावी रणनीति के शहंशाह शीर्षक से लिखे अपने लेख में प्रदीप सिंह ने भाजपा को इस बार के लोकसभा चुनाव में प्रचंड जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अध्यक्ष अमित शाह के भी भरपूर योगदान का वर्णन किया है। पार्टी की जीत में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के कारण ही अमित शाह भाजपा के 'चाणक्य' के रूप में जाने जाते है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बार के लोकसभा चुनाव में जीत दिलाने के लिए सबका साथ, सबका विकास मंत्र का अनुपालन किया तो अमित शाह ने पार्टी को एकजुट और जहां इन्हें लगा पार्टी थोड़ी कमजोर है, वहां उस कमजोरी को दूर करने के उपाय किए। मोदी और शाह की जोड़ी की बदौलत आज देश में भगवा रंग चढ़ गया। किसी भी राजनीतिक पार्टी को जीत के शिखर तक पहुंचाने के लिए उचित नेतृत्व की बहुत जरूरत होती है। उचित नेतृत्व ही पार्टी में अनुशासन बना और गुटबंदी रोक सकता है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने भी भाजपा का उचित नेतृत्व कर इसको इस बार के लोकसभा चुनाव में 300 के पार पहुंचा दिया। हालांकि इन सबके बावजूद अमित शाह पंजाब में अपना कमाल नहीं दिखा पाए। भाजपा के अब जो नए अध्यक्ष बनेंगे उन्हें इस पर गौर जरूर करना चाहिए कि भाजपा और इसकी समर्थित पार्टी अकाली दल हर लोकसभा चुनाव में पंजाब में क्यों सिमट जाती है?

राजेश कुमार चौहान, जालंधर

सरकार से अपेक्षाएं

जनता केंद्र में स्थायी, दृढ़ और विश्वसनीय सरकार के पक्ष में है, जो राष्ट्र हित में कठोर निर्णय ले सके। यही कारण है कि लोकसभा चुनाव में जनता ने वंशवाद, जातिवाद और भ्रष्टाचार के विरोध में अपना मत दिया। जनता को इस सरकार से बहुत उम्मीदें हैं जिस पर सरकार को खरा उतरना होगा। खासकर शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, विदेश नीति और देश की आंतरिक तथा बाहरी सुरक्षा पर सरकार को दूरगामी तथा त्वरित निर्णय लेने होंगे। आर्थिक मोर्चे पर भारत की साख और दबदबा दुनिया में कायम रखना होगा। भारत के समस्त राज्यों के बीच आपसी समन्वय और सद्भाव बनाए रखने की भी महती जिम्मेदारी सरकार पर होगी। विपक्षी पार्टियों द्वारा शासित राज्यों से बेहतर तालमेल बनाए रखना आवश्यक होगा। बिना किसी भेदभाव के केंद्र सरकार को आर्थिक मदद और अन्य सुविधाएं समस्त राज्यों को उपलब्ध करवानी होंगी।

lalit.mahalkari@gmail.com

गरीबी चिंता का विषय

भारत में 37 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं, दूसरी तरफ विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत के पास गरीबी से निपटने के लिए पर्याप्त साधन नहीं हैं। देश में गरीबी का मुख्य कारण भ्रष्टाचार, शोषण, शिक्षा का अभाव आदि कारण हैं। सरकार का कर्तव्य है कि वह देश के नागरिकों को गरीबी रेखा से ऊपर लाए ताकि देश के विकाश में वे भी बराबरी का सहयोग कर सकें।

अभिनव तिवारी, दिल्ली विवि

बेरोजगारी को रोकें

केंद्रीय सांख्यिकी आंकड़ों के अनुसार देश की आर्थिक वृद्धि दर 2018-19 की जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान 5.8 प्रतिशत रही, जो पांच साल में न्यूनतम दर है। वहीं बेरोजगारी दर 6.1 फीसद जो 45 वर्षों में सबसे सर्वाधिक है, जो कि चिंताजनक है। इसके अलावा कृषि क्षेत्र भी भयानक मार झेल रहा है, जहां 2017-18 में कृषि रफ्तार पांच फीसद थी और इस समय 2.9 पर टिक गई है। ऐसे में नई सरकार को दोगुनी मेहनत करने की जरूरत है। नौकरियों के लिए सालाना लाखों-करोड़ों युवा तैयार हो रहे हैं, पहले वालों को नौकरी नहीं मिली तो आने वाले युवा की फितरत हम देख सकते हैं। सरकार को इन आंकड़ों को गंभीर रूप से लेना होगा।

आशीष, राम लाल आनंद कॉलेज, दिल्ली विवि

बच्चे भूल रहे संस्कार

आधुनिक तकनीक के आने से बच्चों पर मानसिक दबाव बढ़ा है। अब बच्चे खुले मैदान में खेलने के बजाए बंद कमरे में मोबाइल पर लगे रहते हैं। उन पर अधिक अंक लाने का भी दबाव रहता है। शहरीकरण में माता-पिता के सामाजिक संबंध भी प्रभावित हो रहे हैं। इससे बच्चे भी अछूते नहीं हैं। लोगों से मिलना-जुलना कम हो रहा है। इससे बच्चे अपने संस्कार भूलते जा रहे हैं। यह भारतीय संस्कृति लिए ठीक नहीं है।

संध्या, आंबेडकर कॉलेज, डीयू

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल : mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग,रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 23359961-62, नोएडा कार्यालय : 0120-3915800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

510 लाख किलो तक होता था खरपतवार नाशी के तौर पर ग्लाइफोसेट का इस्तेमाल दुनिया भर में वर्ष 1995 में, जो वर्ष 2014 में बढ़कर 7,500 लाख किलो तक पहुंच गया। भारत में भी वर्ष 2014 में 8.7 लाख किलो ग्लाइफोसेट का उपयोग किया गया।

आजकल

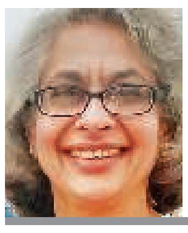

आरती जेरथ
वरिष्ठ स्तंभकार

परिवर्तन के बिना मुश्किल दिख रही कामयाबी

कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष राहुल गांधी ने वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव को भारत के बारे में दो जुदा विचारों की लड़ाई के रूप में निरूपित किया था। हालांकि मतदाताओं के मानसपटल पर वे किसी भी प्रकार का प्रभाव छोड़ने में पूरी तरह से विफल रहे हैं। देश की अधिकांश जनता ने नरेंद्र मोदी के सशक्त राष्ट्रवाद को चुना। इसके कई कारण भी रहे हैं। हमारी राजनीति व्यापक रूप से बदल रही है। इसलिए जरूरी है कि ठोस बदलाव करके राहुल गांधी उसमें से भ्रष्टाचार में लिप्त और वीआइपी संस्कृति में डूबे पुराने चेहरों से कांग्रेस को मुक्त करें और भविष्य के लिए ऐसे नए चेहरे तैयार करें जो आवश्यकता पड़ने पर पार्टी की बागडोर संभालने में सक्षम हों

आम चुनाव में करारी पराजय झेलने के बाद कांग्रेस पार्टी में तमाम मान-मनौव्वल के बावजूद राहुल गांधी कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफे को लेकर अडिग बताए जा रहे हैं, तो वहीं कुछ प्रदेश इकाइयों के नेताओं की ओर से भी इस्तीफा देने की बात सामने आ रही है। कांग्रेस इस हार से बुरी तरह आहत है, लेकिन इसके लिए वह खुद भी जिम्मेदार है। यह कहना गलत नहीं होगा कि कांग्रेस ने 2019 के चुनाव में नरेंद्र मोदी और भाजपा को जीत एक तरह से तोहफे में दे दी। सच तो यह है कि देश की ये सबसे पुरानी पार्टी अनेक मोर्चों पर लड़खड़ा गई। यह चुनाव से पूर्व भाजपा के खिलाफ सीधी जंग के लिहाज से एक अखिल भारतीय गठबंधन तैयार करने में नाकाम रही। इसका चुनावी विमर्श भी बेरोजगारी, कृषि व ग्रामीण संकट, संस्थाओं का क्षरण और सामाजिक विभाजन जैसे ज्वलंत मुद्दों पर टिके रहने के बजाय भटका हुआ नजर आया। यहां तक कि यह अपनी महत्वाकांक्षी न्याय (न्यूनतम आय सुरक्षा) योजना का संदेश भी लक्षित वर्ग तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंचा सकी। वह लगातार 'चौकीदार चोर है' के नारे पर जोर देती रही। इस क्रम में उसे यह एहसास नहीं रहा कि यह उसी के लिए घातक हो सकता है। उसने बीते पांच साल विपक्ष में रहते हुए अपने संगठन की खामियां दूर करने या ऐसी चुनावी मशीनरी विकसित करने के लिए कुछ नहीं किया, जो भाजपा के सांगठनिक तंत्र का मुकाबला कर सके।

हालांकि यदि हम चुनाव नतीजों की बारीकी से पड़ताल करें तो एक अलग ही कहानी सामने आती है। नरेंद्र मोदी को पिछली बार से भी ज्यादा बड़े बहुमत के साथ प्रधानमंत्री के तौर पर दूसरा कार्यकाल देते हुए मतदाताओं ने एक सख्त संदेश दिया कि कांग्रेस अब उनकी नजरों से उतर चुकी है। लगातार दूसरी बार कांग्रेस लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के लिए भी दावा नहीं कर पाएगी, क्योंकि वह इसके लिए जरूरी न्यूनतम सीटें जीतने में नाकाम रही है।

ये नतीजे बहुत कुछ कहते हैं। ऐसे तमाम राज्यों में जहां इसका भाजपा के साथ सीधा मुकाबला था, वहां मतदाताओं ने मोदी को जबर्दस्त समर्थन दिया। ऐसा उन राज्यों में भी हुआ, जहां छह महीने पहले ही कांग्रेस ने भाजपा को सत्ता से बेदखल किया था। मसलन मध्य प्रदेश में भाजपा का वोट शेयर 58 फीसद तक चढ़ गया, वहीं कांग्रेस 34.5 प्रतिशत तक सिमट गई। राजस्थान में भी यही कहानी रही, जहां भाजपा ने पिछली बार की तरह सभी 25 सीटें जीतते हुए कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर दिया। गुजरात में भाजपा ने अभूतपूर्व ढंग से 62.2 प्रतिशत मत प्राप्त किए, जबकि कांग्रेस को इससे आधे मत भी नहीं मिले। मतदाताओं का इससे मुखर संदेश और क्या हो सकता था?

दिल्ली और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में भाजपा के शानदार आंकड़ों से वह तर्क भी ध्वस्त हो जाता है कि कांग्रेस रणनीतिक साझेदारियों के जरिये अपनी कमजोरियों की भरपाई करते हुए विपक्ष के आंकड़ों के सहारे मोदी की केमिस्ट्री को मात दे सकती थी। दिल्ली में भाजपा का वोट शेयर 56 फीसद तक पहुंच गया। कांग्रेस यहां काफी पीछे रह गई। और फिर उत्तर प्रदेश भी है, जहां पर कांग्रेस को बसपा प्रमुख मायावती और सपा के मुखिया अखिलेश यादव के अलावा सियासी विश्लेषकों द्वारा भी इसलिए भला-बुरा कहा गया कि उसने मोदी को हराने के लिए व्यापक विपक्षी हितों के बजाय अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं को तरजीह दी। क्या कांग्रेस राज्य में अपनी कमजोर स्थिति के लिहाज से रायबरेली और अमेठी जैसी दो परंपरागत सीटों पर सहमत होते हुए महागठबंधन में शामिल नहीं हो सकती थी? इस तरह के तर्क खूब चलते रहे।

लेकिन यूपी से मिला जनादेश विपक्षी आंकड़ों के तर्क को उलट देता है। भाजपा ने न सिर्फ सियासी रूप से सर्वाधिक अहम इस राज्य में अपने वोट शेयर को 49.6 फीसद तक पहुंचा दिया, बल्कि उसने सपा, बसपा और कांग्रेस के सम्मिलित मतों से छह फीसद अधिक मत प्राप्त किए। खुद कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को अमेठी में स्मृति ईरानी के हाथों शर्मिंदगीपूर्ण ढंग से हार झेलनी पड़ी, जबकि यह सीट 1980 से ही गांधी परिवार के कब्जे में रही थी।

कांग्रेस ने 2019 में भले ही 2014 के मुकाबले आठ ज्यादा सीटें जीती हों और 44 से बढ़कर 52 पर पहुंच गई हो, लेकिन यह न भूलें कि उसने ज्यादातर सीटें उन तीन राज्यों में जीतीं, जहां स्थानीय कारक हावी रहे। कांग्रेस ने केरल में तेजी से अलोकप्रिय होती माकपा के खिलाफ 15 सीटें जीतीं, तमिलनाडु में वह द्रमुक के सहारे आठ सीटें जीतने में कामयाब रही और पंजाब में अपने मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की लोकप्रियता के बूते आठ सीटों पर विजयी रही। इन 31 सीटों के बगैर कांग्रेस महज 21 पर सिमट सकती थी।

अब कांग्रेस के नेतागण अपनी पार्टी की खराब हालत के जवाब में यह तर्क दे रहे हैं कि 1984 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को भी तो सिर्फ दो सीटें मिली थीं। लेकिन वे दो अहम बिंदुओं को नजरअंदाज कर देते हैं। पहला यह कि इसके बाद 1986 में भाजपा ने अपना अध्यक्ष बदला। अटल बिहारी वाजपेयी की जगह लालकृष्ण आडवाणी ने कमान संभाली। दूसरा बिंदु यह कि आडवाणी ने संघ के साथ मिलकर काम करते हुए भाजपा को कट्टर हिंदू राष्ट्रवादी पार्टी के सांचे में ढाला और इसे नए सिरे से खड़ा किया। उसकी नई परिकल्पना 1989 के उस पालमपुर प्रस्ताव में झलकी, जिसके तहत उसने औपचारिक रूप से विहिप के अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के एजेंडे को अपना लिया। वर्ष 1989 के चुनाव में भाजपा मुख्यतः इसी एजेंडे को लेकर चुनाव लड़ी और संसद में अपनी सदस्य संख्या 86 तक पहुंचाने में कामयाब रही। अब देश के मतदाताओं ने अपने मन की बात कह दी है और कांग्रेस को दीवार पर लिखी इबारत को पढ़ना होगा। यह बात मायने नहीं रखती कि राहुल पार्टी अध्यक्ष बने रहते हैं या फिर किसी नए चेहरे के लिए राह प्रशस्त करते हैं। कांग्रेस को देश के मतदाताओं के मानस में पुनः अपनी जगह बनाने की राह तलाशनी होगी, तभी वह 21वीं सदी में प्रासंगिक बनी रह सकती है।

हार की समीक्षा की परिपाटी को बदले कांग्रेस

डॉ. नीलम महेंद्र
स्वतंत्र टिप्पणीकार

कांग्रेस पार्टी अपने इतिहास में सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। हालांकि उसे वर्ष 2014 के मुकाबले इस बार सीटें कुछ अधिक मिली है, लेकिन वह उतनी अधिक नहीं है जितनी समझी जा रही थी कि पांच वर्षों की मेहनत से उसमें बढ़ोतरी हो सकती है। सबसे बड़ी गलती जो कांग्रेस बार बार करती आ रही है कि वो यह कि वे चुनाव में जीत तो चाह रहे हैं, पर अपने प्रतिद्वंद्वी की जीत के कारणों के बजाए अपनी हार की समीक्षा करते हैं। कांग्रेस को इस परिपाटी को बदलना होगा।

कांग्रेस यह समीक्षा 1991 से लगातार करती आ रही है। राजीव गांधी की हत्या के बाद भी कांग्रेस को पूर्ण बहुमत नहीं मिल पाया था। चाहे 1991 की नरसिम्हा राव की सरकार हो या 2004 और 2009 की यूपीए की सरकार हो, कांग्रेस अपने दम पर पूर्ण बहुमत 1984 के बाद कभी भी हासिल नहीं कर पाई। इस बीच वो कई बार हारी। वर्ष 2014 तो कांग्रेस के इतिहास की सबसे बुरी हार थी और 2019 सबके सामने है। अगर सच में कांग्रेस अपनी स्थिति सुधारना चाहती है तो उसे पहले तो स्वयं को चाटुकारों से मुक्त करना होगा। यह बात सही है कि राहुल पर वंशवाद के आरोप लगते हैं और सुनने में आ रहा है कि अब वो गांधी परिवार से बाहर का कोई अध्यक्ष बनाना चाहते हैं, लेकिन यह भी सच है कि इस काम के लिए यह उपयुक्त समय नहीं है। राहुल के लिए यह समय है खुद को सिद्ध करने का, न कि परिस्थितियों से भागने का। जिस पार्टी का अध्यक्ष उन्हें परिवारवाद के कारण बनाया गया, उसके लिए अब वो अधिकारबोध नहीं, कर्तव्यबोध से एक नई शुरुआत करें।

आज अगर राहुल गांधी कांग्रेस को मजबूत करना चाहते हैं तो सबसे पहले उन्हें खुद को मजबूत करना होगा, क्योंकि वह इस बात को समझ लें कि भले ही वे मुंह में चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए हों, लेकिन उनके सामने चुनौतियां नेहरू से अधिक हैं। क्योंकि तब कांग्रेस के प्रतिद्वंद्वी न तो सक्षम थे और न ही उनमें एकता थी, लेकिन आज राहुल का जिनसे सामना है वो एक भी हैं और सक्षम भी हैं, और यह वो दो बार साबित कर चुके हैं।

राहुल यदि कांग्रेस को वाकई में मजबूत करना चाहते हैं तो उनके नाम में जो गांधी लगा है उसे चरितार्थ करना होगा। गांधीजी ने अफ्रीका से लौटने पर देश के स्वतंत्रता आंदोलन को शुरू करने से पहले पूरे भारत का भ्रमण किया था, वह भी ट्रेन के तृतीय श्रेणी के डब्बे में ताकि वे असली भारत को जान पाएं। राहुल को भी अगर लोगों के दिल में जगह बनानी है तो उन्हें भारत को समझना होगा, यहां के जनमानस का मन पढ़ना होगा। राजनीति में विदेश से हासिल डिग्री विपक्ष का मुंह तो बंद कर सकती है, लेकिन वोट नहीं दिलवा सकती। एसी कमरों में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके विपक्ष पर आरोप तो लगाए जा सकते हैं, लेकिन उन आरोपों पर देश की विश्वसनीयता नहीं जीती जा सकती। जिस पार्टी की आजादी के बाद पहली सरकार पर ही भ्रष्टाचार के आरोप लग गए हों और वर्ष 2014 तक आते आते अनगिनत आरोपों से घिर चुकी हो, लोगों के मन में ऐसी पार्टी के लिए एक बार फिर जगह बनाना राहुल के लिए आसान नहीं होगा। अगर वो सच में कांग्रेस को इस हार से उबारना चाहते हैं तो उन्हें भ्रष्टाचार पर अपना कड़ा रुख देश को दिखाना होगा। लेकिन जब एक प्रदेश की कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार के तार आलाकमान के ही दफ्तर से जुड़ रहे हों तो?

और सबसे महत्वपूर्ण बात पार्टी की विचारधारा को उन्हें नए सिरे से स्पष्ट करना होगा। आज जो राहुल गांधी अपने कुछ नेताओं पर पार्टी हित से पहले स्व हित को रखने का आरोप लगा रहे हैं, वो राहुल गांधी यह भूल रहे हैं कि राष्ट्र हित से पहले पार्टी हित और पार्टी हित से पहले स्वयं का हित कांग्रेस की शुरू से ही परंपरा रही है।

लेकिन अब अगर राहुल गांधी कांग्रेस को वास्तव में उबारना चाहते हैं तो उन्हें कांग्रेस की विचारधारा से लेकर परंपरा तक को बदलना होगा, क्योंकि जितना आवश्यक कांग्रेस का खुद को इस हार से उबारना है, उतना ही आवश्यक इस देश के लोकतंत्र के लिए एक मजबूत विपक्ष का होना भी है।

खरी-खरी

अब हुआ तो हुआ!

गिरीश पंकज

वे एक बार फिर चुनाव हार चुके थे। हम सांत्वना देने पहुंच गए। और दे भी क्या सकते थे? वोट तो अब दे नहीं सकते थे। अब तो सांत्वना और श्रद्धांजलि टाइप की चीजें ही बची थीं देने के लिए। पिछली बार भी पहुंचे थे। हम हर बार पहुंचते हैं। पड़ोसी होने का धर्म निभाना ही पड़ता है। हमें देखते ही वे समझ गए कि मैं कुछ-न-कुछ सवाल दागने वाला हूं। हम जो सोच कर आए थे, अपना सवाल वह पूछते ही कि ये क्या हुआ, चिरकुटलाल जी फौरन से पेश्तर हाथ लहराकर बोल उठे- अब हुआ तो हुआ।

मैंने कहा, लेकिन कुछ तो कहिए कि क्या हुआ, कैसे हुआ, क्यों हुआ? कुछ डिटेल में बताइए न। समाज को आपका कुछ संदेश तो मिले। लोगों को प्रेरणा मिले। मेरी बात सुनकर वे आकाश को निहारने लगे, गोया वहां से कोई आकाशवाणी करेगा। कुछ देर तक वे टकटकी लगाकर आकाश को निहारते रहे, फिर कुछ देर बाद ठुड्डी पकड़कर बोले- यह क्या हुआ, ये न पूछो। हम भी यही सोच रहे हैं कि ये क्या हुआ। खैर, जो हुआ, सो हुआ। बस हमारे लिए करते रहो दुआ कि दोबारा ऐसा न हो।

मैंने कहा, दोबारा-तिबारा-चौबारा भी ऐसा हो सकता है। कहीं ऐसा न हो कि जो चुनाव जीते हैं वे आपके लिए गाते रहें ये गलियां, ये चौबारा, यहां आना ना दोबारा। इसलिए अब तो सुधर जाइए। मेरी बात सुनकर वे बोले, ना... हम नहीं सुधरेंगे। बिल्कुल नहीं!

मैंने चौंकते हुए पूछा, यह क्या कह रहे हैं आप? वे मुस्करा कर कहने लगे, दरअसल हम नेताओं की आदत बड़ी खराब हो चुकी है। सियासत में रहने के कारण यह सहज संभाव्य है भाई। हमारा जीवन पाखंड-मैया की गोद में इस तरह पलता है कि हम जीवन भर उसी में मगन रहते हैं। जनता को लल्लू समझकर उल्लू बनाते हैं और कभी-कभी जीत भी जाते हैं, लेकिन जब हारते भी हैं तो दिल को बहलाने के लिए मिर्जा गालिब से पंक्तियां उधार लेते हैं। यानी दिल को बहलाने के लिए गालिब ये ख्याल अच्छा है की तर्ज पर संतुष्ट हो लेते हैं। इसलिए हमारा तकियाकलाम है, जो हुआ, सो हुआ। क्या करेगी अब बुआ? मैंने कहा, बाप रे बाप! बड़े भारी सत्यवादी हैं आप।

हमारी बात सुनकर चिरकुटलाल जी जोर से हंसे, जैसे मैंने कोई राजनीतिक बात कह दी हो। फिर भी अभी आया कहकर अंदर चले गए और थोड़ी देर बाद बाहर निकले और लड़खड़ाते हुए बोले, हुआ सो हुआ, अब हमारे लिए करते रहो दुआ।

ट्वीट-ट्वीट

मान लिया कि आइएएस अधिकारी निधि चौधरी बापू को सम्मान देना चाहती थीं, पर स्माइली के साथ गोडसेवादियों पर उनका तंज अपनी समझ से परे है।
मिलिंद खांडेकर@milindkhandekar

राहुल गांधी कह रहे हैं कि अपने 52 सांसदों के साथ संसद में भाजपा को कड़ी टक्कर देंगे। वह भाजपा को लेकर इतने आग्रही क्यों हैं? उनकी मूल जिम्मेदारी उस जनता के प्रति है जिन्होंने उन्हें संसद में भेजा है।
अद्वैता काला@AdvaitaKala

ऐसी खबरें मिल रही हैं कि केंद्र सरकार दक्षिणी राज्यों पर हिंदी थोपने की कोशिश कर रही है। हिंदू-हिंदी बहुसंख्यकवाद के खिलाफ केवल राज्यों के अधिकारों के सतत संघर्ष के आधार पर ही लड़ा जा सकता है।
रामचंद्र गुहा@Ram_Guha

आप फिर से लोगों को बरगला रहे हैं। हिंदी को थोपने की कोई ताजा कोशिश नहीं हो रही है। तीन भाषाओं का प्रस्ताव मूल रूप से नेहरू की सिफारिश पर डॉ. रंगन की समिति ने दिया था। आप लोगों को गुमराह क्यों कर रहे हैं?
टीवी मोहनदास पई@TVMohandasPai

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या वित्तमंत्री के रूप में निर्मला सीतारमण आर्थिक चुनौतियों से निपटने में सक्षम हैं?

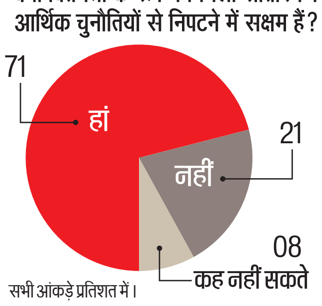

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

अमेरिका द्वारा कारोबारी वरीयता का दर्जा वापस लेने से भारत की आर्थिक मुश्किलें और बढ़ेंगी?

अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर POLL लिखें, स्पेस देकर Y, N या C लिखकर 57272 पर भेजें
Y -हां, N-नहीं, C-कह नहीं सकते

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

सागरमाथा-हम जिसे कहते हैं एवरेस्ट,
उसको भी दे दीजिए थोड़ा सा तो रेस्ट।
थोड़ा सा तो रेस्ट लगा है भीड़-भड़क्का,
इक-दूजे को लोग दे रहे धक्कम-धक्का।
प्लास्टिक, कचरा और शवों की कहती गाथा,
सुंदरता खो रोय रही है सागरमाथा!
– ओमप्रकाश तिवारी

राज्यनामा

उत्तर प्रदेश

मंत्रिमंडल में फेरबदल तक करना होगा इंतजार

सियासी घरानों से ताल्लुक रखने वाली यूपी की दो दीदियों के खेमों में खुशी के बाद अब गम है। ऐसी तकलीफ है जिसे खुलकर बयां भी नहीं किया जा सकता। पंजे वाली पार्टी छोड़कर फूल का दामन थामने वाली एक दीदी योगी सरकार में मंत्री रहीं लेकिन, मोदी सरकार टू के मंत्रिमंडल का हिस्सा बनने से रह गईं। वहीं कप-प्लेट लेकर दोबारा संसद पहुंचीं दूसरी दीदी को मोदी सरकार वन में वजारत हासिल थी। एक को अपने एकेडमिक प्रोफाइल के नाते मरकजी हुकूमत में जगह मिलने की आस थी। वहीं दूसरी दीदी को संसद में मेडेन एंट्री के साथ ही राज्यमंत्री का ओहदा हासिल हुआ था। लिहाजा वह मिनिस्टर की बर्थ पर स्वाभाविक तौर पर अपना दावा मान रही थीं। मोदी लहर पर सवार होकर प्रयागराज में गठबंधन की चुनौती पार कर एक दीदी दिल्ली पहुंचीं तो दूसरी विंध्यवासिनी धाम से। जीत से दोनों के समर्थकों का जोश दोगुना हो गया। लेकिन, जब दिल्ली दरबार का शपथ-ग्रहण समारोह आयोजित हुआ तो दोहरी खुशी की आस से लबरेज रहे दोनों के समर्थकों के चेहरों की रंगत भी फीकी हो गई। आखिर उन्हें पूरा भरोसा था कि अमेठी में बड़ा सियासी उलटफेर करने वाली स्मृति ईरानी के साथ उनकी दीदी भी मंत्रिमंडल में नजर आएंगी लेकिन, सपने टूट गए। अब दोनों दीदी के घरों के बाहर सन्नाटा है। समर्थक भी उनके दिल का हाल समझ रहे हैं लेकिन, कुछ कह भी नहीं पा रहे। अब दोनों के समर्थकों को मंत्रिमंडल में फेरबदल का इंतजार है।

अध्यक्ष जी की नाराजगी : पंजा छाप पार्टी में अंधेर नगरी चौपट राजा जैसा माहौल बना है। अध्यक्ष जी चुनाव क्या हारे, अपने ही सामने खड़े नजर आने लगे हैं। पार्टी का मीडिया विभाग तो वे सभी काम करने की कसम खाये है जिनसे अध्यक्ष जी की मुश्किलें दिनोंदिन बढ़ती ही रही हैं। मीडिया विभाग के कारनामों का जिक्र एक पूर्व विधायक सोनिया गांधी को लिखे पत्र में भी कर चुके हैं। अध्यक्ष जी से पूछे बगैर उनके द्वारा त्यागपत्र देने का बयान मीडिया विभाग के मुखिया दे चुके हैं। अध्यक्ष जी आपा तब खो बैठे जब उन्हें पता चला कि राहुल गांधी का इस्तीफा वापस कराने की मुहिम उनके मीडिया विभाग के संरक्षण में ही चल रही है। इससे वह बेहद खफा हैं। इसलिए वह कार्यकारिणी की बैठक में शामिल होने के लिए कार्यालय में पहुंचे जरूर लेकिन, अनशन स्थल की ओर नजर भी नहीं डाली। उन्होंने अनशनकारियों को मनाने की जहमत भी नहीं उठायी और केवल आधा घंटे में बैठक की औपचारिकता निभा कर दिल्ली लौट गए।

चुप हुई चिड़िया : चुनाव में इस बार नेताओं की सभाएं और रैलियां तो हमेशा की तरह ताबड़तोड़ रहीं लेकिन, इस सारे शोर के बीच एक नई आवाज अबकी चुनाव में गूंजी और सबका ध्यान खींच ले गई। यह आवाज सोशल मीडिया की उस नन्हीं सी चिड़िया की थी, जो ट्वीट कर सबकी बात एक-दूसरे तक पहुंचा रही थी। हालांकि इंटरनेट के धुरंधरों की दोस्ती इस चिड़िया से पहले से थी लेकिन, चुनाव के आसमान में पहली बार इस चिड़िया ने खुलकर परवाज भरी। इसी का नतीजा था कि हाथी भी जहां संदेशों के बगीचे में चहचहाती इस चिड़िया के पीछे चला आया, वहीं साइकिल की घंटी से भी ट्वीट निकलने लगा। हाथी और साइकिल को तो यह चिड़िया इतनी पसंद आई कि दिन में चार-चार बार उसे संदेशों का दाना डालने लगे। उन्हें उम्मीद थी कि एक दिन यही चिड़िया उनके लिए जीत का भी गीत गाएगी लेकिन, नतीजे क्या आए उम्मीदें उलट गईं। लोग चुटकी लेते हुए सोशल मीडिया पर ही पूछ रहे हैं कि इतना सन्नाटा क्यों है भाई..., चिड़िया कहां फुर्र हो गई।

दिल है कि मानता नहीं : मोदी जी ने सभी नेताओं को छपास व दिखास से बचने की हिदायत दी है। मगर यह सूबे के एक मंत्री जी को समझ में नहीं आ रही। शिक्षा-दीक्षा का महकमा देखने वाले मंत्री जी ने गुरुजन के तबादले की तारीख दूसरी बार इसलिए बढ़ाई क्योंकि वह जिस हिसाब से संदेश देना चाहते थे, वह दे नहीं पाए। ऐसे में दूसरे ही दिन उन्होंने फिर तारीख बढ़ाने का ऐलान कर दिया। इस पर सवाल उठने लगे कि आखिर एक ही दिन बाद फिर से तारीख बढ़ाने का क्या तुक है? पता चला कि मंत्री जी को जो क्रेडिट मिलना चाहिए था, वह नहीं मिला। ऐसे में दूसरे दिन उन्हें हाईलाइट किया गया। विरोधियों को इसकी भनक लगी तो वह इसे छपास व दिखास रोग बताने में तुल गए। बोले दिल है कि मानता नहीं। मगर मंत्री जी के समर्थक कहते हैं कि भइया अपनी बात तो दमदारी से पहुंचानी चाहिए। मोदी जी ने बेवजह की बयानबाजी से रोका है, अपनी ब्रांडिंग से नहीं।

साहब की धुकधुकी : चुनाव के नतीजे आने के बाद अब नौकरशाही में फेरबदल की सुगबुगाहट है। जिलों की कमान संभालने वाले अफसर खासे बेचैन हैं कि तबादले में कहीं कुर्सी न छिन जाए। लिहाजा चुनाव के नतीजे आने के बाद से ही डीएम साहबान राजधानी में गणेश परिक्रमा करने में जुटे हैं। राजधानी की यह यात्राएं उनके लिए एक पंथ दो काज साबित हो रही हैं। अव्वल तो इसके जरिये कलेक्टर साहबान सरकार में बैठे बड़े हाकिमों से पीआर मजबूत करते हैं। दूसरा, शासन में क्या चल रहा है, इसकी टोह भी ले लेते हैं। चुनाव में जिन जिलों में भगवा परचम लहराया उनके साहब तो कुर्सी को लेकर कुछ निश्चिंत हैं लेकिन, डर सता रहा है उन्हें जिनके जिले में कमल खिल नहीं पाया। अपनी बेचैनी से पार पाने के लिए तबादले वाले महकमे में ताका-झांकी में लगे हैं। इन्वेस्टर्स समिट के सफल आयोजन के बाद इनाम के तौर पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के एक जिले में भेजे गए एक साहब तो तबादलों वाले महकमे के एक अफसर से विदा लेते हुए मुस्कुराते हुए यह कहने से नहीं चूके, 'जरा देखे रहना भैया।' जब उनसे किसी ने चुटकी ली कि आपका खूंटा तो मजबूत है तो वह बोले वो सब तो ठीक है लेकिन, जिले में चुनाव परिणाम जो गड़बड़ा गया है।

मुद्दा

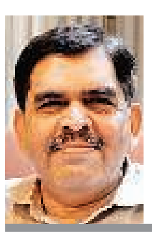

डॉ. अश्विनी महाजन
एसोसिएट प्रोफेसर,
दिल्ली विश्वविद्यालय

कैंसरकारी पेस्टीसाइड पर रोक!

ग्लाइफोसेट नामक पेस्टीसाइड के कैंसरकारी होने के मामले सामने आने के बाद से कई देशों में इस पर पाबंदी लगाई गई है, लिहाजा भारत में भी इस बारे में सोचा जाना चाहिए

हाल ही में अमेरिका के ऑकलैंड की एक जूरी ने मोनसेंटो के 'राउंडअप' नामक पेस्टीसाइड यानी खरपतवार नाशी के कारण एक दंपत्ति को कैंसर होने के कारण, कंपनी को दो अरब डॉलर का हर्जाना देने का आदेश दिया है। मोनसेंटो पर इस प्रकार के हर्जाने का यह तीसरा मामला है। दो माह पहले अलामेदा काउंटी के राजकीय न्यायालय द्वारा इसी कंपनी को एक व्यक्ति के लिए आठ करोड़ डॉलर हर्जाना देने का निर्णय दिया गया था। इसी प्रकार एक और मुकदमे में सेन फ्रांसिस्को की राजकीय कोर्ट ने एक विद्यालय के माली को 29 करोड़ डॉलर का हर्जाना देने का आदेश दिया था, जिसे बाद में एक अन्य न्यायालय ने घटाकर 7.8 करोड़ डॉलर कर दिया था। तीन मुकदमों में न्यायालयों ने इस कंपनी के 'राउंडअप' खरपतवार को कैंसरकारी होने के दावे को मंजूर करते हुए पीड़ितों को हर्जाना देने के आदेश सुनाए हैं।

वर्ष 2015 में विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक एजेंसी 'इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च इन कैंसर' (आइएआरसी) ने अपने शोध में यह पाया था कि 'ग्लाइफोसेट' जो मोनसेंटो के 'राउंडअप' नामक खरपतवार नाशक का एक अहम हिस्सा है, कैंसर का जोखिम बढ़ाता है और डीएनए एवं गुणसूत्र को भी नुकसान पहुंचाता है। निष्कर्ष था कि ग्लाइफोसेट व उसके यौगिकों की जीन विषाक्तता का पक्का सबूत है। नतीजे पर पहुंचने के लिए एक हजार अध्ययनों की समीक्षा आइएआरसी ने की।

एक तरफ जहां राउंडअप के उपयोग के कारण कैंसर होने के मामले, न केवल प्रकाश में आ रहे हैं, बल्कि न्यायालयों ने भी इस बाबत पीड़ितों को राहत देने का काम किया है। आज दुनिया भर में कैंसर का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। एक ताजा शोध के अनुसार ग्लाइफोसेट के कारण कैंसर का खतरा 41 प्रतिशत बढ़ जाता है। हालांकि ग्लाइफोसेट के मिश्रण वाले खरपतवार नाशकों की निर्माता कंपनियां यह मानने के लिए तैयार ही नहीं हैं। न्यायालय द्वारा दोषी ठहराए जाने के बावजूद ऐसा हो रहा है। इसका कारण यह है कि उनका सारा कारोबार ही इन खरपतवार नाशकों पर आधारित जीएम फसलों पर टिका है।

गौरतलब है कि दुनिया में वर्ष 1974 से लेकर 2014 तक कुल 8.6 अरब किलो ग्लाइफोसेट का उपयोग हो चुका था। वर्ष 1995 में जहां ग्लाइफोसेट का उपयोग मात्र 510 लाख किलो था, 2014 में यह बढ़कर 7,500 लाख किलो हो गया यानी इसमें 15 गुणा बढ़ोतरी हुई। भारत में भी 2014 में 8.7 लाख किलो ग्लाइफोसेट का इस्तेमाल हुआ।

किसान क्यों करते हैं इस्तेमाल : दरअसल खरपतवारों को नष्ट करना इसलिए जरूरी होता है, क्योंकि इन्हें हटाकर ही फसल उगाई जा सकती है या पैदावार बढ़ाई जा सकती है। खरपतवार दो प्रकार से हटाए जा सकते हैं, एक मानवीय श्रम से और दूसरे खरपतवार नाशकों द्वारा। चूंकि खरपतवार नाशकों द्वारा यह काम सस्ते में हो जाता है, किसान इसका अधिक उपयोग करने लगे हैं, क्योंकि उन्हें इन रसायनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभावों के बारे में नहीं पता और कंपनियां भी उन्हें नहीं बता रहीं। अमेरिका में न्यायालयों द्वारा दिए गए फैसलों से यह बात सामने आई है कि ये कंपनियां किसानों को ग्लाइफोसेट के खतरों से आगाह नहीं करती हैं।

जीएम फसलें और ग्लाइफोसेट : कई कंपनियां दुनिया भर में जीएम फसलों को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत हैं। अभी हाल ही में बीज बनानेवाली कंपनियों ने गैर-कानूनी रूप से खरपतवार सुहाता बीटी कपास को बाजार में उतारा और एक अनुमान के अनुसार एक लाख हेक्टेयर से भी ज्यादा भूमि पर एचटीबीटी कपास उगाई जा रही है। समझा जा सकता है कि यह काम देश में ग्लाइफोसेट/ राउंडअप का बाजार बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। इसका लाभ उन्हीं कंपनियों को होने वाला है जो राउंडअप बेचती हैं। इन कंपनियों को किसानों और आम लोगों के स्वास्थ्य से कोई लेना-देना नहीं है। इसलिए देश में जीएम फसलों के आगमन को रोकना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि इस कैंसरकारी और जानलेवा ग्लाइफोसेट नामक रासायनिक जहर से देश को बचाया जा सके।

ग्लाइफोसेट के कैंसरकारी सिद्ध होने के बाद कई देशों ने इस पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। वर्ष 2015 में आइएआरसी की रपट के बाद अर्जेंटीना के 400 से ज्यादा शहरों और कस्बों ने ग्लाइफोसेट पर प्रतिबंध लगाया गया है। ऑस्ट्रेलिया के भी कई जिलों और शहरों में यह प्रतिबंध लगाया गया है। वर्ष 2017 में फ्रांस, बेल्जियम, ग्रीस, लॅक्जम्बर्ग, स्लोवेनिया एवं माल्टा ने यूरोपीय संघ में इसके इस्तेमाल के खतरों पर चिंता व्यक्त की थी और उसके बाद कम-ज्यादा मात्रा में प्रतिबंध लगाने का सिलसिला शुरू हुआ। ब्राजील ने इससे बने रसायनों के पंजीकरण पर रोक लगाई है। कनाडा के आठ राज्यों में इस पर किसी न किसी प्रकार की रोक लगाई है। इसी प्रकार कोलंबिया, चेक गणराज्य, डेनमार्क, जर्मनी, ग्रीस आदि देशों में भी ग्लाइफोसेट को या तो प्रतिबंधित किया गया है या सीमित किया गया है। नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, पुर्तगाल, स्कॉटलैंड, स्पेन, श्रीलंका, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, इंग्लैंड, वियतनाम आदि ने भी पूरी तरह से या कुछ मात्रा में ग्लाइफोसेट पर प्रतिबंध लगाया है।

भारत के भी कई राज्यों में भी इसे प्रतिबंधित करने के प्रयास हुए हैं। अक्टूबर 2018 में पंजाब में इसकी बिक्री पर रोक लगाई गई है। फरवरी 2019 में केरल में भी इसकी बिक्री पर रोक लगाई गई है। महाराष्ट्र में भी इस पर प्रतिबंध लगाने का प्रयास हो रहा है, जबकि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में इस पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। कई स्थानों पर इस प्रतिबंध को यह कहकर निरस्त करने की मांग हो रही है कि किसी भी कृषि रसायन को प्रतिबंधित करने का काम केंद्र सरकार का है। दुर्भाग्य से अभी तक केंद्र सरकार ने इसके उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की कोई कार्रवाई नहीं की है। प्रतिबंध के समर्थकों का कहना है कि केंद्र सरकार ने इसके उपयोग की अनुमति केवल चाय बागानों और गैर-कृषि क्षेत्रों में की हुई है और जिन राज्यों में चाय बागान नहीं है, वहां इसे प्रतिबंधित करने में कोई रुकावट नहीं है।

राष्ट्रीय संस्करण
सोमवार 3 जून 2019
दैनिक जागरण
बिजनेस
www.jagran.com

शेयर बिक्री से बीओबी जुटाएगा 11,900 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरकारी क्षेत्र के कर्जदाता बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने चालू वित्त वर्ष में शेयरों की बिक्री के माध्यम से 11,900 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई है। इसके लिए बैंक कर्मचारी शेयर खरीद योजना (ईएसपीएस) का भी सहारा लेगा, जिससे 1,500 करोड़ रुपये जुटाए जाएंगे। बैंक ने सालाना आमसभा के लिए शेयरधारकों को भेजे नोटिस में कहा कि ईएसपीएस की रकम चालू वित्त वर्ष के लिए बैंक की पूंजी जुटाने की योजना के भीतर ही शामिल रहेगी।

अगर भारत को ग्लोबल एविएशन हब बनाना है, तो एयर इंडिया के अलावा भी दूसरी कंपनियों को लंबी दूरी की उड़ानें शुरू करनी होंगी।
— अजय सिंह
सीएमडी, स्पाइसजेट

दरकने लगे हैं भारत–अमेरिका के कारोबारी रिश्ते

जयप्रकाश रंजन, नई दिल्ली

- अब नहीं होती द्विपक्षीय कारोबार को 500 अरब डॉलर करने की बात
- ढाई वर्ष बीतने के बावजूद नहीं बन पाया व्यवसायिक वार्ता का कोई ढांचा

प्रतीकात्मक

भारत को जीएसपी यानी कारोबार में वरीयता देने वाली सूची से बाहर कर अमेरिका के राष्ट्रपति डेनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि कारोबारी मुद्दे पर वे अपनी ही बात पर अड़े रहेंगे। यही वजह है कि जिस दिन (31 मई, 2019) को बैंकॉक में चार देशों (अमेरिका, भारत, आस्ट्रेलिया और जापान) के बीच महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठक हुई, उसके अगले ही दिन जीएसपी पर भी फैसला भी सुनाया गया। दरअसल, जब से ट्रंप ने सत्ता संभाली है, तभी से भारत व अमेरिका के व्यवसायिक रिश्तो में दरार साफ दिखाई देने लगी है। ढाई वर्ष बीत जाने के बावजूद दोनों देशों ने कारोबार से जुड़ी वार्ता की कोई ढांचागत व्यवस्था नहीं की है। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में द्विपक्षीय कारोबार को 500 अरब डॉलर पर पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन अब इस पर कोई बात नहीं हो रही है।

जानकारों के मुताबिक पूर्व ओबामा सरकार के कार्यकाल में भारत व अमेरिका के बीच संयुक्त तौर पर रणनीतिक व वाणिज्यिक वार्ता होती थी जिसमें रक्षा, कूटनीति के अलावा कारोबार से जुड़े तमाम मुद्दों को उच्च स्तर पर सुलझाने की व्यवस्था थी। ट्रंप प्रशासन ने इसमें बदलाव करते हुए अब 'टू प्लस टू' वार्ता की शुरुआत की है जिसमें दोनों देशों के विदेश व रक्षा मंत्री होते हैं। तब कहा गया था कि वाणिज्यिक वार्ता के लिए दूसरी व्यवस्था की जाएगी। लेकिन दो वर्ष बीत जाने के बावजूद अभी तक कोई व्यवस्था नहीं हो पाई है। दोनो देशों के वाणिज्य मंत्रालयों के बीच कई दौर की वार्ता जरुर हुई, लेकिन द्विपक्षीय कारोबार से जुड़े पेच जस के तस बने हुए हैं। हालात यह है कि सात मई, 2019 को नई दिल्ली में अमेरिका के वाणिज्य मंत्री विल्बर रॉस ने तल्ख टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि, 'भारत में सीमा शुल्क की औसत दर 13.8 फीसद है जो दुनिया में सबसे ज्यादा है। यहां ऑटोमोबाइल पर 60 फीसद, मोटरसाइकिल पर 50 फीसद, मदिरा पर 160 फीसद का शुल्क है। इन्हें न्यायसंगत नहीं ठहराया जा सकता।'

माना जा रहा है कि जिस दिन मोदी सरकार 2.0 ने काम शुरू किया है, उसी दिन अमेरिका ने जीएसपी पर दो टूक फैसला देकर यह संकेत दिया है कि नई सरकार को कारोबारी मुद्दों पर शीघ्रता से फैसला करना होगा। माना जा रहा है कि इस महीने के अंत में ओसाका (जापान) में जब पीएम नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की द्विपक्षीय मुलाकात होगी, तो उसमें कारोबार से जुड़े मुद्दे काफी अहम होंगे। यह भी संभव है कि जल्द दोनों देशों की तरफ से कारोबारी मुद्दों पर सिलसिलेवार तरीके से बातचीत के लिए एक नई व्यवस्था का भी एलान हो। अमेरिका सिर्फ यह नहीं चाहता कि भारत उसके उत्पादों के लिए सीमा शुल्क घटाए, बल्कि हाल के दिनों में डाटा लोकलाइजेशन और ई-कामर्स कंपनियों को लेकर बनाई नीतियों में भी बदलाव चाहता है।

गौरतलब है कि अमेरिका ने एक विकासशील देश के तौर पर भारतीय उत्पादों को रियायत देने संबंधी नियम जीएसपी (जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रिफरेंस) को समाप्त कर दिया है। इससे भारत से अमेरिका को होने वाले करीब 6.50 अरब डॉलर के निर्यात पर असर पड़ने की बात हो रही है। वर्ष 2018-19 में भारत ने अमेरिका को कुल 56.50 अरब डॉलर का निर्यात किया है।

क्या चाहता है अमेरिका

1. ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए बने नए नियमों में ढिलाई दी जाए
2. डाटा लोकलाइजेशन संबंधी प्रस्तावित कानून पर भी आपत्ति
3. अमेरिकी ऑटो व अल्कोहल कंपनियों के लिए और घटाई जाएं सीमा शुल्क की दरें
4. अमेरिकी मेडिकल व डेयरी उत्पादों के लिए भारत खोले अपना बाजार

क्या है लेबर फोर्स पार्टीसिपेशन रेट?

हरिकिशन शर्मा, नई दिल्ली

- रोजगार-प्राप्त और बेरोजगार व्यक्तियों की कुल संख्या को कहते हैं लेबर फोर्स

जागरण पाठशाला

सरकार ने पिछले हफ्ते 'पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे' रिपोर्ट जारी की। इसमें देश के श्रम बल और बेरोजगारी दर के आंकड़े दिए गए हैं। बेरोजगारी दर क्या है? लेबर फोर्स क्या है? लेबर फोर्स पार्टीसिपेशन क्या है? 'जागरण पाठशाला' के इस अंक में हम यही समझने का प्रयास करेंगे।

हमारे देश में रोजगार की स्थिति के आंकड़े 'नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ)' जुटाता है। देश में बेरोजगारी की दर कितनी है, इसका आकलन करने के लिये वह सबसे पहले लेबर फोर्स (श्रम बल) का अनुमान लगाता है। लेबर फोर्स में रोजगार-प्राप्त और बेरोजगार दोनों प्रकार के व्यक्तियों को शामिल किया जाता है। रोजगार-प्राप्त व्यक्तियों और बेरोजगार की पहचान दो स्थितियों को आधार बनाकर की गई है- यूजुअल स्टेटस यानी सामान्य स्थिति और करेंट वीकली स्टेटस अर्थात साप्ताहिक स्थिति। सामान्य स्थिति में उन व्यक्तियों को लेबर फोर्स का हिस्सा माना जाता है जिन्होंने सर्वे किए जाने की तारीख से ठीक पहले 365 दिन में कम से कम 30 दिन काम किया हो। इसका मतलब यह है कि अगर किसी व्यक्ति ने एक साल में कम से कम 30 दिन काम नहीं किया है तो वह लेबर फोर्स से बाहर गिना जाएगा। इसी तरह करेंट वीकली स्टेटस के आधार पर लेबर फोर्स में सिर्फ उन्हीं को गिना जिन्होंने सर्वे किए जाने की तारीख से ठीक पहले के सप्ताह में कम से कम एक घंटे काम किया हो या काम की तलाश की हो।

लेबर फोर्स का अनुमान लगाए जाने के बाद 'लेबर फोर्स पार्टीसिपेशन रेट' का आकलन किया जाता है। कुल जनसंख्या में कार्यशील आबादी यानी लेबर फोर्स के अनुपात को लेबर फोर्स पार्टीसिपेशन रेट (एलएफपीआर) कहते हैं। इसे फीसद के रूप में व्यक्त किया जाता है। इससे पता चलता है कि आबादी की कितना बड़ा हिस्सा कार्यशील है और कितना नहीं। इससे किसी भी देश समाज की उन्नति का भी संकेत मिलता है। भारत में पुरुषों की तुलना में महिलाओं का लेबर फोर्स पार्टीसिपेशन रेट काफी कम है जबकि विकसित देशों में यह काफी अधिक है। वर्ष 2017-18 में सामान्य स्थिति में ग्रामीण क्षेत्र में सभी आयुवर्ग के पुरुषों का लेबर फोर्स पार्टीसिपेशन रेट जहां 54.9 फीसद है वहीं महिलाओं का मात्र 18.2 फीसद है। वहीं शहरों में यह पुरुषों का एलएफपीआर 57 फीसद जबकि महिलाओं का 15.9 फीसद है।

बहरहाल, श्रम बल में शामिल बेरोजगार व्यक्तियों के फीसद को बेरोजगारी दर कहते हैं। इस दर से यह पता चलता है कि श्रम बल के कितने हिस्से का इस्तेमाल नहीं हो रहा है। यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि बेरोजगारी दर का आकलन पूरी जनसंख्या के आधार पर नहीं बल्कि सिर्फ लेबर फोर्स के आधार पर किया जाता है।

गुजारिश ▶ वाहनों पर जीएसटी दर को 28 फीसद से घटाकर 18 फीसद किया जाए

घटती बिक्री से आहत ऑटो उद्योग ने बजट में मांगी जीएसटी पर राहत

सियाम ने कहा, पुराने वाहनों को सड़क पर से हटाने के लिए प्रोत्साहन मिले

प्रतीकात्मक

नई दिल्ली, प्रेट्र : लंबे समय से सुस्ती का सामना कर रहे वाहन उद्योग ने सभी प्रकार के वाहनों के लिए जीएसटी दर को वर्तमान 28 फीसद से घटाकर 18 फीसद किए जाने की मांग की। ऑटो उद्योग संघ सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्यूफैक्चरर्स (सियाम) ने प्रदूषणकारी, असुरक्षित और पुराने वाहनों को सड़कों पर से हटाने और उनकी जगह नए वाहनों को लाए जाने के लिए सरकार से एक प्रोत्साहन आधारित योजना शुरू किए जाने की भी मांग की।

हाल में वित्त मंत्रालय के अधिकारियों के साथ हुई बजट पूर्व चर्चा में सियाम ने कहा कि सभी श्रेणी के वाहनों पर जीएसटी की दर को वर्तमान 28 फीसद से घटाकर 18 फीसद पर लाया जाना चाहिए। टैक्स घटाने से वाहनों की कीमत भी घटेगी, जिससे मांग बढ़ेगी। वाहन क्षेत्र में पिछले 11 महीने से मांग में सुस्ती चल रही है। अप्रैल में यात्री वाहनों की बिक्री में गत करीब आठ साल की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई। यह गिरावट 17.07 फीसद की थी और अक्टूबर 2011 के बाद यह सबसे बड़ी गिरावट थी। नकदी किल्लत, चुनाव से पहले की अनिश्चितता और उत्पादों की ऊंची कीमत के कारण उपभोक्ताओं का मनोबल घटने से वाहनों की बिक्री प्रभावित हुई। मंत्रालय के अधिकारियों के साथ हुई मुलाकात में सियाम ने प्रदूषणकारी, असुरक्षित और पुराने वाहनों को सड़क पर से हटाने के लिए एक प्रोत्साहन आधारित योजना शुरू किए जाने की भी मांग की। स्थानीय उत्पादकों की मदद के लिए सियाम ने कहा कि पूरी तरह से आयातित वाणिज्यिक वाहनों (सीवी) पर आयात शुल्क को वर्तमान 25 फीसद से बढ़ाकर 40 फीसद किया जाए। इसके साथ ही सियाम ने अपने सुझावों में कहा कि स्थानीय वैल्यू एडीशन को बढ़ावा देने के लिए सेमी नॉक्ड डाउन सीवी पर शुल्क को 25 फीसद से घटाकर 20 फीसद किया जाए। उद्योग संघ ने साथ ही कहा कि सभी श्रेणियों में कंप्लीटली नॉक्ड डाउन (सीकेडी) वाहनों पर आयात शुल्क वर्तमान 15 फीसद से घटाकर वापस 10 फीसद पर लाया जाए।

वाहनों के कंप्लीटली नॉक्ड डाउन आयात का मतलब यह है कि वाहनों को पुर्जों के रूप में देश लाया जाता है और यहां उन पुर्जों से वाहनों की असेंबलिंग होती है। सेमी नॉक्ड डाउन का मतलब यह है कि वाहनों को आधी बनी हुई अवस्था में भारत लाया जाता है और बाकी पुर्जे यहां घरेलू बाजार में जोड़े जाते हैं।

ह्युंडई की घरेलू बिक्री 5.6 फीसद घटी

नई दिल्ली : ह्युंडई मोटर इंडिया ने रविवार को कहा कि पिछले महीने उसकी घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 5.6 फीसद घटकर 42,502 यूनिट रही। कंपनी ने पिछले साल मई में घरेलू बाजार में 45,008 वाहन बेचे थे। हालांकि कंपनी की कुल बिक्री (घरेलू और निर्यात) इस दौरान 5.5 फीसद बढ़कर 59,102 यूनिट रही।

हीरो मोटोकॉर्प ने 6.5 लाख से अधिक वाहन बेचे

नई दिल्ली : देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने रविवार को कहा कि मई 2019 में उसने 6,52,028 मोटरसाइकिल और सकूटर बेचे, जो अप्रैल की तुलना में 13.5 फीसद अधिक है। कंपनी ने कहा कि अप्रैल 2019 में उसने करीब 5,74,366 लाख वाहन बेचे थे। कंपनी ने पिछले महीने तीन नई मोटरसाइकिल लांच की। ये हैं एक्सप्लस 200, एक्सप्लस 200टी और एक्सट्रीम 200एस। कंपनी ने दो स्कूटर ब्रांड के नए वर्जन भी लांच किए थे। नए स्कूटर्स मैस्ट्रो एज 125 और प्लैजर प्लस 110 हैं।

ओएनजीसी फिर बनी सबसे लाभकारी सरकारी कंपनी

नई दिल्ली, प्रेट्र : देश की सबसे बड़ी तेल एवं गैस उत्पादक कंपनी ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आइओसी) को पीछे छोड़कर फिर से देश की सबसे लाभकारी कंपनी बन गई। शेयर बाजारों में सूचीबद्ध कंपनियों की ओर से जारी किए गए नतीजों के मुताबिक 2018-19 में ओएनजीसी का शुद्ध लाभ 34 फीसद बढ़कर 26,716 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसी अवधि में आइओसी का शुद्ध लाभ 17,274 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। इससे पहले के दो साल में आइओसी ने ओएनजीसी से सर्वाधिक लाभकारी कंपनी का तमगा छीन लिया था। आइओसी के हाथ से सर्वाधिक टर्नओवर वाली कंपनी का तमगा भी निकल गया। टर्नओवर के लिहाज से अब मुकेश अंबानी की कंपनी आरआइएल नंबर एक कंपनी है।

वित्त वर्ष 2017-18 में आइओसी ने रिकॉर्ड 21,346 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। उस साल ओएनजीसी का शुद्ध लाभ 19,945 करोड़ रुपये था। आरआइएल लगातार चौथे साल देश की सबसे लाभकारी कंपनी रही है। पिछले वित्त वर्ष में कंपनी ने 39,588 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है।

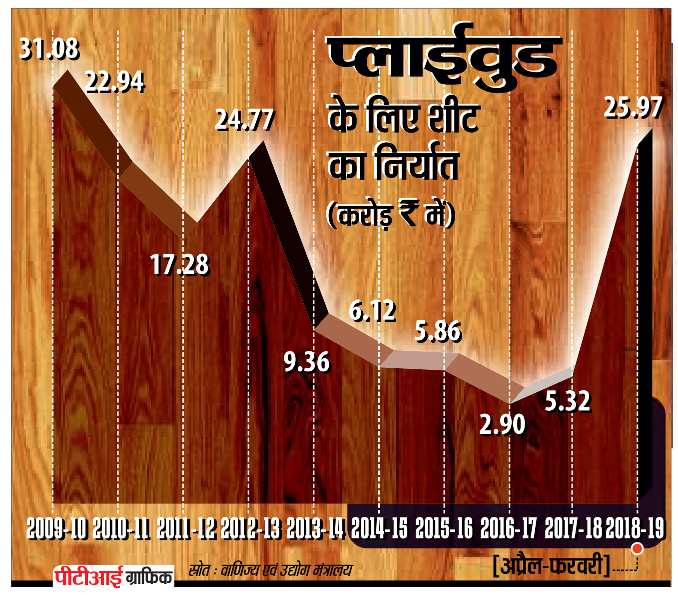

हुआवे की नजर अब भारतीय बाजार पर

- हुआवे पर अमेरिका में लग चुका है प्रतिबंध

नई दिल्ली, आइएएनएस : चीन और अमेरिका के ट्रेड वार के बीच पिस रही चीन की टेलीकॉम कंपनी हुआवे अपनी साख बचाने और नुकसान को कम करने की कोशिश में लगी है। एक भरोसेमंद स्मार्टफोन निर्माता कंपनी और 5जी कंपनी के रूप में अपनी खोई साख को फिर से हासिल करने के लिए कंपनी अपने भारतीय कारोबार की ओर देख रही है। इधर भारत में डिजिटाइजेशन को बढ़ावा देने की मंशा रखने वाले नरेंद्र मोदी फिर से सरकार बना चुके हैं। अब देखना यह है कि हुआवे के प्रति उनका क्या दृष्टिकोण होता है। हुआवे पर अमेरिका में प्रतिबंध लग चुका है।

हुआवे के अनुमान के मुताबिक 2025 तक दुनियाभर में 5जी उपयोगकर्ताओं की संख्या 2.8 अरब तक पहुंच जाएगी। अमेरिका में प्रतिबंध लगने के बाद कंपनी अब इस मोर्चे पर होने वाली नुकसान की भरपाई भारतीय बाजार से करना चाहती है। सीएमआर के इंडस्ट्री इंटेलीजेंस ग्रुप के प्रमुख प्रभु राम ने कहा कि अन्य कई देशों में जहां हुआवे को विपरीत स्थिति का सामना करना पड़ रहा है, वहीं भारत हुआवे के लिए एक बड़ा और सकारात्मक बाजार बन सकता है। 5जी एक पूरी तरह से नया क्षेत्र है। देश में 5जी को लागू करने से पहले सरकार को कई बातों पर विचार करना होगा। इसके लिए भारत को हुआवे सहित कई कंपनियों की मदद लेनी होगी। भारत 2020 तक 5जी लागू करना चाहता है, लेकिन सरकार ने अभी तक 5जी परीक्षण के लिए भी कंपनियों को 5जी स्पेक्ट्रम आवंटित नहीं किया है।

ट्रंप ने हुआवे और 5जी पर ब्रिटेन को किया सतर्क

लंदन : लंदन का दौरा शुरू करने से पहले प्रकाशित एक साक्षात्कार में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिटेन से कहा है कि वह अपने 5जी नेटवर्क में चीन की कंपनी हुआवे को शामिल करने को लेकर बेहद सतर्कता करते। ट्रंप ने कहा कि आपके पास दूसरे विकल्प हैं। हमें राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर बेहद सतर्क रहना चाहिए। अमेरिका लंबे समय से संदेह जताता रहा है कि पर्दे के पीछे से हुआवे का संचालन चीन की सरकार करती है। इस बात का हालांकि कंपनी और चीन की सरकार विरोध करती रही है।

खुला हुआ है अमेरिका से वार्ता का द्वार : चीन

सिंगापुर : चीन के रक्षा मंत्री जनरल वेई फेंघी ने रविवार को कहा कि अमेरिका के साथ वार्ता के लिए चीन का द्वार खुला हुआ है। लेकिन यदि अमेरिका युद्ध करना चाहता है, तो चीन आखिरी दम तक युद्ध करेगा। आइआइएसएस शांगरी-ला वार्ता में उन्होंने यह भी कहा कि हुआवे सैन्य कंपनी नहीं है। उन्होंने थियानआनमेन चौक पर 30 साल पहले हुए नरसंहार के मामले में भी चीन का बचाव किया, जिसमें चीन की सेना ने टैंक का इस्तेमाल किया था।

जेट के 900 और कर्मियों को नौकरी देने का स्पाइसजेट का इरादा : सिंह

- कंपनी अब तक जेट के 1,100 कर्मियों को दे चुकी है नौकरी
- स्पाइसजेट के मुखिया अजय सिंह आइएटीए के बोर्ड में हुए शामिल

प्रतीकात्मक

सियोल, प्रेट्र : स्पाइसजेट के सीएमडी अजय सिंह ने रविवार को एक साक्षात्कार में कहा कि जेट एयरवेज का परिचालन बंद होने के बाद उन्होंने अब तक उसके करीब 1,100 कर्मचारियों को नौकरी दी है। उम्मीद है यह संख्या बढ़कर 2,000 तक पहुंच सकती है। नई नियुक्ति में अधिकतर पायलट, केबिन क्रू, एयरपोर्ट सेवा और सुरक्षा से जुड़े लोग शामिल होंगे। अजय सिंह रविवार को ही इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आइएटीए) के बोर्ड सदस्य नियुक्त किए गए हैं।

आइएटीए की सालाना आम बैठक रविवार को समाप्त हुई। नए बोर्ड ऑफ गवर्नर्स का अध्यक्ष लुफ्थांसा ग्रुप के सीईओ कार्स्टेन स्फोर को चुना गया है। स्पाइसजेट ने एक बयान में कहा कि अजय सिंह को तीन साल के लिए बोर्ड में नियुक्त किया गया है। आइएटीए में दुनियाभर की 290 से अधिक विमानन कंपनियां शामिल हैं। इस साल मार्च में स्पाइसजेट इस समूह में शामिल होने वाली पहली भारतीय किफायती विमानन कंपनी बनी थी।

स्पाइसजेट ने रविवार को कहा कि एक जुलाई से वह गुवाहाटी-ढाका-गुवाहाटी मार्ग पर उड़ान शुरू करेगी। 'उड़ान इंटरनेशनल' योजना के तहत यह पहली उड़ान होगी। कंपनी ने साथ ही कहा कि घरेलू मार्गों पर 20 जून से वह मेट्रो और गैर-मेट्रो शहरों को जोड़ने वाली 14 नई सीधी उड़ानें भी शुरू करेगी।

भारतीय बैंकों पर अभी भी एनपीए का दबाव : फिच

सिंगापुर, प्रेट्र : ग्लोबल रेटिंग एजेंसी फिच ने कहा है कि भारतीय बैंकिंग सेक्टर फंसे कर्ज (एनपीए) और पूंजीगत कमी की समस्या से अभी भी दबाव में है। एजेंसी का कहना है कि पिछले वित्त वर्ष के शुरुआती नौ महीने (अप्रैल-दिसंबर, 2018) के दौरान बैंकों का एनपीए घटकर 10.8 फीसद रहा, जो उससे पिछले वित्त वर्ष (2017-18) की पूरी अवधि में 11.5 फीसद रहा था। इसके अलावा इस वर्ष मार्च में खत्म वित्त वर्ष के दौरान सरकार ने सरकारी बैंकों में 1,450 करोड़ डॉलर (एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा) की रकम का निवेश किया है।

इसके बावजूद फिच का मानना है कि बैंकों के पास उनकी वित्तीय जरूरतों और बाजार की मौजूदा स्थिति के हिसाब से पर्याप्त पूंजी नहीं है। एजेंसी के मुताबिक बैंकिंग सेक्टर के औसत एनपीए के मुकाबले कई सरकारी बैंकों में एनपीए का स्तर अभी भी बहुत ऊंचा है। एक बयान में फिच ने कहा, 'फंसे कर्जो का निपटारा चालू वित्त वर्ष में बैंकों को थोड़ी राहत दे सकता है। इससे उनकी कमाई और संपत्ति की गुणवत्ता में भी सुधार हो सकता है। हालांकि फिच का मानना है कि सरकारी बैंकों को फिर भी सरकार से मदद की दरकार रहेगी।'

पिछले तीन वर्षों के दौरान बैंकिंग सेक्टर के प्रदर्शन को देखते हुए फिच ने पिछले दिनों भारत के ऑपरेटिंग एन्वायर्नमेंट को 'बीबी प्लस' की रेटिंग दी है, जो पहले 'बीबीबी माइनस' थी। इसमें एजेंसी ने बैंकिंग सेक्टर के मध्यम अवधि तक के आउटलुक को भी ध्यान में रखा है। रेटिंग के वक्त उसने एशिया की इसी मोर्चे पर 'बीबीबी' रेटिंग वाली अर्थव्यवस्थाओं की तुलना जीडीपी और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में की है।

पिछले दिनों फिच ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआइ), बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी), पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), बीओबी (न्यूजीलैंड), केनरा बैंक और बैंक ऑफ इंडिया (बीओआइ) की लंबी अवधि की इश्यूअर डिफॉल्ट रेटिंग 'बीबीबी माइनस' रखी थी। एजेंसी ने इन बैंकों के आउटलुक को स्थिर बताया था।

हलचल

शुक्रवार को जारी जीडीपी आंकड़ों का सोमवार को बाजार पर असर दिखेगा, बुधवार को ईद–उल–फित्र के मौके पर शेयर बाजार बंद रहेंगे

मौद्रिक नीति व आर्थिक आंकड़ों से बाजार को मिलेगी दिशा

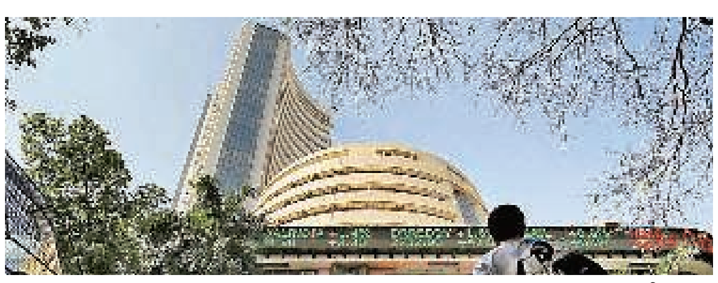

प्रतीकात्मक

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) की आगामी मौद्रिक नीति समीक्षा, प्रमुख आर्थिक आंकड़े और अंतरराष्ट्रीय रुझान इस सप्ताह देश के शेयर बाजारों पर अहम प्रभाव डालेंगे। बुधवार को ईद-उल-फित्र के मौके पर बाजार बंद रहेंगे। शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद जारी हुए प्रमुख आर्थिक आंकड़ों पर सोमवार को बाजार में प्रतिक्रिया देखने को मिलेगी। अमेरिका द्वारा भारत को जीएसपी लाभार्थियों की सूची से बाहर निकालने की घोषणा बाजार में अस्थिरता को बढ़ावा दे सकती है। अमेरिका का फैसला बुधवार से लागू होगा।

शुक्रवार को आए आंकड़ों के मुताबिक जनवरी-मार्च 2019 तिमाही में देश की विकास दर 5.8 फीसद रही, जो पांच साल का निचला स्तर है। प्रमुख आठ इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर्स की विकास दर भी अप्रैल में गिरकर 2.6 फीसद पर आ गई। वित्तीय घाटा हालांकि 2018-19 में जीडीपी के 3.4 फीसद लक्ष्य के दायरे में रहा।

विश्लेषकों ने कहा कि इन आंकड़ों पर सोमवार के कारोबार में निवेशकों की प्रतिक्रिया देखने को मिलेगी। लेकिन विकास दर में गिरावट आने से गुरुवार को जारी होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा में आरबीआइ की मुख्य नीतिगत ब्याज दर में कटौती की उम्मीद बढ़ गई है। इससे निवेशकों का मनोबल बढ़ेगा, जो बाजार को सहारा दे सकता है।

शेयरखान के एडवायजरी प्रमुख हेमांग जानी ने कहा कि अंतराष्ट्रीय मोर्चे पर अमेरिका और चीन का ट्रेड वार और कच्चे तेल की कीमत बाजार को प्रभावित कर सकते हैं। सैमको सिक्युरिटीज एंड स्टॉकनोट के संस्थापक और सीईओ जिमीत मोदी ने कहा कि मध्य अवधि में बाजार की दिशा तय करने के लिहाज से यह सप्ताह काफी महत्वपूर्ण है। इस सप्ताह मैन्यूफैक्चरिंग व सेवा क्षेत्र के लिए पीएमआइ आंकड़े और मई के लिए वाहन कंपनियों की बिक्री के आंकड़े जारी होंगे। सेंट्रम ब्रोकिंग के सीनियर वीपी और रिसर्च (वेल्थ) प्रमुख जगन्नाधम थुनुगुंटला ने कहा कि मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा हो जाने से इससे संबंधित कयासबाजी खत्म हो गई है, जो बाजार के लिए शुभ है। अब बाजार का ध्यान सुस्त अर्थव्यवस्था को तेज करने के लिए अपनाई जाने वाली आर्थिक नीतियों पर रहेगा।

छह ब्लूचिप कंपनियों का एमकैप 99,994 करोड़ रुपये बढ़ा

नई दिल्ली : देश की 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से छह का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) गत सप्ताह 99,994.06 करोड़ रुपये बढ़ा। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का एमकैप सर्वाधिक 55,235.1 करोड़ रुपये बढ़ा। एचडीएफसी बैंक का एमकैप 14,333.73 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का 11,970.87 करोड़ रुपये, एचडीएफसी का 9,538.27 करोड़ रुपये, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 7,799.37 करोड़ रुपये और कोटक महिंद्रा बैंक का एमकैप 1,116.27 करोड़ रुपये बढ़ा। दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआइएल), आइटीसी, एसबीआइ और आइसीआइसीआइ बैंक के एमकैप में गिरावट दर्ज की गई। 8,42,933.64 करोड़ रुपये के एमकैप के साथ आरआइएल देश की सबसे बड़ी कंपनी बनी रही।

विदेशी निवेशक लगातार चौथे महीने बने रहे खरीदार

नई दिल्ली : विदेशी निवेशकों ने मई में भारतीय पूंजी बाजारों (शेयर और डेट बाजार) में 9,031 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। डिपॉजिटरी के ताजा आंकड़ों के मुताबिक दो से 31 मई के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआइ) ने शेयर बाजार में 7,919.73 करोड़ रुपये की और डेट बाजार में 1,111.42 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। इस तरह से उन्होंने मई में भारतीय पूंजी बाजारों में कुल 9,031.15 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। इससे पहले उन्होंने अप्रैल में 16,093 करोड़ रुपये, मार्च में 45,981 करोड़ रुपये और फरवरी में 11,182 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था।

79 लोग घायल हो गए रूस के जरजिंस्क शहर स्थित विस्फोटकों के कारखाने में हुए धमाकों में। घायलों में 38 कारखाने के कर्मचारी और बाकी के स्थानीय लोग हैं। हादसे के बाद आसपास की करीब दो सौ इमारतों के खिड़की–दरवाजों में लगे कांच भी टूट गए।

क्रूज शिप ने टूरिस्ट बोट को मारी टक्कर

इटली के वेनिस में रविवार को बंदरगाह पर आते हुए अनियंत्रित क्रूज शिप ने व्यस्त गिउडेका कैनाल में एक छोटी टूरिस्ट रिवर बोट को टक्कर मार दी और डॉक से भी टकरा गया। इसमें कम से कम पांच लोग घायल हो गए हैं। सैन बैसिलियो डॉक पर हुए इस हादसे के बाद लोगों में अफरा–तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसे के वक्त मंजर ऐसा था मानो किसी आपदा आधारित फिल्म का दृश्य हो। घटना का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। एपी

लंदन के मेयर सादिक खान ने डोनाल्ड ट्रंप को बताया फासीवादी

लंदन, आइएएनएस : लंदन के मेयर सादिक खान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तुलना 20वीं सदी के फासीवादियों से की है। उन्होंने कहा कि ट्रंप भी फासीवादियों की विभाजक नीति का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन उनका तरीका अलग है। खान का यह बयान ट्रंप की तीन दिवसीय ब्रिटेन यात्रा से ठीक पहले आया है।

लंदन के मेयर सादिक खान का फाइल फोटो।

उन्होंने ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया के भव्य स्वागत के लिए ब्रिटेन में किए जा रहे इंतजामों की भी आलोचना की है। खान ने रविवार को गार्जियन अखबार में अपने लेख में लिखा, 'इस वक्त दुनियाभर में धुर-दक्षिणपंथियों का वर्चस्व बढ़ रहा है जो लोकतांत्रिक समाज के लिए खतरा बन रहे हैं। ट्रंप इस वैश्विक खतरे का ही उदाहरण हैं।' 2016 में मेयर बनने के बाद से ही खान की ट्रंप से नहीं बनती। खान ने इस्लाम को लेकर ट्रंप के विचारों को नासमझी भरा बताया था।

'बिना समझौते के यूरोपीय यूनियन से बाहर आए ब्रिटेन'

▸ अपने दौरे से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दिया सुझाव

लंदन, एएफपी : ब्रिटेन दौरे की शुरुआत से पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को एक बार फिर से ब्रेक्जिट मुद्दे पर अपने विचार रखे। उन्होंने प्रधानमंत्री टेरीजा मे के उत्तराधिकारी से अनुरोध किया कि वह बिना किसी समझौते के यूरोपीय यूनियन छोड़ने का कदम उठाएं। इससे कुछ खास नहीं होने वाला। उल्लेखनीय है कि ब्रेक्जिट में सफलता न मिलने पर टेरीजा ने सात जून को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने की घोषणा की है।

सनडे टाइम्स अखबार से साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा, ब्रिटेन के अगले प्रधानमंत्री को ब्रसेल्स से बातचीत खत्म होने को लेकर नहीं डरना चाहिए। इस सिलसिले में संबंध विच्छेद की शर्तों वाला विधेयक संसद से पारित कराकर देने की शर्त को भी अस्वीकार कर देना चाहिए। उल्लेखनीय है कि ब्रसेल्स में यूरोपीय यूनियन का मुख्यालय है। इससे पहले ट्रंप ने एक अन्य अखबार को दिए साक्षात्कार में पूर्व विदेश मंत्री बोरिस जॉनसन को टेरीजा का शानदार उत्तराधिकारी बताया था। ट्रंप का सोमवार को बकिंघम पैलेस में राजकीय स्वागत होगा और वह महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के साथ दोपहर का भोजन करेंगे। लेकिन लंदन में ट्रंप के विरोध

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। फाइल फोटो

की भी तैयारी है। लंदन के मेयर सादिक खान ने विभाजनकारी आचरण वाला बताया है तो विपक्ष ने ट्रंप के सम्मान में दिए गए भोज का बहिष्कार किया है।

यूरोपीय यूनियन का करीब चार दशकों का साथ छोड़ने के एवज में ब्रिटेन 50 अरब डॉलर की धनराशि देने के लिए तैयार है। ट्रंप ने इस पर भी प्रतिक्रिया जताई है। उन्होंने कहा, टेरीजा की जगह वह होते तो निश्चित रूप से इतनी बड़ी धनराशि देने के लिए तैयार नहीं होते।

चीन ने अमेरिका को दी युद्ध की धमकी

▸ चीनी रक्षा मंत्री ने कहा, दुनिया के लिए आपदा जैसा होगा दोनों का टकराव

सिंगापुर, रायटर : चीन ने रविवार को अमेरिका को युद्ध की धमकी देकर सनसनी फैला दी। चीन के रक्षा मंत्री वेई फेंग ने कहा, अमेरिका के साथ उसका युद्ध दुनिया के लिए आपदा जैसा होगा। उन्होंने अमेरिका को चेतावनी दी कि वह ताइवान और दक्षिण चीन सागर के सुरक्षा मामलों में हस्तक्षेप न करे।

चीन ने यह प्रतिक्रिया हाल के महीनों में अमेरिका के स्वशासित ताइवान की हर तरह की सहायता बढ़ाने पर व्यक्त की है। हाल के दिनों में अमेरिकी नौसेना के कई पोत ताइवान स्ट्रेट होकर ताइवान तक गए हैं। ताइवान स्ट्रेट ही चीन को ताइवान से अलग करता है। चीन ताइवान पर अपने अधिकार का दावा करता है। सिंगापुर में एशिया के प्रमुख रक्षा सम्मेलन शंग्रीला डायलॉग को संबोधित करते हुए फेंग ने कहा, टकराव खत्म होना चाहिए।

अगर ताइवान से उसके संबंधों के बीच में कोई आता है तो बीजिंग उसके खिलाफ आवश्यकतानुसार बल प्रयोग पर विचार करेगा। कहा, एशिया में चीन की सैन्य गतिविधियां विशुद्ध रूप से आत्मरक्षा के लिए होती हैं, अगर उसके हितों पर हमला होगा तो वह उसका जवाब देने में जरा भी नहीं हिचकिचाएगा। चीन तब तक किसी पर हमला नहीं करेगा, जब तक कि उस पर हमला नहीं होता। फेंग चीन के पहले रक्षा मंत्री हैं जो 2011 से हो रहे शंग्रीला डायलॉग में शामिल हुए हैं।

इससे पहले शनिवार को अमेरिका के कार्यवाहक रक्षा मंत्री पैट्रिक शानाहान ने शंग्रीला डायलॉग में कहा था कि एशिया में चीन के चल रहे व्यवहार का अमेरिका लंबे समय तक मौनदर्शक नहीं रहेगा। अमेरिकी रक्षा मंत्री का यह वक्तव्य चीन को खला था।

चीन को तोड़ने की कोशिश सफल नहीं होगी

चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के जनरल की वर्दी में आए फेंग ने कहा, चीन को तोड़ने की कोई कोशिश सफल नहीं होगी। ताइवान को लेकर जो भी हस्तक्षेप होगा उसका विफल होना तय है। अमेरिका के साथ सैन्य टकराव पर चीनी रक्षा मंत्री ने कहा, दोनों ही पक्षों को एहसास होना चाहिए कि उनके बीच का टकराव या युद्ध दोनों के लिए तो बर्बादी का सबब होगा ही, पूरी दुनिया के लिए आपदा से कम नहीं होगा। ताइवान के साथ अमेरिका का कोई औपचारिक रक्षा समझौता नहीं है लेकिन वह चीन के इस पड़ोसी राष्ट्र का सबसे बड़ा मददगार और हथियार आपूर्तिकर्ता है।

न्यूज गैलरी

जापान में गलत दिशा में चली गई ड्राइवररहित ट्रेन, 14 घायल

टोक्यो : जापान की राजधानी टोक्यो के उपनगरीय इलाके में एक ड्राइवररहित ट्रेन गलत दिशा में चली गई। जापान की पुलिस के अनुसार, ट्रेन कुछ दूर जाकर ट्रैक को बंद करने वाले बफर स्टॉप से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। शनिवार रात हुई इस दुर्घटना में 14 यात्री घायल हो गए, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, जापान में स्वचालित ट्रेन के 30 साल के इतिहास में यह पहली दुर्घटना है। ट्रेन ऑपरेटर कंपनी के अध्यक्ष अकिहिको मिकामी ने बताया कि यह दुर्घटना उपनगरीय शहर योकोहामा के लोकल रूट पर हुई। पांच बोगी वाली ड्राइवररहित ट्रेन शिन-सुगिता स्टेशन पर गलत दिशा में करीब 20 मीटर आगे जाकर बफर स्टॉप से टकरा गई। शिन-सुगिता बंदरगाह शहर योकोहामा की स्वचालित कनाजावा सीसाइड लाइन का स्टेशन है। दुर्घटना के बाद इस लाइन को बहरहाल बंद कर दिया गया है। (एएफपी)

नेपाल में दूसरे एयरपोर्ट पर उतरा एयर इंडिया का विमान

बारा : एयर इंडिया का एक विमान रविवार को नेपाल के त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरने की जगह दूसरे एयरपोर्ट पर उतर गया। एयर इंडिया के एयरबस ए320-214 विमान ने रविवार सुबह दिल्ली से नेपाल के लिए उड़ान भरी थी। उसे राजधानी काठमांडू के त्रिभुवन हवाई अड्डे पर उतरना था। लेकिन इसकी जगह वह बारा के निजगढ़ हवाई अड्डे पर उतरा। बाद में विमान को वापस त्रिभुवन लाया गया। त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट के महाप्रबंधक राज कुमार छेत्री ने कहा, 'एयर इंडिया के विमान को सुबह आठ बजकर 55 मिनट पर उतरना था। लेकिन वह निर्धारित रनवे पर नहीं उतरकर निजगढ़ चला गया। बाद में नौ बजकर 45 मिनट पर उसकी त्रिभुवन एयरपोर्ट पर लैंडिंग कराई गई।' इस चूक पर एयर इंडिया के प्रवक्ता धनंजय कुमार का कहना है कि कई बार परिस्थितिवश सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पायलट निर्धारित एयरपोर्ट से आगे बढ़ जाते हैं। यह इसी तरह का एक मामला है। (एएनआइ)

आतंकवाद के लिए इस्लाम पर आरोप क्यों : इमरान

मक्का : पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि इस्लाम का आतंकवाद से कोई लेनादेना नहीं है। कोई भी लिट्टे के लिए हिंदुत्व को दोषी नहीं ठहराता। जापान के धर्म को भी अमेरिकी पोत में खुद को उड़ा लेने के लिए दोषी नहीं कहता। ऐसे में इस्लाम को क्यों आतंक का पर्याय बनाया गया है? इमरान ने मक्का में आयोजित एक बैठक को संबोधित करते हुए यह सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि मुस्लिम देश दुनिया को यह समझाने में समर्थ नहीं हैं कि इस्लाम का आतंकवाद से कोई लेनादेना नहीं है। (एएनआइ)

जयसुंदरा ने धमाकों के लिए राष्ट्रपति को ठहराया जिम्मेदार

ईस्टर मामला ▸ पूर्व पुलिस महानिरीक्षक ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका

आतंकी हमले की जिम्मेदारी लेने से इन्कार करने पर पूजित जयसुंदरा को कर दिया था निलंबित

श्रीलंका के राष्ट्रपति मैत्रीपाल सिरिसेन। फाइल

पूर्व पुलिस महानिरीक्षक पूजित जयसुंदरा। फाइल

कोलंबो, एएफपी : श्रीलंका में निलंबित पुलिस प्रमुख ने अपने खिलाफ हुई कार्रवाई को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में पुलिस महानिरीक्षक पूजित जयसुंदरा ने राष्ट्रपति मैत्रीपाल सिरिसेन पर ईस्टर सनडे को हुए सिलसिलेवार बम धमाकों को रोक पाने में विफल रहने का आरोप लगाया गया है। इन धमाकों में 258 लोग मारे गए थे। आतंकी हमले की जिम्मेदारी लेने से इन्कार करने पर राष्ट्रपति सिरिसेन ने जयसुंदरा को निलंबित कर दिया था।

अपनी 20 पेज की याचिका में निलंबित पुलिस अधिकारी जयसुंदरा ने सरकार की खुफिया एजेंसियों और सशस्त्र बलों के बीच की गंभीर संवादहीनता पर से पर्दा हटाया है। ये सारी एजेंसियां राष्ट्रपति सिरिसेन के अंतर्गत कार्य करती हैं। याचिका में जयसुंदरा ने कहा है कि श्रीलंका की प्रमुख खुफिया एजेंसी स्टेट इंटेलीजेंस सर्विस (एसआइएस) ने 2018 में उन्हें इस्लामी आतंकियों के विषय में चल रही सभी जांचों को रोक देने का आदेश दिया था। इसके चलते नेशनल तौहीद जमात (एनटीजे) और तमाम अन्य संगठनों की गतिविधियों की जांच का कार्य रुक गया। एनटीजे पर ही ईस्टर सनडे के धमाकों का आरोप है। एसआइएस सीधे सिरिसेन के प्रति जवाबदेह है।

जयसुंदरा ने कहा है कि एसआइएस के प्रमुख नीलांत जयवर्द्धने ने पड़ोसी देश भारत द्वारा एनटीजे के हमले के बारे में खुफिया सूचना को गंभीरता से नहीं लिया। एसआइएस ने भारत से मिली खुफिया सूचना को पुलिस के साथ भी साझा नहीं किया। खुफिया संगठन ने हमलों को रोकने के लिए खुद भी कुछ नहीं किया। जयसुंदरा ने कहा है कि राष्ट्रपति के कहने के अनुसार, अगर वह हमला रोक पाने में विफलता की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे देते तो उन्हें राजनयिक बनाकर विदेश भेज दिया जाता। लेकिन राष्ट्रपति का यह प्रस्ताव मानने से उन्होंने इन्कार कर दिया। उन्होंने खुफिया एजेंसी की विफलता को अपने सिर लेने से मना कर दिया। याचिका में जयसुंदरा ने कहा है कि राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे के बीच अक्टूबर 2018 में छिड़ी राजनीतिक लड़ाई के बाद उन्हें साजिश के तहत दरकिनार किया गया।

कुछ दिन पहले ही खुफिया अधिकारी शिशिर मेंडिस ने भी संसदीय जांच दल को बताया था कि भारत से मिली खुफिया सूचना के प्रति गंभीरता दिखाई जाती तो ईस्टर को हुए धमाके रोके जा सकते थे। इसके बाद राष्ट्रपति सिरिसेन की लोकप्रियता पर नकारात्मक असर पड़ा है।

2008 के बाद ब्रिटिश एयरवेज ने पहली बार भरी पाक की उड़ान

लंदन, प्रेट्र : ब्रिटिश एयरवेज ने रविवार को पाकिस्तान के लिए एक बार फिर से अपनी विमान सेवा शुरू कर दी। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद से लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट के बीच यह विमान सेवा फिलहाल सप्ताह में सिर्फ तीन बार ही उपलब्ध रहेगी। दरअसल, वर्ष 2008 में राजधानी इस्लामाबाद के मेरियट होटल में हुए बम विस्फोट में 50 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद ब्रिटिश एयरवेज ने अपनी पाकिस्तान जाने वाली सभी हवाई सेवाओं पर रोक लगा दी थी।

पश्चिम देशों की एयरलाइन में ब्रिटिश एयरवेज एकमात्र कंपनी है, जिसने इस्लामाबाद के लिए उड़ान सेवा फिर से शुरू की है। अभी तक पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआइए) इस्लामाबाद और लंदन के बीच सीधी उड़ान भरने वाली एकमात्र एयरलाइन थी। ब्रिटिश एयरवेज के प्रवक्ता ने कहा, 'हमने इस मार्ग पर बोइंग 787 ड्रीमलाइनर्स विमान के साथ संचालन की शुरुआत की है।' पाकिस्तान में ब्रिटेन के उच्चायुक्त थामस ड्रू ने कहा कि ब्रिटिश एयरवेज ने पाकिस्तान में ब्रिटिश कंपनियों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर यह कदम उठाया है।

बता दें कि एयरलाइन ने पिछले साल दिसंबर में घोषणा की थी कि वह इस्लामाबाद के लिए अपनी उड़ानों को फिर से शुरू करेगी। उसका मानना था कि इस्लामाबाद में बना नया हवाई अड्डा सुरक्षा और भीड़ दोनों के नजरिए से सुरक्षित है।

थ्येनआनमन चौक नरसंहार को चीन ने ठहराया सही

▸ 30 साल पहले हुए विरोध–प्रदर्शन दबाने के लिए चीनी सेना ने छात्रों और प्रदर्शनकारियों पर चढ़ा दिए थे टैंक

सिंगापुर, एएफपी : चीन ने वर्ष 1989 में राजधानी बीजिंग के थ्येनआनमन चौक पर लोकतंत्र समर्थकों के खिलाफ अपनी बर्बरतापूर्ण कार्रवाई को सही ठहराया है। चीन के रक्षा मंत्री वेई फेंघ ने रविवार को सिंगापुर में क्षेत्रीय सुरक्षा फोरम में कहा, 'वह घटना राजनीतिक उथल-पुथल थी। चीन सरकार ने उस संकट को रोकने के लिए जो कदम उठाए वह सही थे। पता नहीं क्यों आज भी लोग प्रदर्शनकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई के लिए चीन पर सवाल खड़े करते हैं।'

इस फोरम में कई देशों के रक्षा मंत्री, शीर्ष सैन्य अधिकारी और शिक्षाविद हिस्सा ले रहे हैं। अपने संबोधन में चीन के रक्षा मंत्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि उस वक्त चीन की नीति सही थी। बीते 30 साल में यह साबित भी हुआ है। तब से चीन में कई बड़े बदलाव हुए हैं। सरकार की उस कार्रवाई की वजह से ही देश में स्थिरता आई और विकास हुआ।' तीस साल पहले चीन में लोकतंत्र समर्थक छात्रों के नेतृत्व में किए गए विरोध प्रदर्शनों का मुख्य केंद्र थ्येनआनमन चौक ही था। ये प्रदर्शन चार अप्रैल से चार जून तक चले थे।

सिंगापुर में रविवार को आइआइएसएस शंगारी–ला डायलॉग में बोलते चीन के रक्षा मंत्री वेई फेंघ। रायटर

विरोध-प्रदर्शन को दबाने के लिए चीनी सेना ने चार जून को छात्रों और प्रदर्शनकारियों पर टैंक चढ़ा दिए थे। इस बर्बर घटना में कितने लोगों की जान गई, इसका कोई स्पष्ट आंकड़ा नहीं है। लेकिन ऐसा अनुमान है कि इस कार्रवाई में एक हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी।

अमेरिका में फर्जी सऊदी प्रिंस को 18 साल जेल की सजा

न्यूयॉर्क टाइम्स से

द न्यूयॉर्क टाइम्स, वाशिंगटन : अमेरिका में करीब 30 साल तक सऊदी अरब का प्रिंस बनकर करोड़ों रुपये ठगने वाले ठग का पर्दाफाश हो गया है। फ्लोरिडा की अदालत ने एंथोनी गिग्नैक नामक इस व्यक्ति को धोखाधड़ी के मामले में 18 साल जेल की सजा सुनाई है।

48 वर्षीय गिग्नैक ने खुद को सऊदी के शाही परिवार का सदस्य बताकर निवेशकों से 80 लाख डॉलर (करीब 55 करोड़ रुपये) ठगे थे। कोर्ट दस्तावेजों के अनुसार उसे पहले भी कई राज्यों में धोखाधड़ी के मामले में सजा सुनाई जा चुकी है। सरकारी निगरानी में रहने की सजा के दौरान भी उसने खालिद बिन अल-सऊद के नाम से ठगी की कई वारदात को अंजाम दिया था।

रहन-सहन में दिखती थी रईसी : लोगों को भरोसा दिलाने के लिए गिग्नैक सऊदी के पारंपरिक परिधानों के साथ महंगी घड़ी और आभूषण पहनता था। लोगों को अपने जाल में फंसाने के लिए वह कई बार निजी विमान से भी यात्रा करता था। उसकी गाड़ियों पर राजनयिक लाइसेंस प्लेट लगी रहती थी और उसके बॉडीगार्ड्स के पास राजनयिक सर्विस बैज थे। बिजनेस कार्ड में उसने अपने नाम के आगे सुल्तान लिख रखा था। शाही प्रोटोकॉल का हवाला देकर वह अपने निवेशकों से महंगे उपहारों की मांग करता था। गिग्नैक ने निवेशकों से दुनियाभर की ऐसी कंपनियों में पैसे लगवाए जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं था।

कोलंबिया में हुआ था पैदा : गिग्नैक कोलंबिया में पैदा हुआ था। सात साल की उम्र में अमेरिका के मिशिगन राज्य के एक दंपती ने उसे गोद ले लिया था। 17 साल की उम्र से ही उसने खुद को शाही परिवार का सदस्य बताते हुए ठगी शुरू कर दी थी। शुरुआत में उसने क्रेडिट कार्ड कंपनियों को निशाना बनाया था।

ऐसे खुला राज : मई, 2017 में वह मियामी में एक होटल में निवेश करना चाह रहा था। इसको लेकर हो रही बातचीत के दौरान होटल मालिकों को उसके बर्ताव पर शक हुआ क्योंकि वह सुअर का मांस खाने को भी तैयार हो गया था। होटल मालिकों ने जब निजी स्तर पर छानबीन कराई तो गिग्नैक की असली पहचान उजागर हुई।

सीरिया पर इजरायली हमले में दस की मौत

बेरुत, एएफपी : इजरायल ने रविवार को सीरियाई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए। इन हमलों में मारे गए दस लोगों में सीरियाई सैनिक और असद सरकार समर्थित हिजबुल्ला लड़ाके शामिल हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इस हमले के लिए खुद उन्होंने सेना को आदेश दिया था। इजरायल के कब्जे वाले गोलान पहाड़ी क्षेत्र में सीरिया की तरफ से दो रॉकेट दागे जाने के बाद इजरायली सेना ने यह कार्रवाई की।

हमले की पुष्टि करते हुए इजरायल की सेना के प्रवक्ता ने बताया कि इस हवाई हमले में दुश्मन के सैन्य ठिकानों, गुप्त अड्डों और एसए वायुरक्षा इकाई को निशाना बनाया गया। पिछले सप्ताह ऐसे ही हमले के दौरान इजरायली वायुसेना का एक विमान सीरिया के इलाके में गिर गया था। इसे विमान भेदी मिसाइल से मार गिराया गया था। इसमें एक सैनिक की जान चली गई थी।

इजरायल आरोप लगाता रहा है कि हिजबुल्ला लड़ाकों के जरिये ईरान सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल असद की सामरिक रूप से मदद कर रहा है। इजरायल का कहना है कि वह ईरान को किसी भी सूरत में सीरिया में पैर जमाने नहीं देगा। बीते दिनों प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू गोलान पहाड़ी क्षेत्र को इजराइल का बताया था।

इटली में ज्वालामुखी फटा

इटली के सिसली में माउंट एटना पर स्थित यूरोप के सर्वाधिक सक्रिय एवं ऊंचे ज्वालामुखी में भीषण विस्फोट के बाद कई किलोमीटर ऊंचाई तक हवा में लावा फैल गया। विशेष कैमरों की मदद से रात भर धधकते ज्वालामुखी की तस्वीरें ली गईं। विस्फोट के बाद से माउंट एटना क्षेत्र में भूकंपीय गतिविधियों में काफी वृद्धि हो गई है। आसपास के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा गया है। रायटर

सीरिया में कैद आतंकी बेटे को छुड़ाने की केंद्र से गुहार

▸ जम्मू–कश्मीर पुलिस ने केंद्र सरकार को भेजा पिता का लिखा पत्र

▸ कश्मीरी युवक आदिल ने यूएस आर्मी के समक्ष किया है आत्मसमर्पण

राज्य ब्यूरो, जम्मू : जम्मू कश्मीर पुलिस ने केंद्र सरकार को एक कश्मीरी पिता का पत्र भेजा है। अपने पत्र में उसने लिखा है कि उसका ग्रेजुएट बेटा आइएस आतंकी संगठन में शामिल हो गया था। इस समय वह सीरिया में अमेरिकी फौज की कैद में है। उसे वहां से वापस लाने में मदद करें।

कश्मीर के रहने वाले आदिल ने क्वींसलैंड ऑस्ट्रेलिया से एमबीए की। इस साल उसने आइएस के अन्य सदस्यों के साथ यूएस आर्मी के समक्ष आत्मसमर्पण किया था। अहमद साल 2013 में सीरिया में गया था और उसने अपने परिजनों को बताया था कि वहां पर वह एक गैर सरकारी संगठन के साथ काम कर रहा है। उसके पिता फियाज अहमद ठेकेदार हैं। उन्हें अब भी यह विश्वास नहीं हो रहा है कि उनका बेटा खुंखार आतंकवादी संगठन में शामिल हो गया है। ऐसे में वह उसे घर वापस लाने के लिए एक जगह से दूसरी जगह सिफारिश लगा रहे हैं। उनको उम्मीद है कि केंद्र में आई नई सरकार उनके बेटे को वापस लाने में मदद करेगी।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने केंद्र में सुरक्षा एजेंसियों को पत्र भेज दिया है। अगर आदिल वापस आता है तो आइएस के काम करने के तरीकों के बारे में काफी कुछ जानने का मौका मिलेगा। आदिल एमबीए करने के बाद जॉर्डन के रास्ते सीरिया गया था। वह ऑस्ट्रेलिया में ही कुछ कट्टरपंथी संगठनों के संपर्क में था। सीरिया पहुंचने पर उसने एक डच महिला के साथ शादी की। दोनों का एक बेटा भी था, जिसकी बाद में सीरिया में ही मौत हो गई। आदिल की पत्नी ने एक पत्र लिखकर आदिल के पिता को बताया कि वह और उनका बेटा सीरिया में एक जेल में बंद हैं।

नेपाल में फोन कॉल का रैकेट चलाने वाला भारतीय गिरफ्तार

काठमांडू, प्रेट्र : नेपाल में अवैध रूप से अंतरराष्ट्रीय फोन कॉल का रैकेट चलाने वाले एक 36 वर्षीय भारतीय को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक आरोपित की इस हरकत से देश के दूरसंचार विभाग को करोड़ों रुपये का चूना लगा है।

नेपाल पुलिस द्वारा जारी बयान के मुताबिक उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले के सोनौली कस्बा निवासी खुर्शीद अंसारी को फोन कॉल बाईपास के आरोप में काठमांडू से गिरफ्तार किया गया है। नेपाल पुलिस की केंद्रीय जांच एजेंसी ने उसके पास से एक लैपटॉप, फोरजी डिवाइस, राउटर और 16 सिमकार्ड भी बरामद किए हैं। पुलिस ने अंसारी को हिरासत में लेने के बाद आगे की जांच शुरू कर दी है। वहीं रविवार को ही त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर अवैध रूप से विदेशी मुद्रा ले जाने के आरोप में 69 वर्षीय कनाडाई महिला को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से करोड़ों की विदेशी मुद्रा बरामद की गई है।

शिक्षा बोर्ड के गठन के लिए काम शुरू करेगी सीकेडी

जागरण संवाददाता, अमृतसर

▸ सिकलीघर सिख विद्यार्थियों को शिक्षित करने के लिए उठाए जाएंगे विशेष कदम, कानपुर में खोला जाएगा स्कूल

चीफ खालसा दीवान (सीकेडी) की ओर से जल्द ही सिख शिक्षा बोर्ड के संबंध में काम शुरू किया जाएगा। बोर्ड का मुख्य काम सिख धर्म के सही इतिहास के पाठ्यक्रम को लेकर अपनी राय देना होगा। इसके अलावा सिखों के लिए धर्म प्रचारक तैयार करने के लिए वन डोमेन (एक ही विचारधारा) विश्वविद्यालय बनाने के संबंध में भी विचार किया जा रहा है।

सीकेडी पदाधिकारियों के अनुसार अगर पंजाब सरकार या एसजीपीसी जमीन उपलब्ध करवाती है तो दीवान की ओर से विश्वविद्यालय के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे। वहीं, सिकलीघर सिखों के विद्यार्थियों को शिक्षित करने के लिए भी दीवान सहयोग देगा। इसके लिए कानपुर में स्कूल खोलने की भी व्यवस्था की जाएगी।

यह फैसले रविवार को चीफ खालसा दीवान के जनरल हाउस की बैठक में लिए गए। दीवान के अध्यक्ष निर्मल सिंह ठेकेदार ने बताया कि सीकेडी द्वारा श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व को समर्पित एक विश्व स्तरीय सिख शिक्षा कांफ्रेस सुलतानपुर लोधी में आयोजित की जाएगी। इसका आयोजन 27 से 29 सितंबर तक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दीवान सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक 5 जून को श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार के साथ होगी।

बैठक में चर्चा के बाद दीवान के पूर्व अध्यक्ष चरणजीत सिंह चड्डा ग्रुप के सदस्य गुरिंदर सिंह चावला को सीकेडी से निकाल दिया गया। चावला पर गलत ढंग से लाखों रुपये पास करने व अपनी दुकान का समान गलत ढंग से दीवान के स्कूल को सप्लाई करने लगे आरोप लगे थे।

19 करोड़ यूजर अपने खाते कराएं सत्यापित : ट्विटर

▸ तय समय के भीतर सत्यापन नहीं कराने वाले अकाउंट किए जाएंगे निलंबित

नई दिल्ली, आइएएनएस : माइक्रो-ब्लागिंग साइट ट्विटर ने फर्जी अकाउंट द्वारा अपने प्लेटफॉर्म के दुरुपयोग को रोकने के प्रयासों के तहत 2018 की दूसरी छमाही में 19.35 करोड़ यूजर से अपने अकाउंट को सत्यापित कराने को कहा है। हालांकि, अकाउंट की यह संख्या पिछले साल की पहली छमाही से 17 प्रतिशत कम है। ट्विटर की एक पारदर्शिता रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

फर्जी अकाउंट की पहचान करने के लिए ट्विटर 'एंटी-स्पैम चैलेंज' का उपयोग कर रहा है। इस प्रक्रिया में यूजर से अकाउंट की पुष्टि के लिए फोन नंबर या ईमेल पते को सत्यापित करने और रिकैपचा को पूरा करने के लिए कहा जा रहा है। प्रामाणिक यूजर के लिए ये चुनौतियां सरल हैं, लेकिन स्पैम या फर्जी अकाउंट रखने वाले यूजर के लिए यह कठिन (या महंगी) हो सकती हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसे अकाउंट जो एक निर्धारित अवधि के भीतर चुनौती को पूरा करने में विफल रहते हैं, उन्हें निलंबित किया जा सकता है। ट्विटर ने कहा कि उसका ध्यान छह महीने के दौरान साइन-अप करने वाले नकली अकाउंट का पता लगाने पर है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2018 की दूसरी छमाही में स्पैम की रिपोर्ट में भी कमी दर्ज की गई है। इससे यह पता चलता है कि ट्विटर पर सही लोगों को फर्जी यूजर का कम सामना करना पड़ा है।

ये भी जानिए

इस विश्व कप में इंग्लैंड के बाद बांग्लादेश दूसरी टीम बनी, जिसने डेथ ओवर यानी 41 से 50 ओवर के बीच बल्लेबाजी की। इन दोनों मैचों में विरोधी टीम दक्षिण अफ्रीका की थी।

सचिन की तरह धौनी को विदाई दे भारतीय टीम : रैना

बेशक विराट कोहली मैदान पर भारतीय टीम की कमान संभालते नजर आते हों, लेकिन मैदान पर आज भी पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धौनी के ही सुझाव ज्यादातर कारगर होते हैं। विश्व कप में भारतीय टीम को धौनी के अनुभव की सख्त जरूरत है। धौनी और भारतीय टीम की तैयारियों और रणनीतियों के बारे में धौनी के साथ लंबे समय तक ड्रेसिंग रूम साझा करने वाले **सुरेश रैना** से **अभिषेक त्रिपाठी** ने विशेष बातचीत की। पेश है बातचीत के प्रमुख अंश :

साक्षात्कार

ऐसा कहा जा रहा है कि यह धौनी का आखिरी विश्व कप होगा। आप क्या चाहते हैं कि वह कब तक क्रिकेट खेलते रहें?

-यह तो उन्हीं को पता होगा कि वह कब तक क्रिकेट खेलना चाहते हैं। मेरे लिए तो यही मायने रखता है कि जैसा हमने सचिन तेंदुलकर को 2011 विश्व कप खिताब जीतकर शानदार विदाई दी थी, कुछ वैसे ही मौजूदा भारतीय टीम को धौनी के लिए करना चाहिए।

मैदान पर धौनी को हम सभी ने देखा है, लेकिन मैदान से बाहर वह कैसे रहते हैं?

-मैदान से बाहर वह खुद को काफी व्यस्त रखते हैं। वह गेम खेलते हैं और क्रिकेट के बारे में ज्यादा नहीं सोचते हैं। मैदान से बाहर के समय को वह अच्छे से इस्तेमाल करते हैं। वह टीम के साथी खिलाड़ियों से मिलते-जुलते रहते हैं। थोड़े समय के लिए खेल को खुद से दूर रखकर वह अच्छा महसूस करते हैं।

● **भारत अपना पहला अभ्यास मैच हार गया था। इंग्लैंड की परिस्थिति से आप अच्छी तरह से वाकिफ हैं। ऐसे में विश्व कप में भारत को कैसे देखते हैं?**

-देखिए, मुझे तो लगता है कि अच्छा हुआ हम पहला अभ्यास मैच हार गए, क्योंकि तब टॉस के समय विराट ने भी कहा था कि हम थोड़ा चुनौतीपूर्ण अभ्यास मैच चाहते हैं। ऐसे में मेरा मानना है कि भारत को पहले अभ्यास मैच में एक अच्छा चुनौतीपूर्ण मुकाबला खेलने को मिला क्योंकि जिन चीजों की वजह से आप हारते हो, उन चीजों को आगे ठीक करने की कोशिश करते हो। रही बात टीम संयोजन की तो वह देखना पड़ेगा। भारतीय टीम की गेंदबाजी बहुत अच्छी है, लेकिन बल्लेबाजी में उसके शीर्ष तीन बल्लेबाजों को रन बनाने होंगे, क्योंकि मध्य क्रम ज्यादा मजबूत दिखाई नहीं दे रहा है।

● **कोहली ने भी कहा है कि शीर्ष क्रम के बल्लेबाज नहीं चले तो मध्य क्रम को जिम्मेदारी उठानी होगी। ऐसे में मध्य क्रम से कैसे प्रदर्शन की उम्मीद करें?**

-सबसे पहले तो उन्हें तय करना होगा कि केएल राहुल को खिलाना है या दिनेश कार्तिक को खिलाना है। हालांकि, अगर केदार जाधव फिट रहते हैं तो वह भी खेल सकते हैं, क्योंकि वह गेंदबाजी में भी चार-पांच ओवर का योगदान दे सकते हैं। मुझे नहीं लगता कि हार्दिक पांड्या और विजय शंकर अपना स्पैल पूरा कर पाएंगे। ऐसे में हमें कोई ऐसा पार्ट टाइम गेंदबाज चाहिए जो जडेजा या कुलदीप के साथ चार-पांच ओवर डाल सके। हालांकि, इंग्लैंड में यह भी निर्भर करेगा कि टीम इंडिया पहले बल्लेबाजी करना चाहती है या फिर लक्ष्य का पीछा करना चाहती है। मुझे ऐसा लगता है कि हमारी गेंदबाजी के दम पर हम लक्ष्य का बचाव कर सकते हैं, लेकिन एक अच्छा लक्ष्य देने के लिए शीर्ष तीन बल्लेबाजों का रन बनाना बहुत जरूरी है।

● **पहले अभ्यास मैच में बादल की वजह से न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने हमें खूब परेशान किया, लेकिन हाल के दिनों में इंग्लैंड में खूब रन बने हैं। ऐसे में पिच के मिजाज को लेकर आप क्या कहेंगे?**

-देखिए, जहां बादल ज्यादा होते हैं वहां चुनौती बढ़ जाती है। भारतीय बल्लेबाजों को पिछले तीन वर्षों में सबसे ज्यादा परेशान बायें हाथ के तेज गेंदबाजों ने किया है। ऑस्ट्रेलिया के जेसन बहरनडॉर्फ फिर मिशेल स्टार्क और हाल ही में न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। आज के समय में हर टीम के पास बायें हाथ के अच्छे तेज गेंदबाज हैं और भारतीय टीम को पता है कि उसे बायें हाथ के तेज गेंदबाजों से निपटना होगा। चैंपियंस ट्रॉफी में मुहम्मद आमिर ने जैसा स्पैल डाला था और अब बोल्ट ने जैसा प्रदर्शन किया है, उसे देखकर कहा जा सकता है कि शुरुआती 10-15 ओवर तक संभलकर खेलना होगा। क्योंकि 10 से 15 ओवर के खेल में अगर विराट कोहली को बल्लेबाजी करने के लिए आना पड़ा तो फिर मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

● **भारत को शुरुआती चार मैच बड़ी टीमों के खिलाफ खेलने हैं। ऐसे में आप इसे कैसे देखते हैं?**

-मेरे हिसाब से यह अच्छी बात है कि शुरुआत में ही हम अच्छी टीमों के खिलाफ खेल रहे हैं क्योंकि इससे बाद में जटिलताएं नहीं बढ़ेंगी। आपको शुरुआत से ही गेंद दर गेंद अच्छी क्रिकेट खेलनी होगी। मेरे लिए सबसे अहम बात यह है कि विराट कैसे हार्दिक, जडेजा और शंकर का इस्तेमाल करते हैं। अगर केदार फिट नहीं हैं तो विराट को छह गेंदबाजी विकल्पों के साथ उतरना पड़ेगा, जिसमें बुमराह, शमी, भुवनेश्वर, हार्दिक, कुलदीप और चहल जैसे गेंदबाज हैं।

● **पहले अभ्यास मैच में हार्दिक को पांचवें क्रम पर खेलने भेजा गया था। इस पर आपकी क्या राय है?**

-उस समय हमारे विकेट जल्दी-जल्दी गिरे थे जिसके बाद टीम चाहती थी कि धौनी थोड़ा रुककर बल्लेबाजी के लिए आएं, क्योंकि मध्य क्रम में धौनी की भूमिका काफी अहम हो जाएगी। दिनेश कार्तिक को मध्य क्रम में बहुत मौके मिले, लेकिन मेरे हिसाब से उन्होंने अब तक कुछ खास प्रभावित नहीं किया है। ऐसे में केएल राहुल ज्यादा सही हैं। हालांकि, शीर्ष तीन बल्लेबाजों में से किसी एक को 30 से 40 ओवर खेलना ही पड़ेगा। वहीं, मध्य क्रम की बल्लेबाजी धौनी, पांड्या और जडेजा के आस-पास ही रहेगी। चौथे नंबर पर अगर राहुल खेलते हैं तो इससे टीम का संयोजन थोड़ा बेहतर हो जाएगा। ओपनिंग में रोहित और शिखर के बाद विराट, फिर चौथे पर राहुल, पांचवें पर धौनी, छठे पर हार्दिक और सातवें पर जडेजा और फिर चार गेंदबाजों का संयोजन भारत के लिए अच्छा रहेगा। भारत के ज्यादातर मुकाबले सीम वाली परिस्थितियों में खेले जाएंगे जिसमें साउथैंप्टन, नॉटिंघम और ओवल के मैदान शामिल हैं। इस बार हमें स्पिनरों के मुफीद विकेट नहीं मिले हैं। भारत और पाकिस्तान का मैच भी मैनचेस्टर में है जहां गेंद ज्यादा स्पिन नहीं करती है।

● **आप धौनी के साथ काफी खेले हैं व आइपीएल में भी खेलते हैं। टीम में धौनी की कितनी अहमियत है?**

-मुझे लगता है कि वह विकेट के पीछे भी एक कप्तान की भूमिका में होते हैं। किस गेंदबाज के खिलाफ किस क्षेत्ररक्षक को कहां रखना है, स्लिप का क्षेत्ररक्षक चाहिए या नहीं चाहिए, थर्डमैन कितना फाइन रखना है, यह सब काम वह विकेटों के पीछे से करते हैं। ऐसे में भले ही कागजों पर वह कप्तान नहीं हों, लेकिन मैदान पर अभी भी वह कप्तान की भूमिका में होते हैं, क्योंकि वह विराट को अपने अनुभव से काफी लाभ पहुंचाते हैं। मेरा मानना है कि वह कप्तान नहीं होते हुए भी कप्तान हैं। आपने सुना होगा कि करीब-करीब सभी गेंदबाजों ने माना है कि माही के विकेटों के पीछे होने से उन्हें काफी लाभ मिलता है।

● **कहा जाता है धौनी विकेटकीपिंग के लिए ज्यादा अभ्यास नहीं करते हैं और उनका दिमाग इतना तेज चलता है कि उन्हें सब पता चल जाता है। क्या धौनी अलग-अलग टूर्नामेंट के लिए अलग-अलग तैयारी करते हैं?**

-धौनी कही भी खेलें उनका गेम प्लान बहुत सामान्य रहता है। उनकी प्रक्रिया बहुत सही है। एक विकेटकीपर के तौर पर आपको काफी सारी बातों का ध्यान रखना पड़ता है। मेरे हिसाब से वह मानसिक और शारीरिक रूप से काफी फिट है। इंग्लैंड में उन्हें खेलने का बहुत अनुभव है। ऐसे में जब आपके पीछे एक इतना अनुभवी खिलाड़ी रहता है जिससे काफी फर्क पड़ता है। वह विकेटकीपिंग का ज्यादा अभ्यास नहीं करते हैं और ना ही मैच से पहले वह बल्लेबाजी का अभ्यास करते हैं। वह सीधे बल्लेबाजी के लिए उतरते हैं। वह अपनी चीजों को लेकर बहुत स्पष्ट हैं कि उन्हें उनको कैसे करना है।

● **विश्व कप में भारत व पाकिस्तान को भी भिड़ना है। खिलाड़ी के नाते आपको क्या लगता है, यह सिर्फ एक आम मैच की तरह है?**

-भले ही लोगों को लगता है कि यह एक आम मैच की तरह है, लेकिन खिलाड़ियों के नजरिये से यह बहुत अहम मैच हो जाता है। विश्व कप में पाकिस्तान से भारत कभी नहीं हारा। वैसे विराट ने अभी कहा था कि यह मैच आम मैचों की तरह ही होगा, लेकिन ऐसे मैचों में खिलाड़ियों पर ज्यादा दबाव और जिम्मेदारी बढ़ जाती है। मैदान के बाहर इतने सारे भारतीय प्रशंसक मैदान पर तिरंगे के साथ आते हैं कि इसकी अहमियत वैसे ही बढ़ जाती है। ऐसे में खिलाड़ियों के लिहाज से अपने देश के लिए अच्छा करने का दबाव आ जाता है क्योंकि इस मैच के साथ लोगों की भावनाएं जुड़ जाती हैं। ऐसे में मेरा मानना है कि भारत और पाकिस्तान के मुकाबले में दोनों टीमों के खिलाड़ियों पर काफी दबाव होता है।

इंग्लैंड का ध्यान जीत पर, 500 रन पर नहीं

लंदन, एएफपी : बल्लेबाजों की ऐशगाह पिचों पर भले ही इंग्लैंड की टीम के 500 रन बनाने के कयास लगाए जा रहे हों, लेकिन इन अटकलों से परे मेजबान का पूरा ध्यान सोमवार को पाकिस्तान के खिलाफ नॉटिंघम के ट्रेंटब्रिज में होने वाले विश्व कप के अगले मैच पर है। इंग्लैंड ने वनडे क्रिकेट में दो बार सर्वाधिक स्कोर का रिकॉर्ड बनाया है। दोनों ही बार यह रिकॉर्ड इस मैदान पर बना है। पहले पाकिस्तान के खिलाफ 2016 में इंग्लैंड ने तीन विकेट पर 444 रन बनाए थे, जबकि पिछले साल उसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ छह विकेट पर 481 रन का स्कोर बनाया था।

दूसरी ओर, पाकिस्तान के बल्लेबाज नॉटिंघम में ही पिछले मैच में वेस्टइंडीज के गेंदबाजों के बाउंसरों को नहीं झेल सके और पूरी पाकिस्तानी टीम सिर्फ 105 रन पर आउट हो गई। विश्व कप के प्रबल दावेदारों में शुमार इंग्लैंड ने उद्घाटन मैच में दक्षिण अफ्रीका को 104 रन से हराया था। उस मैच में खतरनाक साबित हुए जोफ्रा आर्चर शॉर्ट पिच गेंदों से पाकिस्तान की परेशानियां बढ़ा सकते हैं। उनका साथ देने के लिए मार्क वुड को टीम में शामिल किया गया है। इंग्लैंड के सहायक कोच ग्राहम थोर्पे ने कहा, 'हमने पाकिस्तान और वेस्टइंडीज का मैच देखा। कैरेबियाई टीम ने बेहतरीन गेंदबाजी की। हमने वही देखकर वुड को टीम में मौका दिया है।' इस सत्र की शुरुआत से वुड ने अब तक सिर्फ 13.1 ओवर डाले हैं, चूंकि उनके टखने की चोट फिर उभर आने का खतरा था। पहले मैच में आठ विकेट पर 311 रन बनाकर आउट हुई इंग्लैंड की टीम को आर्चर ने जीत तक पहुंचाया। वनडे क्रिकेट में 500 रन अभी तक नामुमकिन माना जा रहा था, लेकिन पिछले कुछ समय से इंग्लैंड के प्रदर्शन को देखते हुए कयास लगाए जा रहे हैं कि वह इस आंकड़े को छूने वाली पहली टीम बन सकती है।

मौसम और पिच के बीच फंसी टीम इंडिया

पिच बल्लेबाजी तो मौसम गेंदबाजी के मुफीद | कोहली के अंगूठे में लगी चोट, केदार जाधव हुए फिट

विश्व कप में दैनिक जागरण

अभिषेक त्रिपाठी ● साउथैंप्टन

लंदन से 75 मील दूर स्थित पोर्ट सिटी साउथैंप्टन में मौजूद भारतीय टीम प्रबंधन का दिमाग मौसम और पिच के बीच झूल रहा है। साउथैंप्टन का सब कुछ समुद्र के साथ टेस्ट और इचन नदियों पर निर्भर है और अब इसी पर भारतीय टीम निर्भर हो गई है। साउथैंप्टन के रोज बाउल स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के मुफीद मानी जाती है, लेकिन यहां के मौसम ने टीम इंडिया को दुविधा में डाल दिया है। यहां तेज हवाएं चल रही हैं और आसमान में बादल छाए हैं। विराट कोहली की टीम यहां पर बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने विश्व कप अभियान का आगाज करेगी। ऐसी परिस्थितियों में भारतीय टीम को देखना होगा कि वो चार गेंदबाज व एक ऑलराउंडर के साथ जाए या तीन गेंदबाज व दो ऑलराउंडर और छह बल्लेबाजों के साथ जाए।

यह इस स्टेडियम का अब तक का पहला विश्व कप मैच भी होगा। दक्षिण अफ्रीका का यह इस विश्व कप का तीसरा मुकाबला होगा।

भारतीय टीम की टेंशन : यह वही मैदान है जहां पर भारतीय टीम को पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच में हार मिली थी। उस हर की वजह भी गलत अंतिम एकादश चुनना था। टीम इंडिया की हाल की सबसे बड़ी मुसीबत परिस्थितियों के हिसाब से सही अंतिम एकादश का चयन नहीं कर पाना रहा है। भारतीय टीम के मुख्य कोच रवि शास्त्री ने भी दैनिक जागरण से बातचीत के दौरान माना था कि टीम ने पिछले विदेशी दौरों में कुछ गलतियां की हैं। जब उनसे पूछा गया था कि एकादश चयन को लेकर उन्होंने कोई फुल प्रूफ प्लान बनाया है तो उन्होंने कहा था कि यह सब वहां की परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। यहां के मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान नौ डिग्री सेल्सियस रहेगा। आसमान में बादल छाये रहेंगे और हल्की बारिश की भी संभावना है। ऐसे में टीम इंडिया को गेंद और बल्ले का सही बैलेंस बनाना होगा। उन्हें ये तय करना होगा कि वह किस संयोजन के साथ उतरना चाहते हैं। ऐसी परिस्थितियों में भारत ने पहला अभ्यास मैच खेला था जिसमें कीवी गेंदबाज बोल्ट और जेम्स नीशाम ने तीन-तीन विकेट लिए थे। भारतीय बल्लेबाजी क्रम चरमरा गया था। दक्षिण अफ्रीका के पास ऐसी परिस्थितियों के लिए कैगिसो रबादा, लुंगी नगिदी और क्रिस मॉरिस जैसे तेज गेंदबाज हैं। हालांकि नगिदी को चोट लगी है।

जाधव खेल सकते हैं पहला मैच : हालांकि भारतीय टीम के लिए अच्छी खबर है कि आइपीएल के दौरान चोटिल हुए मध्य क्रम के बल्लेबाज केदार जाधव फिट हो गए हैं। उन्होंने दो दिन पूरा अभ्यास किया है और उन्हें कोई दिक्कत नहीं है। वह चोट की वजह से दोनों अभ्यास मैच नहीं खेल पाए थे। हालांकि टीम इंडिया ने रविवार को कोई अभ्यास नहीं किया और आराम करना ही उचित समझा। टीम इंडिया के सूत्र ने बताया कि जाधव पहला मैच खेल सकते हैं। हालांकि इसका फैसला मैच से पहले ही किया जाएगा। अगर वह खेलते हैं तो टीम के मध्य क्रम को मजबूती मिलेगी।

विराट की चोट गंभीर नहीं : टीम के कप्तान विराट कोहली शनिवार को अभ्यास के दौरान अपना अंगूठा चोटिल कर बैठे हैं। उन्हें यह चोट साउथैंप्टन में अभ्यास सत्र के दौरान दायें हाथ के अंगूठे में लगी। हालांकि इस चोट की वजह से उन्हें खेलने में परेशानी नहीं होगी। सूत्रों ने बताया कि मामूली चोट से चिंता की बात नहीं है और विराट दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैदान में मौजूद रहेंगे। चोट के बाद भारतीय कप्तान टीम के फिजियो पैट्रिक फारहार्ट के साथ दिखे। पैट्रिक ने सबसे पहले तो उनके अंगूठे पर दर्द निवारक स्प्रे किया और उस पर टेप लगा दिया। इस दौरान वह बर्फ से अंगूठे की सिकाई करते नजर आए। मैदान से बाहर जाते वक्त उनके हाथ में एक गिलास था, जिसमें बर्फ से भरा पानी था। इसमें विराट ने अपना चोटिल अंगूठा डुबा रखा था। बीसीसीआइ की ओर से विराट की चोट से संबंधित अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। वहीं, एक और चोटिल ऑलराउंडर खिलाड़ी विजय शंकर के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं मिली है।

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने साथी खिलाड़ियों के साथ रविवार को यह फोटो सोशल मीडिया पर साझा की ● ट्विटर

610 रन 13 मैचों में सबसे ज्यादा इंग्लैंड के कप्तान इयोन मोर्गन ने इस मैदान पर बनाए हैं, इसमें दो शतक शामिल हैं

05 जून को भारत को इस मैदान पर दक्षिण अफ्रीका से खेलना है। दक्षिण अफ्रीका की ओर से इस मैदान पर सबसे ज्यादा रन हाशिम अमला ने दो मैचों में 174 रन बनाए हैं, इसमें एक शतक शामिल है

189 रन नाबाद मार्टिन गुप्टिल ने इंग्लैंड के खिलाफ बनाए। यह इस मैदान का किसी बल्लेबाज का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। 90 रन भारत की ओर से सर्वश्रेष्ठ स्कोर सौरव गांगुली ने बनाया

07 मैचों में 12 विकेट सबसे ज्यादा इस मैदान पर इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर ग्रीम स्वान ने लिए। भारत की ओर से एक मैच में तीन विकेट हरभजन के नाम

03 मुकाबले अब तक भारत ने इस मैदान पर खेले हैं। दो में इंग्लैंड से शिकस्त मिली, एक में केन्या को हराया। 2011 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था आखिरी मुकाबला

23 मुकाबले अब तक इस मैदान पर खेले गए हैं। नौ मुकाबले दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती, जबकि 13 मुकाबले पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती। एक में परिणाम नहीं निकला

373/7 इंग्लैंड ने 11 मई 2019 को पाकिस्तान के खिलाफ इस मैदान का सर्वोच्च स्कोर बनाया। रोचक बात यह रही कि पाकिस्तान ने जवाब में सात विकेट पर 361 रन बनाए थे

65 रन यहां न्यूनतम स्कोर है जो अमेरिका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2004 में बनाया

138 रन इस मैदान पर रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है जो वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश के खिलाफ 2004 में दर्ज की थी

09 विकेट से सबसे बड़ी जीत 2005 में ऑस्ट्रेलिया ने अमेरिका के खिलाफ दर्ज की

03 मैचों में 108 रन भारत की ओर से सबसे ज्यादा इस मैदान पर राहुल द्रविड़ ने बनाए हैं

युवराज सिंह ने दी गुरु गैरी कर्स्टन को चुनौती

नई दिल्ली, आइएएनएस : टीम इंडिया विश्व कप में अपना पहला मुकाबला पांच जून को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलेगी। प्रसारणकर्ता स्टार स्पोर्ट्स ने एक विज्ञापन के जरिये इस मैच का रोमांच बढ़ा दिया है। ताजा विज्ञापन में दिख रहा है कि भारतीय प्रशंसक ने टीम इंडिया के पूर्व कोच गैरी कर्स्टन का शुक्रिया अदा किया है, जिनके मार्गदर्शन में भारत 2011 विश्व कप चैंपियन बना था। इसके साथ ही वीडियो में दिख रहा है कि भारतीय प्रशंसक ने प्रोटियाज टीम को पांच जून के लिए खुली चुनौती भी दी है।

पता हो कि टीम इंडिया ने दो अप्रैल 2011 को वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए फाइनल में श्रीलंका को मात देकर खिताब जीता था। 275 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान महेंद्र सिंह धौनी (91*) और गौतम गंभीर (97) ने शानदार पारियां खेलकर टीम इंडिया को चैंपियन बनाया था।

युवराज 2011 विश्व कप में टीम इंडिया के हीरो रहे थे। युवराज ने इस वीडियो को अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर शेयर किया है। युवी ने 45 सेकेंड के इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा कि दो अप्रैल 2011 ऐसी रात जो मैं कभी नहीं भूल सकता। उस रात को एक दक्षिण अफ्रीकी ने इसे संभव बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। धन्यवाद गैरी और अब पांच जून को आपसे सामना होगा।

युवराज ने भरोसा जताया कि 14 जुलाई को विराट कोहली लॉर्ड्स के मैदान पर विश्व कप की ट्रॉफी हाथ में उठाएंगे। 2015 विश्व कप में जब भारत और दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला हुआ था तो ग्रुप चरण में धौनी के नेतृत्व वाली भारतीय टीम ने इतिहास रचा था। उसने पहली बार विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका को मात दी थी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापस आकर अच्छा लगा : वार्नर

ब्रिस्टल, प्रेट्र : अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के बाद पहली पारी में ही नाबाद 89 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को आइसीसी विश्व कप में शानदार जीत दिलाने वाले सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर का कहना है कि शीर्ष स्तर पर वापस आकर उन्हें अच्छा महसूस हो रहा है। वार्नर ने 131 मिनट तक बल्लेबाजी करते हुए 114 गेंदों पर आठ चौके लगाए और मैन ऑफ द मैच चुने गए। उनकी इस शानदार बल्लेबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर खिताब बचाने के अपने अभियान का जोरदार आगाज किया। वार्नर ने कहा कि वापस आकर अच्छा लगा। मैं इस वापसी के लिए शारीरिक और मानसिक तौर पर तैयार था। मैंने वापसी के लिए काफी मेहनत की थी। वार्नर को गेंद के साथ छेड़खानी के मामले में एक साल का प्रतिबंध झेलना पड़ा था।

विश्व कप डायरी

कूल्टर नाइल ने वेस्टइंडीज को चेताया

ब्रिस्टल, एएफपी : ऑस्ट्रेलिया ने क्रिस गेल एंड कंपनी को चेतावनी देते हुए कहा है कि विश्व कप के दूसरे मैच में वे बाउंसर्स झेलने को तैयार रहें। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज नाथन कूल्टर नाइल ने कहा कि वे वेस्टइंडीज को उसी की भाषा में जवाब देने को तैयार हैं। उन्होंने अफगानिस्तान पर शनिवार को सात विकेट से मिली जीत के बाद कहा कि हम वेस्ट इंडीज को बाउंसर डालेंगे वरना वे फ्रंटफुट पर खेलकर दबाव बना देंगे।

हूटिंग से फर्क नहीं पड़ेगा : जांपा

ब्रिस्टल, एएफपी : ऑस्ट्रेलिया ने अपने विश्व कप अभियान का आगाज अफगानिस्तान के खिलाफ आसान जीत के साथ किया और टीम स्टीव स्मिथ तथा डेविड वार्नर के खिलाफ हूटिंग से बेपरवाह दिखी। ब्रिस्टल में शनिवार खेले गए इस मुकाबले में विश्व रैंकिंग में 10वें स्थान पर काबिज अफगानिस्तान की टीम पूरे 50 ओवर खेलने में नाकाम रही। गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण में दोषी पाए जाने के बाद एक साल का निलंबन झेलने वाले स्मिथ और वार्नर को मैच के दौरान विरोध का सामना करना पड़ा। दोनों खिलाड़ियों को इंग्लैंड के खिलाफ अभ्यास मैच के दौरान भी हूटिंग का सामना करना पड़ा था। शनिवार के मैच में दो प्रशंसक रेगमाल जैसे कपड़े पहन कर स्टेडियम में पहुंचे थे। मैच में तीन विकेट लेने वाले लेग स्पिनर एडम जांपा ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम टूर्नामेंट के दौरान दर्शकों से ऐसे बर्ताव के लिए तैयार है। हमने इस बारे में बात की है कि ऐसे हालात से कैसे निपटना है। हमें इसकी उम्मीद थी और ईमानदारी से कहूं तो सबने अच्छे से इसका सामना किया।

वार्नर हमारे लिए काफी अहम : फिंच

ब्रिस्टल, एएफपी : ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के कप्तान आरोन फिंच ने अफगानिस्तान के खिलाफ विश्व कप मुकाबले में मैच जिताऊ पारी खेलने वाले सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर की तारीफ करते हुए कहा है कि अच्छे फॉर्म में चल रहे वार्नर खिताब बचाने के अभियान में टीम के लिए काफी अहम कड़ी हैं। वार्नर और फिंच (66) के अर्धशतकों की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने अफगानिस्तान को सात विकेट से हराया। ऑस्ट्रेलिया ने 2015 में पांचवीं बार विश्व कप खिताब जीता था। वार्नर उस टीम का हिस्सा थे।

बांग्लादेशी चीतों ने किया चोकर का शिकार

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

30 मई से शुरू हुए विश्व कप में अब तक तीन एशियाई टीम जो करने में कामयाब नहीं रहीं, उसे बांग्लादेश ने रविवार को लंदन के ओवल मैदान पर अंजाम दिया। एशिया की पांच टीमों में से बांग्लादेश इस विश्व कप में मुकाबला जीतने वाली पहली टीम बनी। पाकिस्तान, श्रीलंका और अफगानिस्तान ने अपने मुकाबले गंवाए थे, जबकि भारत को अभी अपना पहला मुकाबला खेलना है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बांग्लादेश ने मुशिफकुर रहीम (78) और शाकिब अल हसन (75) के अर्धशतकों की मदद से 50 ओवरों में छह विकेट पर 330 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका 50 ओवर में आठ विकेट पर 309 रन ही बना सकी और 21 रनों से अपना दूसरा मुकाबला हार गई। बांग्लादेश इस विश्व कप में अब तक पूरे 50 ओवर खेलने वाली पहली एशियाई टीम बनी। पाकिस्तान, श्रीलंका और अफगानिस्तान की टीमें पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल पाई थीं। वहीं, विश्व कप और वनडे में बांग्लादेश ने अपना सर्वोच्च स्कोर भी बनाया। वनडे में बांग्लादेश का पिछला सर्वोच्च स्कोर छह विकेट पर 329 रन था, जो उसने 2015 में पाकिस्तान के खिलाफ ढाका में बनाया था।

331 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी, लेकिन धीमी रही। चोट की वजह से हाशिम अमला को बाहर बैठाकर एडम मार्करैम (45) को शामिल किया गया, लेकिन उन्होंने आइपीएल से अच्छी लय में दिखे क्विंटन डिकॉक (23) को रन आउट करा दिया। मार्करैम खुद भी शाकिब की गेंद पर बोल्ड हो गए। दक्षिण अफ्रीका ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए, जिससे वह मुश्किल में फंसती दिखी। कप्तान फाफ डुप्लेसिस (62) को मेहदी हसन मिराज ने बोल्ड किया। उन्होंने 53 गेंद में पांच चौके और एक छक्का लगाया। डेविड मिलर (38) भी टीम का साथ छोड़कर चले गए। रेसे वेन डेर डुसेन (41) के आउट होने के बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम हिम्मत हारती दिखी। जेपी डुमिनी (45) ने जरूर संघर्ष भरी पारी खेली, लेकिन टीम को जिताने में कामयाब नहीं हो सके। बांग्लादेश की ओर से मुस्तफिजुर रहमान ने तीन, मुहम्मद सैफुद्दीन ने दो विकेट लिए। शाकिब और मेहदी को एक-एक विकेट मिला।

इससे पहले टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका ने पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश को तमीम इकबाल (16) और सौम्य सरकार (42) ने पहले विकेट के लिए 8.2 ओवरों में 60 रन की साझेदारी कर अच्छी शुरुआत दी। हालांकि, इसी स्कोर पर तमीम को एंदिले फेलुकवायो ने पवेलियन भेज दिया। टीम ने इसके बाद 75 के स्कोर पर सरकार का भी विकेट गंवा दिया। तमीम ने 29 गेंदों पर दो चौके और सरकार ने 30 गेंदों पर नौ चौके लगाए। एक के बाद एक लगातार दो विकेट खोने के बाद अनुभवी बल्लेबाज शाकिब और मुशिफकुर ने तीसरे विकेट के लिए 142 रन की शानदार साझेदारी कर बांग्लादेश को मजबूत स्कोर की ओर अग्रसर किया। यह बांग्लादेश की विश्व कप में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। हालांकि, टीम ने इसके बाद अगले 33 रनों के अंदर ही अपने तीन विकेट गंवा दिए। इन विकेटों में शाकिब और मुशिफकुर के अलावा मुहम्मद मिथुन (21) के भी विकेट शामिल रहे। शाकिब का यह 43वां अर्धशतक था। उन्होंने 84 गेंदों की पारी में आठ चौके और एक छक्का लगाया। वहीं, मुशिफकुर का यह 34वां अर्धशतक था। उन्होंने 80 गेंदों की पारी में आठ चौके जड़े। मिथुन ने 21 गेंदों पर दो चौके और एक छक्का लगाया। मुशिफकुर 43वें ओवर में आउट हुए। इसके बाद महमूदुल्लाह (नाबाद 46) और मुसद्दक हुसैन (26) ने छठे विकेट के लिए 66 रनों की साझेदारी बांग्लादेश को 300 के पार पहुंचा दिया।

बांग्लादेश ने दक्षिण अफ्रीका को दी 21 रनों से शिकस्त
शाकिब और मुशिफकुर ने लगाए शानदार अर्धशतक

स्कोर बोर्ड

टॉस : दक्षिण अफ्रीका (गेंदबाजी) | मैन ऑफ द मैच : शाकिब अल हसन

बांग्लादेश 330/6 (50 ओवर)

	रन	गेंद	चौके	छक्के
तमीम का. डिकॉक बो. फेलुकवायो	16	29	02	00
सौम्य सरकार का. डिकॉक बो. मॉरिस	42	30	09	00
शाकिब अल हसन बो. ताहिर	75	84	08	01
मुशिफकुर का. डुसेन बो. फेलुकवायो	78	80	08	00
मुहम्मद मिथुन बो. ताहिर	21	21	02	01
महमूदुल्लाह नाबाद	46	33	03	01
मुसद्दक का. फेलुकवायो बो. मॉरिस	26	20	04	00
मेहदी हसन मिराज नाबाद	05	03	01	00

अतिरिक्त : (लेबा-9, वा-12) 21

कुल : 50 ओवर में छह विकेट पर 330 रन

विकेट पतन : 1-60 (तमीम, 8.2), 2-75 (सरकार, 11.4), 3-217 (शाकिब, 35.1), 4-242 (मिथुन, 39.4), 5-250 (रहीम, 42.1), 6-316 (मुसद्दक, 48.6)

गेंदबाजी : नगिदी 4-0-34-0, कैगिसो रबादा 10-0-57-0, फेलुकवायो 10-1-52-2, क्रिस मॉरिस 10-0-73-2, एडेन मार्करैम 5-0-38-0, इमरान ताहिर 10-0-57-2, जेपी डुमिनी 1-0-10-0

दक्षिण अफ्रीका 309/8 (50 ओवर)

	रन	गेंद	चौके	छक्के
क्विंटन डिकॉक रन आउट (मुशिफकुर)	23	32	04	00
एडेन मार्करैम बो. शाकिब	45	56	04	00
फाफ डुप्लेसिस बो. मेहदी हसन	62	53	05	01
डेविड मिलर का. मेहदी बो. रहमान	38	43	02	00
रेसे वेन डेर डुसेन बो. सैफुद्दीन	41	38	02	01
जेपी डुमिनी बो. रहमान	45	37	04	00
एंदिले का. शाकिब बो. सैफुद्दीन	08	13	01	00
क्रिस मॉरिस का. सौम्य बो. रहमान	10	10	01	00
कैगिसो रबादा नाबाद	13	09	00	01
इमरान ताहिर नाबाद	10	10	00	00

अतिरिक्त : (बा-4, नोबा-1, वा-9) 14

कुल : 50 ओवर में आठ विकेट पर 309 रन

विकेट पतन : 1-49 (डिकॉक, 9.4), 2-102 (मार्करैम, 19.4), 3-147 (फाफ, 26.4) 4-202 (मिलर, 35.1), 5-228 (डुसेन, 39.1), 6- 252 (फेलुकवायो, 42.5), 7-275 (मॉरिस, 45.5), 8-287 (डुमिनी, 47.1)

गेंदबाजी : रहमान 10-0-67-3, हसन मिराज 10-0-44-1, सैफुद्दीन 8-1-57-2, शाकिब 10-0-50-1, मशरफे मुर्तजा 6-0-49-0, मुसद्दक हुसैन 6-0-38-0

परिणाम : बांग्लादेश 21 रनों से विजयी

मैच के दौरान शाकिब के साथ मुशिफकुर ● एपी

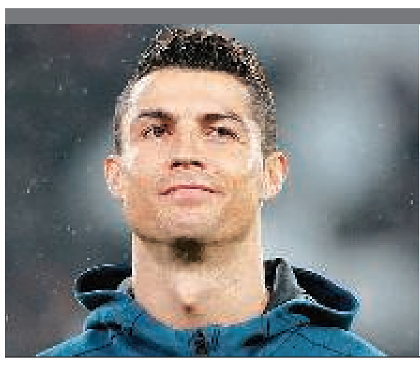

रोनाल्डो ने खरीदी 6.6 करोड़ की कार

रोम : पुर्तगाली स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपने स्पोर्ट्सकारों के कलेक्शन में एक और शानदार कार मैक्लॉरेन सेन्ना को जोड़ लिया। इस कार की कीमत 6.6 करोड़ रुपये है और इसका नामकरण ब्राजील के मशहूर एफ वन चालक एर्ट्रोन सेन्ना के नाम पर किया गया है। इस कार का पहली बार अनावरण दिसंबर 2017 में किया गया था और फिर 2018 में जनेवा में हुए मोटर शो में इसे आधिकारिक तौर पर अनावरण हुआ।

भारतीय क्रिकेट में बदलाव के लिए धौनी का बड़ा योगदान है। हालांकि राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली ने भी अच्छा किया, लेकिन धौनी के आने से टीम ने जो पाया वो बड़ी बात है।

–मिस्बाह उल हक, पूर्व कप्तान पाकिस्तान

चैंपियंस लीग ▸ फाइनल में टॉटनहम को 2–0 से हरा लिवरपूल ने जीता खिताब, सलाह ने दूसरे मिनट में दागा गोल

लिवरपूल की खिताबी जीत ने पूरी की सलाह की कसक

मैड्रिड, एएफपी : पिछले साल रीयल मैड्रिड के खिलाफ यूएफा चैंपियंस लीग के फाइनल में मुहम्मद सलाह महज 30 मिनट तक खेलने के बाद चोटिल होकर भीगी पलकों के साथ मैदान से बाहर गए थे, लेकिन इस बार चैंपियंस लीग के फाइनल में उन्होंने दूसरे मिनट में ही गोल दागकर और फिर अपनी टीम की खिताबी जीत में योगदान देकर पिछले साल की खिताबी कसक मिटाई।

चैंपियंस लीग 2018-19 के फाइनल में लिवरपूल ने टॉटनहम को 2-0 से हराकर छठी बार खिताब पर कब्जा जमाया, जहां सलाह ने दूसरे ही मिनट में पेनाल्टी के जरिये गोल करके टॉटनहम के प्रसंशकों के सामने जमकर जश्न मनाया। टॉटनहम के प्रशंसकों के साथ सलाह का पुराना इतिहास जुड़ा रहा है, जिसमें टॉटनहम के स्ट्राइकर हैरी केन और सलाह के बीच गोल्डन बूट की हालिया दौड़ शामिल थी। पिछले साल की तरह इस साल भी सलाह ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में केन को पछाड़कर गोल्डन बूट हासिल किया। हालांकि इस साल भी ईपीएल में सलाह की टीम खिताब से महरूम रह गई।

पिछले साल चैंपियंस लीग के फाइनल में रीयल मैड्रिड के कप्तान सर्जियो रामोस के साथ टक्कर के बाद सलाह का कंधा चोटिल हो गया था, जिसकी वजह से उन्हें जल्द ही मैदान छोड़ना पड़ा था। तब सलाह को अस्पताल ले जाना पड़ा था और उनकी टीम लिवरपूल को रीयल ने 3-1 से हराया था। इसके बाद मिश्र के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर सलाह को विश्व कप में भी संघर्ष करते देखा गया, जहां उनकी टीम कोई भी मुकाबला नहीं जीत पाई। टॉटनहम के खिलाफ वांडा मेट्रोपोलिटानो में खेले गए इस खिताबी मुकाबले के 23वें सेकेंड में लिवरपूल के सादियो माने की किक पर टॉटनहम के मॉसा सिसोको का हाथ गेंद से लगा और हैंडबॉल होने की वजह से लिवरपूल को पेनाल्टी किक मिली। इस पेनाल्टी किक को सलाह ने टॉटनहम के गोलकीपर हुगो लॉरिस को छकाते हुए गेंद को गोल पोस्ट में डालकर अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया। हाफ टाइम में एक गोल से पिछड़ने के बाद दूसरे हाफ में टॉटनहम ने अपने हमले तेज कर दिए, लेकिन लिवरपूल के गोलकीपर एलिसन बेकर ने उन्हें कामयाब नहीं होने दिया। उधर, निर्धारित समय से तीन मिनट पहले स्थानापन्न डिवोक ओरिजी ने गोल करके लिवरपूल को 2-0 की बढ़त दिला दी, जो अंत तक बरकरार रही।

अभी तो यह शुरुआत है : क्लोप : लिवरपूल के मैनेजर जुर्जेन क्लोप ने अपने प्रशंसकों से वादा किया है कि यह उनके अच्छे दिनों की शुरुआत है और कई अच्छे दिन आने वाले हैं। क्लोप ने कहा कि हमने खुद से वादा किया कि हम अगले साल भी अपने इस प्रदर्शन को बरकरार रखेंगे। हम जुलाई में शून्य से अपने सफर की फिर से शुरुआत करेंगें।

चैंपियंस लीग का खिताब जीतने के बाद विजेता ट्रॉफी के साथ जश्न मनाती लिवरपूल की टीम। एपी

लिवरपूल के चैंपियंस लीग खिताब

1977, 1978, 1981, 1984
2005 और 2019

06 वां चैंपियंस लीग का खिताब लिवरपूल ने अपने नाम किया। वहीं 2005 के बाद उसने पहली बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया

01 बार पिछले सात वर्षों में लिवरपूल ने खिताब हासिल किया, जबकि पिछले सात फाइनल्स खेलने के बाद पहली बार लिवरपूल के मैनेजर जुर्जेन क्लोप ने खिताबी जीत हासिल की

मुकाबले से पहले मैंने पिछले साल की एक तस्वीर देखी जहां हम फाइनल में हारने के बाद बहुत निराश थे। मैं उस चोट के बाद बहुत निराश था जिसकी वजह से मुझे 30 मिनट के बाद ही मैदान छोड़ना पड़ा था। लेकिन उस वाक्ये से मुझे इस बार जीतने की प्रेरणा मिली।

– मुहम्मद सलाह, स्ट्राइकर, लिवरपूल

आप कभी अकेले नहीं हो। हम लिवरपूल हैं। सभी खिलाड़ियों और क्लब से जुड़े हर शख्स को बधाई।

–लेब्रोन जेम्स, अमेरिकन बास्केटबॉल खिलाड़ी

लिवरपूल फुटबॉल क्लब को बहुत–बहुत बधाई। खिताब के हकदार को मिला खिताब। फुटबॉल में मेरे सबसे पसंदीदा शख्स में से एक जुर्जेन क्लोप के लिए मैं बहुत खुश हूं।

–रणवीर सिंह, बॉलीवुड एक्टर

स्टिमक ने भारतीय टीम में छह नए खिलाड़ियों को चुना

नई दिल्ली : भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने थाइलैंड के बुरीराम में पांच जून से शुरू होने वाले किंग्स कप के लिए रविवार को 23 खिलाड़ियों के नामों की घोषणा की, जिसमें छह नए चेहरे शामिल हैं। इन छह नए खिलाड़ियों में राहुल भेके, ब्रेंडन फर्नांडिस, रेनियर फर्नांडिस, माइकल सूसाईराज, अब्दुल सहल और अंडर-17 विश्व कप में भारतीय टीम का नेतृत्व करने वाले अमरजीत सिंह शामिल हैं। इस बीच, आदिल खान ने 2012 के बाद पहली बार टीम में वापसी की है, जबकि गोलकीपर कमलजीत सिंह को अब भी अपने पहले अंतरराष्ट्रीय मैच में उतरने का इंतजार है। टीम रविवार को थाइलैंड के बैंकॉक लिए रवाना हो गई। भारत किंग्स कप का पहला मुकाबला पांच जून को कुराकाओ से खेलेगा।

टीम

गोलकीपर : गुरप्रीत सिंह संधू, अमरिंदर सिंह, कमलजीत सिंह।

डिफेंडर : प्रीतम कोटाल, राहुल भेके, संदेश झिंगन, आदिल खान, सुभाषीश बोस।

मिडफील्डर : उदांता सिंह, जैकीचंद सिंह, ब्रेंडन फर्नांडिस, अनिरुद्ध थापा, रेनियर फर्नांडिस, प्रणय हलधर, विनीत राय, सहल अब्दुल, अमरजीत सिंह, लालियानजुआला चांग्ते, माइकल सूसाईराज।

फॉरवर्ड : बलवंत सिंह, सुनील छेत्री, फारुख चौधरी, मनवीर सिंह।

दुष्कर्म के आरोप निराधार, मुझे फंसाया गया : नेमार

साओ पाउलो, एपी : फ्रेंच क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के ब्राजीली स्ट्राइकर नेमार ने अपने ऊपर लगे दुष्कर्म के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। नेमार ने कहा है कि उन्हें फंसाया जा रहा है। दुनिया के बेहतरीन स्ट्राइकरों में शामिल नेमार पर पिछले महीने पेरिस के होटल में एक महिला के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगा है।

साओ पाउलो पुलिस के पास दायर रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना 15 मई को एक होटल में हुई। जवाब में नेमार ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक विडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया। नेमार ने कहा, 'उस दिन जो हुआ वो चार दिवारी के अंदर होने वाला रिश्ता था, जो हर कपल के बीच होता है। आगे भी कुछ नहीं हुआ। हमने बस मेसेज शेयर किए। मुझ पर दुष्कर्म का आरोप लगा है। यह एक बहुत बड़ा और बेहद गंभीर शब्द है, लेकिन अभी यही हो रहा है। मैं यह सुनकर चौंक गया, यह सुनना बहुत बुरा है क्योंकि जो मेरे चरित्र को जानते हैं उन्हें पता होगा कि मैं ऐसा कभी नहीं कर सकता।'

फ्रेंच क्लब के इस स्ट्राइकर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जांचकर्ता वो 'मेसेज' देखेंगे जो उन्होंने शनिवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर शेयर किए, ताकि 'देख पाएं कि क्या हुआ था'। नेमार ने कहा, 'यह एक जाल है, जिसमें मैं फंस गया। कुछ लोग हैं जो दूसरे लोगों को धमकी देकर उनका फायदा उठाना चाहते हैं। यह बहुत दुखद है।'

दस्तावेजों के अनुसार, यह घटना 15 मई को एक होटल में रात आठ बजकर 20 मिनट पर हुई। पुलिस विभाग को देखने वाले साओ पाउलो राज्य के जन सुरक्षा सचिवालय ने बयान में पुष्टि की है कि शिकायत दर्ज की गई लेकिन उन्होंने इससे अधिक जानकारी देने से इन्कार कर दिया। वहीं, महिला ने कहा कि वे सोफिटल पेरिस आर्क डे ट्रियोंफे में रुके, जहां यह घटना हुई। उन्होंने कहा कि वह दो दिन बाद ब्राजील लौटीं और पेरिस में इसलिए केस दर्ज नहीं किया क्योंकि वह बहुत दुखी थीं। पुलिस की जांच के हिस्से के रूप में महिला को मेडिकल टेस्ट भी होगा। नेमार के पिता ने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा है कि यह उनके बेटे को धमकाने की कोशिश है।

कोंटा की ऐतिहासिक जीत

फ्रेंच ओपन

▸ 36 साल में फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली ब्रिटिश खिलाड़ी बनीं जोहाना

पेरिस, रायटर : विश्व की 26वें नंबर की खिलाड़ी जोहाना कोंटा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए रविवार को फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। इसके साथ ही 28 वर्षीय कोंटा 36 साल में फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली ब्रिटिश खिलाड़ी भी बन गईं। कोंटा से पहले जो ड्यूरी पिछली बार इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली ब्रिटिश खिलाड़ी थीं। जो ड्यूरी 1983 में रोलां गैरां में सेमीफाइनल में हार गई थीं। कोंटा ने तीसरे दौर में महिला सिंगल्स के मैच में क्रोएशियाई खिलाड़ी डोना वेकिक को सीधे सेटों में 6-2, 6-4 से शिकस्त दी। कोंटा ने वेकिक के खिलाफ सात ऐस और 33 विनर्स लगाए। रविवार का दिन टूर्नामेंट का सबसे गर्म दिन था और तापमान 31 डिग्री सेलसियस तक पहुंच गया था। कोंटा और वेकिक क्ले कोर्ट पर पहली बार खेल एक-दूसरे का सामना कर रही थीं। उन दोनों के बीच अभी तक छह बार भिड़ंत हो चुकी है। अन्य महिला सिंगल्स के मुकाबलों में युवा खिलाड़ी मार्केता वोंड्राउसोवा ने लातविया की अनास्तासिजा सेवास्टोवा को हराकर पहली बार किसी भी ग्रैंडस्लैम के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। वोंड्राउसोवा पहली बार फ्रेंच ओपन में खेल रही हैं। चेक गणराज्य की 19 वर्षीय खिलाड़ी ने यह मैच सीधे सेटों में 6-2, 6-0 से आसानी से जीत लिया। उन्होंने इस मैच में सिर्फ दो गेम गंवाए। वोंड्राउसोवा इस सत्र में इंडियन वेल्स और मियामी ओपन में भी क्वार्टर फाइनल में पहुंची थीं। इसके अलावा इस्तांबुल में क्ले कोर्ट के टूर्नामेंट में फाइनल तक पहुंच गई थीं। वोंड्राउसोवा ने अभी तक इस टूर्नामेंट में अपने सभी मैच 90 मिनट के अंदर और बिना कोई सेट गंवाकर जीते हैं।

बोपन्ना फ्रेंच ओपन के पुरुष डबल्स से बाहर

पेरिस : भारत के रोहन बोपन्ना और रोमानिया के उनके जोड़ीदार मारियस कोपिल यहां पुरुष डबल्स के तीसरे दौर में हार के साथ फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गए। भारत और रोमानिया की जोड़ी को पहला सेट जीतने के बावजूद डुसान लाजोविक और यांको टिप्सरेविक की जोड़ी के खिलाफ तीन सेट में 6-1, 5-7, 6-7 से हार का सामना करना पड़ा। यह कड़ा मुकाबला दो घंटे और पांच मिनट तक चला। शनिवार को भारत के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस और फ्रांस के बेनोट पेयरे की जोड़ी भी पुरुष डबल्स के हार के साथ बाहर हो गई थी।

जोहाना कोंटा। एपी

फेडरर क्वार्टर फाइनल में

पेरिस : रोजर फेडरर रविवार को फ्रेंच ओपन में अर्जेंटीना के लियोनार्डो मायेर को हराकर 28 साल में किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के पुरुष सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने। रोलां गैरां में 2015 के बाद पहली बार खेल रहे 37 साल के फेडरर ने दुनिया के 68वें नंबर के खिलाड़ी मायेर को सीधे सेटों में 6-2, 6-3, 6-3 से हराया। पेरिस में 2009 के चैंपियन फेडरर 1991 में अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में जिमी कोनर्स के जगह बनाने के बाद किसी ग्रैंडस्लैम के अंतिम आठ में जगह बनाने वाले सबसे अधिक उम्र के खिलाड़ी हैं। फेडरर ने कहा, 'यह शानदार है कि मैं पेरिस में इतना समय बिता पाया। मैं अपने प्रदर्शन से बेहद खुश हूं।' फेडरर किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में 54वीं बार खेलते हुए नजर आएंगे जिससे उन्होंने सर्वकालिक शीर्ष खिलाड़ियों की सूची में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली। फेडरर को चौथे दौर के मुकाबले में एक बार भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं करना पड़ा और उन्होंने फिलिप चेट्रीर कोर्ट पर दुनिया के 68वें नंबर के खिलाड़ी मायेर के खिलाफ आसान जीत दर्ज की।

विविध

वरदान से पिछड़ी साइकिल, अभिशाप से बन गई पसंद

जागरण विशेष

▸ पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए लौट रहा साइकिल का दौर

▸ सामान्य काली, लाल की जगह अब आकर्षक रंग–रूप वाली साइकिल

कुलदीप सिंह, आगरा

'लाला चलाइबे लगे साइकिल्ल, एक हाथ हैंडिल पर रक्खौ, एक पैर पैंडिल्ल...।' पहले ब्रज में रामलीला, नौटंकी के बीच विदूषकों द्वारा गाया जाने वाला यह गाना उस कालखंड में लोगों के सामाजिक स्तर और साइकिल के प्रति दीवानगी का आइना था। यह वह दौर था, जब शादी में सामान्य साइकिल मिलना चर्चा का विषय होता था। विज्ञान वरदान बना तो वक्त मोटरसाइकिल और कार पर सवार हो तेजी से दौड़ चला। पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए लोग अब फिर से साइकिल को पसंद करने लगे हैं। इस तरह से विदूषक का गीत फिर सामयिक हो गया है। साइकिल उद्योग तीन दशक पुराने फिल्मी गाने, चांदी की साइकिल, सोने की सीट...तक भले ही न पहुंच सका हो। लेकिन, आकर्षक साइकिल ने बाजार पर कब्जा जमा लिया है। हजारों, लाखों रुपये कीमत की साइकिल के युग में आपको अजीब लग सकता है कि छह दशक पहले सामान्य साइकिल की कीमत महज 10 या 12 रुपये थी।

साइकिल देखने दूर से आते थे लोग : लोहामंडी स्थित गुप्ता साइकिल के स्वामी मनोहर लाल बताते हैं कि कम आमदनी के चलते लोग पिताजी की दुकान पर किस्तों पर साइकिल खरीदने दूर-दूर से आते थे। दयालबाग निवाली प्रबल प्रताप ने बताया कि उनके पिता राजेंद्र सिंह ने 1952 में 10 रुपये में साइकिल खरीदी थी। जानकारी होने पर उत्सुकतावश लोग दूर-दूर से साइकिल सिर्फ देखने आते थे।

10 पैसे में एक घंटा साइकिल की सवारी : विजय नगर में साइकिल मरम्मत करने वाले जफर बताते हैं कि चार दशक पहले महज 10 पैसे प्रति घंटा की दर पर साइकिल किराए पर मिलती थी। जरूरतमंदों के साथ बच्चों की दुकानों पर भीड़ लगती थी। ताजमहल, किला जैसे स्मारक घूमने आने वाले विदेशी सैलानी भी सामान्य सी दिखने वाली किराए की साइकिल पर शहर में घूमते दिखते थे।

अब 10 लाख रुपये की भी साइकिल : ग्रेटर नोएडा में लगे ऑटो एक्सपो में ताईवान की कंपनी जियांट ने 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ने वाली साइकिल पेश की। प्रोफेशनल साइक्लिस्ट के लिए तैयार महज 5 किग्रा की साइकिल की खासियत है कि पैरों से निकलने वाली ऊर्जा को यह इलेक्ट्रिक में तब्दील कर देती है। गियर बदलने को इसमें सेंसर लगे हैं। प्रोपेल नाम की इस साइकिल की कीमत 10.65 लाख है।

फिटनेस के लिए साइकिल क्लब : तमाम शहरों में साइकिल क्लब बन गए हैं। आगरा साइकिलिस्ट क्लब में 200 से अधिक सदस्य हैं। डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, शिक्षक, उद्यमी और सैन्य अधिकारी क्लब से जुड़े हैं। वे प्रतिदिन 30 किमी की यात्रा साइकिल से करते हैं। क्लब के सदस्य मनोज बताते हैं कि लोग खुद को फिट रखने के लिए क्लब से जुड़ रहे हैं। इनकी संख्या लगातार बढ़ रही है।

कभी चार पहियों की थी साइकिल : 1418 में जिओवानी फोंटाना नामक एक इटली के इंजीनियर ने चार पहिया वाहन जैसा कुछ बनाया था। जिसे पहली साइकिल माना गया। 1813 में एक जर्मन अविष्कारक ने साइकिल बनाने का जिम्मा लिया। उसके द्वारा 1870 में बनाई साइकिल का फ्रेम धातु और टायर रबर के थे। 1870 से 1880 तक इस तरह की साइकिल को पैनी फार्थिंग कहा जाता था जिसको अमेरिका में बहुत लोकप्रियता मिली।

जागरण विशेष की अन्य खबरें पढ़ें www.jagran.com/topics/jagran-special

आगरा : साइकिल क्लब के सदस्य (पृष्ठभूमि में ताजमहल)। जागरण आर्काइव

साइकिल से तय किया कश्मीर से कन्याकुमारी तक का सफर

2016 में आगरा के मधुनगर निवासी मनोज शर्मा ने साइकिल से कन्याकुमारी से लद्दाख के पांच हजार किमी का सफर 50 दिन में पूरा किया।

2017 में उन्होंने गोल्डन ट्रायंगल दिल्ली-आगरा-जयपुर का 750 किमी का सफर तीन दिनों में तय किया।

विश्व साइकिल दिवस पर फिर गोल्डन ट्रायंगल की यात्रा पर निकलेंगे। उन्होंने इस यात्रा को देश के सैनिकों को समर्पित किया है।

मनोज की बहन अर्चना पिछले वर्ष हुए एमटीवी हिमालया में भाग लेने वाली एकमात्र भारतीय महिला प्रतिभागी रहीं।

दुनिया में विलुप्त हो रहे बाटागुर कछुआ का चंबल में बढ़ा कुनबा

अब्बास अहमद, भिंड

आइयूसीएन (इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर) द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर लुप्तप्राय श्रेणी में रखे गए लाल मुकुट वाले 'बाटागुर कछुगा' प्रजाति के कछुए का कुनबा राष्ट्रीय घड़ियाल चंबल सैंक्च्युरी में लगातार बढ़ रहा है। 435 किमी की घड़ियाल सेंचुरी में 400 से ज्यादा मादा 'बाटागुर कछुगा' की गणना पूर्व में की गई है। सेंचुरी से हाल में इस प्रजाति के 195 कछुए बरही कछुआ संरक्षण केंद्र में शिफ्ट किए गए हैं। सेंचुरी में इन दिनों नौ प्रजाति के कछुए हैं। इनमें लुप्तप्राय प्रजाति सबसे ज्यादा है। बाटागुर कछुगा का कुनबा बढ़ने से भिंड और चंबल नदी को दुनियाभर में नई पहचान मिलेगी।

मप्र के भिंड के बरही गांव में चंबल नदी किनारे बनाए गए कछुआ संरक्षण केंद्र के प्रबंधक हरिमोहन मीणा ने बताया कि परियोजना के अंतर्गत सेंचुरी में चार स्थानों बरौली-कतरनीपुरा घाट, बटेश्वरा घाट, उसैद घाट और कनकपुरा घाट पर कछुओं के प्राकृतिक आवास हैं। इनमें बरौली-कतरनीपुरा में 92, बटेश्वरा में 45, उसैद में 60 और कनकपुरा में 61 घोसलों में बाटागुर कछुगा और बाटागुर डोंगोका प्रजाति के कछुए के अंडे संरक्षित किए जा रहे हैं। कुल मिलाकर सेंचुरी में इन दिनों 258 घोसलों में 5350 अंडे हैं। इनमें 3500 अंडों से कछुए के बच्चे बाहर आ चुके हैं। इसी के साथ प्राकृतिक आवास के साथ कछुओं के संरक्षण के लिए बाहरी आवास शुरू किया गया है। इसी के अंतर्गत बरही कछुआ संरक्षण केंद्र में अस्थायी हेचरी बनाई गई हैं। इसमें 338 अंडे सुरक्षित रखे गए हैं। चंबल नदी किनारे बरही गांव में कछुआ संरक्षण केंद्र खोला गया है। इसे मुरैना के देवरी घड़ियाल केंद्र की तरह विकसित किया जा रहा है। पिछले दिनों सेंचुरी से पहली बार कछुओं को केंद्र में शिफ्ट किया गया है। फिलहाल 269 कछुए शिफ्ट किए गए हैं। इनमें 70 बाटागुर डोंगोका, 4 पंगसुरा टेंटोरिया, 195 बाटागुर कछुगा प्रजाति के कछुए हैं।

चंबल में हैं खास प्रजाति के कछुए

बाटागुर कछुगा: यह लाल मुकुट वाला कछुआ दक्षिण एशिया के मीठे पानी में रहने वाली प्रजाति है। मादा की लंबाई 56 सेमी तक होती है। वजन 25 किलो ग्राम तक होता है। नर काफी छोटे होते हैं।

बाटागुर डोंगोका: लुप्तप्राय प्रजाति का है। तीन धारीवाला होता है।

पंगसुरा टेंटोरिया: कूबड़ निकला होता है। मेहराबदार होता है।

चित्रा इंडिका: लुप्तप्राय प्रजाति है। यह छोटे सिर और कोमल कवच वाला होता है।

निल्सोनिया गैंगेटिका: ऊपरी हिस्सा कालीन की तरह होता है। यह 94 सेमी तक लंबा है।

चंबल सैंक्च्युरी से दुलर्भ प्रजाति के कछुओं को पहली बार कछुआ संरक्षण केंद्र में शिफ्ट किया गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर खतरे में घोषित बाटागुर कछुगा प्रजाति का कुनबा भी बढ़ रहा है।

– प्रभुदास गेवरियल, डीएफओ, मुरैना

आदिवासी बच्चों की जिंदगी संवारने को नहीं लिया तबादला

हेमंत कश्यप, जगदलपुर (छत्तीसगढ़)

सुशिक्षित समाज

छत्तीसगढ़ के बस्तर के जुगरू गुरुजी की कहानी किसी फिल्मी अथवा कॉमिक्स के पात्र से कम नहीं लगती। 32 साल पहले उनकी पहली पोस्टिंग अबूझमाड़ के गांव लंका में हुई थी, जो उनके निवास स्थान अंतागढ़ तहसील के ग्राम अर्रा से 150 किमी दूर था। जाने का कोई साधन नहीं था। दाना-पानी लेकर वह पत्नी से यह कहकर पैदल निकले कि तीन-चार महीने में वेतन इकट्ठा कर लौटेंगे। चौथे दिन पदमेटा के जंगल में उन्हें बाघ ने घेर लिया। दो रात पेड़ पर काटी। सातवें दिन लंका पहुंचे तो वहां न स्कूल था, न पढ़ने वाले बच्चे। घास-फूंस से झोपड़ी तैयार कर शिक्षा का मंदिर बनाया और 12 माड़िया आदिवासी बच्चों से स्कूल की बुनियाद रखी। आदिवासी बच्चों की जिंदगी संवारने को तबादला रुकवा-रुकवाकर वह लंका गांव में 20 साल रहे। अतीत के पन्ने को पलटते हुए जुगरूराम कुमेटी यानी जुगरू गुरुजी खो से जाते हैं। वह बताते हैं कि बचपन से ही वह शिक्षक बनना चाहते थे। ईश्वर ने उन्हें यह मौका दिया भी। 1987 में उनकी पहली पोस्टिंग सहायक प्राध्यापक के रूप में अबूझमाड़ के दुर्गम ग्राम लंका में हुई। घरवालों ने कहा, कहां उतनी दूर जाओगे। नौकरी-वौकरी छोड़ो। लेकिन उन पर तो शिक्षक बनने का जुनून सवार था। गठरी उठाई और पैदल ही निकल पड़े।

इस तरह तय किया सफर : जुगरू गुरुजी बताते हैं कि रोजाना औसतन 20-22 किलोमीटर पैदल चलते थे। शाम होते तक जो भी गांव मिलता, वहीं रात रुक जाते। चौथे दिन पदमेटा के जंगल से गुजर रहे थे कि रास्ते में बाघ मिल गया। जान बचाने को दौड़कर पेड़ पर चढ़ गए। बाघ पेड़ के आसपास ही मंडराता रहा। तीसरे दिन वहां से गुजर रहे कुछ ग्रामीणों को देखकर रोका और उनके साथ लंका पहुंचे।

...तो जैसे दीवाली मनी थी : वह बताते हैं कि उनकी नियुक्ति उस समय 300 रुपये मासिक वेतन में हुई थी, इसलिए तीन-चार महीने बाद ही आने की बात कहकर निकले थे। वहां शिक्षकीय कार्य में इतना मशगूल हो गए कि पांच साल तक घर नहीं लौट पाए। पत्नी समेत परिवार वालों से समझ लिया था कि शेर-भालू का शिकार बन गया। पत्नी लखेश्वरी बताती हैं कि उसने उम्मीद नहीं छोड़ी थी। पांच साल बाद जब वह लौटे तो घर में जैसे दीवाली मनी थी।

सरोकार की अन्य खबरें पढ़ें www.jagran.com/topics/positive-news

छत्तीसगढ़ के बस्तर के मुरहापदर आश्रमशाला के अधीक्षक जुगरू गुरुजी और उनकी पत्नी। जागरण

150 किमी पैदल जाकर ली थी पोस्टिंग, बाघ ने घेरा तो दो रात पेड़ पर बिताई

इस पेशे में आना बड़े सौभाग्य की बात है। ईश्वर तो केवल शरीर देता है, इंसान बनाने का काम तो शिक्षक ही करता है।

–जुगरू गुरुजी

जैसे जीवन धन्य हो गया

जुगरूराम कुमेटी की चर्चा उनकी सादगी को लेकर भी होती है। वह कहते हैं कि आदिवासी बच्चों को शिक्षा की राह दिखाकर लगता है जैसे जीवन धन्य हो गया। उनके पढ़ाए कई छात्र आज उच्च पदों पर हैं। जब भी वह सुनते हैं, फलां बच्चे को नौकरी लग गई, लगता है ईश्वर का आशीर्वाद मिल रहा है।

दोपहर दो बजे तक ही हेमकुंड जा सकेंगे यात्री

संवाद सहयोगी, गोपेश्वर (चमोली): मौसम में आ रहे बदलाव को देखते हुए अब श्रद्धालु हेमकुंड के लिए गोविंदघाट से दोपहर बाद दो बजे तक ही जा सकेंगे। प्रशासन ने दो बजे के बाद यात्रियों के आगे जाने पर रोक लगा दी है। इसके अलावा हेमकुंड यात्रा की व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए प्रमुख पड़ाव घांघरिया में मजिस्ट्रेट भी तैनात किया गया है।

श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने पर शनिवार को दो हजार यात्री घांघरिया में रोक दिए गए थे। रविवार को उन्हें हेमकुंड साहिब रवाना किया गया। हेमकुंड यात्रा से लौटे गढ़वाल के मंडलायुक्त बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने बताया कि मौसम के मिजाज के बीच यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए तय किया गया है कि गोविंदघाट गुरुद्वारे से दोपहर दो बजे तक ही जत्थों को रवाना किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि हेमकुंड साहिब के पास अटलाकोटी में करीब आठ सौ मीटर लंबे हिमखंड को काटकर रास्ता बनाया गया है। यहां यात्रियों की आवाजाही एसडीआरएफ के जवानों की निगरानी में कराई जा रही है। सुरक्षा के पूरे इंतजाम हैं।

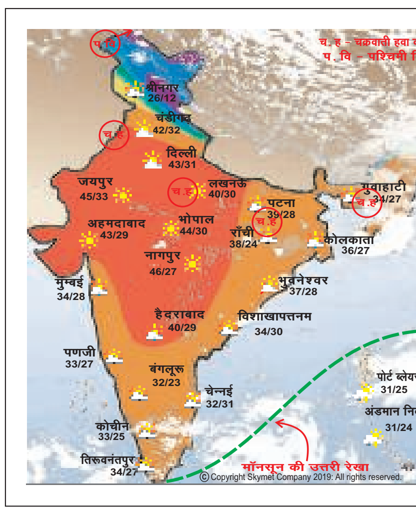

मौसम विशेष

राजस्थान में मध्यम गति गर्म हवाओं के साथ प्रचंड लू का प्रकोप जारी रहेगा। हरियाणा, पंजाब व दिल्ली में भी भीषण गर्मी जारी रहेगी। इन राज्यों के अनेक स्थानों पर मध्यम गति की गर्म हवाओं के साथ लू चलेंगी। रात का मौसम हल्का गर्म रहेगा। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में वर्षा होगी।

भारत के मुख्य शहरों का तापमान:

शहर		शहर	
मुम्बई	35/27/व	अहमदाबाद	42/24/आंबा
कोलकाता	37/28/सा	बड़ौदा	41/25/आंबा
चेन्नई	39/27/आंबा	नागपुर	46/28/व
हैदराबाद	41/28/सा	इन्दौर	43/27/व
बंगलूरु	33/22/सा	राँची	37/25/व
त्रिवेन्द्रम	33/28/व	पटना	42/31/आंबा
गुवाहाटी	36/27/सा	जमशेदपुर	36/26/आंबा
गंगटोक	17/08/आंबा	पुणे	32/24/आंबा

सप्ताह में पांच कार्य दिवस प्रणाली लागू हुई

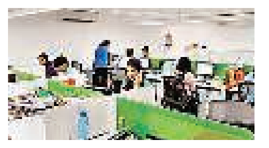

1985 में आज ही तत्कालीन राजीव गांधी की सरकार ने केंद्र के अंतर्गत आने वाले कार्यालयों के कार्य दिवसों की संख्या सप्ताह में छह दिन से घटाकर पांच कर दी। इस दौरान प्रतिदिन के कार्य घंटे में साठ मिनट का इजाफा किया गया।

युद्धपोत आइएनएस नीलगिरि को नेवी में शामिल किया गया

1972 में आज ही नौसेना में शामिल किया गया यह पहला बड़ा युद्धपोत था जिसे भारत में बनाया गया था। मझगांव डॉक्स लिमिटेड और ग्लाशगो की यारो शिपबिल्डर्स ने मिलकर इसे तैयार किया। 1997 में एक परीक्षण के दौरान यह समुद्र में डूब गया था।

गद्य प्रधान कविता के जनक रहे हैं बालकृष्ण भट्ट

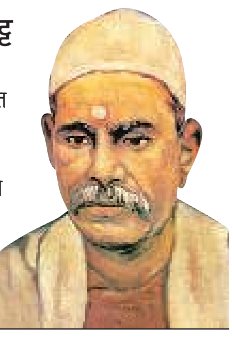

इनका जन्म 1844 में आज ही इलाहाबाद में हुआ था। बत्तीस वर्षों तक 'हिंदी प्रदीप' का संपादन किया। पंडित मदन मोहन मालवीय और राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन जैसी विभूतियां इनकी शिष्य रहीं। भारतेंदु हरिश्चंद्र की प्रेरणा से 1877 में 'हिंदी वर्धिनी सभा' की स्थापना की। इनके छपे लेखों ने अंग्रेज नौकरशाही को नाराज किया। चेतावनियां मिलीं। विवश होकर पत्रिका का चरित्र राजनीति से साहित्यिक करना पड़ा। अत्यन्त व्यस्त रहते हुए भी दस-बारह पुस्तकें लिखीं। 20 जुलाई, 1914 को अंतिम सांस ली।

फिर लौट रही है साइकिल

विश्व साइकिल दिवस (तीन जून) पर विशेष

इतिहास खुद को दोहरा रहा है। जेट युग से हम फिर अपने मूल यातायात माध्यम पर वापस लौट रहे हैं। आसमान छूती ईंधन कीमतें, सड़कों पर वाहनों की बढ़ती संख्या और स्वास्थ्य एवं प्रदूषण के प्रति बढ़ती जागरूकता से एक बार फिर दुनिया को साइकिल की सवारी करने पर मजबूर होना पड़ रहा है। कई देशों में साइकिल के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की कोशिशें की जा रही हैं। साइकिलें शहरी यातायात परियोजनाओं का प्रमुख हिस्सा बन चुकी हैं। आइए, साइकिल के लिए अनुकूल बनाए गए दुनिया के कुछ चुनिंदा शहरों पर डालते हैं एक नजर:

- **एम्सटर्डम:** नीदरलैंड्स के इस शहर के सभी नियमित आने जाने वालों में 40 फीसद साइकिल के पैडल मार कर ही मंजिल तय करते हैं। शहर में किराए पर साइकिलें दी जाती हैं।
- **कोपेनहेगन:** डेनमार्क के इस शहर के 32 फीसद लोग साइकिल से ही आना जाना पसंद करते हैं। साइकिल संस्कृति यहां लोगों को इतना रास आती है कि महज चंद जमा पर आपको बिना किराए की साइकिलें मिल जाएंगी।
- **बोगोटा:** कोलंबिया के इस शहर में 13 फीसद के पास ही कार है, इससे साइकिल यहां के लोगों के लिए अपरिहार्य बन चुकी है। शहर की प्रमुख सड़कों को सप्ताह में एक दिन के लिए वाहनों से मुक्त रखा जाता है। इस दिन केवल साइकिल सवार, जागिंग और स्केटिंग करने वाले लोग ही चल सकते हैं
- **क्युरितिबा:** ब्राजील के इस शहर की संरचना में साइकिल यातायात को ध्यान में रखा गया है। हर जगह आपको साइकिल के चलने के लिए अलग लेन दिख जाएगी।
- **पोर्टलैंड:** अमेरिका के इस शहर में साइकिल के लिए बनाई गई सड़कों को दूसरे शहरों से भी जोड़ा गया है।
- **बासेल:** स्विटजरलैंड के इस बेहद खूबसूरत शहर में साइकिलों के चलने के लिए अलग से लेन तैयार की गई है।
- **बार्सीलोना:** स्पेन के इस शहर में साइकिलों के लिए ग्रीन रिंग तैयार की गई है। अलग-अलग बाइक स्टेशनों में कहीं से साइकिल किराए पर लेकर कहीं भी जमा कराई जा सकती है।
- **बीजिंग:** वाहनों के धीमे यातायात में साइकिल की सवारी कहीं ज्यादा बेहतर साबित हो रही है। बढ़ते वायु प्रदूषण के चलते भी साइकिल की सवारी को बढ़ावा दिया जा रहा है।
- **ट्रांडहीम:** नार्वे के इस शहर में कई चढ़ाईयों के चलते साइकिल चलाना किसी चुनौती से कम नहीं है। जिसके चलते चढ़ाई वाले रास्तों पर ऐसी लिफ्ट लगायी गई है जिसके सहारे साइकिल सवार आसानी से बिना पैडल मारे ऊपर चढ़ जाता है

साइकिल प्रेमी शीर्ष शहर

हाल ही में बाइसाइकिल सिटीज इंडेक्स 2019 जारी हुआ। दुनिया के 90 शहरों में से नीदरलैंड्स का उट्रेच शहर सर्वाधिक साइकिल प्रेमी के रूप में सामने आया। रैंकिंग में इसे सर्वाधिक 77 .84 स्कोर मिला है। 16 कारकों को लेकर यह अध्ययन किया गया। इनमें से मौसम, साइकिल का इस्तेमाल, अपराध और सुरक्षा, बुनियादी ढांचा और शेयरिंग शामिल हैं। ताज्जुब होगा कि शीर्ष दस शहरों में से आठ यूरोपीय हैं।

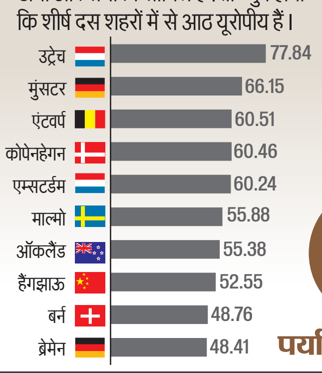

बड़े काम की

बिना किसी उत्सर्जन के साइकिल ग्लोबल वार्मिंग से लड़ने में मदद करती है

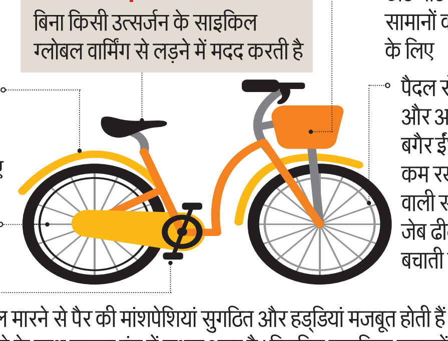

कहां खड़े हैं हम

दुनिया के दूसरे बड़े साइकिल उत्पादक का तमगा भले ही हमें हासिल हो, 40 फीसद भारतीय परिवारों के पास साइकिल होने के बावजूद आज वही साइकिल से चलते है जिनके पास कोई विकल्प नहीं है। साइकिल से चलना हमें शान के खिलाफ लगता है। हालांकि यहां भी जनमानस बदल रहा है। पर्यावरण के बारे में लोग सोचना शुरू कर चुके हैं।

इधर उधर की

लाठी बनी बांसुरी, ट्विटर पोस्ट देख मंत्रमुग्ध हुए लोग

बेंगलुरु, एजेंसी: शौक बड़ी चीज है। इसने कर्नाटक के चंद्रकांत हटगी को दुनिया भर में मशहूर कर दिया है। 52 साल के हटगी हुबली पुलिस स्टेशन में बतौर हेड कांस्टेबल तैनात हैं। ड्यूटी निभाने के साथ अपना शौक भी पूरा करने के लिए इन्होंने महकमे से मिली लाठी को बांसुरी में तब्दील कर लिया। इनका कहना है कि लंबे समय से ये वाद्य यंत्र बनाते और उसे बजाते रहे हैं। काम से जब कभी फुरसत मिलती है तो महकमे से मिली लाठी से बनी बांसुरी पर लोकगीतों की तान छेड़ते हैं। इनके आला अधिकारी आइपीएस भाष्कर राव ने इनका वीडियो ट्विटर पर पोस्ट किया जहां ये वायरल हो चुका है। अब तक 1.66 लाख लोग इसे देख चुके हैं जबकि 3500 बार यह रिट्वीट किया जा चुका है। 16 हजार लोग इस वीडियो को लाइक कर चुके हैं। इनके हुनर और सृजनात्मकता की लोग खूब प्रशंसा कर रहे हैं।

चिंताजनक ▶ नए अध्ययन ने रेखांकित की मोबाइल को लेकर चिंता

बच्चों के साथ बड़े भी हो रहे हैं मोबाइल की लत के शिकार

न्यूयॉर्क टाइम्स से

अभिभावकों के लिए बच्चों को समझाना हो रहा मुश्किल

वाशिंगटन : स्मार्टफोन ने जिंदगी को आसान तो बनाया है, लेकिन इसके साथ कई चिंताएं भी जुड़ी हैं। मां-बाप इस बात से परेशान रहते हैं कि बच्चे फोन पर बहुत ज्यादा वक्त बिता रहे हैं। उन्हें अक्सर यह चिंता सताती है कि कहीं बच्चे को फोन की लत ना लग जाए। बच्चों की चिंता करते-करते मां-बाप भूल जाते हैं कि कहीं बच्चे को भी यही चिंता तो नहीं सता रही? एक अध्ययन के मुताबिक, बहुत से बच्चों को लगता है कि उनके माता-पिता को फोन की लत लग गई है।

अमेरिका के एक गैर-लाभकारी संगठन कॉमन सेंस मीडिया ने फोन के इस्तेमाल पर माता-पिता और बच्चों की सोच पर अध्ययन किया। इस अध्ययन में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। अध्ययन में पाया गया कि 10 में से सात माता-पिता को लगता है कि उनका बच्चा फोन का ज्यादा इस्तेमाल करता है। इनमें से छह को तो लगता है कि बच्चे को फोन की लत लग गई है। कमोबेश यही हाल बच्चों का भी है। 10 में से चार बच्चों को लगता है कि उनके मां-बाप जरूरत से ज्यादा समय फोन पर बिताते हैं। सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि कोई भी एक-दूसरे से इस बारे में कहता नहीं है। फोन का इस्तेमाल कितना हो, कैसे हो, इस तरह की बातों पर कोई किसी को टोकता नहीं है। चिंता की बात यह है कि अगर माता-पिता को ही फोन की लत लग जाएगी, तो बच्चों को कौन समझाएगा? सवाल यह भी है कि अगर बच्चा आपको ही फोन की लत का शिकार मानता है, तो आपकी बातों का उस पर कितना असर होगा?

प्रतीकात्मक फोटो

नींद में पड़ रहा खलल : स्वस्थ शरीर के लिए पर्याप्त नींद कितनी जरूरी है, यह सब जानते हैं। फोन के ज्यादा इस्तेमाल और इसकी लत से सबसे ज्यादा असर नींद पर ही पड़ता है। अध्ययन में पाया गया कि 26 फीसद मां-बाप सोने के पांच मिनट पहले तक फोन का इस्तेमाल करते हैं। इतने फीसद लोग ही रात में फोन चेक करने के लिए जागते हैं और करीब 23 फीसद लोग सुबह जागने के पांच मिनट के भीतर फोन चेक करते हैं। किशोर उम्र के बच्चों के मामले में स्थिति और भी चिंताजनक है। 40 फीसद बच्चे सोने से पांच मिनट पहले तक फोन देखते रहते हैं। 36 फीसद बच्चे रात में जागकर फोन चेक करते हैं और 32 फीसद बच्चे सुबह जागते ही फोन देखते हैं।

बड़ों की हालत ज्यादा चिंताजनक : देखने में भले ही बच्चों के आंकड़े ज्यादा लग रहे हैं, लेकिन माता-पिता के मामले में स्थिति ज्यादा खराब है। उदाहरण के तौर पर इस साल 52 फीसद मां-बाप ने माना कि वे फोन का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। 2016 की तुलना में यह दोगुना है। वहीं, बच्चों के मामले में यह आंकड़ा 61 फीसद से गिरकर 39 पर आ गया है। इसी तरह, पहले के 27 फीसद की तुलना में अब 45 फीसद माता-पिता को लगता है कि उन्हें फोन की लत है।

आर्सेनिक की चपेट में आई उत्तर प्रदेश की ग्रामीण आबादी

नई दिल्ली, आइएसडब्ल्यू : आर्सेनिक से प्रदूषित जल का उपयोग स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है। भारतीय शोधकर्ताओं के एक नए अध्ययन में पता चला है कि उत्तर प्रदेश की करीब 2.34 करोड़ ग्रामीण आबादी भूमिगत जल में मौजूद आर्सेनिक के उच्च स्तर से प्रभावित है। विभिन्न जिलों से प्राप्त भूमिगत जल के 1680 नमूनों का अध्ययन करने के बाद शोधकर्ता इस नतीजे पर पहुंचे हैं। आर्सेनिक एक स्वादहीन और गंधहीन धातु है जो जमीन के भीतर प्रचुर मात्रा में पाई जाती है।

इस अध्ययन में उत्तर प्रदेश के 40 जिलों के भूजल में आर्सेनिक का उच्च स्तर पाया गया है। राज्य के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में स्थित जिलों में आर्सेनिक का उच्च स्तर पाया गया है। इनमें से अधिकांश जिले गंगा, राप्ती और घाघरा नदियों के मैदानी भागों में स्थित हैं। बलिया, गोरखपुर, गाजीपुर, बाराबंकी, गोंडा, फैजाबाद और लखीमपुर खीरी आर्सेनिक से सबसे अधिक प्रभावित जिले हैं। शाहजहांपुर, उन्नाव, चंदौली, वाराणसी, प्रतापगढ़, कुशीनगर, मऊ, बलरामपुर, देवरिया और सिद्धार्थनगर के भूजल में आर्सेनिक का मध्यम स्तर पाया गया है। उत्तर प्रदेश की करीब 78 प्रतिशत आबादी ग्रामीण इलाकों में रहती है जो सिंचाई, पीने, भोजन पकाने और अन्य घरेलू कामों के लिए भूजल पर निर्भर है। ग्रामीण क्षेत्रों में आर्सेनिक से प्रभावित होने का खतरा अधिक है क्योंकि शहरों की तुलना में वहां पाइप के जरिये जल आपूर्ति का विकल्प उपलब्ध नहीं है।

वायुमंडल में मौजूद धातु के कण अकाल मृत्यु का कारण

- एनवायरमेंट इंटरनेशनल जर्नल में प्रकाशित हुए अध्ययन में दावा
- शोधकर्ताओं ने फ्रांस के ग्रामीण क्षेत्रों से 11, 382 लोगों का डाटा जुटा कर किया शोध

फैक्ट्रियों से निकलता धुआं। फाइल फोटो

लंदन, आइएएनएस : एक अध्ययन के मुताबिक वायुमंडल में मौजूद धातु के कण मनुष्य के लिए अकाल मृत्यु का कारण हो सकते हैं। शोधकर्ताओं ने हवा में मौजूद धातु प्रदूषण (एयरबोर्न मेटल पल्यूशन) और मृत्यु दर के जोखिम के बीच संबंध का विश्लेषण करने के लिए वायु के कणों के संपर्क में आने के लिए 'जंगली काई' के नमूनों का इस्तेमाल किया। एनवायरमेंट इंटरनेशनल जर्नल में प्रकाशित हुए शोध में बताया है कि शोधकर्ताओं ने पूरे फ्रांस के ग्रामीण क्षेत्रों से 11, 382 लोगों (प्रतिभागियों) का डाटा जुटा कर यह अध्ययन किया है।

स्पेन में बार्सिलोना इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ (आइएस ग्लोबल) की बेंडिक्ट जैक्वेमिन ने कहा कि एयरबोर्न मेटल पल्यूशन से स्वास्थ्य पर प्रभावों की जांच के लिए बहुत कम अध्ययन हुए हैं, क्योंकि अभी तक तकनीक रूप से हम इतने समृद्ध नहीं हैं और हमारे पास वायु प्रदूषण को मापने के लिए पर्याप्त स्टेशन नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि काई में इन धातुओं को बनाए रखने की क्षमता तीव्र होती है, इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में वायुमंडलीय धातु के जोखिम का आकलन करने के लिए 'काई' उपयोगी सिद्ध हो सकता है। वैज्ञानिकों ने एक गणितीय मॉडल बनाया और अध्ययन में एक मैप की तरह इसका प्रयोग किया। इसके लिए शोधकर्ताओं ने धातुओं को दो समूहों (प्राकृतिक मूल और मानवजनित मूल)में वर्गीकृत किया गया। विश्लेषण से पता चला कि धातुओं के उच्च वायुमंडलीय सांद्रता के संपर्क में आने वाले प्रतिभागियों में मृत्यु का खतरा बढ़ गया था। बेंडिक्ट जैक्वेमिन ने कहा कि हमारा अध्ययन बताता है कि वायुमंडल में मौजूद धातुओं की उपस्थिति मृत्यु दर का एक महत्वपूर्ण घटक हो सकती है। इसलिए हमें इसके प्रति सतर्क रहना चाहिए।

शोध अनुसंधान

कैंसर से लड़ने में मददगार हो सकती है रेडियो वेव थेरेपी

रेडियो तरंगों की मदद से टार्गेटेड थेरेपी के जरिये लिवर कैंसर का बेहतर इलाज किया जा सकता है। इस थेरेपी में स्वस्थ कोशिकाओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है। अमेरिका के वेक फॉरेस्ट स्कूल ऑफ मेडिसिन के शोधकर्ताओं ने यह दावा किया है। शोधकर्ता बोरिस पैश ने कहा, 'हमारे अध्ययन में पाया गया कि इस थेरेपी में प्रयोग होने वाली रेडियो फ्रिक्वेंसी बहुत कम और सुरक्षित होती है। इसकी मात्रा मोबाइल फोन को कान के पास रखने से पैदा होने वाली रेडियो फ्रिक्वेंसी से भी कम होती है।' इसमें मरीज के कैंसर के प्रकार और स्थिति के हिसाब से फ्रिक्वेंसी तय की जाती है। इसके लिए वैज्ञानिकों ने एक खास डिवाइस तैयार किया है, जो कैंसर के हिसाब से रेडियो फ्रिक्वेंसी छोड़ता है। यह रेडियो तरंग कैंसर कोशिकाओं की विशेष कैल्शियम चैनल को सक्रिय कर देती है, जो उस कैंसर कोशिका के प्रसार को रोकने में मददगार होता है। - प्रेट्र

बच्चों की परेड

रूस के क्रास्नोयार्स्क शहर में इंटरनेशनल चिल्ड्रन्स डे पर आयोजित भव्य परेड में शामिल बच्चे। इन बच्चों के हाथ-पांव में रस्सी में बंधे हैं। इसके जरिए संदेश दिया गया है कि बच्चे महज कठपुतली नहीं हैं। बच्चों के संरक्षण और उनकी उचित देखभाल के प्रति जागरूकता लाने के लिए 1950 से दुनिया के अनेक देशों में चिल्ड्रन डे मनाया जाता है। महिला इंटरनेशनल डेमोक्रेटिक फेडरेशन ने मास्को में 4 नवंबर 1949 को सम्मेलन में उसकी घोषणा की थी। जबकि संयुक्त राष्ट्र की सिफारिश पर 20 नवंबर को यूनिवर्सल चिल्ड्रन हॉलीडे की घोषणा की गई। भारत में 14 नवंबर को बाल दिवस मनाया जाता है। रायटर

रंगों की दौड़

रूस की राजधानी मास्को में रविवार को कलर रन रेस के दौरान रंगों से सराबोर एक प्रतिभागी। पांच किलोमीटर लंबी इस अनोखी कलरफुल रेस में 7000 प्रतिभागी हिस्सा लेते हैं। प्रतियोगियों पर प्रति एक किमी पर रंग फेंके जाते हैं। रायटर

स्क्रीन शॉट

मैं सलमान खान कैंप का हिस्सा हूं : सुनील ग्रोवर

सात सवाल

टीवी के मशहूर कॉमेडियन सुनील ग्रोवर फिल्मों में भी काम करते रहते हैं। 'गब्बर इज बैक', 'बागी', 'पटाखा' के बाद अब वह 'भारत' फिल्म में सलमान खान के जिगरी दोस्त की भूमिका में हैं। उनसे हुई बातचीत के प्रमुख अंश...

फिल्म 'भारत' वर्ष 1947 से लेकर 2010 का सफर करेगी। आपका किरदार फिल्म में वक्त के साथ कितना बदलेगा?

- सलमान सर के किरदार का नाम भारत है। मेरे किरदार का नाम विलायती है। भारत और विलायती का कॉम्बिनेशन है। फिल्म में हम आठ साल से लेकर सत्तर साल तक साथ रहेंगे। सलमान सर का किरदार बुढ़ापे में भी जवान है, क्योंकि उन्हें फिल्म में फाइट करना है। मेरा किरदार थोड़ा बुजुर्ग है, जो जिंदादिल है।

कौन-सी उम्र का किरदार निभाना सबसे मुश्किल रहा?

-मेरे लिए जवानी वाला हिस्सा निभाना सबसे मुश्किल रहा। शूटिंग की शुरुआत यहीं से हुई थी। अपने किरदार को समझने के अलावा मैं सलमान सर व अली अब्बास जफर के काम करने के तरीकों और फिल्म के व्याकरण को समझ रहा था। यही वजह है कि मुझे उस उम्र की ओर ज्यादा ध्यान देना पड़ा था।

यह फिल्म 'ओड टू माय फादर' की हिंदी रीमेक है। 'भारत' उस फिल्म से कितनी अलग होगी?

- मैंने 'ओड टू माय फादर' देखी है। दोनों फिल्में बहुत अलग हैं। इस फिल्म का भारतीयकरण किया गया है। फिल्म विभाजन से शुरू होती है। सिर्फ कहानी का आधार उस फिल्म से लिया गया है।

फिल्म में सलमान खान, कट्रीना कैफ, जैकी श्रॉफ जैसे बड़े कलाकार हैं। उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

- पहले कुछ दिन तो यकीन ही नहीं हुआ कि मैं इतने बड़े कलाकारों के साथ काम कर रहा हूं। मैं सलमान सर और कट्रीना कैफ के साथ बैठकर लंच कर रहा था। सलमान सर पूछते कि सब्जी कैसी बनी है, कट्रीना कहतीं कि तुम्हें यह डिश ट्राई करनी चाहिए। एक हफ्ता खुद को यकीन दिलाने में निकल गया, फिर सहज हो गया। अब लोग कहते हैं कि आप तो सलमान खान के कैंप का हिस्सा हैं। मैं भी हां कह देता हूं। हम सब माल्टा, अबू धाबी, दिल्ली, पंजाब... तमाम जगहों पर घूम-घूम कर शूटिंग करते रहे।

फिल्म में सलमान से क्या सीखने का मौका मिला?

- सलमान मल्टीटास्कर हैं। हम जब अबू धाबी में शूटिंग कर रहे थे, तो वह बाहर निकल नहीं सकते थे, क्योंकि वह अपने रूम में पेंटिंग करते रहते थे या अपनी चैरिटी संस्था को लेकर मीटिंग में व्यस्त रहते थे। वह निर्माता भी हैं। शोज और फिल्मों का निर्माण करते हैं, अगले दो-तीन साल तक उनकी कई फिल्म लॉक हैं। मुझे वह सुपरह्यूमन लगते हैं।

असल जीवन में कोई बचपन का दोस्त है, जिससे अब तक बात होती हो?

- हां, मेरा एक दोस्त है। हम पहली कक्षा से अब तक साथ हैं। दो-तीन महीने में एक बार जरूर मिल लेते हैं।

सलमान और कट्रीना कपिल शर्मा के शो में प्रमोशन के लिए गए थे। आप क्यों नहीं गए?

- मैं 'भारत' फिल्म में आ रहा हूं। मैंने उनके साथ शो किया तो है ही।

प्रियंका सिंह

अध्ययन

वैज्ञानिकों ने भी शोध कर बताया कि अन्य एक्सरसाइज की तुलना में योग से मानसिक शांति और मांसपेशियों को ज्यादा मजबूती मिलती है...

स्वास्थ्य और मानसिक सुख चाहिए तो करें योग

लंदन, प्रेट्र : भारत में योग को प्राचीनकाल से ही जीवनशैली का अहम हिस्सा बताया गया है। योग हमारे स्वास्थ्य और मानसिक सुख के लिए बहुत जरूरी है। इस विधा को अब पूरी दुनिया मान्यता दे चुकी है। ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने अब एक अध्ययन में यह बताया है कि योग का अभ्यास करने से वयस्क पुरुषों में मांसपेशियों की ताकत और संतुलन बढ़ता है साथ ही यह मानसिक स्थिति में सुधार भी करता है।

ब्रिटेन में यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग के शोधकर्ताओं ने उन 22 अध्ययनों की समीक्षा की, जिसमें वयस्कों में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर योगा के प्रभावों की जांच की गई है। योग के कार्यक्रम एक माह से लेकर सात माह तक के होते हैं और इसमें 30 से 90 मिनट तक के सत्र होते हैं।

वैज्ञानिकों ने अध्ययन के लिए तीन प्रकार के लोगों के स्वास्थ्य और उनकी मानसिक स्थिति की तुलना की। एक वे जो योग करते थे, दूसरे वे जो नहीं करते थे और तीसरे वे लोग जो दूसरी तरह की एक्सरसाइज जैसे एरोबिक आदि करते थे। यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग की दिव्य शिवरामकृष्णन ने बताया कि योग न करने वाले वयस्कों का एक बड़ा हिस्सा निष्क्रिय है। उनकी शारीरिक क्षमता अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित मानकों को भी नहीं पूरा करती है। उन्होंने बताया कि इस अध्ययन से यह सिद्ध होता है कि वयस्कों के शारीरिक और मनोवैज्ञानिक परिणामों में महत्वपूर्ण सुधार लाने के लिए योग बहुत जरूरी है। उन्होंने बताया कि यह एक बहुत ही सौम्य गतिविधि है, जिसके सहारे उम्र संबंधी स्थितियों और बीमारियों से शरीर को बचाया जा सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि योग का अभ्यास करने वाले व्यक्तियों में संतुलन, लचीलापन, पैरों की ताकत, अवसाद, नींद, व्यथित जीवन और शारीरिक स्वास्थ्य आदि में सुधार आया। अन्य एक्सरसाइज की तुलना में योग शरीर की ताकत, लचीलापन को तेजी से बढ़ाता है और अवसाद से निकलने में भी बहुत तेज मदद करता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि यह अध्ययन बढ़ती उम्र के लिए योग और उसके लाभ के बारे में हमारी समझ को बढ़ाता है।

योग के प्रति दुनिया में बढ़ती जा रही है रुचि। फाइल

योग के हैं कई लाभ

नियमित योग से शरीर लचीला और मजबूत बनता है। मस्तिष्क शांत और शरीर संतुलित रहता है। सोचने की क्षमता और सृजनात्मकता वाले हिस्सों में संतुलन बढ़ता है। इससे बुद्धि तेज और शॉर्प होती है। साथ ही आत्मनियंत्रण की शक्ति में भी तेजी से वृद्धि होती है। योगाभ्यास से चेहरे पर चमक आती है। बुढ़ापे में भी स्वस्थ बने रहते हैं। शरीर निरोग, बलवान और स्वस्थ बनता है। योग के नित्य अभ्यास से मांसपेशियों की अच्छी कसरत होती है। योग के नियमित अभ्यास से पीठ, कमर, गर्दन, जोड़ों के दर्द की समस्या तो दूर होती ही है, साथ ही योग शरीर की मुद्रा की संरचना को ठीक करता है जिससे दर्द से बचा जा सकता है। नियमित योगा से शरीर की कैलोरी बर्न होती है।

'धूम 4' हो सकती है शाह रुख की अगली फिल्म!

जब से शाह रुख खान की फिल्म 'जीरो' फ्लॉप हुई है, तब से उन्होंने एक्टिंग में कम और प्रोडक्शन के काम में ज्यादा ध्यान देना शुरू कर दिया है। ऐसा नहीं है कि शाह रुख को फिल्म ऑफर नहीं हुई। सबसे पहले उन्हें अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा की बायोपिक 'सारे जहां से अच्छा' ऑफर की गई, लेकिन किंग खान ने इसे लिए मना कर दिया। इसके बाद 'डॉन 3' और 'सत्ते पे सत्ता' की रीमेक में भी उनके काम करने की खबर आई। पर, अब जो खबर आ रही है, वह वाकई धमाकेदार है। दरअसल, यशराज फिल्म्स की 'धूम 4' के लिए शाह रुख को अप्रोच किया गया है। खबर यह भी आई है कि इस फिल्म के निर्देशन की बागडोर एक नए निर्देशक संभालेंगे। यदि शाह रुख के करियर को देखा जाए तो फिलहाल वह एक साथ कई फिल्मों और डिजिटल कंटेंट के प्रोडक्शन में व्यस्त हैं। ऐसे में वह यशराज की इस फिल्म को हां कहेंगे या ना, इसका जवाब तो अनिश्चित है पर, यह तो तय है कि अगर 'धूम 4' में शाह रुख आ जाते हैं तो फिल्म कई गुना ज्यादा आकर्षक हो सकती है।

फिर डबल रोल करेंगी अदा खान

टीवी स्टार अदा खान के करियर में एक बार फिर वह होने वाला है, जो वह पहले कर चुकी हैं। दरअसल सुपरनेचुरल थ्रिलर शो 'विष या अमृत : सितारा' जल्द ही ऑफ एयर हो जाएगा, फिर भी मेकर्स अब भी इसमें नए-नए किरदार ला रहे हैं। यह शायद मेकर्स द्वारा दर्शकों को आकर्षित करने की आखिरी कोशिश है। इसमें अदा खान सितारा का लीड रोल निभा रही हैं। अब वह विषतारा का भी किरदार निभाएंगी, जो नेगेटिव शेड वाला किरदार है। इन दोनों किरदारों में उनका लुक अलग-अलग है। सितारा पीली पोशाक में तो विषतारा लाल पोशाक में दिखाई देती है। अदा ने इस बारे में कहा कि उन्होंने 'अमृत मंथन' में भी डबल रोल किया है। हालांकि खबर यह भी है कि एक और थ्रिलर शो को 'विष या अमृत : सितारा' के स्थान पर लाया जाएगा। इसमें विशाल वशिष्ठ, देबिना बनर्जी और सना मकबूल खान जैसे कलाकार होंगे।